



भारत का राजपत्र

The Gazette of India

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 16] नई दिल्ली, शनिवार, अप्रैल 18, 1981 (चैत्र 28, 1903)

No. 16] NEW DELHI, SATURDAY, APRIL 18, 1981 (CHAITRA 28, 1903)

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके

(Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation)

भाग III—खण्ड 1

[PART III—SECTION 1]

उच्च न्यायालयों, नियन्त्रक और महालेखापरीक्षक, संघ लोक सेवा आयोग, रेल विभाग और भारत सरकार के संलग्न और अधीन कार्यालयों द्वारा जारी की गई अधिसूचनाएं

[Notifications issued by the High Courts, the Comptroller and Auditor General, the Union Public Service Commission, the Indian Government Railways and by Attached and Subordinate Offices of the Government of India]

संघ लोक सेवा आयोग

नई दिल्ली-110011, दिनांक 16 मार्च 1981

सं० ए०-12019/3/80-प्रशा०-II—सचिव, संघ लोक सेवा आयोग एतद्वारा संघ लोक सेवा आयोग के कार्यालय में स्थायी अनुसंधान सहायकों (भाषा) सर्वश्री बी० घोष, एस० बी० कोडड, ए० एन० भर्मा को 19-2-1981 से 4-5-1981 तक की अवधि के लिए अथवा आगामी आवेदनों तक, जो भी पहले हो, आयोग के कार्यालय में कनिष्ठ अनुसंधान अधिकारी (भाषा) के संवर्गवाह पद पर तदर्थ आधार पर कार्य करने के लिए नियुक्त करते हैं।

दिनांक 23 मार्च 1981

सं० ए०-32014/1/81-प्रशा०-II—सचिव, संघ लोक सेवा आयोग एतद्वारा संघ लोक सेवा आयोग के कालिय में स्थायी अनुसंधान अन्वेषक श्री राम सिंह को 16-3-1981 से आगामी आवेदनों तक संघ लोक सेवा आयोग के कार्यालय में कनिष्ठ अनुसंधान अधिकारी के पद पर स्थानापन्न रूप से कार्य करने के लिए नियुक्त करते हैं। संघ लोक सेवा

1—26GI/81

आयोग की "अधिसूचना सं० ए०-32015/1/80-प्रशा०-II" दिनांक 12-1-1981 को उस हृद तक संशोधित समझा जाए।

दिनांक 24 मार्च 1981

सं० ए०-31014/1/80-प्रशा०-II—सचिव, संघ लोक सेवा आयोग एतद्वारा "आयोग" के कार्यालय में स्थायित् कनिष्ठ अनुसंधान अधिकारी (भाषा) श्री बी० आर० मणि, जो इस समय भारतीय इतिहास अनुसंधान परिषद् में अनुसंधान अधिकारी के पद पर वाह्य सेवा में प्रतिनियुक्ति पर है, को 1-1-1975 से संघ लोक सेवा आयोग के कार्यालय में कनिष्ठ अनुसंधान अधिकारी (भाषा) के पद पर स्थायी रूप से नियुक्त किया जाता है।

पी० एस० राणा
अनुभाग अधिकारी

कृते सचिव

संघ लोक सेवा आयोग

नई दिल्ली-110011, दिनांक 24 फरवरी 1981

सं० ए०-12025/1/78-प्रशा०-I—कार्यालय ज्ञापन सं० 36011/27/79-स्था० (एस०सी०टी०) दिनांक 4-1-1980 के

(5159)

साध पठित कार्मिक और प्रशासनिक सुष्ठार विभाग, के का० शा० सं० ९/५/८० भी० एस०-II दिनांक ३० जनवरी, ८१ के अनुसरण से राष्ट्रपति द्वारा निम्नलिखित स्थायी वैयक्तिक सहायकों (के० स० स्ट० से० का ग्रेड-II) तथा तदर्थ आधार पर स्थानापन्न वरिष्ठ वैयक्तिक सहायकों को ३०-१-८१ (पूर्वाह्नि) से अधिकारी आदेशों तक संघ लोक सेवा आयोग के कार्यालय में उसीं संबंध में वरिष्ठ वैयक्तिक सहायक (के० स० स्ट० से० का ग्रेड ख) के पद पर स्थानापन्न रूप से कार्य करने के लिए सहृदय नियुक्त किया जाता है।

१. श्री हुकम चन्द
२. श्री के० एस० भट्टाचार्य

किन्तु सर्वश्री हुकम चन्द और के० एस० भट्टाचार्य की नियुक्ति दिल्ली उच्च न्यायालय में लंबित १९७५ की सिविल रिट याचिका सं० २८४ के निण्य की शर्तों के अध्यधीन होगी।

दिनांक २६ फरवरी १९८१

सं० ए०-३२०१३/३/७९-प्रशा०-I—संघ लोक सेवा आयोग की समसंख्यक अधिसूचना दिनांक ५-१-१९८१ के अनुक्रम राष्ट्रपति द्वारा संघ लोक सेवा आयोग के संबंध में के० स० से० के स्थायी ग्रेड-I अधिकारी श्री बी० दास गुप्ता को राष्ट्रपति द्वारा ३-१-१९८१ से २-४-८१ तक तीन मास की आगामी अवधि के लिए अधिकारी आदेशों तक, जो भी पहले हो उसी संबंध में तदर्थ आधार पर के० स० से० के चयन ग्रेड में उप सचिव के पद पर स्थानापन्न रूप से कार्य करने के लिए सहृदय नियुक्त किया जाता है।

दिनांक ९ मार्च १९८१

सं० ए०-३२०१४/१/८१-प्रशा०-I—संघ लोक सेवा आयोग के संबंध में निम्नलिखित चयन ग्रेड वैयक्तिक सहायकों/वैयक्तिक सहायक (के० स० स्ट० से० का ग्रेड ग) को राष्ट्रपति द्वारा उसी संबंध में पूर्णतः अनुत्तम, अस्थायी और तदर्थ आधार पर नीचे लिखी तारीख से वरिष्ठ वैयक्तिक सहायक (के० स० स्ट० से० का ग्रेड ख) के पद पर स्थानापन्न रूप से कार्य करने के लिए नियुक्त किया जाता है।

क्र० सं०	नाम	अवधि	अध्युक्ति
सर्व श्री			
१. पी० पी० सिंको	१-३-८१ से	निजी सचिवों के	
२. श्री० पी० देवरा	३०-४-८१ तक	पदों को अस्थायी	
		रूप से पदावल्लत	
		आदेशों तक, जो	करने से उनके
		भी पहले हो।	स्थान पर बनाए
			गए २ पदों पर
३. एच०सी० कटोरा	-वही-		परिणामी
			शृंखलाधूम
			रिक्षित में

क्र० सं०	नाम	अवधि	अध्युक्ति
४. टी०मार० गर्मा	२-३-८१ से	परिणामी	
	१-५-१९८१ तक	शृंखलाधूम	
	अथवा आगामी	रिक्षित में	
	आवेशों तक जो		
	भी पहले हो।		
५. शास॒ प्रकाश	२४-२-८१ से	-वही-	
	२३-४-८१ तक		
	अथवा आगामी		
	आदेशों तक		

२. उपर्युक्त व्यक्ति अवगत कर लें कि वरिष्ठ वैयक्तिक सहायक (के० स० स्ट० से० का ग्रेड ख) के पद पर उनकी नियुक्ति पूर्णतः अस्थायी और तदर्थ आधार पर है और इससे उन्हें के० स० स्ट० से० के ग्रेड ख में विलियन का अथवा उक्त ग्रेड में वरिष्ठता का कोई हक नहीं मिलेगा।

दिनांक १९ मार्च १९८१

सं० ए०-३२०१३/३/७९-प्रशा०-I—संघ लोक सेवा आयोग की समसंख्यक अधिसूचना दिनांक ५-१-१९८१ के अनुक्रम में राष्ट्रपति द्वारा संघ लोक सेवा आयोग के संबंध में के० स० से० के स्थायी ग्रेड-I अधिकारी श्री ए० शास॒ भागवत को २४-२-१९८१ से आगामी आदेशों तक संघ लोक सेवा आयोग के कार्यालय में उप सचिव के पद पर सहृदय नियुक्त किया जाता है।

एस० बाल चन्द्रन

उप सचिव

संघ लोक सेवा आयोग

नई विस्ती-११००११, दिनांक ३१ मार्च १९८१

सं० ए०-३८०१३/४/८०-प्रशा०-III—संघ लोक सेवा आयोग के स्थाई सहायक तथा अनुभाग अधिकारी के पद पर स्थानापन्न रूप से कार्यरत श्री शास॒ भागवत के० जसूजा को राष्ट्रपति द्वारा कार्मिक तथा प्रशासनिक सुष्ठार विभाग के का० शा० सं० ३३/१२/७३-स्था०(क) दिनांक २४/११/१९७३ की शर्तों के अनुसार ३१-३-१९८१ के अपराह्न से वार्द्धक्य निवृत्तन आयु हो जाने के कारण सरकारी सेवा से निवृत्ति की सहृदय अनुमति प्रदान की गई है।

सं० ए०-३८०१४/४/८०-प्रशा०-III—संघ लोक सेवा आयोग के स्थाई सहायक तथा अनुभाग अधिकारी के पद पर स्थानापन्न रूप से कार्यरत श्री पी० पी० तिवाड़ी को राष्ट्रपति द्वारा कार्मिक तथा प्रशासनिक सुष्ठार विभाग के का० शा० सं० ३३/१२/७३-स्था०(क) दिनांक २४-११-१९७३ की शर्तों के अनुसार ३१-३-१९८१ के अपराह्न से वार्द्धक्य निवृत्तन आयु हो जाने के कारण सरकारी सेवा से निवृत्ति की सहृदय अनुमति प्रदान की गई है।

एस० बालचन्द्रन,

उप सचिव,

प्रशासन प्रभारी

संघ लोक सेवा आयोग

प्रबलंन मिदेशालय
(विवेशी मुद्रा विनियमन अधिनियम)

नई दिल्ली-110003, दिनांक 24 मार्च, 1981

सं० ए०-11/16/73—श्री ए० के० मित्रा, प्रबलंन अधिकारी, प्रबलंन निदेशालय, कलकत्ता क्षेत्रीय कार्यालय को उसी कार्यालय में दिनांक 16-2-81 (पुराली) से अगले आदेशों तक तर्थ आधार पर कार्य करने के लिए मुख्य प्रबलंन अधिकारी के रूप में नियुक्त किया गया है।

एम० एस० बिम्बा
निदेशक

गृह मंत्रालय
एवं प्र० सु० विभाग
केन्द्रीय अन्वेषण व्यूरो
नई दिल्ली, दिनांक 26 मार्च 1981

सं० जे-1/65-प्रशा०-5—राष्ट्रपति अपने प्रसाद से श्री जे० पी० शर्मा, वरिष्ठ लोक अभियोजक, केन्द्रीय अन्वेषण व्यूरो विशेष पुलिस स्थापना को, प्रोत्तिंति पर, दिनांक 18-3-81 के पुराली से 3 मास की अवधि के लिये या एक नियमित नियुक्त अधिकारी उपलब्ध होने तक, जो भी पहले घटित हो, के लिए केन्द्रीय अन्वेषण व्यूरो, विशेष पुलिस स्थापना में तदर्थ आधार पर उप-विधि सलाहकार के रूप में नियुक्त करते हैं।

सं० ए०-20023/4/79-प्रशा०-5—अपने मूल विभाग से प्रत्यावर्तन हो जाने पर, हरियाणा सरकार के अधिकारी श्री त्रिलोचनराजीत सिंह ने दिनांक 11-3-1981 के अपराली में लोक-अभियोजक, केन्द्रीय अन्वेषण व्यूरो, बण्डीगढ़ के पद का कार्यभार त्याग दिया है।

दिनांक 28 मार्च, 1981

सं० पी०-23/65-प्रशा०-5—श्री पी० बी० रामाकृष्णा, उप-विधि सलाहकार, केन्द्रीय अन्वेषण व्यूरो, विशेष पुलिस स्थापना की सेवाएं दिनांक 28-12-1981 के अपराली से प्रतिनियुक्ति पर आंध्र प्रदेश सरकार को सौंप दी गई हैं।

दिनांक 30 मार्च 1981

सं० ए०-35018/15/79-प्रशा०-1—पुलिस उप-महानिरीक्षक विशेष पुलिस स्थापना, एतद्वचारा, श्री त्रिविक्रेश्वर दास, पुलिस उप-निरीक्षक, पश्चिम बंगाल को दिनांक 18 फरवरी, 1981 के अपराली से अगले आदेश तक के लिये केन्द्रीय अन्वेषण व्यूरो के विल्सी विशेष पुलिस स्थापना प्रभाग सामान्य अधिकारी स्थान, कलकत्ता में प्रतिनियुक्ति पर अस्थायी रूप से पुलिस निरीक्षक नियुक्त करते हैं।

की०ला० ग्रोवर,
प्रशासनिक अधिकारी (स्था०)
केन्द्रीय अन्वेषण व्यूरो

महानिदेशालय केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल,

नई दिल्ली-110022, दिनांक 24 मार्च, 1981

सं० ए०००८०-220/70-स्थापना—श्री भी० एस० राना ने सरकारी सेवा से नियुक्त होने के कलस्वरूप सहायक कमांडेंट सिंगलल, श्रूप केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल के पद पर का कार्यभार दिनांक 28-2-81 (अपराली) से त्याग दिया है।

ए०के० सूरी,
सहायक निदेशक (स्थापना)

महानिदेशक का कार्यालय

केन्द्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल

नई दिल्ली-110019, दिनांक 19 मार्च 1981

सं० ई०-38013/4/5/81-कार्मिक—राष्ट्रपति के० श्री० मु० ब० में निम्नलिखित निरीक्षकों को स्थानापन्न रूप से सहायक कमांडेंट, उनके उक्त पद में कार्यभार सम्भालने की तारीख से नियुक्त करते हैं।

1. आर०एस० सामन्ता
2. लखबीर सिंह
3. एन०जी० शुक्ल
4. डी०एम०डे
5. बी०एन० मुखर्जी
6. के० रविन्द्रन पिल्ले
7. यू०एस० पटनायक
8. आर०सी० सामन्तरे
9. बी०सी०डी० महापात्र
10. एन०एन० प्रधान
11. टी० नाथ
12. बी०के०एल० राव
13. एन०एन० मुर्मू
14. एस०डी० डंगवाल
15. तिलक राज
16. टी०एस० चान्द
17. पुष्कर सिंह
18. बी०सी० जोशी

2. राष्ट्रपति, आगे भौर के० श्री० सु० ब० में निम्नलिखित निरीक्षकों को तदर्थ आधार पर सहायक कमांडेंट, उनके उक्त पद में कार्यभार सम्भालने की तारीख से, नियुक्त करते हैं:—

1. पी०के० दास गुप्ता
2. आर०पी० सिंह
3. बी०पी० प्रभाकरन
4. टी०एस० मक्कर
5. पी० शुक्ला
6. सी०एस० सैनी
7. पी०एन० भारद्वाज

- ८ एस०एस० कार्डियां
- ९ मंगल सिंह
- १० वासुदेवन नांयर
- ११ आर०एन० ग्रहलुबालिया
- १२ डी०एन० नवानी
- १३ ए० एस० पनेसर
- १४ एम० अरविम्बाकशन
- १५ एन० घोष
- १६ डी० विश्वनाथ

३ उपर्युक्त पैरा २ में की गई नियुक्तियां पूर्ण रूप से अस्थाई हैं और बिना नोटिस के समाप्त की जा सकती हैं।

४ सहायक कमांडेंट के रैंक में उपर्युक्त पैरा १ और २ में बताये गये सभी अधिकारियों की परस्पर वरिष्ठता बाद में निर्धारित की जायेगी।

दिनांक १९ मार्च १९८१

मं० ई०-३८०१३(४)/५/८१-कार्मिक—राष्ट्रपति, कें० ओ० मु० ब० में निम्नलिखित निरीक्षकों को तदर्थ आधार पर स्थानापन्न रूप से सहायक कमांडेंट उनके उक्त पद में कार्यभार सम्भालने की तारीख से, नियुक्त करते हैं:—

- १ बी० कें० मेहता
- २ एस० पी० किनरा
- ३ एम० एस० सिकरी

२ उपर्युक्त नियुक्तियां पूर्ण रूप से अस्थाई हैं तथा बिना नोटिस के समाप्त की जा सकती हैं।

३ सहायक कमांडेंट के रैंक में सभी अधिकारियों की परस्पर वरिष्ठता बाद में निर्धारित की जायेगी।

दिनांक २३ मार्च १९८१

स०ई०-१६०१३/(१)/३/७९-कार्मिक—राज्य सरकार को सेवाएं पुनः सौंपे जाने पर, श्री पी० सी० राठो, भा० पु० से० (उड़ीसा: ५६) ने २७ फरवरी, १९८१ के पूर्वाल्प से राजकेला स्टील प्लांट, राजकेला के उप महानिरीक्षक कें०ओ०मु०ब० के पद का कार्यभार छोड़ दिया।

दिनांक २४ मार्च १९८१

स० ई०-३८०१३(२)/१/८१-कार्मिक—प्रतिनियुक्ति पर स्थानात्तरण होने से, श्री एस० कें० चट्टर्जी आई० पी० एस० (एम०टी०—६९) ने ९ मार्च, १९८१ के पूर्वाल्प से सहायक महानिरीक्षक/कें०ओ०मु०ब० पूर्वी क्षेत्र मुख्यालय, कलकत्ता के पद का कार्यभार सम्भाल लिया।

(ह०) अपठनीय
महानिवेशक/कें०ओ०मु०ब०

भारत के महापंजीकार का कार्यालय

नई दिल्ली-११००११, दिनांक २५ मार्च १९८१

सं०-११/२८/७८-प्रशा०-१—राष्ट्रपति, नई दिल्ली में भारत के महापंजीकार के कार्यालय में तदर्थ आधार पर सहायक

निदेशक, जनगणना कार्य (तकनीकी) के पदों पर कार्यरत निम्नलिखित अन्वेषकों को, उसी कार्यालय में तारीख १६ फरवरी, १९८१ के पूर्वाल्प से अगले आदेशों तक, अस्थाई अमता में, नियमित आधार पर पदोन्नति द्वारा सहायक निदेशक, जनगणना कार्य तकनीकी के पदों पर सहर्ष नियुक्त करते हैं।

क्रम संख्या अधिकारी का नाम

१. श्री जे०एस० रस्तोगी
२. श्री एम०एस० कश्यप
३. श्री एल०सी० शर्मा
४. श्री एस०एस० बाबा
२. उपर्युक्त प्रत्येक अधिकारी का मुख्यालय नई दिल्ली में होगा।

सं०-११/६१/७८-प्रशा०-१—राष्ट्रपति, भारतीय सीमान्त प्रशासनिक सेवा के अधिकारी श्री बी० बी० मोगिया को दिल्ली में जनगणना कार्य निदेशालय में तारीख १८ फरवरी, १९८० के पूर्वाल्प से तारीख २४ जून, १९८० तक निदेशक, जनगणना कार्य के पद पर सहर्ष नियुक्त करते हैं।

२. श्री मोगिया का मुख्यालय नई दिल्ली में होगा।

सं०-१०/२९/८०-प्रशा०-१—राष्ट्रपति, निम्नलिखित अधिकारियों की जो इस समय उनके नामों के समक्ष दर्शित पदों और कार्यालयों में कार्यरत हैं, उन्हीं के नामों के समक्ष दर्शित तारीखों से एक वर्ष की अवधि के लिए या जब तक ये पद नियमित आधार पर भरे जाएं, जो भी अवधि पहले हो उसी कार्यालय में पूर्णतः अस्थाई और तदर्थ आधार पर सहायक निदेशक (आकड़े संसाधन) के पद पर प्रतिनियुक्ति पर, सहर्ष नियुक्त करते हैं।

क्र०सं०	अधिकारी का नाम	पदनाम	कार्यालय जिम में	नियुक्ति की तारीख कार्यरत हैं
१	२	३	४	५
१.	श्री आर०एन० पोंगुरलेकर	सहायक निदेशक जनगणना कार्य (तकनीकी)	जनगणना कार्य निदेशक शालय महाराष्ट्र (तदर्थ)	२३-२-८१ (पूर्वाल्प)
२.	श्री आर०बाई० रेखाशेट्टी	-यथोक्त-	जनगणना कार्य निदेशक शालय, कर्नाटक, बंगलौर	२१-२-८१ (पूर्वाल्प)
३.	श्री एम०एम० ए० ब्रेग	अन्वेषक	जनगणना कार्य निदेशक शालय, उत्तर प्रदेश	२१-२-८१ (पूर्वाल्प)

2. राष्ट्रपति, हरियाणा, चण्डीगढ़ में जनगणना कार्य निदेशालय में अन्वेषक के पद पर कार्यरत श्री जी०डी० सिंगल को भी जनगणना कार्य निदेशालय संघ राज्य क्षेत्र चण्डीगढ़ में तारीख 21 फरवरी, 1981 के पूर्वाह्न से एक वर्ष की अवधि के लिए या जब तक पद नियमित आधार पर भरा जाए, जो भी अवधि पहले हो, पूर्णतः अस्थाई और तदर्थ आधार पर प्रतिनियुक्त पर सहायक निदेशक (आंकड़े संसाधन के पद पर सहर्ष नियुक्त करते हैं।

3. सर्वश्री पोंगुरलेकर, रेवाशेट्टी, बेग और सिंगल के मुख्यालय क्रमशः बम्बई, बगलौर, लखनऊ और चण्डीगढ़ में होंगे।

4. उपरोक्त अधिकारियों की सहायक निदेशक (आंकड़े संसाधन) के पद पर प्रतिनियुक्ति के आधार पर नियुक्ति वित्त मंत्रालय के का०ज्ञा०सं० एफ०-I(ii) ई-III(बी)/75 तारीख 7-11-75 में दी गई शर्तों के अधीन होगी।

सं०-11/36/80-प्रणा०-I—राष्ट्रपति, उत्तर प्रदेश सिविल सेवा के अधिकारी और इस समय जनगणना कार्य निदेशालय उत्तर प्रदेश, लखनऊ में तिनियुक्ति के आधार पर सहायक निदेशक जनगणना कार्य के पद पर कार्यरत श्री बी०बी०एन० दीक्षित को उसी कार्यालय में तारीख 6 मार्च, 1981 के पूर्वाह्न से एक वर्ष की अवधि के लिए या जब तक पद नियमित आधार पर भरा जाए, जो भी अवधि पहले हो, पूर्णतः अस्थाई और तदर्थ आधार पर सहायक निदेशक (आंकड़े संसाधन) के पद पर प्रतिनियुक्ति पर, सहर्ष नियुक्त करते हैं।

2. श्री दीक्षित का मुख्यालय लखनऊ में होगा।

सं०-11-10/81-प्रणा०-I—राष्ट्रपति, उत्तर प्रदेश लखनऊ में जनगणना कार्य निदेशालय में उन्वेषकों के पदों पर कार्यरत सर्व श्री टी०डी० अग्रवाल और जे०पी०बर्नवाल को, उसी कार्यालय में तारीख 23 फरवरी, 1981 के पूर्वाह्न से एक वर्ष की अवधि के लिए या जब तक पद नियमित आधार पर भरा जाए, जो भी अवधि कम हो, पूर्णतः अस्थायी और तदर्थ आधार पर पदोन्नति द्वारा सहायक निदेशक, जनगणना कार्य (तकनीकी) के पदों पर सहर्ष नियुक्त करते हैं।

2. सर्व श्री अग्रवाल और बर्नवाल का मुख्यालय लखनऊ में होगा।

3. उपरोक्त पदों पर तदर्थ नियुक्ति सम्बन्धित कर्मचारियों को सहायक निदेशक जनगणना कार्य (तकनीकी) के पदों पर नियमित आधार पर नियुक्ति के लिए कोई हक प्रश्न नहीं करेगी। तदर्थ आधार पर सहायक निदेशक, जनगणना कार्य (तकनीकी) के पदों पर उनकी सेवाएं उस ग्रेड में वरिष्ठता और आगे उच्च पद पर पदोन्नति के लिए नहीं गिनी जाएंगी। उपरोक्त पद पर तदर्थ नियुक्ति को नियुक्ति प्राधिकारी के विवेक पर किसी भी समय बिना कोई कारण बताए रद्द किया जा सकता है।

सं०-11/12-80-प्रणा०-I—राष्ट्रपति, उत्तर प्रदेश सिविल सेवा के अधिकारी श्री एन०एल० गुप्त को, उत्तर प्रदेश,

लखनऊ में जनगणना कार्य निदेशालय में तारीख 28 फरवरी, 1981 के अपराह्न से एक वर्ष की अवधि के लिए या जब तक पद नियमित आधार पर भरा जाए, जो भी अवधि कम हो, पूर्णतः अस्थायी और तदर्थ आधार पर प्रतिनियुक्ति द्वारा संयुक्त निदेशक जनगणना कार्य के पद पर सहर्ष नियुक्त करते हैं।

2. श्री गुप्त का मुख्यालय लखनऊ में होगा।

दिनां 28 मार्च 1981

सं०-10/29/80-प्रणा०-I—राष्ट्रपति, राजस्थान, जयपुर में जनगणना कार्य निदेशालय में अन्वेषक के पद पर कार्यरत श्री जी०डी० अग्रवाल को उसी कार्यालय में तारीख 21 फरवरी 1981 के पूर्वाह्न से एक वर्ष की अवधि के लिए या जब तक पद नियमित आधार पर भरा जाए, जो भी अवधि पहले हो, पूर्णतः अस्थाई और तदर्थ आधार पर सहायक निदेशक (आंकड़े संसाधन) के पद पर प्रतिनियुक्ति पर, सहर्ष नियुक्त करते हैं।

2. श्री अग्रवाल का मुख्यालय जयपुर में होगा।

3. संबंधित अधिकारी की सहायक निदेशक (आंकड़े संसाधन) के पद पर प्रतिनियुक्ति के आधार पर नियुक्ति वित्त मंत्रालय के का०ज्ञा०सं० एफ०-I(II) ई-III(बी)/75 तारीख 7-11-1975 में दी गई शर्तों के अधीन होगी।

सं०-10/29/80 प्रणा०-I—राष्ट्रपति, तमिल नाडु, मद्रास में जनगणना कार्य निदेशालय के अन्वेषक और इस समय सहायक निदेशक जनगणना कार्य (तकनीकी) के पद पर तदर्थ आधार पर कार्यरत श्री ए० बी० वल्लिनाथन् को उसी कार्यालय में तारीख 26 फरवरी 1981 के पूर्वाह्न से एक वर्ष की अवधि के लिए या जब तक पद नियमित आधार पर भरा जाए, जो भी अवधि पहले हो, पूर्णतः अस्थाई और तदर्थ आधार पर सहायक निदेशक (आंकड़े संसाधन) के पद पर, प्रतिनियुक्ति पर, सहर्ष नियुक्त करते हैं।

2. श्री वल्लिनाथन् का मुख्यालय मद्रास में होगा।

3. संबंधित अधिकारी की सहायक निदेशक (आंकड़े संसाधन) के पद पर प्रतिनियुक्ति के आधार पर नियुक्ति वित्त मंत्रालय के का०ज्ञा० सं० एफ०-I(II) ई-III(बी)/75 तारीख 7-11-1975 में दी गई शर्तों के अधीन होगी।

प्र०० पदभनाभ,
भारत के महापंजीकार

भारतीय लेखापरीक्षा तथा लेखा विभाग

कार्यालय महालेखाकार, बिहार

रांची, दिनांक 24 मार्च 1981

सं०प्र०-2-1998—महालेखाकार-३, बिहार, रांची अपने कार्यालय के स्थायी अनुभाग अधिकारी श्री दिनेश नन्दन प्रमाद को अपने कार्यालय दिनांक 27 फरवरी, 1980 के पूर्वाह्न में अगला आदेश होमें तक स्थानापन्न लेखा अधिकारी के पद पर सहर्ष पदोन्नति करते हैं।

सं० प्र०-२-१९९१— महालेखाकार-I, बिहार, रांची अपने कार्यालय के स्थायी अनुभाग अधिकारी श्री प्रभात कुमार चन्द्र को अपने कार्यालय में दिनांक २७-२-१९८० के पूर्वाप्ति से श्रगला श्रादेश होने तक स्थानापन्न लेखा अधिकारी के पद पर सहर्ष पदोन्नत करते हैं।

सं० प्र०-२-२००६—महालेखाकार-। बिहार, रांची अपने कार्यालय के स्थायी अनुभाग अधिकारी श्री लाल बिहारी राम काशी को अपने कार्यालय में दिनांक २९-२-८० पूर्वाह्न से अगला आदेश होने तक स्थानापन्न लेखा अधिकारी के पद पर सहर्ष पूर्णता करते हैं।

सं० प्र०-२-२०१३—महालेखाकार- , बिहार, रांची
 अपने कार्यालय के स्थायी अनुभाग अधिकारी श्री विश्वनाथ ज्ञा
 को अपने कार्यालय में दिनांक २९-२-८० के पूर्वाह्न से आगामी
 आदेश होने तक स्थानापन्न लेखा अधिकारी के पद पर सहर्ष
 पवोपत करते हैं।

सं० प्र०-२-२०२१—महालेखाकार, I बिहार, रांची
कार्यालय के अपने स्थायी अनुभाग अधिकारी श्री प्रद्युम्न सिन्हा को
अपने कार्यालय में दिनांक २८-२-८० के पूर्वाल्ल से आगामी आदेश
होने तक स्थानापन्न लेखा अधिकारी के पद पर सहर्ष पदोन्नत
करते हैं।

सं० प्र०-२-२०४२—महालेखाकार-१, बिहार, रांथी अपने कार्यालय के अनुभाग स्थायी अधिकारी श्री मुरली मनोहर प्रसाद को अपने कार्यालय में दिनांक २९-२-८० के पूर्वान्तर से अगला आदेश होने तक स्थानापन्थ लेखा अधिकारी के पद पर संबर्ध स्वोक्षत करते हैं।

सं० प्र०-२-२०५०—महालेखाकार-I, विहार, रांची अपने कार्यालय में स्थायी अनुभाग अधिकारी श्री श्रीमिताभ शर्मा को अपने कार्यालय में दिनांक २९-२-४० के पूर्वाह्न से अपना आदेश होने तक स्थानापन्न लेखा अधिकारी के पद पर सहृष्ट पदोन्पत्त करते हैं।

सं० प्र०-२-२०५८—महालेखाकार-I, बिहार, रांची
 अपने कार्यालय के स्थायी अनुभाग अधिकारी श्री देव रंजन दास
 गुप्ता को अपने कार्यालय में दिनांक २९-२-८० के पूर्वान्तर से
 अगला आशेष होने तक स्थानापन्न कार्यालय में लेखा अधिकारी
 के पद पर सहर्ष पदोन्नत करते हैं।

सं० प्र०-२-२०६४—महालेखाकार-I, बिहार, रांची अपने कार्यालय के स्थायी प्रनुभाग अधिकारी श्री सर्वीरुल हक़ को अपने कार्यालय में दिनांक २९-२-८० के पूर्वाल्ल से अगला आदेश होने तक स्थानापन्थ लेखा अधिकारी के पद पर सहर्ष पवोशत करते हैं।

सं० प्र०-२-२०७२—महालेखाकार-४, बिहार, रांची
अपने कार्यालय के स्थायी अनुभाग अधिकारी श्री हरगोविंद लाल
को अपने कार्यालय में दिनांक २४-२-८० के पूर्वात्म से अगला
आदेश होने तक स्थानापन्न लेखा अधिकारी के पद पर सहर्ष
पदोन्नत करते हैं।

सं० प्र०-२-२०८०—महालेखाकार-I, बिहार, राज्य
 अपने कार्यालय के स्थायी अनुभाग अधिकारी श्री राजेन्द्र प्रसाद
 गुप्ता को अपने कार्यालय में दिनांक २५-३-८० (पूर्वाह्न) से प्रगल्भ
 आदेश होने तक स्थानापन्थ लेखा अधिकारी के पद पर सहर्ष
 पदोन्नत करते हैं।

सं० प्र०-२-२०८८—महालेखाकार-१, बिहार, रांची अभ्यन्ते कार्यालय के स्थायी अमुभाग अधिकारी श्री जगदीश साहू को अपने कार्यालय में दिनांक 25-३-८० (पूर्वात्म) से अगला आवेदन होने तक स्थानापन्न लेखा अधिकारी के पद पर सहर्ष पदोन्नत करते हैं।

सं० प्र०-२-२०९६—महालेखाकार-१, विहार, रांची अपने कार्यालय के स्थायी अनुभाग अधिकारी श्री विपुल चन्द्र करंजय को अपने कार्यालय में दिनांक १८-४-८० के पूर्वाह्न से मृगला आदेश होने तक स्थानापन्न लेखा अधिकारी के पद पर सहर्ष पदोन्नत करते हैं।

सं० प्र०-2-2104—महालेखाकार-।, बिहार, रांची अपने कार्यालय के स्थायी अनुभाग अधिकारी श्री सीता शरण सिन्हा को अपने कार्यालय में दिनांक 18-4-80 के पूर्वान्त से अग्रसा आदेश होने तक स्थानापन्थ लेखा अधिकारी के पद पर सहर्ष प्रबोधन करते हैं।

सं० प्र०-२-२११२—महालेखाकार-I, बिहार, रांची अपने कार्यालय के स्थायी अनुभाग अधिकारी श्री जगत नारायण पाठक को अपने कार्यालय में दिनांक १-५-८० पूर्वाल्प से प्रगल्भा आदेश होने तक स्थानापन्थ लेखा अधिकारी के पद पर सहर्ष पदोन्नत करते हैं।

सं० प्र०-2-2120—महालेखाकार-I, विहार, रांची अपने कार्यालय के स्थायी अनुभाग अधिकारी श्री हेमेन्द्र नाथ सेन को अपने कार्यालय में दिनांक 1-5-80 (पूर्वाह्न) से अगला प्रावेश होने तक स्थानापन्थ लेखा अधिकारी के पद पर सहर्ष पदोन्नत करते हैं।

सं० प्र०-२-२१२६—महारेखाकार-I, विहार, रांची
अपने कार्यालय में स्थायी भ्रतुभाग अधिकारी श्री देवी चरण
सिंहा को अपने कार्यालय में दिनांक 26-5-80 के पूर्वात्मा से
अगला आदेश होने तक स्थानापन लेखा अधिकारी के पद पर
सहर्ष पदोन्नत करते हैं।

सं० प्र०-२-२१३४—महालेखाकार-I, बिहार, राज्य अपने कार्यालय के स्थायी अमुभाग अधिकारी श्री यशुदीर ज्ञा को अपने कार्यालय में दिनांक २६-५-८० के पूर्वाह्न से अगला आदेश होने तक स्थानापन्न लेखा अधिकारी के पद पर सहर्ष पदोन्नत करते हैं।

सं० प्र०-२-२१४२—महालेखाकार-I, बिहार, रांची
अपने कार्यालय के स्थायी अनुबंध अधिकारी श्री राजमणी
मिश्रा को अपने कार्यालय में दिनांक २२-७-८० के पूर्वान्तर से
अगला आदेश होने तक स्थानापन्थ लेखा अधिकारी के पद पर
सकृष्ट पवोधत करते हैं।

सं० प्र०-२-२१५०—महालेखाकार-I, बिहार, राष्ट्रीय अपने कार्यालय के स्थायी अनुभाग अधिकारी सुकुमार दास को अपने कार्यालय में दिनांक २२-७-८० के पूर्वाह्न से अगस्त आदेश होने तक स्थानापन्न लेखा अधिकारी वे पद पर सहर्ग पदोन्नत करने हैं।

लालमणि
वरीय उप-महालेखाकार (प्र०), बिहार

महालेखाकार का कार्यालय जम्मू एवं काश्मीर

श्रीनगर, दिनांक 23 मार्च 1981

महालेखाकार, जम्मू व काश्मीर ने 10 मार्च, 1981 (पूर्वाह्न) से अगला आदेश जारी होने तक एक स्थाई अनुभाग अधिकारी श्री मोती लाल रैणा को स्थानापन्न हैसियत में लेखा अधिकारी के रूप में प्रोत्त प्रोत्त किया है।

हर प्रसाद दास
वरिष्ठ उप महालेखाकार (प्र०) एवं (अ०)

महालेखाकार महाराष्ट्र-I का कार्यालय

बम्बई-400020, दिनांक 17 मार्च 1981

सं० प्रशा० १/सामान्य/८१-खण्ड /सी०-१(III)/१८—
महालेखाकार महाराष्ट्र-I, बम्बई श्री एम० झेड० गेडाम, अनु-
भाग अधिकारी (आडोट और अकॉट्स) को दिनांक ९-३-१९८१
पूर्वाह्न से अपने कार्यालय में आगे आदेश होने तक लेखा अधि-
कारी के पद पर स्थानापन्न रूप में नियुक्त करते हैं।

रा० शा० शर्मा
वरिष्ठ उपमहालेखाकार/प्रशासन

कार्यालय महालेखाकार-II प० बंगल

स्थानीय लेखा परीक्षा विभाग

कलकत्ता-१, दिनांक 28 फरवरी 1981

सं० एल० ए०-प्रशा०/१२१/ए—महालेखाकार-II, प० बंगल,
स्थायी अनुभाग अधिकारी श्री मनोजकान्त भट्टाचार्य को
तवर्य तथा अतः कालीन स्तर पर और पूर्णतया अस्थायी रूप से
स्थानापन्न सहायक परीक्षक, स्थानीय लेखा, प० बंगल, के
पद पर 28 फरवरी, 1981 के अपराह्न या जिस दिन से वे
सचमुच सहायक परीक्षक, स्थानीय लेखा, प० बंगल, के
हैसियत से अपना कार्यभार सम्भालते हैं उनमें जो बाद में हों
अभूत आदेश तक नियुक्त करते हैं।

यह स्पष्ट समझ लेनी चाहिये कि यह प्रोत्तति कलकत्ता
उच्च न्यायालय के एक मुकदमे में उच्च तक विनिर्णय नहीं हो
तब तक पूर्ण अस्थायी रूप से है और भारतीय गणराज्य तथा
दूसरों के बिनाफ दायर किये गये 1979 के सा० आर० केम
न०-14818 (एन०) के अंतिम फैसले के अधीन है।

उल्लिखित सदर्श प्रोत्तति भारत के उच्चसम न्यायालय में
1973 के मिविल अपील न० 1584 से 1588 (एन०) है
और 1979 के मिविल अपील न० 2104-2105 (एन०)
के अंतिम आदेश के भी अधीन है।

बी० एन० दत्त चौधरी
पराधक, स्थानीय लेखा, प० बंगल

निदेशक लेखा परीक्षा का कार्यालय, मध्य रेलवे

बम्बई-१, दिनांक 23 मार्च 1981

सं० ए०य०/अडमिन/मिस/कांति—इस कार्यालय के स्थायी
अनुभाग अधिकारी, अस्थायी लेखा परीक्षा अधिकारी श्री
जी० एन० डंबल को दिनांक १-१-१९८१ से स्थायी रूप से लेखा
परीक्षा अधिकारी के पद पर नियुक्त किया है।

सं० ए०य०/अडमिन/मिस/कांति—श्री बी० के० कुलकर्णी,
प्रवरण कोटो अनुभाग अधिकारी (लेखा-परीक्षा) दिनांक २६-
२-८१ (पूर्वाह्न) से इस कार्यालय में लेखा परीक्षा अधिकारी
के कार्यभारों पद पर नियुक्त किये गये।

स० य० गोविन्दराजन,
निदेशक, लेखा परीक्षक

निदेशक लेखा परीक्षा का कार्यालय, दक्षिण रेलवे

मद्रास-३, दिनांक 31 मार्च 1981

सं० ए०पा० सं०/वो० बो०/16003—निदेशक लेखा
परीक्षा/दक्षिण रेलवे/मद्रास-३ कार्यालय के श्री बी० बालकृष्णन
II, स्थानापन्न लेखा परीक्षा अधिकारी ३-३-८१ पूर्वाह्न
से अपना स्वमांग से निदेशक लेखा परीक्षा द्वारा वेतन मान
र० 775-35-880-40-1000 में प्रवरण घेड अनुभाग अधि-
कारी के रूप में पदोन्नत किये गये।

सं० ए०/पा० सं०/वी० बो०/16003—निदेशक लेखा
परीक्षा/दक्षिण रेलवे/मद्रास-३ कार्यालय के निम्नलिखित लेखा
परीक्षा अधिकारों उनके भासने दिखायी गयीं तारीख से निदेशक
लेखा परीक्षा/दक्षिण रेलवे/मद्रास द्वारा लेखा परीक्षा अधिकारियों
के संवर्ग में स्थायी तौर पर नियुक्त किये गये हैं।

क्रम सं०	नाम	तारीख
1.	श्री बी० परमानन्द . . .	1. 4. 79
2.	श्री आर० रामस्वामी . . .	1. 4. 79
3.	श्री के० रामस्वामी . . .	24-4-80

ट० भी० नागराजन
निदेशक लेखा परीक्षा

रक्षा लेखा नियन्त्रक का कार्यालय

पुणे, दिनांक 20 मार्च 1981

फार्म—1

केन्द्रीय मिविल सेवा (अस्थायी सेवा) नियमावली 1965 का नियम 5(1) के अनुसार सेवा नियुक्ति की समाप्ति को नोटिस जारी।

सं० जो०/कोर-32/ग्रार० एम० जे०—केन्द्रीय सिविल सेवा (अस्थायी सेवा) नियमावली 1965 का नियम 5(1) के अनुसार, सं० डो० ए० (ओ०) पुणे इस कार्यालय में नौकरी करने वाले श्री रविंद्र श्रीधर जोग, अस्थायी फराश इनको मैं यह नोटिस देता हूँ कि उनकी सेवा नियुक्ति की समाप्ति की तारीख यह नोटिस प्रकाशित करने की तारीख से एक महीने बाद आने वाली तारीख समझी जायेगी या उस तारीख से जैसों उसे जारी की गयी है।

केन्द्रीय मिविल सेवा (अस्थायी सेवा) नियमावली 1965 का नियम 5(1) के अनुसार सेवा नियुक्ति की समाप्ति को नोटिस जारी।

सं० जो०/कोर-32/ग्रार० एम० जे०—केन्द्रीय सिविल सेवा (अस्थायी सेवा) नियमावली 1965 का नियम 5(1) के अनुसार, सं० डो० ए० (ओ०) पुणे इस कार्यालय में नौकरी करने वाले श्री ओटो मेहमूद अप्पा, अस्थायी लेखा परीक्षक, लेखा संख्या 8317656 इनको मैं यह नोटिस देता हूँ कि उनकी सेवा नियुक्ति की समाप्ति की तारीख यह नोटिस प्रकाशित करने की तारीख से एक महीने के बाद आने वाली तारीख समझी जायेगी या उस तारीख से जैसों उसे जारी की गयी है।

शु० महिलक
रक्षा लेखा नियन्त्रक, (अफसर)
नियुक्ति प्राधिकारी

रक्षा मंत्रालय

डो० जो० ओ० एफ० मुख्यालय मिविल सेवा

आर्डनेन्स फैक्टरी बोर्ड

कलकत्ता-700069, दिनांक 24 मार्च, 1981

सं० 9/81/ए० /ई०-1(एन० जी०)—डो० जो० ओ० एफ० महोदय, श्री बासुदेव मिश्र डिविजनल एकाउन्टेंट कार्यभारी अभियन्ता कार्यालय एम० आई० आई० डिविजन रायगढ़ा को सहायक स्टाफ अफसर 'ग्रुप "बी" राजपत्रित) के पद पर,

दिनांक 7-3-81(पूर्वाह्न) से नियुक्त करते हैं तथा आर्डनेन्स फैक्टरी बोर्ड कलकत्ता में तैनात करते हैं।

ड००प०० चक्रवर्ती
सहायक महानिदेशक, आर्डनेन्स फैक्टरी या
जूते महानिदेशक, आर्डनेन्स फैक्टरियां

कलकत्ता-700016, दिनांक 23 मार्च 1981

सं० 12/81/जी—वार्षिक निवृत्ति आयु (58 वर्ष) प्राप्त कर, श्री ए० आर० वास स्थानापन्न डी० ए० डी० जो० ओ० एफ० मौलिक एवं स्थायी फोरमैन दिनांक 31-1-81 (अपराह्न) से सेवा नियुक्त हुए।

दिनांक 27 मार्च 1981

सं० 13/81/जो०—वार्षिक निवृत्ति आयु (58 वर्ष) प्राप्त कर, श्री सुकुमार धोष स्थानापन्न उप प्रबन्धक मौलिक एवं स्थायी फोरमैन दिनांक 28-2-81 (अपराह्न) से सेवा नियुक्त हुए।

बी० के० मेहता
सहायक महानिदेशक, आर्डनेन्स फैक्टरियां

वाणिज्य मंत्रालय

(वस्त्र विभाग)

हथकरघा विकास आयुक्त कार्यालय

नई दिल्ली, दिनांक 17 मार्च, 1981

सं० ए० -32013/5/80-व्यवस्था II (क)—राष्ट्रपति, महायक निदेशक घेड 1 (प्रोसेसिंग), श्री बलराम भर को 10 मार्च 1981 से आगामी आदेशों तक के लिए बुनकर सेवा केन्द्र, अगरतला में उप निदेशक (प्रौसेसिंग) के पद पर नियुक्त करते हैं।

पी० शंकर
संयुक्त विकास आयुक्त (हथकरघा)

उद्योग मंत्रालय

(ओषधिक विकास विभाग)

विकास आयुक्त (लघु उद्योग) का कार्यालय

नई दिल्ली-110011, दिनांक 30 मार्च, 1981

सं० ए-19018(341)/78-प्रशासन (राजपत्रित)—विकास आयुक्त (लघु उद्योग), अपने कार्यालय के हिन्दी अनुवादक श्री चैतन्य स्वरूप चतुर्वेदी को दिनांक 30 जनवरी, 1981 (पूर्वाह्न) से अगले आदेशों तक, अपने ही कार्यालय में तदर्थ आधार पर सहायक सम्पादक (हिन्दी) के रूप में नियुक्त करते हैं।

सं० सं० राय
उपनिदेशक (प्रशा०)

विस्फोटक विभाग

नागपुर, दिनांक 23 मार्च 1981

सं. ई०-II (7) — इस विभाग के दिनांक 11 जुलाई 1969 के अधिसूचना सं. ई०-11(7) में ध्वेषी 2—नायद्रेट के मिश्रण अधीन—

- (i) प्रविष्टि “गामाडाइन” “31-3-81” में अंकों के स्थान पर “31-3-82” अंक प्रतिस्थापित किये जायेंगे।
- (ii) प्रविष्टि “मोनोइम्स” “1981” में अंकों के स्थान पर “1982” अंक प्रतिस्थापित किये जायेंगे।
- (iii) प्रविष्टि “पी० ई०-१ ए० ई०” “1981” में अंकों के स्थान पर “1982” अंक प्रतिस्थापित किये जायेंगे।
- (iv) प्रविष्टि “पी० ई०-५”, पी० ई०-१ ए० शी० तथा पी० ई०-३ ए०८०” “31-3-81” में अंकों के स्थान पर “31-3-82” अंक प्रतिस्थापित किये जायेंगे।
- (v) प्रविष्टि “पुलवररेक्स” “1981” में अंकों के स्थान पर “1982” प्रतिस्थापित किये जायेंगे तथा
- (vi) प्रविष्टि “झीटाडाइन” “31-3-81” में अंकों के स्थान पर “31-3-82” प्रतिस्थापित किये जायेंगे।

चरणजीत साल
मुख्य विस्फोटक नियंत्रक

पूर्ति तथा निपटान महानिदेशालय

(प्रशासन अनुभाग-6)

नई दिल्ली, दिनांक 19 मार्च 1981

सं. ए०-17011/119/77-प्र०-६—राष्ट्रपति निरीक्षण निदेशक (धातु) जमशेदपुर के कार्यालय में सहायक निदेशक निरीक्षण (धातु) श्री दीपान्तर कीर्ति को दिनांक 27-2-81 के पूर्वाह्न से छः मास के लिए निरीक्षण निदेशक (धातु), बर्णपुर के कार्यालय में उप निदेशक (निरीक्षण धातुकर्म भारतीय निरीक्षण सेवा के ग्रेड-II) के रूप में तदर्थ आधार पर नियुक्त किरते हैं।

2 श्री दीपान्तरकीर्ति ने दिनांक 18-2-81 (प्रष्टग्रह) को निरीक्षण निदेशक (धातु) जमशेदपुर के कार्यालय में सहायक निरीक्षण निदेशक (धातु) का पदभार छोड़ दिया और दिनांक 27-2-81 के पूर्वाह्न से उप निदेशक निरीक्षण (धातु) का पदभार सम्भाल लिया।

एम० जी० मैनल
उप निदेशक (प्रशासन)
कृते महानिदेशक, पूर्ति तथा निपटान

2-2601/81

इस्पात और खान मंदालय

इस्पात विभाग

लोहा और इस्पात नियंत्रण

कलकत्ता-20, दिनांक 26 मार्च 1981

सं. ई० 1-12(26)/81 (I) — एतदद्वारा श्री पी० के० हलश्वर, वेतन और लेखा अधिकारी वेतन और लेखा कार्यालय कलकत्ता, को दिनांक 12/3/1981 पूर्वाह्न से श्रेष्ठा प्रादेश तक प्रति नियुक्ति पर लेखा अधिकारी के रूप में नियुक्त कियों जाता है।

एस० के० बसु
उप लोहा और इस्पात नियंत्रक

खान विभाग

भारतीय खान ब्यूरो

नागपुर, दिनांक 24 मार्च 1981

सं. ए०-19012/130/80-स्था० ए०—संघ लोक सेवा आयोग की सिफारिश पर श्री एस० आर० वर्दाराज शिफ्ट ब्रास भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण को दिनांक 16/2/1981 के पूर्वाह्न से ग्रामामी आदेश होने तक भारतीय खान ब्यूरो में सहायक खान अधियंत्रा (वर्ग 'ब') के पद पर स्थानापन्न रूप में नियुक्ति प्रदान की जाती है।

दिनांक 26 मार्च 1981

सं. ए० 19001(259)/79-स्था० ए०—संघ लोक सेवा आयोग की सिफारिश पर राष्ट्रपति श्री रमेश लाल भाटिया को दिनांक 27/2/81 के पूर्वाह्न से भारतीय खान ब्यूरो में स्थानापन्न रूप में उप खान नियंत्रक के पद पर सहर्ष नियुक्ति प्रदान करते हैं।

सं. ए० 19011(268)/80 स्था० ए०—संघ लोक सेवा आयोग की सिफारिश पर राष्ट्रपति श्री रंजन सहायक को दिनांक 2/3/81 के पूर्वाह्न से भारतीय खान ब्यूरो में स्थानापन्न रूप में सहायक खान नियंत्रक के पद पर सहर्ष नियुक्ति प्रदान करते हैं।

एस० बी० श्रीली
कार्यालय अध्यक्ष
भारतीय खान ब्यूरो

भारतीय सर्वेक्षण विभाग

देहरादून, दिनांक 24 मार्च, 1981

सं. ई० 1-5707/881-अधिकारी—इस कार्यालय की अधिसूचना सं. ई० 1-5673/881-अधिकारी दिनांक 8 दिसंबर, 1980 के अनुक्रम में डा० (श्रीमती) सुनीता नंदवानी, एस० बी० बी० एस० को स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण

मंत्रालय के पत्र संख्या ए०-१२०२६/१२/७८-सी० एच० एस०-१ विनांक २७-१-१९८१ के अनुसार ज्योतीय एवं अनुसंधान शास्त्र औषधालय, भारतीय सर्वेक्षण विभाग, देहरादून में ६५०—१२०० ह० के बेतनमान में ६५०/- ह० प्रतिमाह बेतन पर दिनांक ५-२-८१ से चिकित्सा अधिकारी पुष्प “बी” सेवा में ९० दिन की अवधि अथवा जब तक किसी नियमित लेडी डाक्टर की नियुक्ति नहीं हो जाती जो भी पहले हो, के लिए पुनः नियुक्त किया जाता है। उन्हें प्राइवेट ट्रैक्टिस न करने के भत्ते सहित सभी भत्ते दिए जाएंगे।

के० एल० खोसला
मेजर जनरल
भारत के महासर्वेक्षक

राष्ट्रीय अभिलेखागार

नई दिल्ली, दिनांक 26 मार्च 1981

सं० पत्र ११/९/८०-(ए०-१) इसट०—संघ लोक सेवा आयोग की सिफारिश पर अभिलेखा निदेशक भारत सरकार इस के द्वारा श्री कौशल किशोर शर्मा को दिनांक १७ मार्च १९८१ (पूर्वाह्नि) से आगामी आदेश पर्यन्त अस्थायी आधार पर पुरालेखाधिकारी (सामान्य) द्वितीय वर्ग राजपत्रित नियुक्त करते हैं।

भीम सेन कालड़ा
प्रशासन अधिकारी
हूते अभिलेखा निदेशक

विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग
राष्ट्रीय एटलस और थिमैटिक मानचित्रण संगठन
कलकत्ता-७०००१९, दिनांक 31 दिसम्बर 1980

सं० ३१-९/२१-जी० सी० भी०/स्था०—इस संगठन के श्री जी० सी० वाण्य, वैज्ञानिक अधिकारी (समूह “ब” राजपत्रित) की सेवाओं को प्रति नियुक्ति के आधार पर आखिल भारतीय मृदा एवं भू-प्रयोग सर्वेक्षण, कृषि मंत्रालय, कृषि एवं सहकारिता विभाग को कनिष्ठमान-चिक्कार (जी० सी० एस० समूह “भ” राजपत्रित) पद के लिए निर्वातित किया जाता है जो ३१ दिसम्बर 1980 के अपराह्न से प्रभावित होगा।

श्री वाण्य को इस संगठन के वरिष्ठ अनुसंधान सहायक के मौलिक पद के लिए उनके मुक्त द्वारा नियुक्ति की तिथि से २ वर्ष की अवधि तक पुनर्ग्रहण अधिकार बनाये रखने की अनुमति प्रदान की जाती है।

दिनांक 25 मार्च 1981

सं० ३५-२/८०/स्था०—निम्नलिखित अधिकारी जो वैज्ञानिक अधिकारी के पद पर तदर्थे रूप में कार्य कर रहे हैं। उन्हें राष्ट्रीय एटलस एवं थिमैटिक मानचित्रण संगठन के विभागीय पदोन्नति समिति की सिफारिश के अनुसार उसी पद पर

२५-३-१९८१ से अन्य आदेश न मिलने तक पदोन्नति किया जाता है:

१. श्री बी० बी० प्रधान
२. श्री ए० के० सरकार
३. श्री श्री राम
४. श्री योगेन्द्र माझी

दिनांक 27 मार्च 1981

सं० ३५-२/८०/स्था०—श्री श्री राम, अवर तकनीकी अधिकारी ने १७-३-१९८१ अपराह्न से कार्यभार त्याग दिया तथा उसी दिन १७-३-१९८१ अपराह्न से उन्हें राष्ट्रीय एटलस एवं थिमैटिक मानचित्रण संगठन में वैज्ञानिक अधिकारी के पद पर अस्थायी तथा तदर्थे रूप में अन्य आदेश न होने तक नियुक्त किया जाता है।

एस० पी० दासगुप्त
निदेशक

आकाशवाणी महानिदेशालय

नई दिल्ली, दिनांक 30 मार्च 1981

सं० ४(८२)/८०-एस०-एक—श्री बी० के० गवई, कार्यक्रम निष्पादक, आकाशवाणी, सांगली ने १-१-८१ से सेवा से त्यागपत्र दे दिया है।

एच० सी० जयाल
प्रशासन उपनिदेशक
हूते महानिदेशक।

सूचना और प्रसारण मंत्रालय

विज्ञापन और दृश्य प्रचार निदेशालय

नई दिल्ली-१, दिनांक 7 मार्च 1981

सं० ए०-३१०१३/२/७९-प्र०(ए०)—विज्ञापन और दृश्य प्रचार निदेशक निम्नलिखित अधिकारियों को विज्ञापन और दृश्य प्रचार निदेशालय में १७-२-८१ से क्षेत्रीय प्रदर्शनी अधिकारी के पद पर स्थायी रूप से नियुक्त करते हैं:—

१. श्री ए० के० रे
२. श्री रेनन भद्रा
३. श्री शी० सी० मिश्रा
४. श्री एस० के० मिश्रा
५. श्री पी० एल० नरुला
६. श्री एच० नारायणाचर
७. श्री एस० आर० पुष्कर
८. श्री डी० सी० शेत

जनक राज लिखी
उप निदेशक (प्रशासन)
हूते विज्ञापन और दृश्य प्रचार निदेशक,

स्वास्थ्य सेवा महानिदेशालय

नई दिल्ली, दिनांक 24 मार्च 1981

सं० ए० 19019/30/80-ए० आई० आई० पी० एच० (प्रशासन-I) — अधिकारी भारतीय स्वास्थ्य विज्ञान तथा जन स्वास्थ्य संस्थान कलकत्ता में व्यावहारिक विज्ञान की सहायक प्रोफेसर डा० (कुमारी) उमा चौधरी, सेवा निवृत्त की आवश्यु हो जाने के फलस्वरूप वह 31 जनवरी, 1981 के अपराह्न से सरकारी सेवा से निवृत्त हो गई है।

दिनांक 25 मार्च 1981

सं० ए० 1920/29/79-(एस० डी०) प्रशासन-I— स्वास्थ्य सेवा महानिदेशक ने 31 जनवरी, 1981 की अपराह्न से भारत सरकार के सीरा विज्ञान तथा रसायन परीक्षक के कार्यालय कलकत्ता के इम्पोनेक्मिस्ट डा० सोमसंकर दास गुप्ता का सरकारी सेवा से त्याग पत्र स्वीकार कर लिया है।

सं० ए० 31014/7/80 (जे० आई० पी०) प्रशासन-I— स्वास्थ्य सेवा महानिदेशक ने श्री एस० जार्ज को 17 जनवरी, 1980 से जवाहर लाल न्नातकोत्तर चिकित्सा शिक्षा तथा अनुसंधान संस्थान, पार्णिमेचेरी में लेखा अधिकारी के स्थायी पद पर स्थायी आधार पर नियुक्त किया है।

शाम लाल कुट्ठियाला
उप निदेशक प्रशासन

नई दिल्ली, दिनांक 30 मार्च 1981

सं० ए० 12025/3/79-(सी० आर० आई०)/प्रशासन-I— गान्धपति ने श्री आर० त्यागराजन को 25 फरवरी, 1981 के पूर्वाह्न से आगामी आदेशों तक केन्द्रीय अनुसंधान संस्थान, कसौली में वायो-मेडिकल इंजीनियर के पद पर अस्थायी आधार पर नियुक्त किया है।

सं० ए० 12025/22/79/सी० आर० आई० ई० (प्रशासन-1)— गान्धपति ने श्री कृष्ण कुमार त्रिपाठी को केन्द्रीय अनुसंधान संस्थान कसौली में 13 फरवरी, 1981 पूर्वाह्न से आगामी आदेशों तक उप सहायक निदेशक (नान-मेडिकल) के पद पर अस्थायी रूप से नियुक्त किया है।

सं० ए० 12026/12/80(सी० आर० आई०) प्रशासन-1— स्वास्थ्य सेवा महानिदेशक ने श्री श्री० पी० नथानी को केन्द्रीय अनुसंधान संस्थान, कसौली में 17 जनवरी, 1981 पूर्वाह्न से आगामी आदेशों तक हिन्दी अधिकारी के पद पर पदर्थ आधार पर नियुक्त किया है।

सं० ए० 22013/3/80-प्रशासन-1— डा० पी० के० घोष की केन्द्रीय सरकार स्वास्थ्य योजना, हैदराबाद में बदली हो जाने के फलस्वरूप उन्होंने 19 सितम्बर, 1980 के अपराह्न से केन्द्रीय सरकार स्वास्थ्य योजना, कलकत्ता से दंत चिकित्सक के पद का कार्यभार छोड़ दिया है।

डा० घोष ने 23 सितम्बर, 1980 के पूर्वाह्न से केन्द्रीय सरकार स्वास्थ्य योजना, हैदराबाद में दंत चिकित्सा के पद का कार्यभार संभाल लिया है।

संगत सिंह
उपनिदेशक प्रशासन

ग्रामीण पुर्णनिर्माण मंत्रालय

विपणन एवं निरीक्षण निदेशालय

फरीदाबाद, दिनांक 25 मार्च 1981

सं० ए० 19023/1/81-प्र० तृ०— विभागीय पदोन्नति समिति (वर्ग-ब) की संस्तुतियों के अनुसार श्री डी० एस० चन्द्रशेखरन, सहायक विपणन अधिकारी को तारीख 11-2-81 (पूर्वाह्न) से अगले आदेश होने तक इस निदेशालय के अधीन नागपुर में स्थानापन्न विपणन अधिकारी (वर्ग-III) के रूप में नियुक्त किया जाता है।

(2) विपणन अधिकारी के रूप में पदोन्नति होने के उपरान्त श्री चन्द्रशेखरन ने तारीख 11-2-81 के पूर्वाह्न में नागपुर में सहायक विपणन अधिकारी (वर्ग-III) के पद पर कार्यभार छोड़ दिया है।

सं० ए० 19025/1/81-प्र०-III— संघ लोक सेवा आयोग की संस्तुतियों के अनुसार श्री तपस कुमार रे को इस निदेशालय के अधीन नागपुर में दिनांक 4-2-81 (पूर्वाह्न) से अगले आदेश होने तक स्थानापन्न रूप में सहायक विपणन अधिकारी (वर्ग-1) के रूप में नियुक्त किया गया है।

सं० ए० 19025/3/81-प्र० तृ०— संघ लोक सेवा आयोग की संस्तुतियों के अनुसार श्री उत्पल सेनगुप्ता को इस निदेशालय के अधीन भद्रास में दिनांक 9-2-81 (पूर्वाह्न) से अगले आदेश होने तक स्थानापन्न सहायक विपणन अधिकारी (वर्ग-III) के रूप में नियुक्त किया गया है।

दिनांक 26 मार्च 1981

सं० ए० 19023/6/81-प्र० तृ०— श्री आर० के० व्याघरा सहायक विपणन अधिकारी को इस निदेशालय के अधीन नासिक रोड में दिनांक 28-2-81 (पूर्वाह्न) से पूर्णतया अल्पकालीन आधार पर 6 माह की अवधि के लिए या जब तक पद नियमित आधार पर भरा जाता है, दोनों में से जो भी पहले हो, स्थानापन्न विपणन अधिकारी (वर्ग-1) के रूप में नियुक्त किया जाता है।

(2) विपणन अधिकारी के रूप में पदोन्नति होने के उपरान्त श्री व्याघरा ने दिनांक 28-2-81 के पूर्वाह्न में नासिक में सहायक विपणन अधिकारी के पद का कार्यभार छोड़ दिया है।

बी० एल० मनिहार
निदेशक प्रशासन
कुते कृषि विपणन सलाहकार

परमाणु ऊर्जा विभाग

क्रय और भंडार निदेशालय

बस्टर्ड-400001, दिनांक 24 मार्च 1981

सं० क्र० भं० नि०/2/1(25)/77-प्रशासन/5930—
निदेशक, क्रय और भंडार निदेशालय, परमाणु ऊर्जा विभाग,
श्रीबी० एन० गनावा, सहायक लेखा अधिकारी का अवकाश
स्वीकृत होने के कारण इस निदेशालय के अस्थायी लेखापाल
श्री वोरेन्द्र कुमार को स्थानापन्न रूप से सहायक लेखा अधिकारी
पद पर रुपये 650-30-740-35-880-ई० बी०-40-960 के
वेतन ऋम में दिनांक 17 जनवरी 1981 से 31 जनवरी 1981
तक तदर्थ रूप से इसी निदेशालय में नियुक्त करते हैं।

आर० पी० डिसूजा
सहायक कार्यालय
अधिकारी

राजस्थान परमाणु विद्युत परियोजना

अग्रणीकृति, दिनांक 25 मार्च 1981

सं० राष्ट्रिय/04627/1(482)/81/स्था० प्रणा०/491—
महालेखाकार कार्यालय, राजस्थान जयपुर के अनुभाग अधिकारी
(लेखा) श्री सदाशिव पंडित जो राजस्थान परमाणु विद्युत
परियोजना में सहायक लेखा अधिकारी के पद पर प्रतिनियुक्ति
पर थे के महालेखाकार कार्यालय में प्रत्यावर्तन पर उन्होंने
28 फरवरी, 1981 को अपराह्न में परियोजना में अपने पद
का कार्यभार छोड़ दिया है।

गोपाल सिंह
प्रणासन अधिकारी (स्थापना)

(परमाणु खनिज प्रभाग)

हैदराबाद-500016, दिनांक मार्च 1981

सं० प० ख० प्र०-1/6/80-भर्ती—परमाणु ऊर्जा विभाग के
परमाणु खनिज प्रभाग के निदेशक एतद्वारा श्री के० रमेश
कुमार को परमाणु खनिज प्रभाग में 7 मार्च, 1981 के पूर्वाह्न
से अगले आदेश होने तक अस्थायी रूप से वैज्ञानिक अधिकारी/
अभियंता ग्रेड 'एस० बी०' नियुक्त करते हैं।

दिनांक 28 मार्च 1981

सं० प० ख० प्र०-4(15)/80-भर्ती—परमाणु ऊर्जा
विभाग के परमाणु खनिज प्रभाग के निदेशक एतद्वारा परमाणु
खनिज प्रभाग के स्थायी वैज्ञानिक सहायक 'सी' श्री आर० सी०
सक्सेना को उसी प्रभाग में 1 फरवरी, 1981 के पूर्वाह्न से
अगले आदेश होने तक स्थानापन्न रूप से वैज्ञानिक अधिकारी
'एस० बी०' नियुक्त करते हैं।

एम० एस० राधा
वरिष्ठ प्रशासन एवं लेखा अधिकारी

अन्तरिक्ष विभाग

इसरो मुख्यालय

बंगलौर-560009, दिनांक 17 मार्च 1981

सं० मुख्य प्रशासन : 12.25—अन्तरिक्ष विभाग के
भारतीय अन्तरिक्ष अनुसंधान संगठन मुख्यालय में वैज्ञानिक
सचिव, इसरो, अन्तरिक्ष विभाग के इसरो मुख्यालय, बंगलौर
में भारतीय अन्तरिक्ष अनुसंधान संगठन के निम्नलिखित अधि-
कारियों को प्रत्येक के मामले दिये गये पदों पर और तारीखों
के पूर्वाह्न से स्थानापन्न रूप में आगामी आदेश तक नियुक्त
करते हैं।

क्रम	अधिकारी का नाम	जिस पद पर नियुक्त	तारीख
सं०	तथा पदनाम	किया गया है	

- श्री ए० पद्मानाभन सहायक लेखा अधिकारी 26-5-1980
लेखा सहायक "बी"
- श्री के० मुकुमारन नायर सहायक प्रशासन अधि-19-9-1980
वैज्ञानिक सहायक। कारी।
- श्री के० वो० राजा राव इंजीनियर "एम० बी०" 1,-10-1980
प्राप्तकार "ई"।

एन० वो० जो० वारियर
प्रशासन अधिकारी
हृते वैज्ञानिक सचिव

महानिवेशक नागर विमानन का कार्यालय

नई दिल्ली, दिनांक 18 मार्च 1981

सं० ए० 31013/2/79-ई० एम०—राष्ट्रपति ने निम्न-
लिखित चार अधिकारियों को दिनांक 31-1-1981 से उपनिदेशक/
नियंत्रक वैमानिक निरीक्षण के ग्रेड में स्थायी रूप से नियुक्त
किया है:—

- श्री एस० पी० मार्या
- श्री एस० एन० शर्मा
- श्री टी० के० के० नायर
- श्री एम० एम० चावला

दिनांक 25 मार्च, 1981

सं० ए० 32013/5/80-ई० सी०—राष्ट्रपति ने निदेशक,
रेडियो निर्माण और विकास एकक, नई दिल्ली, के कार्यालय के
श्री पी० आर० सुर्यनन्दन, वरिष्ठ तकनीकी अधिकारी, को दिनांक
9 दिसम्बर, 1980 (पूर्वाह्न) से छः मास की अवधि के लिए
उपनिदेशक/नियंत्रक संचार के ग्रेड में तदर्थ आधार पर नियुक्त
किया है और उन्हें उसी कार्यालय में तैनात किया है।

दिनांक 28 मार्च 1981

सं० ए०-12025/6/77-ई० एस०—इस विभाग की दिनांक 19-7-80 की समसंख्या अधिसूना के ऋम में राष्ट्रपति ने श्री मतिन्दर मिह को उपनिदेशक विमान सुरक्षा/क्षेत्रीय नियंत्रक विमान सुरक्षा (इंज०) के पद पर को गई तदर्थ नियुक्ति को 10-12-1980 के बाद आगे छः मास की अवधि के लिए अवधार प्रेड में नियमित नियुक्ति होने तक इन में से जो भी पहले हो, जारी रखने को मजूर ही है।

सं० ए० 32014/1/80-ई० एस०—महानिदेशक नागर विमानन ने श्री ज० ए० ग० जूत्या०, भंडार सहायक को दिनांक 29 दिसम्बर, 1980 पूर्वाह्न से अन्य आदेश होने तक क्षेत्रीय निदेशक, दिल्ली; क्षेत्र सफररजंग एयरपोर्ट, नई दिल्ली के कार्यालय में भंडार अधिकारी (समूह “ब” पद) के पद पर नियमित आधार पर नियुक्त किया है।

सं० ए० 32014/1/80-ई० एस०—महानिदेशक नागर विमानन ने श्री डॉ० ए० संबुली, भंडार सहायक को दिनांक 12 जनवरी, 1981 पूर्वाह्न से अन्य आदेश होने तक नियंत्रक, केन्द्रीय रेडियो भंडार डिपॉ, नेताजी नगर, नई दिल्ली के कार्यालय में भंडार अधिकारी (समूह “ब” पद) पर नियमित आधार पर नियुक्त किया है।

व०० जयचन्द्रन
महायक निदेशक प्रशासन

वन अनुसंधान संस्थान एवं महाविद्यालय

देहरादून, दिनांक 25 मार्च 1981

सं० 16/233/74-स्थापना-१—प्रतिनियुक्ति की अवधि को समाप्ति पर श्री पौ० के० रायचौधरी, महायक शिक्षक, पूर्वी वन राजिन महाविद्यालय, कुसियांग को सेवायें दिनांक 31 जुनाई 1980 के अपराह्न से पुनः राज्य सरकार पश्चिम बंगाल को सौंपी गई।

श्रीरा० ए० स० महन्ता
कुल मच्चिव,
वन अनुसंधान संस्थान एवं महाविद्यालय।

केन्द्रीय उत्पादक शुल्क एवं सीमा शुल्क समाहर्तालिय

तागपुर-440001, दिनांक 24 मार्च 1981

सं० 5/81—भारत सरकार, वित्त मंत्रालय, राजस्व विभाग नई दिल्ली के पत्र संख्या ए०-22012/19/81-ए० डॉ०-II, दिनांक 18 फरवरी 1981 के प्रत्यर्गत जारी आदेश अमांक 25/81 के अनुमार इस समाहर्ताक्षेत्र में अधीक्षक केन्द्रीय उत्पादक शुल्क, श्रेणी “क” के पद पर तैनात के फलस्वरूप श्री ए० के० कौशल ने अधीक्षक, केन्द्रीय उत्पादक शुल्क श्रेणी “क”, मुख्यालय, नागपुर के पद का दिनांक 10 मार्च 1981 के पूर्वाह्न से कार्यभार संभाल लिया।

के० शंकररामन
समाहर्ता

मद्रास-१, दिनांक 6 मार्च 1981

सीमाशुल्क/स्थापना

सं० 2/81—श्री ग्रार० रामचन्द्रन, स्थायी परिक्षक तथा स्थानापन्न मूल्यनिरपक, सीमाशुल्क घर, मद्रास, सेवानिवृत्ति की आयु 58 के होने पर ता० 28-2-81 के अपराह्न से सेवा-निवृत्त हुए हैं।

सं० 3/81—श्री पौ० जे० सुन्दरराव, स्थायी मूल्यनिरपक सीमाशुल्क घर, मद्रास तारीख 28-2-81 के अपराह्न से सेवा-निवृत्त की आयु 58 वर्ष के होने पर सेवा से निवृत्त हो गये।

ए० सं० सलदाना
सीमाशुल्क समाहर्ता

केन्द्रीय विद्युत प्राधिकारण

नई दिल्ली-110022, दिनांक मार्च 1981

सं० 22/3/80-प्रशासन-१(बी)—प्रध्यक्ष, केन्द्रीय विद्युत प्राधिकारण एतद्वारा निम्नलिखित अधिकारियों को, जिनके ग्रेड उनके सामने लिखे हए हैं, केन्द्रीय विद्युत-इंजीनियरिंग (प्रूप ‘बी’) सेवा के प्रतिरित सहायक निदेशक /सहायक इंजीनियर के पद पर उनके कार्यभार संभालने की तारीख से छः मास की अवधि के लिए या तब तक कोई नियमित अधिकारी उपलब्ध नहीं हो जाता, जो भी पहले होगा, तदर्थ आधार पर नियुक्त करते हैं:—

नाम	जिस ग्रेड में कार्य कर रहे हैं	कार्यभार संभालने की तारीख
		(पूर्वाह्न)
1. श्री जंग बहादुर	तकनीकी सहायक	10-2-81
2. श्री ए० स० सी० मरवाह	—वही—	9-2-81
3. श्री ग्रार० पौ० गर्मा	—वही—	9-2-81
4. श्री सी० ए० स० भलिक	—वही—	3-3-81
5. श्री के० ए० स० प्रसाद	पर्यवेक्षक	10-2-81

बी० ए० स० लाल
अवर सचिव
कृते अध्यक्ष

केन्द्रीय जल आयोग

सूखा क्षेत्र अध्ययन सर्किल-१

नई दिल्ली, दिनांक 27 मार्च 1981

सं० सू० क्षे० ग्र० स०/य०० का०-1599/81—केन्द्रीय सिविल सेवाएं (अस्थायी सेवा) नियमावली, 1965 के नियम 5 के उप नियम के अनुसरण में, मैं एतद्वारा श्री गोविन्द राम, अनुरेखक (छुटी पर) को सूचित करता हूँ कि उनकी सेवाएं

इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशित होने की तिथि से एक मास की अवधि समाप्त होने की तारीख को समाप्त हो जाएगी।

एस० बी० सुश्रमण्यम
अधीक्षक इंजीनियर
सूचा अध्ययन क्षेत्र संकेत-1

मध्य रेलवे

बम्बई वॉ० टी०, दिनांक 26 मार्च 1981

मं० एच० पी० जी०/२२०/जी०/एच०—निम्नलिखित सहायक मण्डल चिकित्सा अधिकारियों को उनके नाम के सामने दी गयी तारीख से भारतीय रेल चिकित्सा सेवा की श्रेणी-1 में स्थायी किया गया है:—

क्रमांक	नाम	स्थायीकरण	तारीख
1.	डा० ए० के० पाल	.	1-1-73
2.	डा० बी० चटर्जी	.	1-1-73
3.	डा० एम० एम० सरकार	.	1-1-73
4.	डा० एस० सी० बंगारकर	.	1-1-73
5.	डा० ए० पी० घोष	.	1-1-73
6.	डा० एफ० डी० परेरा	.	1-1-73
7.	डा० मुहम्मद हसरतुल्लाह	.	1-1-73
8.	डा० ज० आर० सेठी	.	1-1-73
9.	डा० एस० सी० दासगुप्ता	.	1-1-73
10.	डा० (श्रीमती) उपाकिंवे	.	1-1-73
11.	डा० ज० के० अग्रवाल	.	1-1-73
12.	डा० ए० के० सरकार	.	1-1-73
13.	डा० एम० एम० मवा	.	1-1-73
14.	डा० एर० झी० गुप्ता	.	1-1-73
15.	डा० एन० बन्दु	.	1-1-73
16.	डा० पी० विश्वास	.	1-1-73
17.	डा० एम० बी० साखरे	.	1-1-73
18.	डा० एम० पी० तांबे	.	1-1-73
20.	डा० एस० सिंह	.	1-1-73
21.	डा० आर्ट० एस० चक्रवर्ती	.	1-1-73
22.	डा० एस० पी० विश्वास	.	1-1-73
23.	डा० आर० एन० टक्कर	.	1-1-73
24.	डा० जी० एल० जायसवाल	.	1-1-73
25.	डा० जी० एच० भाटिया	.	1-1-73
26.	डा० एस० के० गुप्ता	.	1-1-73
27.	डा० (श्रीमती) आर्ट० सेठी	.	1-1-73
28.	डा० एस० एम० चतुर्वेदी	.	1-1-73
29.	डा० डी० आर० बापट	.	1-1-73
30.	डा० बी० एन० खानपुरकर	.	1-1-73
31.	डा० (श्रीमती) एस० भड्डारी	.	1-1-73
32.	डा० डी० डी० अरोरा	.	1-1-73
33.	डा० ज० ज० केलकर	.	1-1-73
34.	डा० एस० डी० दीक्षित	.	1-1-73
35.	डा० जी० डी० हुंका	.	1-1-73

क्रमांक	नाम	स्थायीकरण तारीख
36.	डा० के० पी० सिंह	1-1-73
37.	डा० एच० जी० श्रीवास्तवा	1-1-73
38.	डा० बी० आर० बकाने	1-1-73
39.	डा० बी० सी० गायन	1-1-73
40.	डा० आर० एस० अथ्यर	1-1-73
41.	डा० डी० राय	1-1-73
42.	डा० ऐ० घोष	1-1-73
43.	डा० के० एस० लक्कर	1-1-73
44.	डा० (श्रीमती) आशा कथृरिया	1-1-73
45.	डा० आर० निगम	1-1-73
46.	डा० एम० एस० उगाले	1-1-73
47.	डा० प० के० विश्वास	1-1-73
48.	डा० के० एन० मलिक	1-1-73
49.	डा० पी० के० पाछने	1-1-73
50.	डा० जी० के० बालानी	1-1-73
51.	डा० ज० बी० अध्या	1-1-73
52.	डा० डी० के० दत्ता	1-1-73
53.	डा० पी० के० पाल	1-1-73
54.	डा० के० पी० घोष	1-1-73
55.	डा० एस० सी० अधिकारी	1-1-73
56.	डा० एच० के० आचार्या	1-1-73
57.	डा० पी० सी० मुकर्जी	1-1-73
58.	डा० ए० सी० जोहरी	1-1-73
59.	डा० जी० के० आडवानी	1-1-73
60.	डा० सी० एल० महरा	1-1-73
61.	डा० एम० ए० अनसारी	1-1-73
62.	डा० एस० पी० राय	1-1-73
63.	डा० एम० ज० श्रीबंदे	1-1-73
64.	डा० प० के० मलिक	1-1-73
65.	डा० प० ब० ब० चौधरी	1-1-73
66.	डा० एस० ब० घोष	1-1-73
67.	डा० एस० एम० भौमिक	1-1-73
68.	डा० ब० ड० प० ल० पलौद	1-1-73
69.	डा० एल० एम० शर्मा	1-1-73
70.	डा० (मिस) ए० राजाभणि	1-1-73
71.	डा० के० के० गुह	1-1-73
72.	डा० ट० एम० शहा	1-1-80
73.	डा० ज० ट० अहुजा	1-1-73
74.	डा० ब० के० विश्वास	1-1-73
75.	डा० है० ब० पुरी	1-1-73
76.	डा० (श्रीमती) ए० के० पारीख	1-1-73
77.	डा० ए० के० शार्णुल्य	1-1-73
78.	डा० ब० ए० एस० पनवर	1-1-73
79.	डा० एन० के० माजुमदार	1-1-73
80.	डा० ज० ब० घोड़के	1-1-73

क्रमांक	नाम	स्थायीकरण तारीख	क्रमांक	नाम	स्थायीकरण तारीख
81.	डा० डो० एन० उपासनी	. . . 1-1-73	127.	डा० शंकरलाल	. . . 1-1-73
82.	डा० एम० बी० वाईकर	. . . 1-1-73	128.	डा० एस० एस० पारोख	. . . 1-1-73
83.	डा० एस० एन० पाल	. . . 1-1-73	129.	डा० पी० के० मेहता	. . . 1-1-73
84.	डा० बी० एम० विरहा	. . . 1-1-73	130.	डा० पी० बी० जोशी	. . . 1-1-73
85.	डा० (श्रीमती) एफ० एल० ठाकुर	. . . 1-1-73	131.	डा० आर० के० जयसवाल	. . . 1-1-73
86.	डा० (श्रीमती) ए० आर० दाने	. . . 1-1-73	132.	डा० पी० सी० खुलबे	. . . 1-1-73
87.	डा० एस० पी० खोरसागर	. . . 1-1-73	133.	डा० ए० पी० गुप्ता	. . . 1-1-73
88.	डा० आर० एस० दाने	. . . 1-1-73	134.	डा० ए० के० चतुरकेदी	. . . 1-1-73
89.	डा० पी० सी० जैन	. . . 1-1-73	135.	डा० आर० ए० खान	. . . 1-1-73
90.	डा० बी० बी० रामटेके	. . . 1-1-73	136.	डा० डी० बी० जैन	. . . 1-1-73
91.	डा० एम० एस० बड़ालकर	. . . 1-1-73	137.	डा० बी० बी० मेशराम	. . . 1-1-73
92.	डा० बी० जी० जोगलेकर	. . . 1-1-73	138.	डा० एच० एन० सक्षेत्रिया	. . . 1-1-73
93.	डा० (श्रीमती) के० बी० जोगलेकर	. . . 1-1-73	139.	डा० एम० सी० वशिष्ठा	. . . 1-1-73
94.	डा० एम० बी० संगमनेरकर	. . . 1-1-73	140.	डा० रामकुमार सिंह	. . . 1-1-73
95.	डा० एस० डो० पी० चौधरी	. . . 1-1-73	141.	डा० आर० के० श्रीवास्तवा	. . . 1-1-73
96.	डा० जे० गाइकवाड़	. . . 1-1-73	142.	डा० एम० हुसेन	. . . 1-7-74
97.	डा० बी० बी० गाढे	. . . 1-1-73	143.	डा० (श्रीमती) डा० जे० पारोख	. . . 23-10-74
98.	डा० पी० ट० मोहिते	. . . 1-1-73	144.	डा० आर० के० अश्रवाल	. . . 1-11-73
99.	डा० पी० ए० कुलकर्णी	. . . 1-1-73	145.	डा० रवि प्रकाश	. . . 1-8-76
100.	डा० बी० एन० बापट	. . . 1-1-73	146.	डा० एस० के० गौर	. . . 5-8-76
101.	डा० (श्रीमती) हूर मोहन	. . . 1-1-73	147.	डा० एस० बी० जटकर	. . . 1-10-76
102.	डा० आर० डी० महेसकर	. . . 1-1-73	148.	डा० आर० बी० पड़ोत	. . . 8-11-76
103.	डा० पी० एस० महेश्वरी	. . . 1-1-73	149.	डा० एम० के० भोंडोले	. . . 7-1-77
104.	डा० एम० बी० कुलकर्णी	. . . 1-1-73	150.	डा० जे० के० श्रीत्री	. . . 8-1-77
105.	डा० एन० एफ० गजमे	. . . 1-1-73			
106.	डा० (श्रीमती) जे० जो० बलानी	. . . 1-1-73			
107.	डा० एस० आर० सखा	. . . 1-1-73			
108.	डा० चितामनी	. . . 1-1-73			
109.	डा० बी० जो० साओजी	. . . 1-1-73			
110.	डा० (श्रीमती) पा० एम० राव	. . . 1-1-73			
111.	डा० जे० दास गुप्ता	. . . 1-1-73			
112.	डा० बी० एम० अश्रवाल	. . . 1-1-73			
113.	डा० एल० आर० चंद्रकर	. . . 1-1-73			
114.	डा० जे० पी० निगम	. . . 1-1-73			
115.	डा० ए० पी० जैन	. . . 1-1-73			
116.	डा० (श्रीमती) के० एन० शम्मारकर	. . . 1-1-73			
117.	डा० बी० के० व्यास	. . . 1-1-73			
118.	ड० (श्रीमती) एस० पी० गुप्ता	. . . 1-1-73			
119.	डा० एम० डीकास्टा	. . . 1-1-73			
120.	डा० एम० बी० बी० अम्बरडेकर	. . . 1-1-73			
121.	डा० डा० सी० दान्तरे	. . . 1-1-73			
122.	डा० एस० के० खशा	. . . 1-1-73			
123.	डा० सी० एम० कोमलकर	. . . 1-1-73			
124.	डा० (श्रीमती) उ० एम० मोकाशी	. . . 1-1-73			
125.	डा० एम० एल० बांगडे	. . . 1-1-73			
126.	डा० एस० एच० फुलजेले	. . . 1-1-73			

ए० के० चक्रवर्ती
महा प्रबन्धक

विधि, न्याय एवं कम्पनी कार्य मंत्रालय

(कम्पनी कार्य विभाग)

कम्पनी लौं बोँड

कम्पनियों के रजिस्ट्रार का कार्यालय

कम्पनी अधिनियम 1956 और ओबराय होटल
(इन्टरनेशनल) प्रा० लिमिटेड के विषय में

नई दिल्ली, दिनांक 5 मार्च 1981

सं० 6078/4789—कम्पनी अधिनियम 1956 की धारा 560 को उपधारा(5) के अनुसरण में एतद्वारा सूचना दो जातो हैं कि ओबराय होटल (इन्टरनेशनल) प्रा० लिमिटेड का नाम आज रजिस्टर से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विषट्टि हो गई है।

जा० बी० सक्सेना
सहायक रजिस्ट्रार आफ कम्पनीज
दिल्ली

कम्पनी अधिनियम 1956—प्रान्ध प्रचारिनि लिमिटेड के विषय में।

हैदराबाद, दिनांक 25 मार्च 1981

सं० 113(560)—कम्पनी अधिनियम की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन माह के अवसान पर आन्ध्र प्रचारिनि लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल कारण दर्शित न किया गया तो रजिस्टर से काट दिया जाएगा और उक्त कम्पनी विघटित कर दो जायेगा।

कम्पनी अधिनियम 1956—दि आंध्रा स्लाबस प्राइवेट लिमिटेड के विषय में।

हैदराबाद, दिनांक 25 मार्च 1981

सं० 797(560)—कम्पनी अधिनियम की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन माह के अवसान पर दि आंध्रा स्लाबस प्राइवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल कारण दर्शित न किया गया तो रजिस्टर से काट दिया जाएगा और उक्त कम्पनी विघटित कर दो जाएंगी।

कम्पनी अधिनियम 1956 विशाखा ट्रान्सपोर्ट सर्विस प्राइवेट लिमिटेड के विषय में।

हैदराबाद, दिनांक 25 मार्च 1981

सं० 973/560—कम्पनी अधिनियम की धारा 560 की (5) के अनुसरण के एतद्वारा सूचना दी जाती है कि विशाखा ट्रान्सपोर्ट सर्विस प्राइवेट लिमिटेड का नाम आज रजिस्टर से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विघटित हो गई है।

बी० एस० राजू
कम्पनियों का रजिस्ट्रार,
आन्ध्र प्रदेश, हैदराबाद।

कम्पनी अधिनियम, 1956 और पापडियन पब्लिकेशन्स लिमिटेड के विषय में।

मुम्रास, दिनांक 30 मार्च 1981

सं० 7071/560/81—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण में एतद्वारा सूचना दी जाती है कि पापडियन पब्लिकेशन्स लिमिटेड का नाम आज रजिस्टर से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विघटित हो गई है।

ह० अपठनीय
कम्पनियों का सहायक रजिस्ट्रार
तमिलनाडु

कार्यालय कम्पनी रजिस्ट्रार, मध्य प्रदेश ग्वालियर
कम्पनी अधिनियम, 1956 और मैसर्स सहयोगी
फायरेन्स (सतना) प्राइवेट लिमिटेड के विषय में।

ग्वालियर, दिनांक 31 मार्च 1981

सं० 1170/यादव/7299—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण में एतद्वारा यह सूचना दी जाती है कि मै० सहयोगी फायरेन्स (सतना) प्राइवेट लिमिटेड का नाम आज रजिस्टर से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विघटित हो गई है।

सुरेन्द्र कुमार सक्सेना,
कम्पनी रजिस्ट्रार
मध्य प्रदेश ग्वालियर

कार्यालय आयकर आयुक्त

नई दिल्ली, दिनांक 1 नवम्बर 1980

आयकर स्थापना

विषय:—स्थापना—राजपत्रित—आयकर अधिकारियों (ग्रुप-बी) की पुष्टि।

सं० ई०-१/सी० आई० टी० (1)/डी० पी० सी०/(ग्रुप-बी)/कल्कमेशन/78-79/1980-81/83493—श्री बी० प्रार० मलिक, आयकर अधिकारी (ग्रुप-बी सीधी भर्ती) को, जिन्हें विभागीय पदोन्नति समिति ने पुष्टि के लिए उपयुक्त पाया है, दिनांक 1 मई 1977 से रु० 650-30-740-35-810-ई० बी० 35-880-40-1000-ई० बी०-40-1200 के बेतनमान में आयकर अधिकारी (ग्रुप-बी०) के स्थायी पद पर मूल रूप से नियुक्त किया जाता है। किन्तु बाद में आवश्यक होने पर पुष्टि की तारीख में परिवर्तन किया जा सकता है।

दिनांक 26 दिसम्बर 1980

विषय:—स्थापना—राजपत्रित—आयकर अधिकारियों (ग्रुप बी) की पुष्टि।

सं० ई०-१/सी० आई० टी० (1)/डी० पी० सी० श्रेणी-II/कल्कमेशन/78-79 से 80-81/37226—श्री एम० एम० शारदी आयकर अधिकारी (ग्रुप-बी०) [को, जिन्हें विभागीय पदोन्नति समिति ने पुष्टि के लिए उपयुक्त पाया है, रु० 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1100-द० रो०-40-1200 के बेतनमान में आयकर अधिकारी, ग्रुप-बी० के स्थायी पद पर 12 जुलाई 1980 से मूल रूप से नियुक्त किया जाता है।

पुष्टि की उपर्युक्त तारीख में, बाद में आवश्यक होने पर परिवर्तन किया जा सकता है।

एम० उल्लू० ए० खान
आयकर आयुक्त दिल्ली-1, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 10 मार्च 1981

आयकर

सं० सी० आई० टी०-६/ज्यूरी/८०-८१/४४६२५—आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43वां) की धारा 124 की

उपधारा (1) और (2) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए तथा इसी विषय पर पहले जारी की गई अधिसूचना में आंशिक मंशोधित करते हुए आयकर आयुक्त, दिल्ली-5, नई दिल्ली निदेश देते हैं कि आयकर अधिकारी (मुख्यालय-5) नई दिल्ली का आयकर अधिकारी डिं. III (20), नई दिल्ली के साथ उनके द्वारा निर्धारित/निर्धारण योग्य व्यक्तियों के मामलों के संबंध में समवर्ती अधिकार क्षेत्र होगा किन्तु इसमें धारा 127 अन्तर्गत सौंपे गये या इसके बाद सौंपे जाने वाले मामले शामिल नहीं होंगे।

कार्य निष्पादन की सुविधा के लिए आयकर आयुक्त, दिल्ली-5, निरीक्षीय सहायक आयकर आयुक्त, रेंज-5वीं, नई दिल्ली को भी आयकर अधिनियम की धारा 124 की उपधारा 2 में अपेक्षित आदेशों को पास करने के लिए प्राधिकृत करते हैं।

यह अधिसूचना 2/2/81 से लागू होगी।

दिनांक 10 मार्च 1981

आयकर

सं. ज्यूरी/दिल्ली-5/80-81/44751—धनकर अधिनियम 1957 की धारा 8 क की उपधारा (1) और दानकर अधिनियम 1958 की धारा 7 क क द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, धनकर/दानकर आयुक्त दिल्ली-5, नई दिल्ली निदेश देते हैं कि इसके साथ संलग्न अनुसूची “क” में निर्दिष्ट मामलों के बारे में धनकर अधिकारी/दानकर अधिकारी डिं. -4(10) को प्रदत्त या सौंपी गई सभी या किसी भी शक्ति या कार्य का प्रयोग या निष्पादन निरीक्षीय सहायक आयकर आयुक्त रेंज-5-ई०, नई दिल्ली समवर्ती करेंगे।

2. कार्य निष्पादन की सुविधा के लिये धनकर/दानकर आयुक्त, दिल्ली-5, नई दिल्ली निरीक्षीय सहायक धनकर/दानकर आयुक्त, रेंज-5 ई० नई दिल्ली को भी धनकर अधिनियम की धारा 8 क की उपधारा (2) एवं दानकर अधिनियम की धारा 7 क क में अपेक्षित आदेशों को पास करने के लिए प्राधिकृत करते हैं।

3. यह अधिसूचना 13-2-81 से लागू होगी।

आरोड़ी० संक्षेप
आयकर आयुक्त, दिल्ली-5।

धनकर के मामलों की सूची

अनुसूची “क”

क्रम सं.	निवारिति का नाम	हैसियत	स्थार्ड लेखा सं.
1	2	3	4
1.	श्री अवतार सिंह कोहली।	डिस्ट्रिक्ट व्यक्तिगत	220018-पी० क्य०- 4921

1	2	3	4
2.	श्रीमती मुरेन्द्र सेठी	डिस्ट्रिक्ट व्यक्तिगत	22037-पी० क्य०- 9339।
3.	श्री मानप्रीत सिंह	डिस्ट्रिक्ट व्यक्तिगत।	22037-पी० एन०- 9333
4.	श्री दलदीप सिंह	डिस्ट्रिक्ट व्यक्तिगत।	22037-पी० टी०- 9825
5.	श्री हरप्रीत सिंह	डिस्ट्रिक्ट व्यक्तिगत।	22037-पी० आई०- 2329
6.	श्री इकबाल सिंह	व्यक्तिगत कोहली।	22037-पी० टी०- 9330

नई दिल्ली, दिनांक 10 मार्च 1981

सं. सी० आई० टी०/टी०-6/ज्यूरी/80-81/44877—आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43वाँ) की धारा 124 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों तथा इस संबंध में प्राप्त अन्य सभी शक्तियों का प्रयोग करते हुए, आयकर आयुक्त दिल्ली-6, नई दिल्ली निदेश देते हैं कि अधिसूचना सं. सी० आई० टी०-6/ज्यूरी/80-81/39738 दिनांक 29 फरवरी 1981 को 3-3-81 से रद्द समझा जाए।

सं. सी० आई० टी० 6/जूड़ि०/80-81/44998—आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43वाँ) की धारा 124 की उपधारा (1) और (2) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए आयुक्त दिल्ली-6, नई दिल्ली निदेश देते हैं कि निम्नलिखित अनुसूची के कालम 2 में निर्दिष्ट आयकर अधिकारी का इसी अनुसूची के कालम 3 में निर्दिष्ट आयकर अधिकारी के साथ, उसके द्वारा निर्धारित/निर्धारण योग्य व्यक्तियों/मामलों के संबंध में समवर्ती अधिकारी अंतर्गत होगा किन्तु इसमें धारा 127 के अन्तर्गत सौंपे गये का या इसके बाद सौंपे जाने वाले मामले शामिल नहीं होंगे।

कार्य निष्पादन की सुविधा के लिए आयकर आयुक्त दिल्ली-6, निरीक्षीय सहायक आयकर आयुक्त, रेंज-1-वीं, नई दिल्ली को भी आयकर अधिनियम की धारा 124 की उपधारा-2 में अपेक्षित आदेशों को पास करने के लिए प्राधिकृत करते हैं।

यह अधिसूचना 3-3-81 से लागू होगी।

अनुसूची

1	2	3
1. आयकर अधिकारी पांचवां अतिरक्त वेतन सर्किल, नई दिल्ली।	आयकर अधिकारी तीसरा अतिरिक्त वेतन सर्किल नई दिल्ली।	

टी० एन० चौधरी
आयकर आयुक्त, दिल्ली-6, नई दिल्ली।

प्रलेप आई० टी० एन० एस०————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ए (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, बिहार, पटना

पटना, दिनांक 17 मार्च 1981

निवेश सं० III 474/अजन/80-81—प्रतः मुझे, हृदय
नारायण

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ए के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विष्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित
बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है
और जिसकी संख्या प्लॉट नं० 301 एवं 302 का अंश है,
तथा जो धनबाद, कतरास रोड, में स्थित है (और इससे
उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,
1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 2 जुलाई,
1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के
दृष्टमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह
विष्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का
उचित बाजार मूल्य, उसके दृष्टमान प्रतिफल से। ऐसे
दृष्टमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और
अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच
ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित
नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से दुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के
लिए; और/या

(छ) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोगनाथं अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया या या किया जाना चाहिए या छिगाने में
सुविधा के लिए;

अतः, अब उक्त अधिनियम को धारा 269-ए के अनुसरण में उक्त अधिनियम की धारा 269-ए की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियां, घर्षतः—

(1) श्री मणिशंकर पाठक बल्द प्रभुदयाल प्राणजीवन
पाठक निवासी "प्रभु कुंज" कतरास रोड,
धनबाद।

(अन्तरक)

(2) मैसर्स 'गुड विल प्रोपर्टीज' जिसका कार्यालय,
कतरास रोड, धनबाद पत्तालय एवं थाना धनबाद
चौकी सदर, अवर निवंधन कार्यालय, धनबाद
एवं जिला धनबाद है जिस फर्म के इस समय
निम्नलिखित पार्टनर्स हैं :—

1. श्रीमती कमलेश जिन्दल जौजे श्री सूरज
जिन्दल।
2. सरदार खेलसिंह सेठी बल्द सरदार गुरदीप
सिंह सेठी।
3. लखमीर सिंह सबरबाल बल्द स्व० सरदार
जसवत्त सिंह सबरबाल।

(अन्तरिती)

जो यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अधिन
के लिए कार्यवाहियों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अधिन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेपः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की
तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा ;

(छ) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अद्वैताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिचालित है, वही
अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विद्या गया है।

अनुसूची

5 1/2 कड़ा धरारी जमीन में कक्का एवं खपड़पोस
मकान और अन्य बनावट सहित भीजा धनबाद कतरास रोड,
तथा जो प्लॉट नं० 301 एवं 302 के अंश में स्थित है
तथा पूर्ण रूप से वासिका नंबर 5471 दिनांक 2 जुलाई
1980 में वर्णित है एवं जिला अवर निवंधक पदाधिकारी,
धनबाद द्वारा पंजीकृत है।

द्वय नारायण
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, बिहार, पटना

तारीख : 17-3-1981

मोहर :

प्रस्तुप प्राइंटी टी. एम. एस. ०—

ग्रामकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-प (1) के अधीन सूचना

(1) श्री तिरुहनानम और अदरस।

(अन्तरक)

2) श्री सेवनतियप्पन।

(अन्तरिक्त)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रामकर आयुक्त (निर्भीकाण)

अर्जन रेंज, मद्रास

मद्रास, विनांक 10 मार्च 1981

निदेश सं. 9065—अतः मुझे, राधा बालकृष्ण
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-प के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित
बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है
और जिसकी सं. सरवना रैस, ग्राउंडनट और आयल मिल्स
है, जो सं. 1, रोड, नागपट्टिनम रोड, टेनजूर में स्थित
है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, टेनजूर (डाकूमेंट्स
सं. 2921/80) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,
1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख जुलाई,
1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के निए अन्तरिक्त की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिक्त
(अन्तरिक्तियों) के बीच ऐसे प्रन्तरण के लिए तथा पापा गया प्रति-
फल निम्नलिखित उक्त प्रन्तरण के लिए जारी किया गया था विविक
रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ब) ऐसो किंगो आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
का, जिन्हें भारतीय ग्रामकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
घन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनाथं अन्तरिक्त द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-प के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-प की उपचारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातः—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यालयियों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि का तत्सम्बन्धीय व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में
से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

संपर्क :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभ्रान्ति
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

भूमि और निर्माण और सशीतरी—सरवना रैम
ग्राउंडनट और आयल मिल्स सं. 1, नागपट्टिनम रोड,
टेनजूर।

(डाकूमेंट सं. 2921/80)।

राधा बालकृष्णन
सदाम प्राधिकारी
सहायक ग्रामकर आयुक्त (निर्भीकाण)
अर्जन रेंज, मद्रास

तारीख : 10-3-1981

मोहर :

प्रकृष्ट प्राई० टी० एन० एस०—

(1) श्री जोसफ।

(अन्तरक)

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-व (1) के अधीन सूचना

(2) श्री इमेगम्मे आच्ची।

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, मद्रास

मद्रास, दिनांक 10 मार्च 1981

निदेश सं० 15534— अतः मुझे, राधा बालकृष्ण आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी के, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

ग्रीष्म जिसकी सं० 23 है, जो अप्पु मुदलि स्ट्रीट, मद्रास-4 में स्थित है (ग्रीष्मे इससे उपावद्ध में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ट अधिकारी के कार्यालय, मेलापुर (डाकु-मेट सं० 1349/80) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जुलाई, 1980

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दूर्घात प्रतिफल के लिए अन्तरत को गई है और मैं इसके विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दूर्घात प्रतिफल से, ऐसे दूर्घात प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ याया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कीथत नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से ही किसी आय की आवत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तीयों को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन को लिए कार्यवाहीयों करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या हत्तेम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-दब्दध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त सम्पत्ति के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

भनुसूची

भूमि और निर्माण—23, अप्पु मुदलि स्ट्रीट, मद्रास-4 (डाकु-मेट सं० 1349/80)।

राधा बालकृष्ण
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, मद्रास

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-व के अनुसरण में, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् डॉ-

तारीख : 10-3-1981

मोहर :

प्रकरण साई ० टी० एन० एस०—

(1) श्री राधा धनपति।

(अन्तरक)

आदयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-व (1) के अधीन पूछना
भारत सरकार

शुभेनकमी
(2) श्रो अरुण कुराना।

(प्रस्तरिती)

कार्यालय, सहायक आदयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज II, मद्रास

मद्रास, दिनांक 10 मार्च 1981

निदेश सं० 15533—अतः मुझे, राधा बालकृष्णन
आदयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-व के अधीन सक्रम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25000/- ₹ में अधिक है

और जिसकी सं० 14, है जो मासिलामनि रोड, मद्रास-14
में स्थित है (और इससे उपाखद में और पूर्ण रूप से अंगित
है), रजिस्ट्रेकर्ट अधिकारी के कार्यालय, मैलापुर (डाक्युमेंट
सं० 1369/80) में भारतीय रजिस्ट्रेकरण अधिनियम,
1908 (1908 का 16) के अधान, तारीख जुलाई, 1
1980

कोपूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक
के दायित्व में कभी करने या उपर्युक्त वर्ष में
सुविधा के लिए; और/या;

अनुसूची

(ख) ऐसी किसी आय या किसी वर्ष में प्राय अस्तियों
को जिन्हें भारतीय आदयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम,
या घन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने
में सुविधा के लिए;

भूमि और निर्माण—16, मासिलामनि रोड, मद्रास-14।
(डाक्युमेंट सं० 1369/80)।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-व के अनुसरण
में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-व (1) के
अधीन, निम्नलिखित अविक्तियों, अर्थात् :—

राधा बालकृष्णन
सक्रम प्राधिकारी
सहायक आदयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, मद्रास

तारीख : 10-3-1981

मोहर :

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जेन रेंज, मद्रास

मद्रास, दिनांक 10 मार्च, 1981

निदेश सं० 9063—अतः मुझे, राधाबालकृष्णन,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की
धारा 269-ब के अधीन सक्षम अधिकारी को, यह विवास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० तिरुमैलराय समुद्रम् है, जो में स्थित
है (और इससे उपाध्य अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित
है), रजिस्ट्रेक्टरी अधिकारी के कायलिय, पुठुकोट्टै (डाकुमेंट
सं० 2202/80) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,
1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जुलाई,
1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल
के लिए अन्तरित को गई है और मुझे यह विवास करने का कारण
है। क्या पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान
प्रतिफल में, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है
और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे
अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से
उक्त अन्तरण निखित में वास्तविक रूप से कवित नहीं किया गया
है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम
के अधीन कर देने के प्रत्यक्ष के वायिक में कमी
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य ग्राहितियों को,
जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम,
या भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं
किया गया या या किया जाना चाहिए था,
छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण
में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ब को उपधारा (1) के
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

(1) श्री वल्लियम्माल आचिच ।

(अन्तरक)

(2) श्री अम्मासी और अदरस ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कायेवाहिया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आवेदन :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों सूचना की
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
ग्रन्थ व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताशरी के पास लिखित में
किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभ्रान्ति हैं,
वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

भूमि—तिरुमैलराय समुद्रम् (डाकुमेंट सं० 2202/80) ।

राधा बालकृष्णन

मक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जेन रेंज, मद्रास

तारीख : 10-3-1981

मोहर :

प्रसूत आई. टी. एन. एस.-----

(1) श्रो कादर ग्रमबलंग ।

(अन्तरक)

व्यापक अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा
269-व (1) के अधीन सूचना

(2) श्रो इनलिरानि ।

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक प्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, मद्रास

मद्रास, दिनांक 10 मार्च, 1981

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्याद्वियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आवेदन :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन को अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा; या

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी घन्य व्यक्ति द्वारा, ग्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20 के व्यापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

निदेण सं० 9053—अतः मुझे, राधा बालकृष्णन,
प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० 6,125 रा, है, जो चिन्ह पलिवासल स्ट्रोट, तिरुपुर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रेकर्टी अधिकारी के कार्यालय, तिरुपूर (डाकुमेंट सं० 984,80) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधान, जुलाई, 1980

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीकृत संताति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पञ्चद्वय प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से दूर्वै किसी आवश्यकी वाबन उक्त सम्पत्ति के अधीन कर देने के अन्तरक के वायिक्ष में कभी करने या उससे बचने में मुविद्धा के लिए; और/या

अनुसूची

(ख) ऐसी फिसी आवश्यकी वायिक्ष या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरितो द्वारा प्रकार नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए या छिपाने में मुविद्धा के लिए;

भूमि और निर्माण—6/125 रा, चिन्ह पलिवासल स्ट्रोट, तिरुपुर ।

(डाकुमेंट सं० 989/80) ।

राधा बालकृष्णन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक प्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-I, मद्रास

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-व के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

तारीख : 10-3-1981

मोहर :

प्रस्तुत आई. टी. एन. एस.-----

(1) श्रीमती सरोजिनी अम्माल।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ष (1) के अधीन सूचना

(2) श्री घोविंदराजुल।

(अन्तरिक्त)

भारत सरकार

को यह सूचना जारी करके पूर्वांकित सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यदातियाँ करता है।

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, मद्रास-II

मद्रास, दिनांक 10 भार्च 1981

निदेश सं० 10877—प्रतः मुझे, राधाबालकृष्णन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ष के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसको सं० 12 बा० है, जो पानगल पारक रोड, सनगन्नर में स्थित है, जो (ओर डस्से उपाखड़ में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रेकर्ट अधिकारी के कार्यालय, कोयम्बटूर (डाकुमेंट सं० 4003/80) में भारतीय रजिस्ट्रेकर्ण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जुलाई, 1980

पूर्वांकित सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि पथापूर्वीकृत सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिक्त (अन्तरिक्तियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कठित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हृहै किसी आय की बाबत उक्त सम्पत्ति के अधीनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/वा

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वांकित व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन को तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-घट्ठ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताभरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त सम्पत्ति के अध्याय 20-के भी परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

(ब) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना आहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

भूमि और निर्माण—12 बा० पगनल पार्क रोड, सनगन्नर, कोयम्बटूर।

डाकुमेंट सं० 4003/80।

राधा बालकृष्णन

सक्षम प्राधिकारी

महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, मद्रास-II

तारीख : 10-3-1980

मोहर :

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, भी, उक्त अधिनियम की धारा 269-ष की उपधारा (11) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

प्रस्तुप आर्द्ध.टी.एन.एस.-----

(1) श्रा राममूर्ति और अदर्स ।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

(2) श्री हुसैन ।

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, मद्रास

मद्रास, दिनांक 10 मार्च 1981

निदेश सं० 10873—अतः मुझे, राधा बालकृष्णन,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/ रु. से अधिक है
और जिसकी सं० 100, ईस्ट तिरुवेनकटस्वामी रोड, है,
जो कोयम्बटूर में स्थित है (और इससे उपावद्ध में पूर्ण
रूप से वर्णित है), में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,
1908 (1908 का 16) के अधीन, जुलाई, 1980
को पूर्वांक संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृक्षे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वांक संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कीर्तित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर दने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिसके भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना आवश्यक था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अन्तरण
में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

4—26GI/81

को यह सूचना जारी करके पूर्वांक सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहिणी करता है ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अधिक बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वांक
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा:

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण:——इसमें प्रयुक्त शब्दों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है ।

अनुसूची

भूमि और निर्माण—100, ईस्ट तिरुवेनकटस्वामी रोड,
कोयम्बटूर ।

(आकुमेंट सं० 3896/80) ।

राधा बालकृष्णन
सक्षम प्राधिकारी
महायक आयकर आयुक्त (निरक्षण)
अर्जन रेंज, मद्रास-II

तारीख : 10-3-1981

मोहर :

प्रसूप आई.टी.एन.एस.-----

(1) श्री पो० शारदा अम्माल ।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

(2) श्री एनमहेश्वर सामुठिस्वेरी ।

(अम्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, मद्रास-II

मद्रास, दिनांक 10 मार्च, 1981

करे यह सूचना आरी करके पूर्वांकत सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता है ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोइँ भी आशेषः--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वांकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

निदेश सं० 10919—अतः मुझे, राधा बालकृष्ण आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० है, जो तिरुपूर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ट प्राधिकारी के कार्यालय, तिरुपूर (डाकुमेंट सं० 2025/80) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण, अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जुलाई, 1980 को पूर्वांकत संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के छम्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वक संपत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृष्यमान प्रतिफल से ऐसे दृष्यमान प्रतिफल के पन्थह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरीतियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उदादेश से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हूँहै किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्र में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हे भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना आविहए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अनुसूची

भूमि/निर्माण—तिरुपूर ।
(डाकुमेंट सं० 2025/80) ।

राधा बालकृष्णन

सक्षम प्राधिकारी

महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, मद्रास-II

तारीख : 10-3-1981

मोहर :

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के, अनुसूचण में, भी, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

प्रह्लाद प्राइंटो एनो एसो—

(1) श्री माधवर टेक्सटैल्स।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की ओरा

269-व (1) के अधीन सूचना

(2) श्री कावर और प्रवरस।

(अन्तरित)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, मद्रास-II

मद्रास, दिनांक 10 मार्च 1981

निवेद सं 10918—अतः मुझे, राधा बालकृष्ण

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की ओरा 269-व के अधीन सकाम प्राप्तिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी सं 10 तोटिपालयम और चेट्टिपालयम है, जो में स्थित है (और इससे उपावद में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ट अधिकारी के कार्यालय, तिरुप्पुर (डाकुमेंट सं 2069/80) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1808 का 16) के अधीन, तारीख जुलाई, 1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और प्रत्यक्ष (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

अनुसूची

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

भूमि निर्माण— तोटिपालयम और चेट्टिपालयम।
(डाकुमेंट सं 2069/80।)राधा बालकृष्ण
सकाम प्राप्तिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, मद्रास-II

अतः, मैं, उक्त अधिनियम की ओरा 269-व के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की ओरा 269-व की उपचारा (1) के अधीन निम्नलिखित अवित्यों, घर्षतः:—

तारीख : 10-3-1981

मोहर :

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस०—

(1) श्री पी० उषा ।

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

(अन्तरक)

269-ग(1) के अधीन सूचना

(2) श्री तिश्वनासमवंदम ।

भारत सरकार

(अन्तरिती)

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, मद्रास-II

मद्रास, दिनांक 10 मार्च 1981

निदेश सं० 10875—अतः मुझे, राधाबालकृष्णन आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ग(1) के अधीन सक्रम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का आयकर सम्बलि, त्रिमात्र उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० में प्रतिक है

और जिसकी सं० 5, कृष्णस्वामी मुदलियार रोड है, जो कोयम्बटूर में स्थित है (और इससे उपाख्य में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, कोयम्बटूर (डाकुमेंट सं० 3832/80) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, जुलाई, 1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के बृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कठरण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के अन्द्र अंतिगत से वर्धित है और पहले अन्तरह (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा यथा प्रतिरूप, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अस्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त सम्पत्ति के अधीन कर देने के अन्तरक के शायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/वा

अनुसूची

(ख) ऐसी किसी पात्र या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या अनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

भूमि और निर्माण—3, कृष्णस्वामी मुदलियार रोड, कोयम्बटूर ।

(डाकुमेंट सं० 3832/80) ।

राधा बालकृष्णन
सक्रम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, मद्रास-II

अतः प्रत, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपषारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अचान् :—

तारीख : 10-3-1981

मोहर :

प्रख्यात प्राइंटी ट्री. एन. एस.—

(1) श्री अंगामुथु।

(अन्तरक)

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269वां (1) के अधीन बचना

(2) श्री शनमुहूर्म वेलुमनि।

(अन्तरिक्षी)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-II, मद्रास

मद्रास, विनांक 10 मार्च 1981

निदेश सं. 10909—अतः मुझे, राधा बालकृष्ण
आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्ता प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-वा
रु प्रशीन वक्तम अधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि शावर पम्पति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु. से अधिक है

और जिसकी सं. 46 रा 8, है, जो उपिलियार स्ट्रीट,
कझ नगर, दारापुरम में स्थित (और इससे उपायकृत अनुसूची
में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के
कार्यालय, दारापुरम (डाकुमेंट सं. 2371/80) में भारतीय
रजिस्ट्रीकरण प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के
अधीन, तारीख जुलाई, 1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिक्षी (अन्तरिक्षियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ
पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण लिखित
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से दूर्दि किसी आय की बाबत, उक्त प्रधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए,
और/या

प्रानुसूची

(ख) ऐसी किसी आय या किसी छन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय धायकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या
धनकर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिक्षी द्वारा प्रकट नहीं किया
गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने
में सुविधा के लिए;

भूमि और निर्माण—46 रा 8, उपिलियार स्ट्रीट, कझ
नगर, दारापुरम।

(डाकुमेंट सं. 2371/80)।

राधा बालकृष्ण
सक्तम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, मद्रास-II

अतः अब, उक्त प्रधिनियम, की धारा 269-वा के अनुसरण
में, मैं, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-वा की उपधारा (11)
के अधीन निम्नलिखित अधिकारी, अधार्स :—

तारीख : 10-3-1981

मोहर :

प्रकल्प आई.टी.एन.एस.—

(1) श्री बेंकटाशलम ।

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ए (1) के प्रवीन सूचना

(ग्रन्तरक)

भारत सरकार

।

(2) श्री सुन्वरमूर्ति ।

(ग्रन्तरिक्षी)

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

मर्जन रेंज-II, मद्रास

मद्रास, दिनांक 10 मार्च, 1981

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रबंधन के लिए कार्यवाहियों करता है।

उक्त सम्पत्ति के मर्जन के सम्बन्ध में कोई भी प्राक्षेप :—

निवेश सं. 10893—ग्रन्त: मुझे, राधा बालकृष्ण आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रथम 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ए के प्रवीन सकाम प्राविकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं. इखरै नेगमम है, जो सत्यमंगलम में स्थित है (और इससे उपावन्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सत्यमंगलम (डाकुमेंट सं. 1552/80) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रवीन, तारीख जुलाई, 1980 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पश्चात् प्रतिशत से अधिक है और ग्रन्तरक (ग्रन्तरकों) और ग्रन्तरिकी (ग्रन्तरिकियों), के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पावा नया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण जिक्रिय में वास्तविक कप से कठित नहीं किया गया है :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, घब्बोहस्ताकारी के पात्र जिक्रिय में किए जा सकेंगे।

दृश्यमान प्रतिफल :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो उक्त अधिनियम के प्राप्त्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही वर्ण होगा, जो उस प्राप्त्याय में विद्या गया है।

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अवधीन कर देने के अन्तरण के दृश्यमान में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

बनुसूची

भूमि—इखरै नेगमम सत्यमंगलम ।
(डाकुमेंट सं. 1552/80) ।

(ब) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या आयकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगमात्रं अन्तरिकी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किसी जाना चाहिए या छिपाने में सुविधा के लिए;

राधा बालकृष्ण
सकाम प्राविकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
मर्जन रेंज-II, मद्रास

अरा:, यद्य, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए के अनुसार ये, ये, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए की उपलब्धता (1) के अवधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, वर्णात्—

तारीख : 10-3-1981

मोहर :

प्रस्तुत भाइ० टी० एन० एस० —————

(1) श्री अवनाशिलिंगम् ।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ग (1) के अधीन सूचना

(2) श्री कश्माल ।

(अन्तरिक्षी)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-II, मद्रास

मद्रास, दिनांक 10 मार्च 1981

निदेश सं० 10920—अतः मुझे, राधा बालकृष्णं
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी के यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 4 है, जो तोट्टी पालयम तिरुप्पूर में स्थित है
(और इससे उपाख्य अनुमूली में और पूर्ण रूप से वर्णित है),
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, तिरुप्पूर (डाकुमेंट सं०
1985/80) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन, तारीख जुलाई, 1980

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के अधिकार
प्रतिफल के लिए अन्तरिक्ष की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके अधिकारी के, पन्द्रह प्रतिफल से अधिक है
और अन्तरक (अन्तरक) और अन्तरिक्षी (अन्तरिक्षीयों) के बीच
प्रत्येक अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उच्चवेश्य
से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कार्यित नहीं किया
गया है :—

(क) अन्तरण से हृदृ किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ब) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोगनार्थ अन्तरिक्षी ब्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, लिपाने में समिति
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अन्तरण
में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यान्वयन करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी काशोपः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ल) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-
बहुध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकते।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रथम शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विद्या
गया है :

मन्त्री

भूमि और नियन्त्रण—4, तोट्टी पालयम तिरुप्पूर ।
(डाकुमेंट सं० 1985/80) ।

राधा बालकृष्णं
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज-II, मद्रास

तारीख : 10-3-1981
मोहर :

प्रस्तुत आई० टी० एन० एस०—

(1) श्री पी० नाचिमल ।

(ग्रन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा
269वं (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक प्रायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जेन रेज-II, मद्रास

मद्रास, दिनांक 10 मार्च 1981

निवेद सं० 10876—अतः मुझे, राधाबालकृष्ण
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा
269वं के अधीन स्थावर प्राधिकारी को यत्र विवाह करने का
कारण है कि स्थावर संपत्ति इनका विवाह बाजार मूल्य 25,000/-
ह० से अधिक है
और जिसकी सं० 5 है, जो कृष्णस्वामी मुदलियार रोड, कोयम्बटूर
में स्थित है (और इससे उपाग्रह अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, कोयम्बटूर (डाकु-
मेट सं० 3829/80) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,
1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जुलाई, 1980
को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विवाह करने
का आरण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का फन्डहू
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरालों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण लिए तथ याया गया ऐसे
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।

(2) श्री सी० विसालाक्षणी ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन
के लिए कार्यवाहिणी करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई आवेदन :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;
(घ) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति पर हितबद्ध किसी
अन्य पर्याक्त द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और वर्णों का, जो उक्त अधि-
नियम के अध्याय 20-क में परिभ्राषित है, वही
प्रथम होगा जो उप अध्याय में दिया गया है।

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायिक भौतिकीयों
करने पर उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

अनुसूची

भूमि और निर्माण—5, कृष्णस्वामी मुदलियार रोड, कोयम्बटूर।
(डाकुमेट सं० 3829/80)।

(घ) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1920
(1920 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनाबंध अक्षरिती द्वारा प्रकृत नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए।

राधा बालकृष्ण
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जेन रेज-II, मद्रास

तारीख : 10-3-1981

मोहर :

अतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-वं के, अनुसरण
में, भौतिक उक्त अधिनियम की भारा 269-वं की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अधिकृत :—

प्र० 18 अर्द्ध. टी. एन्. एस्.

(1) श्री मानिखम् ।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269वाँ(1) के अधीन सूचना

(2) श्री सी० रास० चन्द्रसेखरन ।

(अन्तरिती)

भारत सरकार

करे यह सूचना आरी करके पूर्वोंक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहीर्या करता है ।

कार्यालय, सहायक आयकर आयकृत (निरीक्षण)

अर्जन रेज, मद्रास-II

मद्रास, दिनांक 10 मार्च, 1981

निदेश सं० 10876—प्रतः मुझे, राधा बालकृष्णन
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-वा० के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/ रु. से अधिक है
और जिसकी सं० 5, है, जो कृष्णस्वामी मुदिलयार रोड,
कोयम्बटूर में स्थित है (और इससे उपावद्ध में और पूर्ण
रूप से वर्णित है, रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, कोयम्बटूर
(डाकुमेंट सं० 3831/80) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) का अधीन, जुलाई,
1980

को पूर्वोंक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दद्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोंक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दद्यमान प्रतिफल से, ऐसे दद्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उत्तरवेष्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कठित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हूँ किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ल) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-वा० के, अनुसरण में, उक्त अधिनियम की धारा 269-वा० की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—
5—26GI/81

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तस्वीरन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन को अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोंक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ल) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितमवृध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

भूमि और निर्माण—5, कृष्णस्वामी मुदिलयार रोड,
कोयम्बटूर ।

(डाकुमेंट सं० 3831/80) ।

राधा बालकृष्णन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयकृत (निरीक्षण)
अर्जन रेज-II, मद्रास

तारीख : 10-3-1981

मोहर :

प्रखण्ड प्राइवेट एनो एसो—

(1) श्री राजेश्वरी।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की द्वारा
269-ष (1) के अधीन सूचना

(2) श्री मुलभ्रेनेसन।

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, मद्रास

मद्रास, दिनांक 10 मार्च, 1981

निदेश सं. 10876—अतः मुझे, राधा बालकृष्णन आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की द्वारा 269-ष के अधीन सकारात्मक विवाह करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है

और जिसकी सं. 5, है, जो कृष्णस्वामी मुदलियार रोड, कोयम्बटूर में स्थित है (और इससे उपावड़ में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, कोयम्बटूर (डाकुमेंट सं. 3830/80) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जुलाई, 1980

को पूर्णोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दूष्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विवाह करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दूष्यमान प्रतिफल से, ऐसे दूष्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वावत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में श्रविष्ट के लिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की द्वारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की द्वारा 269-ष की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अवैत् :—

को यह सूचना जारी करके पूर्णोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि और भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्णोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अबोहृस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो उक्त अधिनियम के पठायाय 20-क में परिभाषित है वही अर्थ होगा, जो उस अधाय में दिया गया है।

अनुसंधी

भूमि और निर्माण—5, कृष्णस्वामी मुदलियार रोड,
कोयम्बटूर।

(डाकुमेंट सं. 3830/80)।

राधा बालकृष्णन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-II, मद्रास

तारीख : 10-3-1981

मोहर :

प्रस्तुत आई, टी. एन. एस.-----

(1) वी० एस० मुनुस्वामी

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

(अन्तरक)

भारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

(2) लियाकुट ग्राम

(अन्तरिती)

अर्जन रेंज-II, मद्रासः

मद्रास, दिनांक 17 मार्च 1981

निदेश सं० 15586—अतः मुझे, राधा बालकृष्णन आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की घारा 269-ग के अधीन सकाम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० 24, गुलाम अब्बास ग्रलिकान 7, स्ट्रीट, है, जो मद्रास-6 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, मद्रास नारत (डाकुमेंट सं० 3064/80) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन जुलाई, 1980

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पक्का है प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अस्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अस्तरक के वायिक्षण में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अस्तरित द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए

अतः अब, उक्त अधिनियम की घारा 269-ग के अनुसरण में मैं, उक्त अधिनियम, की घारा 269-ग की उपधारा (1) अधीन, निम्नलिखित के अवित्तियों, अपार्ट :—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तक्षम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त अवित्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा।

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य अवित्त द्वारा अधोहस्ताकरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त अधिनियम', के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि और निर्माण—34, गुलाम अब्बास ग्रलिकान 7, स्ट्रीट, मद्रास-6।
(डाकुमेंट सं० 3064/80)।

राधा बालकृष्णन
सकाम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-II, मद्रास

तारीख : 17-3-81

मोहर :

प्रस्तुति दी० एन० एस०----

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा,
269-व (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार
कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-II, मद्रास
मद्रास, दिनांक 10 मार्च 1981

निदेश सं० 15554—अतः मुझे, राधा बालकृष्णन
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-व
के अधीन समाप्त प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- द० से अधिक है।

और जिसकी सं० 6, II स्ट्रीट है, जो बक्तव्यट सिलम नगर
मद्रास-20 में स्थित है (और इससे उपराह अनुसूची में पूर्ण रूप से
वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय, मैदापेट
(डाकुमेंट सं० 2338/80) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख
जुलाई, 1980

को पूर्वांकित सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूँहे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वांकित सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरीरकारी) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अम्तरक से ही किसी दाय की धारत, उक्त प्रधि-
नियम के अधीन छार देने के अन्तरक के बायित्य में
कमी करने या बढ़ाव से बढ़ाव में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी दाय या किसी छान या दृश्य प्राप्तियों
को जिन्हें भारतीय आयकर प्रधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
आयकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगनार्थ प्रत्यक्षित द्वारा प्रकट नहीं किया
गया या या किया जाना चाहिए वा, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-व के प्रमुखरूप
में, भी, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपबाहा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

(1) श्री टी० गीतालक्ष्मी ।

(अन्तरक)

(2) श्री लक्ष्मन ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वांकित सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कीर्ति भी आज्ञाप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तस्वीरधी व्यक्तियों पर
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी
प्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वांकित
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी दृश्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
विद्यित में किए जा सकें ।

प्रधानकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो उक्त प्रधि-
नियम, के अध्याय 20 के परिभाषित
है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है ।

प्रसुसूची

भूमि और निर्माण—6, II स्ट्रीट, भक्तवस्त्रम नगर,
मद्रास-20 ।
(डाकुमेंट सं० 2338/80) ।

राधा बालकृष्णन,
(सक्रम प्रधिकारी)
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-II, मद्रास

तारीख : 18-3-1981

मोहर :

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ए (1) के अधीन सूचना
भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, मद्रास-II

मद्रास, दिनांक 19 मार्च 1981

निदेश सं० 15587—अतः मुझे, राधा बालकृष्णन आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ए के प्रधीन संक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० 149 है, जो बेल्स रोड, मद्रास-5 में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, मद्रास नार्थ (डाकुमेंट सं० 2958/80) में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जुलाई, 1980

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे वह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, को धारा 269-ए के प्रनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों घोषित :—

(1) श्रीमती जेबुनिसा बेगम।

(अन्तरक)

(2) श्री हजीर अम्माल।

(प्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के प्रजैन के लिए कार्यवाहियाँ करता है।

उक्त संपत्ति के प्रजैन के सम्बन्ध में कोई भी आवेदन :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील के 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति के द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोदृष्टातारी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभासित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विद्या गया है।

अनुसूची

भूमि और निर्माण—149, बेल्स रोड, मद्रास-5।
(डाकुमेंट सं० 2958/80)।

राधा बालकृष्णन
संक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, मद्रास-II

तारीख : 19-3-1981

मोहर।

प्रलेप आई.टी.एन.एस. -----

(1) श्री पी० सी० शेखर।

(अन्तरक)

आधिकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

(2) श्री अग्रवाल और संपति देवी अग्रवाल।

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, मद्रास-II

मद्रास, दिनांक 19 मार्च 1981

निवेश सं० 15529—अतः मुझे, राधा बालकृष्णन आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 23, है, जो मुथिया स्ट्रीट, कैथेड्रल रोड, मद्रास-85 में स्थित है (और इससे उपावड़ अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, मद्रास साउथ (डाकुमेंट सं० 1329/80) में रजिस्ट्री-करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, जूलाई, 1980

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरिक की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार भूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरक्ते) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उक्तदेश से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वापत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे वचने में सुविधा के लिए; और/या

(ल) ऐसी किसी आय या किसी धन या गन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के सिर;

अनुसूची

भूमि और निर्माण—23, मुथ्या स्ट्रीट, कैथेड्रल रोड,
मद्रास-80।

(डाकुमेंट सं० 1389/80)।

राधा बालकृष्णन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, मद्रास-II

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-व के, अन्तरण में, भी, उक्त अधिनियम की धारा 269-व को उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

तारीख : 19-3-1981

मोहर :

प्रकल्प शाई० टी० एन० एस०—

(1) श्रो तेरसम्माल और अदरस ।

(प्रन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-व (1) के अधीन सूचना

(2) श्रो अबदुल्ला ।

(प्रन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर प्रायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, मद्रास

मद्रास, दिनांक 10 मार्च, 1981

निदेश सं० 10871—अतः मुझे, राधा बालकृष्ण, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-व (1) के अधीन सकाम प्राधिकारी को यह विवेकास करने का कारण है कि स्वावर सम्पत्ति, जिसका उचित आजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० 9/22, सीमान्तरम भिल रोड है, जो कोयम्बटूर में स्थित है (और इससे उपावद अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्टा अधिकारी के कार्यालय, कोयम्बटूर (डाकुमेंट सं० 3924/80) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जुलाई, 1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित आजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रस्तुरित की गई है और मुझे यह विवेकास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित आजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अस्तरक (अस्तरकों) और अस्तरिली (अस्तरिलियों) के बीच ऐसे घन्टरण के लिये तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उक्त अनुरूप लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(अ) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अस्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए: और/या

(ब) ऐसा किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों को विभेद भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या घन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अस्तरिती हारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित रूप से लिए कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के उचित के सम्बन्ध में होई भी आजेप ।—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी अवित्तियों पर सूचना की सामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त अवित्तियों में से किसी अवित्त द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्वावर सम्पत्ति में हितवज्ज्ञ किसी अन्य अवित्त द्वारा, प्रबोधस्तान्त्रों के रास लिखित में किए जा सकें ।

संहारण.—इसमें प्रायुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के प्रधाय 20-क में परिचायित है, वही अर्थ होगा, जो उस प्रधाय में किया गया है ।

मनुसूची

भूमि और निर्माण—9/22, सीमान्तरम भिल रोड, कोयम्बटूर ।

(डाकुमेंट सं० 2924/80) ।

राधा बालकृष्ण
सकाम प्राधिकारी
महायकर प्रायुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-II, मद्रास

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-व के अनुसरण में, उक्त अधिनियम, की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित अवित्तियों, अर्थात् ॥—

तारोत्र : 10-3-1981

मोहर :

प्रस्तुति दी एवं एस.----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
भारा 269-ए (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज-II, मद्रास

मद्रास, दिनांक 10 मार्च 1981

निवेदण सं० 10871—अतः मुझे, राधाबालकृष्ण,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा
269-ए (1) के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/ रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 9/23, 24 है, जो सोम मुन्द्ररम मिल रोड,
कोयम्बटूर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और
पूर्ण रूप से वर्णित है, रजिस्ट्रेकर्टा प्राधिकारी के कार्यालय
कोयम्बटूर (डाकुमेंट सं० 2923/80) में भारतीय रजिस्ट्री-
करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,
तारीख जुलाई, 1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित
(अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित
में वास्तविक रूप से कठित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हूँ इ किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ब) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हे भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगनार्थ अस्तिरती इवारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ए के, अन्तरण
में मैं, उक्त अधिनियम का भारा 269-ए (1) की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ८—

(1) श्री तेरसम्माल।

(अन्तरक)

(2) श्री अब्दुल्ला।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इवारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितदद्ध
किसी अन्य व्यक्ति इवारा अधोहस्ताभारी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त
अधिनियम', के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

भूमि और निर्माण—9/23-24 सोममुन्दरम मिल रोड,
कोयम्बटूर।
(डाकुमेंट सं० 3923/80)।

राधा बालकृष्ण,
(मक्षम प्राधिकारी)
महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज-II, मद्रास

तारीख : 10-3-1981

मोहर :

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा
269-प(1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज़- , मद्रास

मद्रास, दिनांक 10 मार्च 1981

निकेश सं० 10903—ग्रतः मुझे, राधा बालकृष्ण आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-प के प्रधीन सक्षम प्राविकारी को, यह विवाद सरने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 28,000/- इए से अधिक है।

और जिमकी सं० 181, है, जो त्यागी कुमरन स्ट्रीट, कोयम्बटूर में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है, रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, कोयम्बटूर (डाकुमेंट सं० 4126/80) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 का (1908 16) के अधीन, तारीख जुलाई, 1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अस्तरित की गई है और मुझे यह विवाद सरने का कारण है कि यहांपूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पाछह प्रतिशत से अधिक है और अस्तरक (अस्तरकों) और अस्तरिती (अस्तरितियों) के बीच ऐसे अस्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अस्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अस्तरण से हुई किसी आय की बावत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अस्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) का उक्त अधिनियम, या घन-कर प्रविनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ अस्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए या, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-प के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-प की उपलब्धारा (1) के अधीन, निम्नलिखित अविस्तरों, अर्चातः—
6—26GI/81

(1) मिनाक्षी अम्माल।

(अन्तरक)

(2) बानुमति।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन लिए कार्यवाहियों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आवेदन—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी अवित्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाव भी समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त अवित्तियों में से किसी अवित्त द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य अवित्त द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

संबोधकार्य :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभ्राष्ट हैं, वही अर्थ होगा और उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि और निर्माण—181, त्यागी कुमरन स्ट्रीट,
कोयम्बटूर।
(डाकुमेंट सं० 4126/80)।

राधा बालकृष्ण
(सक्षम प्राविकारी)
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज-II, मद्रास

तारीख : 10-3-1981
मोहर :

प्रस्तुप बाइ. टी. एन. एस.-----

(1) श्री राजम्माल ।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ष (1) के अधीन सूचना

(2) श्रीमति बानुसंजी ।

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज-II, मद्रास

मद्रास, विनांक 10 मार्च 1981

निदेश सं० 10903—अतः मुझे, राधा बालकृष्ण
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-
ष के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 181, है, जो त्यागी कुमरन स्ट्रीट,
कोयम्बटूर में स्थित है (और इससे उपावड़ अनुसूची में और
पूर्ण रूप से वर्णित है, रजिस्ट्रीकर्टा अधिकारी के कार्यालय,
कोयम्बटूर (डाकुमेंट सं० 4127/80) में भारतीय रजिस्ट्री-
करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,
तारीख जुलाई, 1980

कं पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूर्खे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्वेष्य से उक्त अन्तरण लिखित में धास्तविक
रूप में कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हृद्द किसी आय की बावत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) गंभी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सक्रिया
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अन्तरण
में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ष की उपधारा (1)
निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोइँ भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-
बहुभ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वाक्षरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-के में परिभाषित
हैं, वहो वर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

भूमि और निर्माण—181, त्यागी कुमरन स्ट्रीट,
कोयम्बटूर।

(डाकुमेंट सं० 4127/80)।

राधा बालकृष्ण
(सक्षम प्राधिकारी)
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज-II, मद्रास।

तारीख : 10-3-1981

मोहर :

प्रह्लाद आर्द्ध. टी. एन. एस. —————

(1) विमको लिमिटेड।

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

(अन्तरक)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक प्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण)
अजन रेंज-II मद्रास

मद्रास, दिनांक 10 मार्च, 1981

निदेश सं. 15595—अतः मुझे, राधाबालकृष्ण

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ग
के अधीन सभी प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रुपए से अधिक हैऔर जिसकी सं. 2, बोट क्लब रोड, II, एवन्यू है जो मद्रास
20 में स्थित है (और इससे उपावद; अनुसूची में और पूर्ण रूप से
वर्णित है, रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, मैलापुर
(डाकुमेंट सं. 1401/80) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख
जुलाई 1980को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के वृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके वृश्यमान प्रतिफल से ऐसे वृश्यमान प्रतिफल का
पद्धत प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया
गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

अनुसूची

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों
को जिल्हे भारतीय प्रायकर अधिनियम 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने
में सुविधा के लिए;भूमि और निर्माण—2, बोच क्लब रोड, II एवन्यू,
मद्रास-20।
(डाकुमेंट सं. 1401/80)।राधा बालकृष्ण
सभी प्राधिकारी
महायकर प्रायुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-II, मद्रासअतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित अधिकारी, अधिकृत—तारीख : 17-3-1981
मोहर :

प्रेसपु आर्हे, टी. एन्. एस. -----

(1) विमको लिमिटेड ।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

(2) जारज मैमजो राक्सपीरटस ।

(अन्तर्खिती)

269-ग(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, मद्रास

मद्रास, दिनांक 17 मार्च 1981

निदेश सं. 15595—अतः मुझे, राधा बालकृष्ण आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी द्वारा, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है।

और जिसकी सं. 2 है, जो बोट क्लब रोड, II एवेन्यू, मद्रास-20 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है, रजिस्ट्रीकर्ट प्राधिकारी के कार्यालय, मैलापुर (डाकुमेंट सं. 1400/80) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, जुलाई, 1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहीयों करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्यपै :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाब में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ल) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निवित में किए जा सकेंगे।

स्वाक्षरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वापत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

अनुसूची

(ल) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिसे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना आवृद्ध था, छिपाने में सुविधा के लिए।

भूमि —2, बोट क्लब रोड, II एवेन्यू, मद्रास-20।

(डाकुमेंट सं. 1400/80)।

राधा बालकृष्ण
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-II, मद्रास

तारीख : 17 -3-1981

मोहर :

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अधोत् :—

प्रमुख आई.टी.एन.एस.-----

(1) विमको लिमिटेड ।

(अन्तर्कर)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

(2) श्रीमती रीटा जोसफ ।

(अन्तर्दिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज-II मद्रास

मद्रास, दिनांक 17 मार्च 1981

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहीया करता है ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोइं भी आशेषः--

निदेश सं० 15596—अतः मुझे, राधा बालकृष्ण,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 2 है, जो बोट क्लब रोड, II एवेन्यू,
मद्रास-20 में स्थित है (आंग इससे उपाबढ़ अनुसूची में आंग पूर्ण
रूप से वर्णित है, रजिस्ट्रीकर्टा अधिकारी के कार्यालय,
मेलापुर (डाकुमेंट सं० 1399/80) में भारतीय रजिस्ट्री-
करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16 के अधीन,
तारीख जुलाई, 1980

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दूसरामान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दूसरामान प्रतिफल से, ऐसे दूसरामान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्दरेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्त-
विक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर¹
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण:-—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभ्रान्ति
है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है ।

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वापत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

अनुसूची

भूमि और निर्माण-2, बोट क्लब रोड, मद्रास-20 ।
(डाकुमेंट सं० 1399/80) ।

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

राधा बालकृष्ण
(सक्षम प्राधिकारी)
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज-II, मद्रास

तारीख : 17-3-1981

मोहर :

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण
में, ये, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

प्रसूप आई.टी.एन.एस.-----

(1) टारा मनदार और प्रदर्श।

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
भारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

(अन्तरक)

(2) श्री कुमारकुरुवरन्।

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-II, मद्रास

मद्रास, दिनांक 18 मार्च 1981

निदेश सं० 15614—अतः मुझे, राधा बालकृष्ण

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 5 है, जो नारत माठा स्ट्रीट मद्रास-41
में स्थित है (और इससे उपावढ़ अनुसूची में और पूर्ण रूप से
बर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ट प्राधिकारी के कार्यालय, सैदपिट
(डाकुमेंट सं० 2517/80) में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,
1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जुलाई
1980

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दूर्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और युक्ते यह विश्वास
करने का कारण है कि दूर्यमान प्रतिफल से एसे दूर्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरक्ष) और अन्तरिती
(अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रति-
फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कठित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हृहै किसी आद की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के बन्दरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

अनुसूची

(ब) एसी किसी आद या किसी धन या अन्य आस्तियाँ
को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
भनुकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में
सुविधा के लिए;

भूमि और निर्माण—5, नारत माठा स्ट्रीट, मद्रास-41।
(डाकुमेंट सं० 2517/80)।

अतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-घ के, अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-घ की उपभारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियाँ अर्जातः:—

तारीख : 18-3-1981

मोहर :

राधा बालकृष्ण,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, मद्रास-II

प्रस्तुप बाइ.टी.एन.एस.-----

(1) श्री दारामनवार और प्रदस् ।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ष (1) के अधीन सूचना

(2) श्री कुमारकुम्भरन ।

(अन्तरिक्षी)

भारत सरकार
कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, मद्रास-

मद्रास, दिनांक 18 मार्च 1981

निवेश सं० 15614—अतः मुझे, राधा बालकृष्ण

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ष के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/ रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 5, है, जो नारत माठा स्ट्रीट, मद्रास-41
में स्थित है (और इससे उपाबद्ध में और पूर्ण रूप से वर्णित
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सैक्षिप्त (डाकुमेंट
सं० 2518/80) में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,
1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जुलाई,
1980

को पूर्णकृत संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
अन्तरितियों के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हृदृक् किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
बायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगनार्थ अन्तरिती इवारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ष की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अधार्त :—

के यह सूचना जारी करके पूर्णकृत सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तस्वीरधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्णकृत
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबहुध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वाक्षरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभ्रान्त
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

भूमि और निरीक्षण—5, नारत माठा स्ट्रीट, मद्रास-41।
(डाकुमेंट सं० 41)

राधा बालकृष्ण,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, मद्रास-II

तारीख : 18-3-1981

मोहर :

प्रलेप आई. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ए (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार
कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, मद्रास-II
मद्रास, दिनांक 18 मार्च, 1981

निदेश सं. 15614—अतः मुझे राधा बालकृष्ण आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है, की धारा 269-ए के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु. से अधिक है और जिसकी सं. 5 है, जो नार्थ माठा स्ट्रीट, मद्रास-41 में स्थित है (और इससे उपावद अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सैंडपिट (डाकुमेंट सं. 2438/80) में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जुलाई, 1 1980 को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पञ्चवृह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकर्ता) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उपवेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कठित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के द्वारित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, भी, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री टारा मनदार और अद्वरस।
(अन्तरक)
(2) श्री कुमारकुबरन।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यकारी हां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई आक्रोशः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 29-क में पर्याप्त हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

भूमि और निर्माण—5, नार्थ माठा स्ट्रीट, मद्रास-41। (डाकुमेंट सं. 2438/80)।

राधा बालकृष्ण
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, मद्रास-II

तारीख : 18-3-1981

मोहर :

प्रलेप आई. टी. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ए (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जालन्दार

जालन्दार, दिनांक 10 मार्च 1981

निदेश सं. ए. पी. नं. 2449—अतः मुझे, आर० गिरधर आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ए के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रुपए से अधिक है

और जिसकी सं. जैसा कि अनुसूची में लिखा है जो रामा मन्डी में स्थित है (और इससे उपावद अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय तलवणी साबू में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जुलाई, 1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति को उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पञ्चवृह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकर्ता)

और अन्तरिस्ती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अमरण के सिंह, नर पावा गरा प्रति उन निम्नलिखित उद्देश से उक्त अमरक लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अस्तरण के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अम्य शास्त्रियों को, जिन्हें भारतीय प्रायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27), के प्रयोजनार्थ अन्तरिस्ती द्वारा प्रकाश नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिनाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 280-के अनुच्छेद में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 260-की अनुच्छेद (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, वर्णयों—

1. (1) अर्जन दास, चरण्णीलाल रामामन्डी, (2) कांता टर्डेंडग सी० ओ० रामा मन्डी, (3) मदलाल मोहन लाल, रामा मन्डी (4) बालक राम, लक्ष्मण दास, रामा मन्डी, (5) भगवान सिंह, संतोख सिंह, रामा मन्डी (6) चानन राम, देव राज, रामा मन्डी, (7) काशी राम, किशोर चन्द, रामा मन्डी, (8) हरदेव सिंह, कृष्ण कुमार, रामा मन्डी, (9) बाबू राम, प्रेम चन्द, रामा मन्डी, (10) धर्मपाल, मदन लाल, रामा मन्डी, (11) सतपाल, पवन कुमार रामा मन्डी, (12) गंगा राम, राधा राम, रामा मन्डी, (13) खूना मन, जोन राम, रामा मन्डी, (14) केवल कृष्ण, पवन कुमार, रामा मन्डी, (15) त्रिज लाल, केवल कृष्ण, रामा मन्डी (16) रीढ़ी राम, वेद प्रकाश, रामा मन्डी, (17) बनारसी दास, रतन चन्द, रामा मन्डी, (18) ठाकुर मल, हंस राज, रामा मन्डी, (19) किशोर चन्द, ओम प्रकाश, रामा मन्डी, (20) नारायण दास, रोशन लाल, रामा मन्डी, (21) बाबू राम, विजय कुमार, रामा मन्डी, (22) लाल चन्द, प्रभार नाथ, रामा मन्डी, (23) नारा चन्द, युगल किशोर, रामा मन्डी, (24) कृष्ण गोपाल, पवन कुमार रामा मन्डी, (25) राम रतन दास बाणीश्वर दास, रामा मन्डी, (26) राज कुमार नन्द लाल, रामा मन्डी (27) दर्जन सिंह, दीदार सिंह, रामा मन्डी, (28) अर्जन सिंह, तीर्थ सिंह, रामा मन्डी, (29) बलवन्त सिंह, अजीत सिंह, रामा मन्डी, (30) हंस राज, तरसेप चन्द, रामा मन्डी, (31) शिवदियाल, राम नारायण, रामा मन्डी, (32) रीढ़ी राम, जगमोहन लाल, रामा मन्डी, (33) तरलोक चन्द, मंगत गाय, रामा मन्डी, (34) गुरुमुख सिंह, हरबन्य सिंह, रामा मन्डी, (35) हरनाम सिंह, हरदवारी लाल, रामा मन्डी, (36) बनबीर सिंह, जसबीर सिंह, रामा मन्डी, (37) गोपाल चन्द, पर्थी सिंह, रामा मन्डी, (38) राजा राम, ओम प्रकाश रामा मन्डी, (39) कुन्दन लाल, पवन कुमार, रामा मन्डी, (40) ब्रेम सिंह, हीरा सिंह, रामा मन्डी, (41) निशन मल, कांशी राम, रामा मन्डी, (42) निहालमिह, किशन सिंह, रामा मन्डी, (43) हरी सिंह, रणजीत सिंह, रामा मन्डी, (44) तिनक राजा राम जी दास, रामा मन्डी, (45) हरी राम, त्रिज लाल, रामा मन्डी, (46) अमर नाथ, वेद प्रकाश, रामा मन्डी, (47) पारस राम, किशोर चन्द रामा मन्डी, (48) बीरबल दास, राज कुमार, रामा मन्डी, (49) मांगे राम, ओशीक कुमार रामा मन्डी, (50) मुखियार सिंह, राम सरूप, रामा मन्डी,

7—26 GI/81

(51) जगत प्रकाश चावला और सी० ओ०, रामा मन्डी, (52) गणेश मन, भाना मन, रामा मन्डी, (53) मनजीत सिंह, और सी० ओ०, रामा मन्डी, (54) तेल राम, शाम लाल, रामा मन्डी (55) तुलसी राम ईन्द्र मन, रामा मन्डी, (56) बिशन मन, ओम प्रकाश, रामा मन्डी, (57) ढीला राम, लक्ष्मण दास, रामा मन्डी, (58) रोशन लाल, जगदीप राय, रामा मन्डी, (59) राजा राम, ओम प्रकाश, रामा मन्डी, (60) सुलख राम, जनक राज, रामा मन्डी, (61) कौर चन्द, देस राज, रामा मन्डी, (62) नरेता राम, अशोक कुमार, रामा मन्डी, (63) मनोहर लाल, अमत लाल, रामा मन्डी, (64) सीता राम, तजिन्द्र पाल, रामा मन्डी, (65) खीरु राम, किशन चिन्द, रामा मन्डी, (66) त्रिज लाल, वेद प्रकाश, रामा मन्डी, (67) मुंशी राम, नरजन दास, रामा मन्डी, (68) राम जी दास, दविन्द्र कुमार, रामा मन्डी (प्रत्यक्ष)

2. (1) मंगत राय पुत्र तरलोक चन्द के मिकलश मैसर्जे तरलोक चन्द मंगत राय रामा मन्डी।

(2) अशोक कुमार, रामा मन्डी,

(3) पवन कुमार, रामा मन्डी,

(4) कमल कान्त, रामा मन्डी, (अन्तरिस्ती)

3. जैसा कि ऊपर नं० 2 में लिखा है।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है।

(वह व्यक्ति जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

जो वह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यशालियों करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

(क) इस सूचना के रात्रात्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तस्वीरन्वारी व्यक्तियों पर सूचना की सामीक्षा से 30 दिन की अवधि, जो भी अवश्य बाद में समाप्त होती है के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के रात्रपद में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी ग्रन्थ व्यक्ति द्वारा, प्रशोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण--इसमें प्रयुक्त शब्दों और फटों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-के परिवारित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसृती

अकिन तथा सम्बलि जैसा कि विलेख नं० 1226 दिनांक जुलाई 1980 को रजिस्ट्रीर्टा अधिकारी तनबण्डी साबु में लिखी गया है।

श्राव० गिरधर
सक्षम अधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, जालन्धर

तारीख : 10-3-1981

मोहर :

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्रम (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 10 मार्च 1981

निवेश सं० ए० पी० नं० 2450—अतः मुझे, आर०गिरधर

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो रामा
मण्डी में स्थित है (और उससे उपावद्ध अनुसूची में पौर पूर्ण-
रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, तल-
वाणी साबू में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के अधीन, तारीख जुलाई 1980

का पूर्वांक संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तर्भूत की गई है और मूर्खे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वांकित संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पूर्वांकित से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिरी
(अन्तरिक्षियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए सभी पादा गया प्रति-
फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निर्दिष्ट में वास्तविक
रूप में वर्णित भावी लिखा गया है:—

(क) अन्तरण से हृई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिरी द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-व के अन्तरण
में, भी, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

1. (1) अर्जन दास, चरणजी लाल, रामा मण्डी, (2) कांता
टरेडिंग सी० ओ०, रामा मण्डी, (3) मदन लाल, मनोहर लाल,
रामा मण्डी, (4) बालक राम, लक्ष्मण दास, रामा मण्डी, (5)
भगवान भिंडि, मनोख भिंडि, रामा मण्डी, (6) आनन राम, देव राज,
रामा मण्डी, (7) काशी राम, किशोर चन्द्र, रामा मण्डी, (8)
हरदेवमिह, कृष्ण कुमार, रामा मण्डी, (9) बाबू राम, प्रेम चन्द्र,
रामा मण्डी, (10) धर्मपाल, मदन लाल, रामा मण्डी, (11)
मन पाल, पवन कुमार, रामा मण्डी, (12) गंगा राम, गधा राम,
रामा मण्डी, (13) खन्ना मल, जोनगम, रामा मण्डी, (14)
केवल कल्प, पवन कुमार, रामा मण्डी, (15) ब्रिज लाल, केवल
कल्प, रामा मण्डी, (16) गीती राम, वेद प्रकाश, रामा मण्डी,
(17) बनारसी दास, रतन चन्द्र, रामा मण्डी, (18) ठाकुर
मन हंस राज, रामा मण्डी, (19) किशोर चन्द्र, ओम प्रकाश,
रामा मण्डी (20) नारायण दास, रोशन लाल, रामा मण्डी,
(21) बाबू राम, विजय कुमार, रामा मण्डी, (22) लाल चन्द्र,
अमर नाथ, रामा मण्डी (23) तारा चन्द्र, युगल किशोर, रामा

मण्डी, (24) तुष्णि गोपाल, पवन कुमार, रामा मण्डी, (25)
राम रतन दास, बाणीश्वर दास, रामा मण्डी, (26) राज कुमार,
नन्द लाल, रामा मण्डी, (27) दर्शन सिंह, दीदार सिंह, रामा मण्डी,
(28) प्रर्जन सिंह, तीर्थ सिंह, रामा मण्डी, (29) बलवन्त सिंह,
अर्जीत सिंह, रामा मण्डी, (30) हंस राज, तरसेम चन्द्र, रामा
मण्डी, (31) शिव दयाल, राम नारायण, रामा मण्डी, (32)
रीती राम, जगमोहन लाल, रामा मण्डी, (33) तरलोक चन्द्र,
मंगत राय, रामा मण्डी, (34) गुरमुख सिंह, हरबंह सिंह, रामा
मण्डी, (35) हरनाम सिंह, हरदवारी लाल, रामा मण्डी, (36)
बसबीर सिंह, जसबीर सिंह, रामा मण्डी, (37) गोपाल चन्द्र,
पूर्णी सिंह, रामा मण्डी, (38) राजा राम, ओम प्रकाश, रामा
मण्डी, (39) कुन्दन लाल, श्रवण कुमार, रामा मण्डी, (40)
खेम सिंह, हीरा सिंह, रामा मण्डी, (41) विशन मल, काशी राम,
रामा मण्डी, (42) निहाल सिंह, किशन सिंह, रामा मण्डी, (43)
हरी सिंह, रणजीत सिंह, रामा मण्डी, (44) तिलक राज, राम जी
दास, रामा मण्डी, (45) हरी राम, ब्रिज लाल, रामा मण्डी, (46)
अमर नाथ, वेद प्रकाश, रामा मण्डी, (47) पारस राम,
किशोर चन्द्र, रामा मण्डी, (48) बीरबल दास, राज कुमार, रामा
मण्डी, (49) मांगो राम, अशोक कुमार, रामा मण्डी, (50)
मुकिश्यार सिंह, राम सूर्य, रामा मण्डी, (51) जगत प्रकाश
चावला और सी० ओ०, रामा मण्डी, (52) गणेश मल, थाना
मल, रामा मण्डी, (53) मनजीत सिंह और सी० ओ०, रामा
मण्डी, (54) तेलू राम, शाम लाल, रामा मण्डी, (55) तुलसी
राम, हिन्दर मल, रामा मण्डी, (56) विशन मल, ओम प्रकाश,
रामा मण्डी, (57) ढीला राम, लक्ष्मण दास, रामा मण्डी,
(58) रोशन लाल, जगदीश राय, रामा मण्डी, (59) राजा
राम, ओम प्रकाश, रामा मण्डी, (60) मुलख राम, जनक राज,
रामा मण्डी, (61) कौर चन्द्र, देस राज, रामा मण्डी, (62)
नरेता राम, अशोक कुमार, रामा मण्डी, (63) मनोहर लाल
अर्मत लाल, रामा मण्डी, (64) सीता राम, तजिन्द्र पाल, राम,
मण्डी, (65) खीसु राम, किशन चन्द्र, रामा मण्डी, (66)
ब्रिज लाल, वेद प्रकाश, रामा मण्डी, (67) मुंशी राम, नरंजन
दास, रामा मण्डी, (68) रामजी दास, दविन्द्र कुमार, रामा
मण्डी, (अन्तरक)

2. (1) मंगत राय पुन तरलोक चन्द्र मंगत राय, रामा
मण्डी, (2) अशोक कुमार, रामा मण्डी, (3) पवन कुमार, रामा
मण्डी, (4) कमल कान्त, रामा मण्डी (अन्तरिक्षी)

3. जैसा कि ऊपर नं० 2 में लिखा है।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में छुन्नि रखता है।

(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी
जानता है ति वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वांक संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वांक
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्थानिकरणः—इसमें प्रयुक्त सब्जों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-के में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय के दिवागया है।

अनुसूची

अक्ति तथा सम्पत्ति जैसा कि विलेख नं० 1227 दिनांक जुलाई 1980 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी तलवारी साबु में लिखा गया है।

श्रार० गिरधर
सक्षम अधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, जालन्धर

तारीख 10-3-1981

मोहरः

प्रस्ता आई० टी० एन० एस०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार
कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 19 मार्च, 1981

निवेदण सं० ८० गी० नं० 2451—अतः मुझे, श्रार० गिरधर, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-व के अधीन सक्षम अधिकारी को यह विवास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

श्रीरजिसको सं० जंशा कि अनुसूची में लिखा है दथा जो रामा मण्डी में स्थित है (श्रीरजसमें उपाधि अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी को वार्षिक, तलवारी साबु में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख, जुलाई, 1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दूर्घटनान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विवास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दूर्घटनान प्रतिफल से, ऐसे दूर्घटनान प्रतिफल का पृष्ठ ह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तर पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उत्तर से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण ल हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करन या उसस बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) एसो किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनाथ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-व के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम को धारा 269-व की उपचारा (1) के अधीन, निम्नलिखित अस्तियों, अर्धति :—

1. (1) अर्जन सास चरडीलाल रामा मण्डी, (2) कांता टर्रेडिंग सी० औ० राजा मण्डी, (3) मदन लाल, मोहन लाल, रामा मण्डी, (4) बालक राम, लक्ष्मण दास, रामा मण्डी, (5) भगवान सिंह, सतोख सिंह, रामा मण्डी, (6) धानन राम, देव राज, रामा मण्डी, (7) काशी राम, किशोर चन्द, रामा मण्डी, (8) हरदेव सिंह, कृष्ण कुमार, रामा मण्डी, (9) बाबू राम, प्रेम चन्द, रामा मण्डी, (10) धर्मपाल, मदन लाल, रामा मण्डी, (11) सतपाल, पवन कुमार, रामा मण्डी, (12) गंका राम, राधा राम, रामा मण्डी, (13) खना मल, जोत राम, रामा मण्डी, (14) केवल कृष्ण, पवन कुमार, रामा मण्डी, (15) ब्रिज लाल, केवल कृष्ण, रामा मण्डी, (16) रीखी राम, वेद प्रकाश, रामा मण्डी, (17) बनारसी दास, रतन चन्द, रामा मण्डी, (18) ठाकुर मल, हंस राज, रामा मण्डी, (19) किशोर चन्द, ओम प्रकाश, रामा मण्डी, (20) नारायण दास, रोशन लाल, रामा मण्डी, (21) बाबू राम, विजय कुमार, रामा मण्डी, (22) लाल चन्द, अमर नाथ, रामा मण्डी, (23) तारा चन्द, युगल किशोर, रामा मण्डी (24) कृष्ण गोपाल, पवन कुमार, रामा मण्डी, (25) राम रतन दास, बाशहीशर दास, रामा मण्डी, (26) राज कुमार, नन्द लाल, रामा मण्डी (28) दर्बन सिंह, दीदार सिंह, रामा मण्डी, (28) अर्जन सह, तोष सिंह, रामा मण्डी, (29) बलवन्त सिंह, अजीत सिंह, रामा मण्डी, (30) हंस राज, तरसेम चन्द, रामा मण्डी (31) शिव दियाल, राम नारायण, रामा मण्डी, (32) रीखी राम, जगमोहन लाल, रामा मण्डी, (33) तरलोक चन्द, मंगत राय, रामा मण्डी, (34) गुरमुख सिंह, हरबन्स सिंह, रामा मण्डी, (35) हरनाम सिंह, हरदवारी लाल, रामा मण्डी, (36) बलबीर सिंह, जसबीर सिंह, रामा मण्डी, (37) गोपाल चन्द, पूर्णी सिंह, रामा मण्डी, (38) राजाराम, ओम प्रकाश रामा मण्डी, (39) कुन्दन लाल पवन कुमार, रामा मण्डी, (40) खेम सिंह, हीरा सिंह, रामा मण्डी (41) विशन मल काशी राम, रामा मण्डी, (42) निहाल सिंह, किशन सिंह, रामा मण्डी, (43) हरी सिंह, रणजीत सिंह, रामा मण्डी, (44) तिलक राज, राम जौ दास, रामा मण्डी, (45) हरी राम, ब्रिज लाल, रामा मण्डी, (46) अमर नाथ, वेद प्रकाश, रामा मण्डी, (47) पारस राम, किशोर चन्द, रामा मण्डी, (48) बीरबल दास, राज कुमार, रामा मण्डी, (49) मांगो राम, अशोक कुमार, रामा मण्डी, (50) मुहितपार सिंह, राम सूरप, रामा मण्डी, (51) जगत प्रकाश चावला और सी० औ०, रामा मण्डी, (52) गणेश मल, भाना मल, रामा मण्डी, (53) मनजीत सिंह और सी० औ०, रामा मण्डी, (54) तेल राम, शाम लाल, रामा मण्डी, (55) तुलसी राम हृन्दर मल, रामा मण्डी, (56) बिशन मल, ओम प्रकाश, रामा मण्डी, (57) ढीला राम, लक्ष्मण दास, रामा मण्डी, (58) रोशन लाल, जगदीश राय, रामा मण्डी, (59) राजा राम, ओम प्रकाश, रामा मण्डी, (60) मूलख राम, जनक राज, रामा मण्डी, (61) कौर चन्द, देस राज, रामा मण्डी, (62) नरता राम, अशोक कुमार, रामा मण्डी, (63) मनोहर लाल, अमृत लाल, रामा मण्डी, (64) मीता राम, तजिन्द्र पाल, रामा मण्डी, (65) खीतु राम, किशन चन्द, रामा मण्डी, (66) ब्रिज लाल, वेद प्रकाश, रामा मण्डी, (67) मुंझी राम, नरजन दास, रामा मण्डी, (68) राम जी दास, दविन्द्र कुमार, रामा मण्डी।

(अन्ततःक)

2. (1) मंगत राय पुत्र तरलोक चन्द कैमिकल ऐसर्ज, तरलोक चन्द, मंगत राय, रामा मण्डी, (2) अशोक कुमार, रामा मण्डी, (3) पवन कुमार, रामा मण्डी, (4) कमल काल्त, रामा मण्डी।

(अन्तरिती)

3. जैसा कि उपर नं० 2 में लिखा है

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है))

4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है

(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध हैं)

को वह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आशेपः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभासित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

व्यक्ति संधा सम्पत्ति जैसा कि विलेख नं० 1228 दिनांक जुलाई, 1980 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी तलवर्णा साँझ में लिखा गया है।

आर० गिरधर
सक्षम अधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, जालन्धर

दिनांक: 10-3-1981।

मोहर:

प्ररूप आर० टी. एन. एस.-----
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार
कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, जालन्धर
जालन्धर, दिनांक 6 मार्च 1981

निदेश सं० गा० पी० नं० 2511:—ग्रन्त: मुझे, आर० गिरधर आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी मं० जैसा कि अनुसूची से लिखा है तथा जो नवांशहर में स्थित है (और इससे उपावद्ध अमें अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय नवांशहर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख जुलाई, 1980

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इस्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई और मुझे यह विश्वास

करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके इस्यमान प्रतिफल से, ऐसे इस्यमान प्रतिफल का प्रमुख प्रतिक्षेप से विविध है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कार्यित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिये; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनथा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1. दी सतलुज लैण्ड फाईनेंस कम्पनी जालन्धर

2. दी सतलुज पेलेस लैण्ड पिक्चर नवांशहर (अन्तरक)

3. जैसा कि ऊपर नं० 2 में लिखा है। (अन्तरिती)

(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है।

(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी

जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आशेपः :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभासित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

जालन्धर, 6-3-1981
आर० गिरधर
सक्षम अधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, जालन्धर

तारीख : 6-3-1981

मोहर:

प्रस्तुप आई.टी.एन.एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 7 मार्च 1981

निदेश सं० ८० पी० नं० 2512—अतः मुझे आर० गिरधर,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी मं० जैसा कि अनुसूची में लिखा गया है तथा जो जालन्धर में स्थित है (और इसमें उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जालन्धर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 वा 16) के अधीन तारीख जुलाई, 1980

को पूर्वांकत संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वांकत सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उग्रे दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

(क) अन्तरण से हृद्द किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हे भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

1. जागीर सिंह पुत्र प्रताप सिंह गाँव पीछी गड़ तहसील जालन्धर ।
(अन्तरक)
2. श्रीमती परमजीत कौर पत्नी श्री स्वर्ण सिंह कोठी नं० 93 सेक्टर 18-ए जालन्धर
(अन्तरिती)
3. जैसा कि ऊपर नं० 2 में लिखा है।
(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)।
4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में हवा रखता है।
(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वांकत सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहीयां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोइ भी आशेषः--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या सत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर मूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वांकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-के परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

व्यक्ति तथा सम्पत्ति जैसा कि विलेख नं० 2295 दिनांक जुलाई, 1980 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी जालन्धर में लिखा गया है।

श्राव० गिरधर
सक्षम अधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, जालन्धर

तारीख 6-3-1981

मोहरः

प्रस्तुप वाई० टी० एन० एस०————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 6 मार्च 1981

निकेश सं० ए० पी० नं० 2513—ग्रतः मुझे आर०
गिरधर

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-
ष के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु. से अधिक है।

और जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो दिलबुश
मार्किट जालन्धर में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची
में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के
कार्यालय, जालन्धर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908
का 16) के अधीन तारीख जुलाई, 1980।

को पूर्वांकित संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दस्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है। कि यथापूर्वांकित सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दस्यमान प्रतिफल से, ऐसे दस्यमान प्रतिफल का
पत्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा यथा प्राप्ति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
एप से कार्यकृत नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) दोस्री किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनाथे अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था
या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के
लिए;

ग्रतः श्रव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ष के अनुसरण
में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ष की उपशारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् 1—

1. श्री गिप्रानी शंकर सिंह, पुत्र श्री वल सिंह वासी गारडन
फालोनी जालन्धर।

(अन्तरक)

2. श्रीमती परमजीत कौर पत्नी श्री स्वर्ण सिंह कोठी नं०
93, सेक्टर 18-ए, चण्डीगढ़।

(अन्तरिती)

3. जैसा कि ऊपर नं० 2 में लिखा है।
(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में स्थान रखता है।
(वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है फिर वह
सम्पत्ति में हितबद्ध है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वांकित सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहिया करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्येपः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तस्सम्बन्धी व्यवितरणों पर सूचना
की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वांकित
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरों के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभासित
हैं, वहाँ अर्थ द्वारा जालन्धर में लिखा
गया है :

अनुसूची

व्यक्ति तथा सम्पत्ति जैसा कि विलेख नं० 2296, दिनांक
जुलाई 1980 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी जालन्धर में लिखा
गया है।

आर० गिरधर
सक्षम अधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, जालन्धर

तारीख : 6-3-1981

मोहर :

प्रकृष्ट प्राई. टी० एन० एस०

आधिकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-व (1) के अधीन पूछना

भारत सरकार

शासीन्य, सहायक प्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 6 मार्च 1981

निदेश सं० ए० पी० नं० 2514—ग्रतः मुझे आर०
गिरधर,

आधिकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-वा के अधीन मजाम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थानीय सम्पत्ति, त्रिमुक्त उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रुपये से अधिक है

और जिसकी संसें जैसा कि अनुसूचि में लिखा है जो दिलखुश
मार्कीट जालन्धर में स्थित है (प्रौढ़ इसमें उपाबद्ध अनुसूची
में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के
कारण जालन्धर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908
का 16) के अधीन तारीख जुलाई, 1980
का पूर्वोत्तम सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रति-
कल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का आरा है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य
उसके दृश्यमान प्रतिकल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकल का पञ्चदृ
प्रतिशत से अधिक है और भ्रमक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे प्रत्यरण के लिए तथा पाया गया
प्रतिफल, त्रिमुक्त उत्तरण से उक्त प्रत्यरण लिखित में बन्ध-
विक्र कप में अंकित नहीं किया गया है—

(क) अन्तरण से हुई किसी प्राय की बाबत उक्त प्रधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी
करने या उससे बदों में मुश्किल के लिए; और/या

(क) ऐसी किसी प्राय या किसी घन या अन्य प्रासितियों
को, जिहे भारतीय प्रायकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या
अनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया या या किया जाना बाहिए या, त्रिमुक्त में कुतिया
के लिए।

अतः अब, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-व के अनुसरण
में, मैं, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री मोनियाल सिंह पुत्र गुरुपाल सिंह वासी गांव और पी०
प्र० गड़ तहसील जालन्धर।

(अन्तरक)

2. श्रीमती परमजीत कौर पल्ली श्री स्वर्ण सिंह वासी कोठी
नं० 93 सेक्टर 18-ए चंडीगढ़।

(अन्तरिती)

3. जैसा कि ऊपर नं० 2 में लिखा है।

(अविक्त, जिसके अधिभीत में सम्पत्ति है)।

4. जो व्यक्ति इच्छा रखता है।

(वह अविक्त, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि
वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यान्वयिता करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी व्यावेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तस्वीर्यां व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि
आदि में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों
में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में
हितबद्ध किसी भ्रान्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी
के पास लिखित में किए जा सकें :

रजिस्ट्रीकरण :— इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
प्रधिनियम के अध्याय 20-क में
परिभाषित हैं, वही अर्थ हुआ जो उस
अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

व्यक्ति तथा सम्पत्ति जैसा कि विलेख नं० 2297, दिनांक
जुलाई, 1980 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी जालन्धर में लिखा
गया है।

आर० गिरधर
सक्षम अधिकारी
सहायक प्रायकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, जालन्धर

तारीख : 6-3-1981

मोहर :

प्रस्तुप आइ० टी. एन. एस. —————

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 6 मार्च 1981

निवेश सं० ए० पी० नं० 2515—अतः मुझे आर०
गिरधर,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43), (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम कहा गया है'), की धारा
269-ष के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० जैसा कि प्रनुसूची में लिखा है तथा जो दिनांक
मार्कीट जालन्धर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध में अनुसूची में
और पूरी रूप में वर्णित है), रजिस्ट्री कर्ता अधिकारी के कार्यालय
जालन्धर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16)
के अधीन, तारीख जुलाई, 1980।

काँ पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पञ्चाह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती
(अन्तरीतीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया ग्राति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
कृप से कीर्तत नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हृदृ किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के धार्यात्म में
कीर्ती करने या उससे बदलने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोगनार्थ अन्तरीती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, भैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ष की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, वर्षात् 1—

1. श्री स्वर्ण सिंह पुत्र श्री लंबा सिंह वासी सिविल लाइन
जालन्धर।

(अन्तरक)

2. श्री परमजीत कौर पत्नी श्री स्वर्ण सिंह कीठी नं० 93
सेक्टर 18-ए चन्डीगढ़।

(अन्तरिती)

3. जैसा कि ऊपर नं० 2 में लिखा है।
(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है।
(वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि
सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना आरी करके प्राप्ति समरित के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाष्प में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वहो अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

व्यक्ति तथा सम्पत्ति जैसा कि विलेख नं० 2298, दिनांक
जुलाई, 1980 को रजिस्ट्री कर्ता अधिकारी जालन्धर में लिखा
गया है।

आर० गिरधर
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज जालन्धर

दिनांक : 6-3-1981

मोहर :

आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 6 मार्च, 1981

निदेश सं० गे० पी० नं० 2516—अतः मुझे आर० गिरधर

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ष के अधीन तक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का लाभ है कि स्थावर तमात्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो दिल-खुश मार्कीट जालन्धर में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जालन्धर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन जुलाई, 1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐन दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तर (पन्दरकों) प्रोर अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण 6 तिन ता आया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य में इस लाभ दिलाने में वास्तविक रूप से उपयोगी होता गया है:—

(6) परामर्श के हुईं हिस्ती आय की बाबत आयकर अधिनियम 1961 (1981 का 43) के अधीन कर देने के अन्तराल के शायदिल में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(7) नेपी नियम या किसी घन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 टा 11) या उक्त अधिनियम, या उनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रतिनियंत्रण अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या किया जाना चाहिए या छिपाने में नुकसान के लिए;

प्रतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ष की उपधारा (1) के को अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

8—26 GI/81

1. श्री कर्म सिंह पुन श्री वसन्त सिंह वासी जनता कालोनी जालन्धर।

(अन्तरक)

2. श्रीमति परमजीत कौर पसनी श्री स्वर्ण मिह कोठी नं० 93 सेक्टर 18 ए, चंडीगढ़।

(अन्तरिती)

3. जैमा कि ऊपर नं० 2 में लिखा है।

(वह व्यक्ति, जिस अधिभोग में सम्पत्ति है)।

4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है।

(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जनता है कि वह सम्पत्ति में हितवद्ध है)।

को यह सूचना जारी करने पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता है।

उक्त सूचना के अर्जन के अन्वय में कोई भी प्राक्तेः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्त्वावधि व्यक्तियों पर सूचना की तामील में 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में ये किसी व्यक्ति द्वारा;

(क्ष) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के आप तिथित में किए जा सकें।

साइटोकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उक्त अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

व्यक्ति तथा सम्पत्ति जैसा कि विलेख नं० 2299 दिनांक जुलाई 1980 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी जालन्धर में लिखा गया।

आर० गिरधर
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, जालन्धर

तारीख : 6-3-1981

मोहर :

प्रधान मार्डो टी. एस. एस.—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रन्जन रेज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 10 मार्च, 1981

निदेश सं. ए० पी० नं. 2517—अतः मूल्य आरो
गिरधर

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-व के प्रधीन सकाम प्राधिकारी को, पहले विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार
मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी सं. जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो माउजों
खुरद में स्थित है (आंग इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण
रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय
मोगा में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (108 का 16)
के अधीन जुलाई, 1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पश्चात्
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उदेश्य से उक्त अन्तरक
लिखित में वास्तविक रूप से कठित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी प्राय की बावत उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या बन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के
लिए

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-व के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपचारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्यात् :—

1. श्रीमति करतार कौर विधवा और राखों छाती बीवी
पुत्रियां और जगत सिंह, दरबारा सिंह शेर सिंह और
गुरदेव सिंह पुत्र श्री केहर सिंह वासी गांव माउजों खुरद
तहसील मनसा जिला बठिठा।

(अन्तरक)

2. श्री गुरमीत सिंह, हरजीत सिंह, हरभजन सिंह सपुत्र
मगार सिंह और चौहान सिंह, गुलजार सिंह, दरबारा
सिंह समूह भोजन सिंह वासी गांव माउजों खुरद तहसील
मनसा जिला बठिठा।

(अन्तरिती)

3. जैसा कि उपर नं. 2 में लिखा है।
(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)।

4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है।
(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह
सम्पत्ति में हितबद्ध है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रबंधन के
लिए कार्यालयों शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के प्रबंधन के सम्बन्ध में कोई भी व्याप्ति :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तस्वीरी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

व्यक्ति तथा सम्पत्ति जैसा कि विलेख नं. 2360 दिनांक जुलाई,
1980 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी मानसा में लिखा गया है।

प्रार० गिरधर

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रन्जन रेज, जालन्धर

तारीख : 10-3-1981

मोहर :

प्रकृष्ट प्राइ. टी. एन., एस.-----

1. श्री गुरचरन सिंह पुत्र नथा सिंह वासी मुक्तसर
फरीदकोट

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा
269-घ(1) के अधीन सूचना

2. श्री बलजिन्दर सिंह गुरमीत सिंह रमेश सिंह
सुपुत्र श्री प्रीतम सिंह पुत्र विश्वास सिंह वासी मुक्तसर
जिला फरीदकोट

(अन्तरिती)

3. जैसा कि ऊपर नं० 2 में लिखा है।

(व व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)।

4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में छुन्हि रखता है।

(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह
सम्पत्ति में हितबद्ध है)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 10 मार्च, 1981

निदेश सं० ए० पी० नं० 2518—यसः भुक्त आर०
गिरधर

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है।

और जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो
मुक्तसर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण
रूप में वर्णित है)। रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय मुक्तसर
में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के
अधीन तारीख जुलाई, 1980

को पूर्वांक सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दर्शमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वांक सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दर्शमान प्रतिफल से, ऐसे दर्शमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरित द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम, की भारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, वर्धातः:-

को यह सूचना आरी करके पूर्वांक सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यालयों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वांक
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वाक्षरण:—इसमें प्रदूर्धा शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होंगा जो उस अध्याय में विद्या
गया है।

अनुसूची

व्यक्ति तथा सम्पत्ति जैसा कि विलेख नं० 1458 दिनांक
जुलाई, 1980 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी मुक्तसर में लिखा
गया है।

श्रार० गिरधर
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, जालन्धर

तारीख : 10-3-1981

मोहर :

प्रकरण धार्द० धी० एन० इच०-----

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-प (1) के अधीन सूचना
भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, जालन्धर
जालन्धर, दिनांक 10 मार्च 1981

निदेश सं० ए० पी० नं० 2519—यतः मुझे आर०
गिरधर,

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43)
(जिसे इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा जाता है), को
धारा 269-प के अधीन सकाम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने
का कारण है कि इसावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो मुक्तसर
में स्थित है (और इससे उपावद्र अनुसूची में और पूर्णरूप में वर्णित
है), रजिस्ट्रीर्ता प्रधिकारी के कार्यालय मुक्तसर में रजिस्ट्री-
करण प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन
जुलाई, 1980

को पूर्णोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिकल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकल का पन्द्रह
प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया
प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से तुझे किसी आय की बाबत, उक्त प्रधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में रुमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हे भारतीय आयकर प्रधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या घन-कर
प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना आहिये था, छिपाने में सुविधा के लिए ;

अतः अब, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण
में, मैं, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-प की उपधारा (1)
के अधीन निम्ननिष्ठ अधिकारी, अन्तर्त :—

1. श्री रामनाथ, टोडर मल, सुपुत्र श्री ईश्वर दास श्रीमती
शांति देवी पुत्री ईश्वरदास मदन लाल ब्रिज लाल ब्राह्मण
दियाल सुपुत्र लक्ष्मण दास और शाम सुन्दर पुत्र जुगल
किशोर पुत्र लक्ष्मण दास और ईश्वरी देवी विधवा सोंडी
राम और किशन सुरारी पुत्र जगन नाथ वासी मुक्तसर,
जिला फरीदकोट

(अन्तरक)

2. श्री छपाल सिंह मुक्तियार सिंह सुपुत्र ईश्वर सिंह पुत्र राम
दित्ता सिंह वासी मुक्तसर, जिला फरीदकोट ।
(अन्तरिती)

3. जैसा कि ऊपर नं० 2 में लिखा है ।
(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में लूच रखता है ।
(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधीक्षिताकारी जानता है कि वह
सम्पत्ति में हितबद्ध है) ।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
सिए कार्यालयियां करता है ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की प्रबंधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की प्रबंधि, जो भी
प्रबंधिया बाद में भावात्मक होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधीक्षित के पास
लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त सब्दों और वदों का, जो उक्त
प्रधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है ।

अनुसूची

व्यक्ति तथा सम्पत्ति जैसा कि विलेख नं० 1562 दिनांक
जुलाई 1980 की रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी में लिखा गया है ।

आर० गिरधर,
सकाम प्राधिकारी
(सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण))
अर्जन रेंज, जालन्धर

तारीख : 10-3-1981

मोहर :

प्रकृष्ट पार्सी टी० एम० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ(1) के प्रधीन सूचना
भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 10 मार्च 1981

निवेश सं० ए० पी० नं० 2520—अतः मुझे, आर०
गिरधर,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ
के अधीन सदाम प्राधिकारी द्वा०, यदू विश्वास करने का कारण है कि
स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० में
अधिक है।

और जिसकी मं० जैसा कि अनुमूल्य से किया है तथा जो जालन्धर
में स्थित है (और इससे उपावड़ में अनुमूल्य में और पूर्ण
रूप में बणित है), रजिस्ट्रीर्टा० अधिकारी के कार्यालय जाल-
धर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के अधीन, तारीख जुलाई, 1980

का पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूँझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके
दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का अन्तरित प्रतिशत
अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित
में वास्तविक रूप से कठित नहीं किया गया है:—

(४) अन्तरण से हृदृ किसी आय को बाबत, उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायितव में
कभी करने वा उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(५) ऐसी किसी प्राप्त या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया या किया जाना चाहिए था, छिपाने
में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्तअधिनियम की धारा 269-घ के अन्तरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री ओम प्रकाश पुत्र लेट श्री बिला मल्ल वारी डब्ल्यू
ई-283, गुड़ मंडी जालन्धर।
(अन्तरक)
2. श्री तरसेम नाल, अश्वनी कुमार और शिव कुमार सुपुत्र
श्री जनक राज 411 आ दर्शन नगर जालन्धर
(अन्तरिती)।
3. जैसा कि उपर नं० 2 में लिखा है।
(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)।
4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है।
(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी
जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यालयांकित करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी व्यापेष :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन भी अवधि या सत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास जिमित
में किए जा सकेंगे।

ट्यूटोरिएशन:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही
अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

व्यक्ति तथा सम्पत्ति जैसा कि विलेख नं० 2343 दिनांक जुलाई,
1980 को रजिस्ट्रीर्टा० अधिकारी जालन्धर में लिखा गया
है।

आर० गिरधर,
(सक्षम अधिकारी),
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, जालन्धर

तारीख : 10-3-1981

मोहर :

प्रस्तुत आई. टी. एन्. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 18 मार्च 1981

निवेश सं० ए० पी० नं० 2521—अतः मुझे, आर०
गिरधर,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो कोट-
कापुरा में स्थित है (और इससे उपावद में अनुसूची में और
पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय
फरीदकोट में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का
16) के अधीन तारीख जुलाई, 1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पञ्चवांशीत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अंतरीतियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाथा गया गति-
कल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्त-
विक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिये;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
के, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरित द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपभारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अधीक्त :—

1. श्री पूरनमल पुत्र सेठ राधा किशन पुत्र सेठ केदार नाथ
वासी कोटकपुरा द्वारा श्री सुरिन्दर कुमार धर्मपुत्र सेठ
पूरनमल पुत्र सेठ राधा कृष्ण वासी कोटकपुरा
मुक्तियार-ग्रे-आम (अन्तरक)

2. श्री कृशना देवी पत्नी श्री कांगी राम पुत्र जग्नु राम वासी
कोटकपुरा

(अन्तरिती)

3. जैसा कि उपर नं० 2 में लिखा है।
(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

5. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है।
(वह व्यक्ति जिनके बारे में अधीक्षता अधीक्षता
जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
कार्यवाहीयां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्येष :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा :

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधीक्षता अधीक्षता के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वाक्षीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

महासूची

व्यक्ति तथा सम्पत्ति जैसा कि विलेख नं० 1800 दिनांक
जुलाई, 1980 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी फरीदकोट में लिखा
गया है।

आर० गिरधर
(सक्षम अधिकारी),
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेज, जालन्धर

तारीख : 18-3-1981

मोहर :

प्रस्तुत आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
भारा 269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 18 मार्च 1981

निदेश सं० ए० पी० नं० 2522—अस्तः, मुझे, आरा०
गिरधर,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा
269-ष के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/ रु. से अधिक है

और जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो कोट-
कपूरा में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण
रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय फरीद्कोट
में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के
अधीन तारीख जुलाई, 1980

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एवं दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कठित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से दूर किसी आद की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर दने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आद या किसी धन या अन्य आस्तियों
के, जिन्हें भारतीय आद-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किबा जाना आमिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के, अनुसरण
में, नै, उक्त अधिनियम की भारा 269-ष की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों वर्षादः—

1. श्रीमति आनन्द बाला उर्फ नन्दा अग्रवाल बेटी सेठ राम
दिवाल पत्नी श्री मुरेन्द्र कुमार, वासी नं० 456, कलाप
मार्किट, दिल्ली 110006। द्वारा मुक्तियार-ए-आप
मुरिन्द्र कुमार बेमका धर्म पुत्र सेठ पूर्ण मल, वासी
कोटकपुरा।

(अन्तरक)

2. श्रीमति कृष्णा देवी पत्नी श्री कांणी राम पुत्र जगुराम,
वासी कोटकपुरा।

(अन्तरिती)

3. जैसा कि ऊपर नं० 2 में लिखा है।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में हृति रखता है।

(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी
जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है।)

क्वो यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यालयीयों करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आवेदनः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तामिल से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवैध बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभ्राष्ट
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

मुझसूची

व्यक्ति तथा सम्पत्ति जैसा कि विलेख नं० 1801 दिनांक जुलाई
1980 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, फरीद्कोट में लिखा गया है।

आरा० गिरधर,
(सक्षम प्राधिकारी)
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, जालन्धर

तारीख : 18-3-1981

मोहर :

प्रस्तुप्र आइं.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर दिनांक 18 मार्च 1981

निवेश सं० ए० पी० नं० 2523—प्रतः मुझे, आर०
गिरधर,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम कहा गया है'), की धारा
269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो कोटकपुरा
में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण सूची में वर्णित
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय फरीदकोट में रजिस्ट्री-
करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,
तारीख जुलाई, 1980

कर्ते पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूल्य के यह विश्वास
करने का कारण है कि यथोपदोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कठित नहीं किया गया है :--

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावजूद, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हे भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-व के, अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों वर्षतः :--

1. श्री रतन कुमार पुत्र श्री राम दिवाल पुत्र सेठ राधा किशन
वासी कोटकपुरा द्वारा श्री सुरिन्द्र कुमार धर्म पुत्र श्री पूरन
मल पुत्र सेठ राधाकिशन मूकियार-आम वासी नं०
456 क्लाउ रामार्किट दिल्ली-110006।

(अन्तरक)

2. श्रीमती राज रानी पत्नी श्री कांणी राम पुत्र जग्गु राम
वासी कोटकपुरा।

(अन्तर्गती)

3. जैसा कि उपर नं० २ में लिखा है।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है।

(वह व्यक्ति, जिसे बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि
वह सम्पत्ति में हितबद्ध है।)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्प्रबन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :-- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभ्राष्ट
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

व्यक्ति तथा सम्पत्ति जैसा कि विलेख नं० 1802 दिनांक
जुलाई, 1980 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी फरीदकोट में लिखा
गया है।

आर० गिरधर,

(सक्षम प्राधिकारी)

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जालन्धर

तारीख : 18-3-1981

मोहर :

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ए (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 18 मार्च 1981

निवेदन मं० ए० पी० नं० 2524—अतः मुझे, आर० गिरधर

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ए के अधीन सक्रम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु० से अधिक है

और जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो
कोटकपूरा में स्थित है (और इससे उपावद में अनुसूची में
और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय
फरीदकोट में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के
अधीन जुलाई, 1980
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य में
कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अस्तरित की
गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण
है कि दृश्यमान प्रतिफल का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान
प्रतिफल से ऐसे, दृश्यमान प्रतिफल का पश्चात् प्रतिशत से अधिक है,
और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों)
के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल,
निम्नलिखित उक्तेश्वरो उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से नहिं नहीं लिया गया है:—

(क) अन्तरण ने इई छिपी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में
सुविधा के लिए और/या

(छ) पैसी हिसी आय या हिसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भास्तीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम नी धारा 269-ए के अनुसार
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए की उपषारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित अधिकारी, अधीतः—

9—26 GI/81

1. श्रोमति कलावन्ती विश्वा सेठ राम दियाल पुत्र
सेठ केदारनाथ वासी कोटकपूरा द्वारा श्री मुरिम्बर
कुमार धर्म पुत्र पूर्ण मल पुत्र [सेठ राधा
किशन वासी कोटकपूरा मुरिम्बर-ए-आम] वासी नं०
456, क्लाय मार्केट, दिल्ली 110006।

(अन्तरक)

2. श्रीमति कृष्ण देवी पत्नी श्री काशी राम पुत्र जग्नु
राम वासी कोटकपूरा (अन्तरिती)

3. जैसा कि उपर नं० 2 में लिखा है।
(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है।

4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में हचि रखता है।
(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह
सम्पत्ति में हितबद्ध है।)

को वह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रर्जन के लिये
लिए कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के प्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आलोपः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तरसम्बन्धी अवितर्यों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्याप्त का, जो 'उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही प्रयं होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

व्यक्ति तथा सम्पत्ति जैसा कि विलेख नं० 1803 दिनांक
1980 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के फरीदकोट में लिखा
गया है।

ग्राम० गिरधर
सक्रम अधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज जालन्धर

तारीखः 18-3-1981
मोहरः

प्रेरूप आइ० टी० एन० एस०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
भारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर बायुक्ता (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 18 मार्च 1981

निदेश सं० ए० पी० नं० 2525—प्रस० मुझे, आर०
गिरधरी

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा
269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है और

जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो कोट-
कपूरा में स्थित है (और इससे उपायदृष्टि अनुसूची में भी
पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय
फरीदकोट में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का
16) के अधीन तारीख जुलाई, 1980

को पूर्वांकित सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के अव्याप्त
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वांकित सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके अव्याप्त प्रतिफल से ऐसे अव्याप्त प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरक्त) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित
में वास्तविक रूप से कठित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर दने के अन्तरक के
कार्यालय में कमी करने या उससे बचने में सहायता
के लिए; और/या

(ल) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, वा
भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सहायता के लिए;

अतः वब, उक्त अधिनियम की भारा 269-व के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-व की उपलब्धा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री शशी प्रकाश पुत्र राम दिमाल राधा किशन वासी
कोटकपूरा द्वारा श्री सुरिन्द्र कुमार धर्म पुत्र श्री पूरन भल
वासी 456 क्लाय मार्किट दिल्ली-110006 मुख्यार-ए-
आम ।
(अन्तरक)

2. श्रीमति राज रानी पत्नी श्री काशी राम पुत्र जग्नु राम
द्वी कोटकपूरा ।
(अन्तरिती)

3. जैसा कि ऊपर नं० 2 में लिखा है ।
(वह व्यक्ति, जिसके प्रधिभोग में सम्पत्ति है) ।

4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में सचि रखता है ।
(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह
सम्पत्ति में हितबद्ध है) ।

को यह सूचना आरी करके पूर्वांकित सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहीयां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आवेदन:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वांकित
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ल) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभ्रषित हैं, वही
बर्थ होंगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

व्यक्ति तथा सम्पत्ति जैसा कि विलेख नं० 1804 दिनांक
जुलाई, 1980 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी फरीदकोट में लिखा
गया है ।

प्रार० गिरधर
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर बायुक्ता (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, जालन्धर

तारीख 18-3-1981 ।

मोहर :

प्रस्तुप आई.टी.एम.एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) को
धारा 269-ए (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 18 मार्च 1981

निवेश सं. ए० पी० नं. 2526—अतः मुझे, आर०
गिरधर

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ए के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विवाह सरने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं. जैसा कि अनुसूची में दिया है तथा जो कोट-
कपूरा में स्थित है (और इससे उपावद अनुसूची में और
पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता प्राधिकारी के कार्यालय,
फरीदकोट में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का
16) के अधीन, तारीख जुलाई, 1980

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मैं यह विवाह सरने
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रति-
फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कठित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वावत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
वायित्व में कमी कहने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य कास्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरित द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए के, अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अधिकृतः—

1. श्री रवी प्रकाश पुत्र सेठ राम पुत्र सेठ राधा किशन
वासी कोटकपूरा द्वारा श्री सुरिन्द्र कुमार धर्म पुत्र सेठ
पूरन मल वासी 456 क्लाऊड मार्किट, दिल्ली-110006,
मुंबईयार-ए-ग्राम।

(अन्तरक)

2. श्रीमति राज रानी पत्नी श्री काशी राम पुत्र अमृ राम
वासी कोटकपूरा।

(अन्तरिती)

3. जैसा कि ऊपर नं. 2 में लिखा है।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)।

4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है।

(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह
सम्पत्ति में हितबद्ध है)।

को यह सूचना आरो करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहीयां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्येषः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्थानीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

व्यक्ति तथा सम्पत्ति जैसा कि विलेख नं. 1805 दिनांक जुलाई,
1980 को रजिस्ट्रीकर्ता प्राधिकारी फरीदकोट में लिखा गया
है।

आर० गिरधर
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, जालन्धर

तारीख : 18-3-1981।

मोहरः

प्रधान माईं दो० एन० एस०---

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की ओरा
269-प(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 18 भार्च 1981

निवेश सं० ए-पीन 2527--अतः मुझे आर० गिरधर
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की ओरा
269-प(1) के अधीन सकाम प्रांगिकारी की वह विवास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो
कोटकपूरा में स्थित है (और इससे उपाबद्ध में अनुसूची में और
पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय
फरीदकोट में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का
16) के अधीन तारीख जुलाई, 1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विवास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के
पश्चात् प्रतिशत से अधिक है योर अन्तरक (अन्तरकों)
और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच ऐसे भन्तरण के लिए
तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरक
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वापत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर दने के अन्तरक क
दायित्व में कमी करन या उससे अधिक सुविधा
के लिए, और/या

(ख) एसो किसी आय या किसी बन या अन्य सास्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगनाये अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की ओरा 269-प(1) के
अनुबरण में, उक्त अधिनियम की ओरा 269-प(1) की उपबारा
अधीन, निम्नलिखित अवक्तियों, अवक्ति :—

1. श्रीमति बिमला देवी पुत्री श्री राम दियाल पुत्र श्री राधा
किशन वासी कोटकपूरा द्वारा श्री सुरिन्द्र कुमार धर्म
पुत्र श्री सेठ पूरन मल वासी कोटकपूरा मुख्तिर-ए-आम
वासी 456 क्लाउ नार्किट विल्ली 110006 ।
(अन्तरक)

2. कृष्णा देवी पत्नी श्री कांशी राम पुत्र जग्नु राम वासी
कोटकपूरा ।
(अन्तरिती)

3. जैसा कि उपर न० 2 में लिखा है ।
(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है ।
(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है
कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है ।)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यालयी करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन न सम्भव में कोई भी वास्तेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन को तारीख से
45 दिन की अवधि या सक्षमताओं अवक्तियों पर
सूचना को जारी करने से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि नाथ में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
अवक्तियों वें से किसी अवक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन को तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिस्सेदार
किसी अन्य अवक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्वाक्षी तर्ग—इसमें प्रयुक्त शब्दों प्रौढ़ वर्दी का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
है, वर्दी अर्थ होगा जो इस अध्याय में दिया
गया है ।

अनुसूची

अवक्ति, सम्पत्ति जैसा कि विलेख न० 1806 दिनांक जुलाई,
1980 की रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी फरीदकोट में लिखा है ।

आर० गिरधर
सक्षम अधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, जालन्धर

तारीख 18-3-1981 ।

मोहर :

प्रख्यात प्राइवेट टो० एन० प्र० १८०---

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269प्र(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 18 मार्च 1981

निदेश सं० ए० पी नं० 2528—अतः मुझे आर०
गिरधर

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269प्र
के अधीन सक्षम प्रधिकारी को, यह विष्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु० से अधिक है।

और जिसकी सं० जैसा कि अनुसूचि में लिखा है वथा जो
कोटकपूरा में स्थित है (और इससे उपर्युक्त में अनुसूची में
और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्या-
लय फरीदकोट में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908
का 16) के अधीन तारीख जुलाई, 1980 ।

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के निए अस्तरित की गई है और मूले यह विष्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
पतिःशत अधिक है और पन्तरक (अंतरकों) और अस्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के सिए तथा पाया गया
प्रतिफल, से निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अस्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से छापित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण न दुई लिखी आय को बाबत, उक्त अधि-
नियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी छन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या घन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोगनामं अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के प्रमुखरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-प्र की उपधारा (1) के
अधीन, निम्नलिखित अवित्तियों, प्राप्ति :—

1. श्री रवि प्रकाश पुत्र सेठ राम दियाल पुत्र सेठ राधा
किशन वासी कोटकपूरा द्वारा श्री मुरिन्द्र कुमार पुत्र
सेठ राम दियाल मुख्यार-ए-आम वासी, 456, कलाश
मार्केट, दिल्ली 110006।

(अन्तरक)

2. श्री मान शिव काटन कारपोरेशन कोटकपूरा द्वारा श्री वेद
प्रकाश पुत्र अमर नाथ वासी कोटकपूरा

(अन्तरिती)

3. जैसा कि उपर नं० 2 में लिखा है।
(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)।
4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है।
(वह व्यक्ति, जिनके बारे में ओहस्ताक्षरी जानता है कि वह
सम्पत्ति में हितबद्ध है)।

का यह सूचना वाय इक रूपक सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहिया बरता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी व्यापेष।—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की प्रवधि, जो भी प्रत्येक
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों
में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में 'किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और वदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में
परिभ्रान्ति हैं, वही अर्थ होगा और उस
अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

अवित्त वथा सम्पत्ति जैसा कि विलेख नं० 1899 दिनांक जुलाई,
1980 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी फरीदकोट में लिखा गया है।

आर० गिरधर

सक्षम प्रधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, जालन्धर

तारीख : 18-3-1981।

मोहर:

प्रस्तुत आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 18 मार्च 1981

निवेश सं० ए० पी० नं० 2529—अतः मुक्ते आर० गिरधार

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके बाहर 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ को प्रधीन समय अधिकारी को, यह विवरण करने का कारण है कि स्वावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो कोटकपूरा में स्थित है (और इससे उपाखद में अनुसूची में अर पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय फरीदकोट में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन तारीख जुलाई, 1980

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विवरण करने का कारण है कि पशापूर्वक सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह अप्रतिशत से अधिक है और प्रमत्रक (अन्तर्कों) और प्रमत्रिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे प्रमत्रण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अनुकरण लिखित में वास्तविक रूप से नहीं किया गया है:—

(क) प्रमत्रण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त प्रधिनियम के अधीन कर देने के अनुरक्त के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या घन आविष्यों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या बनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रबोधनार्थ अन्तरिक्ती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुकरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित अवित्तियों, अर्थात्:—

1. ओ पूरन मल पुत्र सेठ राधा किशन पुल सेठ केदार नाथ वासी कोटकपूरा द्वारा श्री सुरिन्दर कुमार धर्म पुत्र श्री पूरन मल मुख्तियार-ए-आमवासी 456 क्लाथ मार्किट दिल्ली 110006।

(अन्तरक)

2. श्री शिव काटन कारपोरेशन कोटकपूरा द्वारा श्री वेद प्रकाश पुत्र अमर नाथ वासी कोटकपूरा।

(अन्तरिती)

3. जैसा कि उपर नं० 2 में लिखा है।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है (वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आवेदन:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तसम्बन्धी अवित्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त अवित्तियों में से किसी अवित्त द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्वावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य अवित्त द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वाक्षरण:—इसमें प्रमुख शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के मध्याय 20-क में परिवर्तित हैं, वही अर्थ होगा जो उस मध्याय में दिया गया है।

प्रमुख

अवित्त तथा सम्पत्ति जैसा कि लिखा नं० 1900 दिनांक जुलाई, 1980 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी फरीदकोट में लिखा गया था।

ग्राम० गिरधार
सक्तम अधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, जालन्धर

तारीख 18-3-1981।

गोहर:

प्रस्तुप आई. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ए (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

आर्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक १८ मार्च, १९८१

निदेश नं. प० प० पी० न० २५३०—अतः मुझे आरोग्य गिरधर

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम कहा गया है), की धारा 269-ए के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, वह विषयालय करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी नं. जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो कोटकपूरा में स्थित है (और इससे उपाध्यक्ष अनुसूची में और पूर्ण रूप में वाणित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय फरीदकोट में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, जुलाई, 1980

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इष्यमान प्रतिफल के सिए अन्तरित की यह है और मुझे यह विषयालय करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके इष्यमान प्रतिफल से, एसे इष्यमान प्रतिफल का अन्यहीन प्रतिवात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरक) और अन्तरिती (अन्तरितीयाँ) के बीच एसे अन्तरण के सिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उत्तरदेय से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कहित नहीं किया गया है:-

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य जास्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती घारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए के अनुसूचण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए की उपचारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अभासतः-

१ श्रीमर्ति गणी प्रकाश पुत्र सेठ राम दियाल पुत्र मेठ राधा किशन वासी कोट कपूरा द्वारा श्री मुखिय द्वारा धर्मपुत्र श्री पूरन मल मुख्यारणे-आम वासी 456 क्लाउ नार्कट दिल्ली 110006।
(अन्तरक)

२ श्री शिव काटन कारपोरेशन कोटकपूरा, द्वारा श्री वेद प्रकाश पुत्र अमर नाथ वासी कोटकपूरा
(अन्तरिती)

३ जैसा कि ऊपरनं २ में लिखा है।
(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)
४ जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है।
(वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितवद्ध है।)

को यह सूचना असरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन को लिया गर्वायित्वां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई वाक्येः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तस्वीरी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, और भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थान पर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 29-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

व्यक्ति तथा सम्पत्ति जैसा कि विलोख नं. 1901 दिनांक जुलाई 1980 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी फरीदकोट में लिखा गया है।

आरोग्य गिरधर
सक्षम अधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, जालन्धर

तारीख : 18-3-1981

नोटः

प्रस्तुप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर वायक्ता (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 18 मार्च 1981

निर्देश नं० ए० पी० नं० 2531—यतः मुझे, आर० गिरधर

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/ रु. से अधिक है

और जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो कोटकपूरा में स्थित है (और इससे उपावड़ में अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय फरीद-कोट में रजिस्ट्रीकरण प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख जुलाई, 1980

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इस्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके इस्यमान प्रतिफल से, ऐसे इस्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरीतयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उक्त अन्तरण निर्धारित में वास्तविक रूप से कठित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हृहै किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक की दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

यतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब को उपभारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

1 श्रीमति अनन्द बाला उर्फ नन्दा अगरवाल पत्री सेठ राम दियाल और पत्नी सुरिन्द्र कुमार द्वारा श्री नुस्तिंद्र कुमार खेमका धर्म पुत्र सेठ पूर्णमल 456, बलाय मायिट, दिल्ली।

(अन्तरक)

2 शिव काटन कार्पोरेशन कोटकपूरा द्वारा श्री वेद प्रकाश पुत्र अमर नाथ कोटकपूरा।

(अन्तरिती)

3 जैसा कि उपर नं० 2 में लिखा है

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4 जो व्यक्ति सम्पत्ति में छन्द रखता है।

(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आशेषः--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा।

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित भौं किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होणा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

व्यक्ति तथा सम्पत्ति जैसा कि लेखा नं० 1902 दिनांक जुलाई, 1980 को रजिस्ट्रीकर्ता, अधिकारी फरीदकोट में लिखा है।

आर० गिरधर
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर अधिकारी (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, जालन्धर

तारीख 18-3-1981।

मोहरः

प्रस्तुप आइ०.टी.एन.एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 18 मार्च 1981

निर्देश सं० ए० पी० नं० 2532/—यतः मुझे, आर०
गिरधर,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/ रु. से अधिक है
और जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो कोटकपुरा
में स्थित है (और इससे उपाबद्ध में अनुसूची में और पूर्ण
रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय फरीद-
कोट में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के अधीन, तारीख जुलाई, 1980

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के द्वयमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके द्वयमान प्रतिफल से, ऐसे द्वयमान प्रतिफल का
पञ्चाह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में दालायिक
रूप से कथित नहीं किया गया है:--

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धम-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

यतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण
में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों वर्तातः:--

10—26GI/81

1. श्रोमति बिमला देवी, बेटी श्री राम दियाल पुत्र श्री राधा
किशन वासी कोटकपुरा द्वारा श्री मुरिन्द्र कुमार धर्मपुत्र
श्री पूरन मल मुख्त्यार-ए-आम वासी 456, कलाथ
मार्क्ट, दिल्ली 110006।

(अन्तरक)

2. श्री मान शिव काठन कारपोरेशन कोटकपुरा द्वारा श्री
वेद प्रकाश पुत्र अमर नाथ वासी कोटकपुरा।

(अन्तरिती)

3. जैसा कि ऊपर नं० 2 में लिखा है।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में हवा रखता है।

(वह व्यक्ति, जिनके बारे अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह
सम्पत्ति में हितबद्ध है।)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यालयों करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आवेदन:--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तात्पुरता से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के बास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभ्रान्ति
हैं, वही वर्त्त सूचा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

व्यक्ति नथा सम्पत्ति जैसा कि विलेख नं 1903 दिनांक जुलाई
1980 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी फरीदकोट में लिखा गया
है।

ग्राम परिषद
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, जालन्धर

तारीख : 18-3-1981

मोहर:

प्रदेश आई० टी० एच० एच०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ए (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)
अर्जन रेज जालन्धर

जालन्धर दिनांक 18 मार्च 1981

निदेश सं० ए० पी० नं० 2533—अतः मुझे आरो
गिरवार,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उत्तर अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ए
के अधीन सभी वाधिकारी को, यह विवरास करने का कारण है
कि स्थावर भवन नियम उत्तर बाजार मूल्य 25,000/- रु. से
अधिक है।

और जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो
कोटकपूरा में स्थित है (और इससे उपर्युक्त अनुसूची में
और पूर्ण स्वर्ण में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्या-
लय, फरीदकोट में रजिस्ट्रीबल अधिनियम, 1908 (1908
का 16) के अधीन, तारीख जुलाई, 1980

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और भूमि यह विवरास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकर्ता) और अन्तरिती
(अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कठित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हूँई किसी जाय को बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ल) ऐसी किसी जाय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना आविष्ट था, छिपाने या
सुविधा के लिए;

अतः मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए के अनुसार
में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए की उपकारा (1) के
अधीन निम्नलिखित अवक्षियों अवस्था :—

1. श्रीमति कलावन्ती विधवा सेठ राम दियाल पुत्र सेठ
राधा किशन वासी कोटकपूरा द्वारा सुरिन्द्र कुमार धर्मपुत्र
सेठ पुरन मल मुख्तियार गं-आम वासी 456, कलाथ
भाकिट दिल्ली-110006।

(अन्तरक)

2. शिव काटन कारपोरेशन कोटकपूरा द्वारा श्री वेद प्रकाश
पुत्र अमर नाथ वासी कोटकपूरा।

(अन्तरिती)

3. जैसाकि उपर नं० 2 में लिखा है
(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)।

4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में हृषि रखता है।
(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह
सम्पत्ति में हितबद्ध है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अवैन के
बिए कार्यालयियों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के प्रबंग के सम्बन्ध में कोई भी घाक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाट में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों से किसी अविक्षित द्वारा;

(ल) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी भूम्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
निलिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्राकृत स्वर्णों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिचायित है, वही प्रयुक्त होगा, जो उस अध्याय में विद्या गया है।

अनुसूची

व्यक्ति तथा सम्पत्ति जैसा कि विलेख नं० 1904 दिनांक
जुलाई, 1980 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी फरीदकोट में लिखा
गया है।

आरोग्य

सकाम अधिकारी

सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)

अर्जन रेज, जालन्धर

तारीख : 18-3-1981

मोहर :

प्रस्तुप आर्द्ध. टी. एन्. एस. —

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज जालन्धर

जालन्धर दिनांक 18 मार्च 1981

निदेश सं० ए० पी० नं० 2534-अतः मुझे आर० गिरधर,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो कोटकपूरा में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय फरीद्कोट में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन जुलाई, 1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दूर्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और भूमि यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दूर्यमान प्रतिफल से, ऐसे दूर्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उच्चदेश से उक्त अन्तरण लिखित में व्यास्तात्त्विक रूप से कठित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हृष्ट किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसमें बदलने में सुविधा के लिए;

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या कन्या आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित अधिकारी, अभिष्ठु ॥—

1. श्री रत्न कुमार पुत्र श्री राम दियाल पुत्र सेठ राधा किशन वासी कोटकपूरा द्वारा सुरिन्द्र कुमार धर्मपुत्र श्री पूरन मल मुद्दिलयार-ए-आम वासी 456 बलाथ भाकिट दिल्ली 110006।

(अन्तरक)

2. शिव काटन कारपोरेशन कोटकपूरा द्वारा श्री वेद प्रकाश पुत्र अमर नाथ वासी कोटकपूरा

(अन्तरिता)

3. जैसा कि उपर नं० 2 में लिखा है।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है।

(वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)।

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में काउंट भी आक्षेप।—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वाक्षरीकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही वर्त्त होगा, जो उस अध्याय में विद्या गया है।

अनुसूची

व्यक्ति तथा सम्पत्ति जैसा कि विलेख नं० 1905 दिनांक जुलाई, 1980 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी फरीद्कोट में लिखा गया है।

श्रार० गिरधर
सक्षम अधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, जालन्धर

तारीख : 18-3-1981

भोहर :

प्रसूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज जालन्धर

जालन्धर विनांक 18 मार्च 1981

निवेश सं० ए० पी० नं० 2535—अतः मुझे आर०
गिरधर

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा
269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/ रु. से अधिक है

और जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में लिखा है नथा जो कोटकपूरा
में स्थित है (और इससे उपबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप
में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय फरीदकोट
में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के
अधीन तारीख जुलाई, 1980

को पूर्वांकित संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वांकित संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रति-
फल निम्नालिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तीवक
रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हाई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना आविष्ट था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-व के, अनुसरण
में, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1)
के अधीन निम्नालिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

1. श्री शशी प्रकाश पुन्न सेठ राम दियाल पुन्न सेठ रा धा
किशन द्वारा सुरिन्द्र कुमार धर्म पुन्न सेठ पुरन मल मुख्ति-
यार-ए—आम 456, कलाथ मार्किट, दिल्ली 110006।
(अन्तरक)
2. श्रीमति प्रकाश देवी पत्नी श्री सतपाल पुन्न श्री हरदारी
लाल वासी कोटकपूरा।
(अन्तरिती)
3. जैसा कि उपर नं० 2 में लिखा है।
(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)।
4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में स्वतं रखता है।
(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह
सम्पत्ति में हितबद्ध है)।

को यह सूचना आरी करके पूर्वांकित सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में क्वोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वांकित
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20 के परिभासित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

व्यक्ति तथा सम्पत्ति जैसा कि विलेख नं० 1906 द्वितीय जुलाई,
1980 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी फरीदकोट में लिखा है।

तारीख : 18-3-1981

मोहर :

आर० गिरधर
सक्षम अधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज जालन्धर

प्राप्त आई० टी० ए० ए० स०—
आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ए.(1) के अधीन सूचना
भारत सरकार
कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, जालन्धर
जालन्धर, दिनांक 18 मार्च 1981

निदेश म० ए० पी न० 2536—अतः मुझे, आर० गिरधर,

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम, कहा जाया है), की धारा 269-ए के अधीन सकम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो कोटकपुरा में स्थित है (और इससे उपाबद्ध में अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता प्राधिकारी के कार्यालय फरीदकोट में रजिस्ट्रीकरण प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन जुलाई, 1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकूल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और प्रतिकूल (अन्तरित) और प्रतिरिती (अन्तरितियाँ) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य ने उक्त अन्तरण विवित में वास्तविक रूप से कठित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण सहृदै किसी आप की बाबत उक्त प्रधिनियम के अधीन फर देने के अन्तराल के वायित्र में कमी करने या उससे करने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या लिसी धन या अन्य प्राप्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, वा धनकर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए या छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, अब, उक्त प्रधिनियम को धारा 269-ए के अनुसार मैं, भौ, उक्त प्रधिनियम को धारा 269-ए की उपशाखा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, घोषित:—

1. श्री पूरन मल पुत्र सेठ राधा किशन पुत्र सेठ केदार नाथ और कलावन्ती विष्वास सेठ राम दियाल द्वारा श्री सुरिन्द्र कुमार धर्मपुत्र सेठ पूरन मल, मुख्तियार—ऐ—आम वासी 456 क्लाउ नार्किट दिल्ली-110006। (अन्तरक)

2. श्री राकेश कुमार पुत्र श्री हरखदारी लाल पुत्र श्री सुरता मल वासी कोटफपुरा (अन्तरिती)

3. जैसा कि उपर नं० 2 में लिखा है। (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)।

4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है। (वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबढ़ है)।

अब यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के बर्जन के लिए कार्यवाहीया करसा हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि था तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो श्री अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबढ़ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रपुक्त शब्दों और पर्वों का, जो उक्त प्रधिनियम के अध्याय 20-क में परिभासित हैं, वही प्रार्थ हीगा, जो उस अध्याय में दिया जाता है।

अनुसूची

व्यक्ति तथा सम्पत्ति जैसा कि विलेख नं० 1907 दिनांक जुलाई, 1980 को रजिस्ट्रीकर्ता प्राधिकारी फरीदकोट में लिखा गया है।

आर० गिरधर
सकम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेज, जालन्धर

तारीख: 18-3-1981।

मोहर:

प्रकाश प्राइंटोरी एवं एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269ए (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, जालन्धर
जालन्धर, दिनांक 18 मार्च 1981

निदेश सं० ए० पी० नं० 2537—अतः मुझे, आर० गिरधर,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269ए के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिपका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी मं० जैसा कि अनुसूची में लिखा गया है जो कोटकपूरा में स्थित है (और इससे उपाबद्ध में अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता प्राधिकारी के कार्यालय फरीदकोट में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख जुलाई, 1980 को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य में कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल में, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए, तथा पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त प्रतिशत लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से दूर किसी प्राप्त नो आवृत उक्त प्रधिनियम के प्रधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी भाय या किसी धन या अभ्य प्राप्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपने में सुविधा के लिए;

अतः, मैं, उक्त प्रधिनियम की धारा 269ए के अनुसरण में, उक्त प्रधिनियम की धारा 269ए (1) के प्रधीन, निम्नलिखित अवित्यों, अवधि:-

1. श्री रवी प्रकाश और रतन कुमार सुपुत्र सेठ राम दियाल पुत्र सेठ राधा कृष्ण वासी कोटकपूरा द्वारा सुरिन्द्र कुमार धर्म पुत्र सेठ पूरन मल मुखियार—ग्राम वासी 456, कलाथ मार्किट दिल्ली 110086।

(अन्तरक)

2. श्रीमति दर्शना देवी पत्नी श्री रमेश लाल पुत्र श्री हरद्वारी लाल वासी कोटकपूरा

(अन्तरिती)

3. जैसा कि ऊपर नं० 2 में लिखा है।
(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)।

4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुच रखता है।
(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के धर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के धर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आवेदन :

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तस्वीर्वद्य व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी प्रन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त प्रधिनियम के घट्याय 20-क में परिवर्तित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस घट्याय में दिया गया है।

अनुसूची

व्यक्ति तथा सम्पत्ति जैसा कि विलेख नं० 1908 दिनांक जुलाई, 1980 को रजिस्ट्रीकर्ता प्राधिकारी फरीदकोट में लिखा गया है।

आर० गिरधर
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेज, जालन्धर

तारीख : 18-3-1981

मोहर :

प्र रूप प्राई० टी० एन०एस०-

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) को
धारा 269 व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक प्रायकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 18 मार्च 1981

निदेश सं० ८० पी० नं० 2538—यतः मुझे, प्रार०
गिरधर,
प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 व
के अधीन सभी प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रुपए से अधिक है।

और जिसकी मं० जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो
कोटकपूरा में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और
पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,
फरीदकोट में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का
16) के अधीन, दिनांक जुलाई, 1980
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
प्रस्तरिती (प्रस्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय
पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित
में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) प्रन्तरण से दुई किसी ग्राम की बाबत, उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के प्रन्तरक के दायित्व प
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी ग्राम या किसी धन या ग्रन्थ आस्तियों
को जिहें भारतीय ग्राम-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्राप्त नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने
में सुविधा के लिए;

अतः ग्रब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्रीमती ग्रानन्द बाला उर्फ नन्दा अग्रवाल बेटी
श्री राम दियाल और पत्नि श्री सुरिन्द्र कुमार द्वारा
श्री सुरिन्द्र कुमार धर्म पुत्र मेठ पूरत मल
मुख्यारे-ग्राम बासी 456, कलाय मार्किट, देहली-
110006 (अन्तरक)

(2) श्रीमती द्वारका देवी पत्नि हरद्वारी लाल, बासी
कोटकपूरा (अन्तरिती)

(3) जैसा कि ऊपर नं० 2 में लिखा है
(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में
सम्पत्ति है)।

(4) जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है
(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधो-
हस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति
में हितबद्ध है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिये
कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तक्षम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना, की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किमी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

संपष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम, के अध्याय 20क में परिभासित है, वही
पर्याय होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

व्यक्ति तथा सम्पत्ति जैसा कि विलेख नं० 1909 दिनांक
जुलाई, 1980 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी फरीदकोट में
लिखा है।

ग्राम गिरधर
सक्षम अधिकारी
सहायक प्रायकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, जालन्धर।

दिनांक: 18-3-81

गोहर:

प्रस्तुप आई.टी.एन.एस. -----
 आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
 धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना
 भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
 अर्जन रेज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 10 मार्च 1981

निदेश मं० ए० पी० नं०-2539—यतः मुझे, आर० गिरधर,
 आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
 इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम कहा गया है'), की धारा
 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
 कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो
 मलौट मण्डी में स्थित है (और इससे उपाधान अनुसूची में
 और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्या-
 लय, मलौट में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, दिनांक जुलाई,
 1980

को पूर्वांकित सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
 प्रतिफल के लिए अन्तरिक्ष की गई है और मुझे यह विश्वास
 करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
 मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का
 पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरक्त) और अन्तरिती
 (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
 फल, निम्नलिखित उद्धरण से उक्त अन्तरण लिखित में
 वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:-

(क) अन्तरण से हूर्दा किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर वनें के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ब) एसों किसी आय या किसी भन या अन्य जास्तियों को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ अन्सरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अस: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों का घासितः—

- (1) श्री हरबन्स लाल पुत्र के सर चन्द वासी मलौट मण्डी। (अन्तरिक्ष)
- (2) श्री गुरबचन सिंह पुत्र राम रत्न दास मारफत मैसर्स मोंगा ट्रेडर्स, कामशियल एजेंट्स मलौट। (अन्तरिती)

- (3) जैसा कि ऊपर नं० 2 में लिखा है व श्री फरंगी लाल किरायेदार सुरजा राम मार्किट मलौट। (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)।
- (4) जो व्यक्ति सम्पत्ति में हवा रखता है। (वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधो-हस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)।

को यह सूचना आरी करके पूर्वांकित सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यालयीकरण करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेपः—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या, तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वांकित व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

व्यक्ति तथा सम्पत्ति जैसा कि विलेख नं 873 दिनांक जुलाई, 1980 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी मलौट में लिखा गया है।

तारीखः 10-3-1981

मोहरः

आर० गिरधर
 सक्षम अधिकारी
 सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
 अर्जन रेज, जालन्धर

प्रसूप बाह्य. टी. एन. एस. —————

बायकर अधिनियम, 1981 (1981 का 43) की धारा

269 वा (1) के अनुसार सूचना

भारत सरकार

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 10 मार्च 1981

निदेश नं० प०पी०नः२५४०—अतः मुझे प्राप्त गिरधर अप्यकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (यिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-वा के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विषयाला करने का कारण है कि स्वाचर मन्त्रिति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० जैसा कि अनुसूचि में लिखा है तथा जो माडल टाउन जालन्धर में स्थित है ('और इससे उपांडद में अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकरण अधिकारी के कार्यालय जालन्धर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन जुलाई, 1980

को पूर्णता सम्पत्ति के अविकल बाकीर भूम्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अनुरित की जाई है और मुझे यह विष्वास करने का कारण है कि यक्षमपूर्वोत्तर सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का अद्वैत प्रतिक्रियत से पर्याप्त है और अन्वय (प्रत्यक्षों) और धर्मरिती (अन्तरितियों) के द्वारा ऐसे अव्याप्ति के लिए जब याता गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उत्तर अवधारण लिखित में वाक्यांशिक रूप से कवित नहीं किए गये हैं।—

(क) अस्तरण से दूरी किसी आय की अवधारण उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अस्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में मुश्किल के लिए; पौर/या

(ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगभाव अन्वरिती द्वारा प्रकट नहीं किया बया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मुश्किल के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-वा के अनुसरण में, उक्त अधिनियम की धारा 269-वा की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

11—26 GI/81

(1) श्री रामनाथ पुत्र सुन्दर दास श्रीमती राज दुलारी पत्नी नानक चन्द और राम मोहन पुत्र नरलोक नाथ वासी देहरावून द्वारा श्री हरकर्ति किंह पुत्र जनगाल यिह जनरल अटोरनी वासी गांव काकी पिंड तहसील जालन्धर

(अन्तरक)

(2) श्री करनैल सिंह पुत्र काबल सिंह वासी गांव नोगाजान तहसील जालन्धर (अन्तरिती)

(3) जैसा कि उपर नं० 2 में लिखा है।

(वह व्यक्ति, जिसके अभिने में सम्पत्ति है)

(4) जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है।

(वह व्यक्ति, जिनके अपरे में अधोइस्ताकरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है।)

को वह सूचना नहीं करते पूर्वोत्तर सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिमा करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्रामेणः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो श्री अधिकारी द्वारा में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्णवित व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्वाचर मन्त्रिति में हितबद्ध किसी ग्रन्थ व्यक्ति द्वारा अधोइस्ताकरी के पास निश्चित में किए जा सकें।

एष्ट्रीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के प्रध्याय 20-वा में परिचालित हैं, वही पर्यंत होगा जो उन प्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

व्यक्ति तथा सम्पत्ति जैसा कि विलेख नं० 2966 दिनांक जुलाई, 1980 को रजिस्ट्रीकरण अधिकारी जालन्धर में लिखा गया है।

प्राप्त गिरधर

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, जालन्धर

तारीख: 10-3-81

मोहर:

प्रस्तुति आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर वायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जालन्धर

जलन्धर, दिनांक 10 मार्च 1981

निदेश नं० ए०पी०नं० 2541—यतः, मुझे आर० गिरधर,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ष के अधीन सक्षम प्रधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/ रु. से अधिक है

और जिसकी सं० जैसा है कि अनुसूची में लिखा है तथा जो
माडल टाउन जालन्धर में स्थित है (और इससे उपादान
में अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता
अधिकारी के कार्यालय जालन्धर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,
1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख अुलाई,
1980

को पूर्वांकित संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के रूपमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वांकित संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके रूपमान प्रतिफल से, ऐसे रूपमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
अन्तरितियों के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उदाहरण से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कठित नहीं किया गया है:--

(क) अन्तरण से हृष्ट किसी आय की बावत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में संविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
संविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण
में, भौं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ष की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:--

(1) श्री राम नाथ पुत्र सुन्दर दास श्रीमती राज दुलारी
पत्नी नानक चन्द्र और राम मोहन पुत्र तरलोक नाथ
देहरादून द्वारा श्री हरवत्ता सिंह पुत्र जंगल सिंह वासी गांव
काकीपिड, तहसील जालन्धर

(अन्तरक)

(2) श्रीमती हरभजन कौर पत्नी करनैल सिंह वासी गांव
नोगाजान तहसील जालन्धर। (अन्तरिती)

(3) जैसा कि ऊपर नं० 2 में लिखा है।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग
में सम्पत्ति है)

(4) जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है।

(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ता-
कारी जानता है कि वह सम्पत्ति
में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वांकित सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहीयां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षणेः--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वांकित
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताकारी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्याप्ति का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-के में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

व्यक्ति तथा सम्पत्ति जैसा कि विलेख नं० 2470
दिनांक जुलाई, 1980 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी जालन्धर
में लिखा गया है।

आर० गिरधर
सक्षम प्रधिकारी
सहायक आयकर वायुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, जालन्धर

तारीख: 10-3-81

मोहर:

प्रसूप बाई. टी. एन. एस. ——

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 10 मार्च, 1981

निदेश नं. ए०पी०नं०-२५४२—यतः, मुझे आरो

गिरधर,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-ष के अधीन संकेत प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो नकोदर में स्थित है (और इसे उपावल्लु में अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता प्राधिकारी के कार्यालय नकोदर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जुलाई, 1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दबने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

यतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ष के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-ष की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

(1) श्री तीरथ राम पुत्र सोहन लाल द्वारा श्री लेख राज मुख्तियार-ए-जाम नकोदर।

(अन्तरक)

(2) श्री राम चन्द्र और कपिल देव सपुत्र श्री किशन दास वासी नकोदर।

(अन्तरिती)

(3) जैसा कि उपर नं० 2 में लिखा है।

(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)।

(4) जैसा कि उपर नं० 2 में लिखा है।

(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभ्राषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

व्यक्ति तथा सम्पत्ति जैसा कि विसेख नं० 977 को रजिस्ट्रीकर्ता प्राधिकारी नकोदर में लिखा गया है।

गारो गिरधर
संसाधन प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, जालन्धर

तारीख : 10-3-81

मोहर :

प्रस्तुप जाइर्सटी.एन.एस.-----

आवेदक अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 10 मार्च 1981

निवेदन नं. ए०पी० नं. 2543—यतः मुझे, भारत
गिरधर,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ष के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000 / रु. से अधिक है

और जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा
जो जालन्धर में स्थित है (और इससे उपावद में अनुसूची
में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के
कार्यालय जालन्धर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन, तारीख जुलाई, 1980
को पूर्वांकित संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के व्यवान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मैं यह विश्वास
करने का कारण है कि व्यापकैत उपावद संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके व्यवान प्रतिफल से, ऐसे व्यवान प्रतिफल का
पञ्चांश प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
अन्तरीतीयों के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरक (लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है):--

(क) अन्तरण से हृदृ किसी आय की बावत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
वायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

यतः बहु, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसूचण
में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ष की उक्तभारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अधार्तः:--

(1) श्रीमद्दी चांद राम शिंहा राम लाल वासी
दम्भू० ए०-५०, गुरु बाजार, जालन्धर।
(अन्तरक)

(2) डी जालन्धर शक्ति को० ओप्य० हाउस बिलिंग
सुसाइटी जालन्धर, द्वारा हरीश चन्द्र प्रैजीडेंट।
(अन्तरिती)

(3) जैसा कि सपर नं. 2 में लिखा है।
(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग
में सम्पत्ति है)

(4) जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है।
(वह व्यक्ति, जिसके बारे में
अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह
सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वांकित सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यालयों करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोहै भी आकेप:--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वांकित
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा:

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित ढंगे किए जा सकेंगे।

लिखितकरण:--इसमें प्रदूषित वस्त्रों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-के भंग परिभासित
है, वही अर्थ होता है जो उस अध्याय में विद्या
गया है।

व्यक्ति लक्षा सम्पत्ति जैसा कि विलेख नं. 2973
दिनांक जुलाई, 1980 को रजिस्ट्रीकर्स अधिकारी जालन्धर
में लिखा गया है।

भारत गिरधर
सक्षम अधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, जालन्धर

तारीख: 10-3-81
मोहर:

भ्रम्मन्दाई डी० एम० इट०

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-प (1) की प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज जालन्धर

जालन्धर, 'दिनांक' 2 मार्च 1981

निवेश नं० ए० पी० नं०-25444—ता०, मुझे आर०
गिरधर,

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा जाता है), की धारा 269-प के प्रधीन संक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है।

और जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो गाँव लंगड़ोबल में स्थित है (और इससे उपर्युक्त अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता प्राधिकारी के कार्यालय नकोदर में रजिस्ट्रीकरण प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) प्रधीन, तरीका जूलाई 1980 के तृप्तिकाल संपत्ति के संचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है। और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीकृत संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह ग्रन्तिलक्षण से अधिक है। और अन्दरूनी (प्रकाशित) और प्रत्यक्षित (प्रकाशित उद्देश्य से उक्त प्रकाशण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया जाता है)।—

(क) अन्तरण से दुई किलो ग्राम की भावत उक्त प्रधिनियम के प्रधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी प्राय या किसी घन या घन्य प्रासितियों को, जिन्हें भारतीय आयकर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या बनकार प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थे प्रकाशित द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या छिपा जाना चाहिए था, छिपने में सुविधा के लिए;

अतः एव्वल प्रधिनियम की धारा 269-प के प्राप्तरण में, मैं उक्त प्रधिनियम की धारा 269-प की उपलब्धारा (1) के प्रधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अवृत्ति:—

(1) श्री विशन सिंह गुप्त, नाम्ना सिंह वासी गाँव सेंगड़ोबल, तहसील नकोदर।

(अन्तरक)

(2) श्री धन्ना राम पुत्र भेला राम वासी नकोदर।

(अन्तरिती)

(3) जैसा कि उपर नं० 2 में लिखा है।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

(4) जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है।

(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अवृत्त के लिए कार्यवाहियाँ करता है।

उक्त सम्पत्ति के अवृत्त के सम्बन्ध में कोई भी आलोचना:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में लक्षणम की तारीख से 45 दिन की अवधि पर तस्वीरी व्यक्तियों द्वारा तूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, या भी अवधि आद में समाप्त होती हो, के अतिरिक्त पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के अतिरिक्त स्थावर संपत्ति में द्वितीय व्यक्ति किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकें।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त प्रधिनियम के प्रव्याय 20-क में परिचालित हैं, वही अर्थ होगा जो उस प्रव्याय में दिया गया है।

अनुसूची

व्यक्ति तथा सम्पत्ति जैसा कि लिखा नं० 1056 दिनांक जूलाई 1980 को रजिस्ट्रीकर्ता प्राधिकारी नकोदर में लिखा गया है।

ग्राम० गिरधर
संक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, जालन्धर

तारीख: 12-3-81

मीहर:

प्रस्तुत वाइ.टी.एन.एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर दिनांक 12 मार्च 1981

निदेश नं० ए० पी० नं०-2545—यतः मुझे, आर० गिरधर,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० अनुसूची में लिखा है तथा जो जालन्धर में स्थित है (और इससे उपाधद अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जालन्धर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जुलाई, 1980

को पूर्वांक संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वांकत संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कठित नहीं किया गया है:-

(क) अन्तरण से हृदै किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी भन मा अन्य वास्तवियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 या 27) के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

यतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपर ता (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-

(1) तरलोक नाथ पुत्र प्राण नाथ जनरल ग्रांडोर्मी श्री मित्र पाल पुत्र श्री नरसिंह दास बासी सिवल लाइन्स जालन्धर।

(अन्तरक)

(2) श्री गुरमीत सिंह पुत्र करतार सिंह बासी गांव और पी०ओ० ढोलीकी, सुन्दरपुर, तहसील जालन्धर।

(अन्तरिती)

(3) जैसा कि ऊपर नं० 2 में लिखा गया है।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

(4) जो व्यक्ति, सम्पत्ति में रुचि रखता है।

(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वांक सम्पत्ति के अर्थ ले लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के बर्जन के सम्बन्ध में हृदै भी बालोपः--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि द्वारा मैं समाप्त होती है, के भीतर पूर्वांक सम्पत्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:-—इसमें प्रयुक्त सब्जेक्ट परों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

व्यक्ति तथा सम्पत्ति जैसा कि विलेख नं० 2826 दिनांक जुलाई, 1980 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी जालन्धर में लिखा गया है।

ग्राम० गिरधर
सक्षन अधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज जालन्धर

तारीख : 12-3-81

मोहर:

प्रकाश आई० टी० एन० एस० ९—-

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक प्राधिकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 12 मार्च 1981

निवेश सं० ए० पी० नं० 2546—अतः मुझे, आर० गिरधर,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विवास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो जालन्धर में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रेकर्ट अधिकारी के कार्यालय, जालन्धर में रजिस्ट्रेकरण सं० अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक जुलाई, 1980 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरिक्ष की गई है और मुझे यह विवास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे वृद्धिमान प्रतिफल का पञ्चाह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (पन्तरकों) और अन्तरिक्षीय (पन्तरिक्षियों) के बावजूद ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उच्चेष्य में उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कर्त्तव्य नहीं किया गया है :—

(क) अनुसरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन रहे हेने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ पन्तरिक्षीय द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) अधीन, केत निम्नलिखित अधिकारी, अर्थात् :—

(1) श्री तरलोक नाथ पुत्र प्राण नाथ जनरल अटार्नी श्री मित्र पाल पुत्र श्री नरसिंह दास वार्सी मित्र लाइन्स, जालन्धर।

(अन्तरक)

(2) श्री गुरमात भिह पुत्र करतार भिह वासी श्री और पी० ओ० ढोलाको मुन्दर पुर, तहसील जालन्धर।

(अन्तर्गती)

(3) जैसा कि ऊपर नं० 2 में लिखा है।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है।)

(4) जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है।

(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है।)

यह सूचना जारी करने पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी अधिकारी पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त अधिकारी में में किसी अधिकता द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अध्य अधिकारी द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

व्यक्ति तथा सम्पत्ति जैसा कि विलेख नं० 2860 दिनांक जुलाई, 1980 को रजिस्ट्रेकर्ट अधिकारी जालन्धर में लिखा है।

आर० गिरधर
सक्षम अधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, जालन्धर

दिनांक: 12-3-1981

मोहर:

मस्कुफ बाहूँ. टी. एच. एस. ——

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-प (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, संशोधक आयकर बाधुका (मिशनेशन)

अर्जन-रेज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 12 मार्च 1981

निवेश नं० ए० पी० नं० 2547—यतः मुझे, आर०
गिरधर,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-प के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विवास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार
मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० और सौ कि अनुसूची में लिखा है तथा जो
गांव रामाइना में स्थित है (और इससे उपाष्ठ अनुसूची
में भी और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के
कार्यालय, जेनु में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908
का 16) के अधीन, दिनांक जुलाई, 1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूल्य यह विवास
करने का कारण है कि गथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों)
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा
पाषा या प्रतिफल, निम्नासिलित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
बायित्य में कभी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ल) ऐसी किसी अप्य या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोगनार्थ अन्तरित द्वारा प्रकट नहीं किया या
या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, भौ, उक्त अधिनियम की धारा 269-प की उपधारा (1)
के अधीन निम्नासिलित व्यक्तियों अधिति :—

(1) श्री हंस राजा और प्रकाश सुपुत्र जय राम
वासी गांव कोनी।
जमन नाथ पुत्र जय राम वासी मुक्तसर सैलक
मुक्तियार आक श्री हरबन्स लाल सुपुत्र संत राम
वासी मुक्तसर श्रीर राज कुमार पुत्र श्री संत राम
वासी मुक्तसर।

(अन्तरक)

श्री गुरदेव सिंह, सुखदेव सिंह, मुखन्द सिंह, बलबन्त
सिंह गुरदेव सिंह, बुद्ध सिंह, मनदीर सिंह
सुपुत्र हजूर सिंह वासी गांव रमापका सब तहसील
जेनु, तहसील फरोदकोट।

(अन्तरित)

(3) जैसा कि ऊपर नं० 2 में लिखा है।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में
सम्पत्ति है)

(4) जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है।

(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ता-
क्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति
में हितबद्ध है).

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाही करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई श्री आकेप :—

(क) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्त्वावधि व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बढ़क में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ल) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी
के पास लिखित में किए जा सकें।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परि-
भावित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय
में दिया गया है।

जनूरुची

व्यक्ति तथा सम्पत्ति जैसा कि निवेश नं० 614 दिनांक
जुलाई, 1980 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी जेनु में लिखा
गया है।

आर० गिरधर

सक्षम अधिकारी

सहायक आयकर आगुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, जालन्धर

दिनांक: 12-3-81

मोहर:

प्रस्तुत आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 12 मार्च 1981

निवेश सं० ए० पं० नं० 2548—यतः मुझे, आर०
गिरधर,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-
घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु. से अधिक है।

और जिसकी सं० जैमा कि अनुमूल्य में लिखा है तथा जो
फरीदकोट में स्थित है (और इससे उपावड़ अनुमूल्य में और
पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,
फरीदकोट में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का
16) के अधीन, दिनांक जुलाई, 1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इस्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूँह यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वक सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके इस्यमान प्रतिफल से ऐसे इस्यमान प्रतिफल का पन्नह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित
में वास्तविक रूप से कार्यित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हृदृ किसी आय की आवत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर दने के अन्तरक के क्षायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूविधा
के लिए;

असः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपभारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अधार्तः—
12—26GI/81

(1) श्री मुख्यन्दसिंह, माधो मिह, सुपुत्र श्री करतार
मिह और श्रीमतों मुमिना कौर, हरबन्स कौर,
जोगिन्द्र कौर पुत्रियों श्री करतार मिह द्वारा
निर्मल मिह श्री मुख्यन्द सिंह, भाई, श्रीमतों
साता गानो विद्या श्री गोपाल मिह सभी
रमिंडेट फरीदकोट कमिल्लम मसर्स श्री मुख्यन्द
मिह करियाना मरचैन्ट भपैना बाजार, फरीद-
कोट।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती मुद्रेण कुमारी पति डा० मत पाल गर्ग
कैमिंगल गर्ग हम्पताळ, कनाक दावर फरीद-
कोट।

(अन्तरिता)

(3) जैमा कि ऊपर नं० 2 में लिखा है।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में
सम्पत्ति है):

(4) जो व्यक्ति सम्पत्ति में सूचि रखता है

(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ता-
धरा जानता है कि वह सम्पत्ति में
हितबद्ध है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यालयोंहाँ लिखा है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेपः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुमूल्य

व्यक्ति तथा सम्पत्ति जैमा कि विलेख सं० 1579
दिनांक जुलाई, 1980 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी फरीद-
कोट में लिखा गया है।

आर० गिरधर,

मक्षम अधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जालन्धर।

दिनांक: 12-3-1981

मोहरः

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आधिकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
भारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार
कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, जालन्धर
जालन्धर, दिनांक 12 मार्च 1981

निदेश सं० ए० पी० नं०-2549—यतः मुझे, आरा०
गिरधर,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा
269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा
जो फरीदकोट में स्थित है (श्रीर इससे उपावद्र अनुसूची
में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के
कार्यालय, फरीदकोट में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन, दिनांक नवम्बर, 1980

को पूर्वांकित संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के छयमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वांकित संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके छयमान प्रतिफल से, ऐसे छयमान प्रतिफल का
पन्थ्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तीक
रूप से कीथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम, के अधीन कर दने के अन्तरक के
वायिस्थ में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

यतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-व के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-व की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अधिकृत :—

(1) श्रीमती कुलदीप कौर, शकुन्तला रानी, अमरजीत
सिंह माईनर बच्चा, श्री गोपाल सिंह पुत्र करतार
सिंह वासी फरीदकोट, द्वारा श्रीमती सीतारानी।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती मुदेश कुमारी पत्नि डा० सतपाल गर्ग
कैमिकल गर्ग हस्पताल क्लाक टावर, फरीद-
कोट।

(अन्तरिक्षी)

(3) जैसा कि नं० 2 में लिखा है।
(वह व्यक्ति, जिसके प्रधिभोग में सम्पत्ति है)

(4) जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है।
(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी
जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबढ़ है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वांकित सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाव भूमि समाप्त होती है, के भीतर पूर्वांकित
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबढ़ द्वारा
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
सिखित भूमि किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :——इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

व्यक्ति तथा सम्पत्ति जैसा कि विलेख नं० 2952 दिनांक
नवम्बर, 1980 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी फरीदकोट में
लिखा है।

आरा० गिरधर
मक्षम अधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, जालन्धर

दिनांक: 12-3-1981

मोहर:

प्रस्तुप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
भारा 269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 12 मार्च 1981

निदेण सं० ए०पी० नं०-2550—यतः मुझे, आर० गिरधर,

यकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
के पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा
39-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
रण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
5,000/- रु. से अधिक है
और जिसकी सं० जैसा कि प्रत्युम्भी में लिखा है तथा
यो रानीया में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुमुम्भी
में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्त्ता अधिकारी के
कार्यालय निहाल भिंह वाला में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,
1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जुलाई, 1980
में पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
तफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
के दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह
प्रतशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरीति
(अन्तरीरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पापा गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित
में वास्तविक रूप से कठित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हृहै किसी आय की आबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुधार
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में
सुधार के लिए;

यतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के, अनुसरण
में, भी, उक्त अधिनियम की भारा 269-ष की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीतः:—

(1) श्रो सुरजान सिंह पुत्र इन्दर सिंह पुत्र भोला सिंह
वासी गांव और पी०ओ० रानीया सब तहसील निहाल सिंह
वाला तहसील मोगा जिला फरीदकोट।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती परमजीत कौर पत्नी सुरजा सिंह पुत्र
इन्दर सिंह वासी गांव और पी०ओ० रानीया
सब तहसील निहाल सिंह वाला तहसील मोगा
जिला फरीदकोट।

(अन्तरीती)

(3) जैसा कि उपर नं० 2 में लिखा है।
(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में
सम्पत्ति है)

(4) जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है।
(वह व्यक्ति, जिनके बारे में
अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह
सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहीयों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आशेषः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तस्वीरधी व्यक्तियों पर
सूचना की तासील से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

लप्पस्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होंगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

प्रनुपूष्टि

व्यक्ति तथा सम्पत्ति जैसा कि विलेख नं० 1155
दिनांक जुलाई, 1980 को रजिस्ट्रीकर्त्ता अधिकारी निहाल
सिंह वाला में लिखा गया है।

आर० गिरधर
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, जालन्धर

तारीख: 12-3-81

मोहर:

प्रलूप आर्द्ध. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)

अर्जन रेज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 12 मार्च 1981

निदेश सं० ए० पो० नं०-2551—यतः, मुझे, आर० गिरधर,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ष के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसको सं० जैसा कि अनुमूली में लिखा है तथा जो रानीया में स्थित है (श्रीर इससे उपावद्ध अनुमूली में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय निहाल सिंह वाला में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जुलाई, 1980

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कठित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हृहं किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ब) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ अन्तरिती इवारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ष की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों जर्दीत :—

(1) श्री सुरजान सिंह पुत्र मिह पुत्र भोला मिह वासी गांव पो०ओ० रानीया सब तहसील निहाल मिह वाला तहसील मोगा ज़िला फरीदकोट।
(अन्तरक)

(2) श्रामिक परमजोत कौर पत्नि सुरजान मिह पुत्र हन्द मिह वासी गांव और पी०ओ० रानीया मध्य तहसील निहाल मिह वाला, तहसील मोगा ज़िला, फरीदकोट।
(अन्तरिती)

(3) जैसा कि उपर नं० 2 में लिखा है।
(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

(4) जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है।
(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितवद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आशेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या सत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

अक्षित तथा सम्पत्ति जैसा कि विलेख नं० 1161 दिनांक, जुलाई 1980 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी निहाल मिह वाला में लिखा गया है।

आर० गिरधर
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)
अर्जन रेज, जालन्धर

तारीख: 12-3-81

मोहर:

प्रसूप बाइ. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
भारा 269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 10 मार्च, 1981

निदेश नं. ए.पो. नं.-2552—यतः, मुझे आरा
गिरधर,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ष के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर संपत्ति प्रिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है।

और जिसकी नं. जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो मेन,
बाजार, फिरोजपुर शहर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध
अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता
अधिकारी के कार्यालय फिरोजपुर में रजिस्ट्रीवरण अधिनियम,
1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जुलाई,
1980

करे पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य के कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई और मझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरक) और अन्तरिती
(अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्त-
विक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावत उक्त सम्पत्ति के अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिये;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ष की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

(1) श्री अर्जन दास, सूरज प्रकाश, विद्या मार्ग,
श्री भीम सैन पुत्र श्री किशन दास, श्रीमती
मधुबाला पुत्रों और श्रीमती पिसतो देवी, विद्या, श्री
श्री किशन दास, प्रेम कुमारी पुत्रों श्री श्री किशन दास,
प्रिमला गोयल, कांता रानी पुत्री श्री श्री किशन
दास, द्वारा श्री अर्जन दास पुत्र श्री श्री किशन
दास, वासों फिरोजपुर।

(अन्तरक)

(2) मैं प्रभु दियाल श्रेमप्रकाश द्वारा श्री श्रेम प्रकाश
मेन बाजार फिरोजपुर शहर।

(अन्तरिती)

(3) जैसा कि उपर नं. 2 में लिखा है।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में
सम्पत्ति है)

(4) जो व्यक्ति सम्पत्ति में हवा रखता है।

(वह व्यक्ति, जिनके बारे में
अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह
सम्पत्ति में हितवद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यालयां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की सामिल से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा :

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
भौं किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :— इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जैसा विलेख नं. 2846, दिनांक
जुलाई, 1980 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी फिरोजपुर
में लिखा है।

आरा गिरधर
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, जालन्धर

तारीख : 10-3-81

मोहर :

प्रस्तुत आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 10 मार्च, 1981

निवेश नं० ए०पो० नं० 2553—यतः मुझे, आर० गिरधर,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-ष के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसको सं० जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो पुराना बाजार, फिरोजपुर शहर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय फिरोजपुर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जूलाई, 1980

को पूर्वांकित संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तर्रित की गई है और इसे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीकृत संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कीर्तित नहीं किया गया है:--

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की भावत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की भारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-ष की उपधारा (11) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

(1) श्री जस पाल पुत्र श्री शाम लाल बासो पुराना बाजार, फिरोजपुर शहर।
(अन्तरक)

(2) श्री हंस राज पुत्र श्री बाहलो राम बार्मा पुराना बाजार, फिरोजपुर शहर।
(अन्तरिती)

(3) जैसा कि ऊपर नं० 2 में लिखा है।
(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

(4) जो व्यक्ति सम्पत्ति में सचि रखता है।
(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधो-हस्ताक्षरों जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वांकित सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहीयां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आवेदन:--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि मा तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना को तामिल से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वांकित व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जैसा कि लिखे नं० 2644 दिनांक जूलाई, 1980 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, फिरोजपुर में लिखा है।

आर० गिरधर
सक्षम अधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, जालन्धर

तारीख: 10-3-81

मोहर:

प्रकाश आर्थिक टी. एन.एस.—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 10 मार्च 1981

निदेश नं. ए. पी. नं. 2554—यतः मुझे, आर. ०
गिरधर,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-व
के अधीन सश्रम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि
स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये
से अधिक है।

और जिसको सं. ० जैसा कि अनुसूची में लिखा है, तथा जो
गली नं. ० ५, नानक नगरी अबोहर में स्थित है (और इससे उपावड़
में अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकरण अधिकारी
के कार्यालय फाजिलका में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,
1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जुलाई,
1980।

को पूर्ववत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अनुरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि पथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया
गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उन अन्तरण लिखित
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अनुरित में ही किसी व्याप की वावत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
व्यविधि में कभी करने या उद्देश्य बदलने में सुनिश्चा
के लिए; और/या

(ख) एसी किसी आय या किसी खन या बन्ध आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
घन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनावधि अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने
में सुनिश्चा के लिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की अनुवरण
में, मैं, उक्त अधिनियम, को धारा 269-व की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(१) श्री मेवा मिह पुत्र जंग मह वासी गली नं. ५ नानक
नगरी, अबोहर।

(अन्तरक)

(२) श्री जसपाल मिह पुत्र श्री नाहर मिह वासी
प्लाट नं. १८७, गली नं. ५, नानक नगरी,
अबोहर।

(अन्तरिती)

(३) जैसा कि उपर नं. २ में लिखा है ?
(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में
सम्पत्ति है।

(४) जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है।
(वह व्यक्ति, जिनके बारे में
अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह
सम्पत्ति में हितबद्ध है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यालयीया मुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी ग्राहकः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
४५ दिन की अवधि या उसमें व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से ३० दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
४५ दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, और उक्त
अधिनियम, के अन्याय 20-व में परि-
भासित हैं, वही पर्याय होता, जो उस अन्याय
में दिया जाता है।

अनुसूची

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जैसा कि विलेख नं. 1592,
दिनांक जुलाई, 1980 को रजिस्ट्रीकरण अधिकारी फाजिलका
में लिखा है।

आर.० गिरधर
मध्यम अधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, जालन्धर

तारीख : 10-3-81

मोहर :

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस०—

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक प्रायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 11 मार्च 1981

निदेश नं० ए० पी० नं० 2555—यतः मुझे, अ
गिरधर,

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पांचाल 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ष के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसको सं० जैसा कि अनुसूचों में लिखा है तथा जो सराये बाजार, फगवाड़ा में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूचों में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्टा अधिकारी के कार्यालय फगवाड़ा में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जुलाई, 1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और भग्नरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे भग्नरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है—

(क) अन्तरण से हुई फिसी आय को बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरण के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी फिसों आप्र या फिसों घन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय प्रायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या छन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

यतः अब; उक्त अधिनियम की धारा 269-ष के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ष की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित अवित्तियों, अर्दात :—

(1) श्री वीर सिंह पुत्र श्री नरेंजन सिंह वासा; सराये बाजार, फगवाड़ा।

(अन्तरक)

(2) श्री गिरधारी लाल वासा; सराये बाजार, फगवाड़ा।

(अन्तरिता)

3) जैसा कि उपर नं० 2 में लिखा है।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4) जो व्यक्ति सम्पत्ति में स्वचि रखता है।

(वह व्यक्ति जिसके बारे में अधो-हस्ताक्षरों जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को वह सूचना जारी करके एर्टिन सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के मंड़ंश में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन को अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो के भीतर युवोंकृत व्यक्तियों में से किसी अधिनियम द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधो-हस्ताक्षरों के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण।—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अधार्य 20-क में परिभाषित है, वही पर्याप्त होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जैसा कि विलेख नं० 1200, दिनांक जुलाई, 1980 को रजिस्ट्रीकर्टा अधिकारी, फगवाड़ा में लिखा है।

आरा० गिरधर
मक्षम अधिकारी;
सहायक प्रायकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, जालन्धर

तारीख: 11-3-81

मोहर:

प्रख्य पाई० टी० एम० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
भारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार
कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 10 मार्च 1981

निवेश सं० ए० पी० नं० 2556—अतः मुझे, आर०
गिरधर,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है),
की भारा 269-ग के अधीन सूचना प्राप्तिकारी को, यह
विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है,
और जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो
फगवाड़ा में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और
पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय
फगवाड़ा में रजिस्ट्रोकरण अधिनियम, 1908 (1908 का
16) के अधीन, जुलाई, 1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अस्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित
बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान
प्रतिफल का पञ्चह ग्रन्थि अवधारणा से अधिक है और अन्तरक
(अन्तरकों) और अन्तरिक्षी (अन्तरिक्षियों) के बीच ऐसे
अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अवधारणा लिखित में वास्तविक रूप से कथित
महीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से बुर्डि किसी आय की बाबत उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में करने या उससे बचने में सुविधा
के लिये; और/या

(क) ऐसी किसी आय या किसी ब्रन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
इनके अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिक्षी द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने
में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के, अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग की उपभारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अधार्तः :—

13—26 GI/81

(1) श्रोमतो गुरुदेव कौर पत्नी श्रो सुजान सिंह
और नसीब कौर पत्नी श्रो वर्णन सिंह बासी
बंगा रोड, नजदीक चुगो, फगवाड़ा।

(अन्तरक)

(2) श्रोमतो पदमा बतो पत्नी श्रो मधुन लाल शराब
का ठेकेवार मारफत मनम होटल, फगवाड़ा।

(अन्तरिक्षी)

(3) जैसा कि उपर नं० 2 में लिखा है।
(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में
सम्पत्ति है)

(4) जो व्यक्ति सम्पत्ति में सचि उक्त सम्पत्ति है।
(वह व्यक्ति, जिनके बारे में
अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह
सम्पत्ति में हितबद्ध है)।

को वह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों द्वारा
सूचना की तामील से 30 दिन की प्रवधि,
जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर
पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा; या

(ज) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी ग्रन्थ व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किये जा सकेंगे।

लघुदोक्षरण:— इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, और उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जैसा कि विलेख नं० 983 दिनांक
जुलाई 1980 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी फगवाड़ा में
लिखा है।

आर० गिरधर
सक्षम अधिकारी
महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, जालन्धर

तारीख : 10-3-81

मोहर :

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार
कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, जालन्धर
जालन्धर, विनांक 10 मार्च 1981

निदेश सं. ए० पी० नं. 2557—यतः मुझे, आर०
गिरधर,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम कहा गया है'), की धारा
269-ष के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विष्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं. जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो
फगवाड़ा में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में
और पूर्ण मूल्य में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के
कार्यालय फगवाड़ा में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन, तारीख जुलाई, 1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के हृदयमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे वह विष्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके हृदयमान प्रतिफल से, एसे हृदयमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरीतियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कीथित नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हर्दि किसी आय की बावत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर होने के अन्तरक के
शायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य जास्तियों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोगनाश अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए।

यतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण
में, भौं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ष की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्रीमती श्रीजीत कोर, गुरदेव कोर, नसीब
कोर सपुत्री श्री अरजन सिंह बंगा रोड, नजदीक
चुंगी, फगवाड़ा।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती पदमा वती पत्नी श्री मदन लाल शराब
का ठेकेदार, पना होटल, फगवाड़ा।

(अन्तरिती)

(3) जैसा कि उपर नं. 2 में लिखा है।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में
सम्पत्ति है)

(4) जो व्यक्ति सम्पत्ति में वृचि रखता है।

(वह व्यक्ति, जिसके बारे में
अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह
सम्पत्ति में हितवद्ध है)

कैं यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्बाह के लिए
कार्यालयहाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेपः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तिकों वर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाब में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
वृद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वाक्षरीकरणः—इसमें व्यक्त वस्तुओं वाले वस्तु जैसे, जो उक्त
अधिनियम, के अन्तर्गत 20-के वै परिवर्तित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विद्या
गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जैसा कि विलेख नं. 984 दिनांक जुलाई,
1980 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी फगवाड़ा में लिखा है।

आर० गिरधर

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जालन्धर

तारीखः 10-3-81

मोहरः।

प्रस्तुप शाहू.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

भारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज जालन्धर

जालन्धर, दिसंबर 12 मार्च 1981

निकेप नं० ए० पी० नं० 2558—यतः मुझे, आर० गिरधर,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-व के अधीन सभी प्राधिकारी को, यह विवरों करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है
और जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो फगवाडा में स्थित है (और इससे उपायद अनुसूची में और पूर्ण कर्प वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय फगवाडा में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, अगस्त, 1980

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के द्वयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके द्वयमान प्रतिफल से, ऐसे द्वयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकर्ता) और अन्तरिती (अन्तरीतायों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पीया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से की गयी नहीं किया गया है:--

(क) अन्तरण से हूँ इसके किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तीयों को, जिन्हे भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) का उक्त अधिनियम, यह धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगमार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

यतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-व के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों वृप्ति ५/-

(1) श्री भरपुर सिंह पुत्र श्री प्रीतम सिंह वासो फगवाडा।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती सीता रानी पत्नी प्रीतम दास वासो लोहा मन्डी रोड, फगवाडा।

(अन्तरिती)

(3) जैसा कि उपर नं० 2 में लिखा है।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

(4) जो व्यक्ति, सम्पत्ति में रुचि रखता है।

(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

करे यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के बर्जन के लिए कार्यवाहीयों करता है।

उक्त सम्पत्ति के बर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आवेदन:--

(अ) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाव वे सबात होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों वे से किसी व्यक्ति द्वारा

(ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त सब्जें और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अ. हृषी

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जैसा कि विलेख नं० 1301, दिनांक अगस्त, 1980 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी फगवाडा में लिखा है।

ग्राह० गिरधर
सक्षम अधिकारी
महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज जालन्धर

तारीख: 12-3-81

मोहर:

प्रस्तुप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार
कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज़, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 12 मार्च, 1981

तिदेश नं० ए० पी० नं० 2559—यतः मुझे, आर०
गिरधर,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ष के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो
फगवाडा में स्थित है (और इससे उपाखण्ड अनुसूची में
और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता प्राधिकारी के
कार्यालय फगवाडा में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के प्रधान, अगस्त, 1980

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दद्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दद्यमान प्रतिफल से, ऐसे दद्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रति-
फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कठित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हरै किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कसी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ल) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ष की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ८—

- (1) भरपुर सिंह, पुत्र प्रीतम सिंह वासी फगवाडा।
(अन्तरक)
- (2) श्री प्रीतम दास वासी लोहा मन्डी रोड, फगवाडा।
(अन्तरिती)
- (3) जैसा कि उपर नं० 2 में लिखा है।
(वह व्यक्ति, जिसके अभिभोग में
सम्पत्ति है)
- (4) जो व्यक्ति सम्पत्ति में विवरण देता है।
(वह व्यक्ति, जिनके बारे में
अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह
सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहीयों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्थावीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभ्रान्ति
है, वही अर्थ हैं, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जैसा विलेख नं० 1302 दिनांक
अगस्त, 1980 को रजिस्ट्रीकर्ता प्राधिकारी फगवाडा में
लिखा है।

आर० गिरधर
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, जालन्धर

तारीख: 12-3-81

मोहर:

प्रसूप आई० टी० एन० एस०—
मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ए(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार
कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, जालन्धर

[जालन्धर, दिनांक 10 मार्च 1981]

निवेश नं० ए० पी० नं० 2560—यतः मुझे, आर०
गिरधर,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके
पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ए के
अधीन संघम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि
स्थावर संवत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- द० से
अधिक है।

और जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में लिखा है, तथा
जो मन्डो अबोहर में स्थित है (और इससे उपायकर
अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ट
अधिकारी के कार्यालय अबोहर में रजिस्ट्रीफरण अधिनियम,
1908 (1908 का 16) के अधीन, जुलाई,
1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पक्षहूँ
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम के अधीन रुर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अस्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः, घब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ए के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए की उपधारा (1) के
अधीन, निम्नलिखित अधिकारी, अर्थात् :—

(1) श्री कलबन्त राये, पुत्र श्री लाल चन्द वासी
प्रेम नगर, अबोहर।

(अन्तरक)

(2) श्री लल्लमन दास पुत्र जेमल राम, ऊम प्रकाश,
सोमनाथ, किशन कुमार सपुत्र श्री मिलख राज
वासी गांव दीवान खेड़ा, तहसील फाजिलका।

(अन्तरिती)

(3) जैसा कि उपर नं० 2 में लिखा है।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में
सम्पत्ति है)

(4) जो व्यक्ति सम्पत्ति में सक्षि रखता है।

(वह व्यक्ति, जिनके बारे में
प्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह
सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहिया करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तामील से 30 दिन की अवधि, जोसी अवधि बाद
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा प्रधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभ्रान्ति
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में
विद्या गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जैसा कि विलेख नं० 1300,
दिनांक जुलाई, 1980 को रजिस्ट्रीकर्ट अधिकारी अबोहर
में लिखा है।

आर० गिरधर
संसद अधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, जालन्धर

तारीख: 10-3-81

मोहर:

प्रस्तुत आई.टी.एल.एस.-----

आधिकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)

अर्जन रेज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 11 मार्च 1981

निवेश नं० ६० पी० नं० 2561—पत्र: मुझे, आर०
गिरधर,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ग के अधीन संकेत प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/ रु. से अधिक है

और जिसकी सं० जैसा की अनुसूची में है तथा जो गली
नं० 2, नानक नगरी अबोहर में स्थित है) और इससे उपावद
अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकरण अधिकारी
के कार्यालय अबोहर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,
1908 (1908 का 18) के प्रश्नान्, तारीख जुलाई,
1980।

को पूर्वांकित संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के अवधार
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके अवधार प्रतिफल से, ऐसे अवधार प्रतिफल का
पञ्चवांशीकृत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
अन्तरितीयों के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तब पाया गया प्रती-
फल निम्नलिखित उदाहरण से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कठित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हाई किसी आदेशी बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर होने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आई-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) का उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगान्वय अन्तरिती धारा प्रकट नहीं किया
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) श्रीमती प्रकाश केरी पल्ली श्री महर चन्द वासी
फाजिलका।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती जमना देवी पल्ली श्री देस राज वासी
गली नं० 2, नानक नगरी, अबोहर।

(अन्तरिती)

(3) जैसा कि उपर नं० 2 में लिखा है।

(वह अवित, जिसके प्रधिमोग में
सम्पत्ति है)

(4) जो व्यक्ति, सम्पत्ति में रुचि रखता है।

(वह व्यक्ति, जिनके बारे में
प्रधोहस्तानी जानता है कि वह
सम्पत्ति में हितबद्ध है)

कौं यह सूचना आरो करके पूर्वांकित सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहीया करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वापरेः—

(क) इस सूचना के राखपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तस्वीरनी व्यक्तियों द्वारा
सूचना की लाइसेंस से 30 दिन की अवधि, जो भी
व्यक्ति द्वारा में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वांकित
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राखपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अबोहस्तानी के पास
सिवित में किए जा सकें।

स्पष्टीकरणः——इसमें प्रयुक्त सब्जें और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्यय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विद्या
गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जैसा कि विसेष नं० 1307 दिनांक
जुलाई, 1980 को रजिस्ट्रीकरणी अधिकारी अबोहर में
लिखा है।

आर० गिरधर

सकम अधिकारी

सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)

अर्जन रेज, जालन्धर

लाइसेंस: ११-३-८१

मोहरः

प्रकाश नं. ८० श० श०—

आयकर प्रधिनियम, 1981 (1981 का 43) की धारा

269-व (१) के महीन सूचना

प्रकाश नं.

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रीजन रेंज, जालन्दर

आलन्दर, दिनांक 11 मार्च 1981

निदेश नं. ४० श० नं. 2562—क्रा: मुझे, आर०
गिरवर,

आयकर अधिनियम, 1981 (1981 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-व
के प्रधीन सक्रम प्राधिकारी को, यह विवास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रुपये से अधिक है।

और जिसकी सं. ३० जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो
गली नं. २, नानक सगरी अबोहर में स्थित है (और इससे उपावड़
में अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्स
अधिकारी के कार्यालय अबोहर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,
1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख अगस्त,
1980।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य के क्रम के दृष्टिभूत
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विवास
वर्णों का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृष्टिभूत प्रतिफल से, ऐसे वृग्यमान द्वितीयक का पचह
प्रतिशत अधिक है और अन्तरज (अन्तरालों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए, उस सूचना गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरज लिखित में बास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरज से हुई किसी पाय की बाबत उक्त प्रधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरज के बायिक में कभी
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) देखी किसी बाय का किसी भूमि आक्षय आस्तीनहै
को, जिसमें भारतीय आय कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम,
का अनकर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-व के अनुसार
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपकारा (१)
के अधीन, निम्नलिखित अधिकारी, घर्ता:—

(१) श्रीमती प्रकाश देवी पत्नी श्री मेहर अन्द वासी
फाजिलका।

(अन्तरक)

(२) श्री प्रशांती कुमार, हरीष कुमार सुन्दर श्री
देस राज, ब्राह्मी गली नं. २ नानक नगरी,
अबोहर।

(अन्तरिती)

(३) जैसा कि ऊपर नं. २ में लिखा है।
(वह अवित्त, जिसके प्रधिभोग में
सम्पत्ति है)

(४) जो अवित्त सम्पत्ति में रूचि रखता है।
(वह अवित्त, जिनके बारे में
अबोहस्तामरी जानता है कि वह
सम्पत्ति में हितबद्ध है)

जो यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अवैत के लिए
कार्यालयों करका हूँ।

इस त्रैयों के अवैत के सम्बन्ध में कोई भी आवेदन—

(क) इस त्रैयों के दाजपत्र में प्रकाशन की तारीख से ४५
दिन की अवधि या तस्मान्त्वी अवित्तियों पर सूचना
की तारीख से ३० दिन की अवधि, वो भी अवधि बात
में बदलाव होती हो, के भीतर पूर्वोक्त अवित्तियों में
मैं लिखी अवित्त द्वारा;

(ख) इस सूचना के दाजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
४५ दिन की अवधि इस त्रैयों में हितबद्ध
कियी अवधि द्वाय, अबोहस्तामरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

ल्यटीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पक्षों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिचालित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति तथा अवित्त जैसा कि विलेख नं. 1737
दिनांक अगस्त, 1980 को रजिस्ट्रीकर्स अधिकारी अबोहर
में लिखा है।

आर० गिरवर
सक्रम अधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
श्रीजन रेंज, जालन्दर

तारीख: 11-3-81

मोहर:

प्रकल्प धाई० टी० एन० एस०—

प्रायकर प्रधिनियम, 1981 (1981 का 43) की धारा
269-व (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, विनांक 10 मार्च 1981

निकेश नं० ए०पी० नं० 2563—उत्तर: मुझे, भारत
गिरधर,

प्रायकर प्रधिनियम, 1981 (1981 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-व
के अधीन सकाय प्रधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रुपए से अधिक है।

और जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में लिखा है, तथा जो
गली नं० 1, नई आबादी अबोहर में स्थित है (और इससे उपावदा
अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता
प्रधिकारी के कार्यालय अबोहर में रजिस्ट्रीकरण प्रधिनियम,
1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख, जुलाई
1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पक्षहृष्ट प्रतिशत से अधिक है और अस्तरक (अस्तरकों)
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अस्तरण के लिए
तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
निखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से तुझे किसी आय की बाबत, उक्त
प्रधिनियम के अधीन कर देने के अस्तरक के
वायिक रूप में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर प्रधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या
धनकर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

उत्तर: जब, उक्तप्रधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-व की उपभारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अधृत :—

(1) श्रीमती शरवती देवी पत्नी श्री दौलत राम वासी
गली नं० 1, नई आबादी, अबोहर।

(प्रत्यक्ष)

(2) श्रीमती बिमला रानी पत्नी सन्त लाल वासी
गली नं० 1, नई आबादी, अबोहर।

(प्रत्यक्षरिती)

(3) जैसा कि ऊपर नं० 2 में लिखा है।
(वह व्यक्ति, जिसके प्रधिभोग में
सम्पत्ति है)

(4) जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है।
(वह व्यक्ति, जिनके बारे में
अबोहरस्ताकरी जानता है कि वह
सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, और भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी उपरिकृत द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अबोहरस्ताकरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त
प्रधिनियम के प्रधाय-20क में परिभाषित है,
वही प्रयोग जो उस प्रधाय में निया गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जैसा कि विलेख नं० 1299,
विनांक जुलाई, 1980 को रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी अबोहर
में लिखा है।

आर० गिरधर
सकाय प्रधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, जालन्धर

तारीख : 10-3-81

मोहर :

प्रकृष्ट प्राई० ट्रौ० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
289-ब (1) के प्रत्येक सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर प्रायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 10 मार्च 1981

निदेश सं० ए० पी० नं० 2564—यतः मुझे, आर० गिरधर,

आयकर अधिनियम, 1981 (1981 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 289-ब के अधीन सकाम प्राधिकारी को, यह विवाह संकरने का कारण है कि व्यावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में लिखा है, तथा जो गली नं० 1, नई आबादी अबोहर में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता प्राधिकारी के कार्यालय अबोहर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख अगस्त, 1980

की पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृष्टिभाव प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विवाह संकरने का कारण है कि व्यापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) उक्त से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन करदेने के प्रत्यारक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या प्रत्यक्ष अधिनियम 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

यतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 289-ब के अनुचरण में, मैं उक्त प्रधिनियम की धारा 289-ब की उपकारा (1) के अधीन निम्नलिखित अधिनियमों प्रवर्ति:—

14—26G1/8I

(1) श्रीमती शरवती देवी पत्नी श्री दीलत राम गली नं० 1, नई आबादी, अबोहर।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती विमला रानी पत्नी श्री मन्त लाल वासी गली नं० 1, नई आबादी, अबोहर।

(अन्तरिती)

(3) जैसा कि उपर नं० 2 में लिखा है।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

(4) जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है।

(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितवद्ध है)

को यह सूचना जारी करने पर्याप्त सम्पत्ति के अंतर्न के लिए कार्यवादियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अंतर्न के संबंध में कोई भी आवेदन:—

(क) इस सूचना के राजपत्र म प्रकाशा ही तारीख से 45 दिन की अवधि या उसमध्यी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन तक प्रवर्ति, जो भी अवधि वाल में समाप्त होते हो, के भोतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी अविन द्वारा;

(ख) हस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भोतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, प्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

प्रधारेहरन.—इस प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 26G में वर्णित हैं, वही अर्थ होगा जो उस प्रधाय 2 में दिया गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जैसा कि विलोद नं० 1572, दिनांक अगस्त, 1980 को रजिस्ट्रीकर्ता प्राधिकारी अबोहर में लिखा है।

आर०गिरधर

सकाम प्राधिकारी

महायक आयकर प्रायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जालन्धर

तारीख: - 10-3-81

मोहर:

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, जालंधर

जालंधर, दिनांक 12 मार्च 1981

निदेश सं० ए० पी० नं०-2565—यतः मुझे, [ग्राह०
गिरधर,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विष्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसको सं० जैसा कि अनुसूचों में लिखा है तथा जो
कलां मलका में स्थित (और इससे उपायक्रम अनुसूची में पूर्ण
रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कायलिय,
नथाना में रजिस्ट्रेकरण अधिनियम 1908 (1908 का
16) के अधीन, तारीख जुलाई 1980

को पूर्वांकित संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के अवमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विष्वास
करने का कारण है कि अध्यापूर्वांकित संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके उद्यमान प्रतिफल से, ऐसे अवमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हृद्द किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना आहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

यतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री जंगेंद्र सिंह, गुरदेव सिंह सुपुत्र नरसिंह
वासी राय के कलां।

(अन्तरक)

(2) श्री मोहिन्दर सिंह, सुखदेव सिंह सुपुत्र श्री संतोष
सिंह, गाँव कलयान मलका, सब तहसील नथाना
जिला झज्जिला।

(अन्तरिती)

(3) जैसा कि पर नं० 2 में लिखा है।
(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में
सम्पत्ति है)

(4) जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है।
(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोब
हस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति
में हितबद्ध है।)

को वह सूचना जारी करके पूर्वांकित सम्पत्ति के अर्जन के जिए
कार्यकालियों करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आवेदन:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वांकित
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

व्यक्ति तथा संपत्ति जैसा कि विलेख नं०
जुलाई, 1980 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, नं०...
गया है।

ग्राह० गिरधर
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, जालंधर

तारीख : 12-3-1981

मोहर :

प्रस्तुप आई. टी. एन. एस. —————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ग(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अजन रेज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 12 मार्च 1981

निदेश सं० ए० पी० नं० 2566—यतः मुझे, आर० गिरधर,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है।

और जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो सक्षात्त्व में स्थित है (और इससे उपाधान में अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रेकर्ता अधिकारी के कार्यालय, तलकड़ा मांवू में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, जुलाई, 1980

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वाक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे हृदयमान प्रतिफल का पूर्ण प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उच्चदेश से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से क्रियाभित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हूर्दा किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसारण में, भी, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) श्री चन्द्र सिंह जगरिंदर, बंचन सिंह सुपुत्र बीर सिंह वासी गांव सवाईत सब तहसील तलवण्डी सांबू, जिला फरीदकोट।

(अन्तरक)

(2) श्री तेजसिंह, गुरदर्शन सिंह सुपुत्र हरदियाल सिंह वासी गांव सवाईत सब-तहसील तलवण्डी सांबू, जिला भरिंदा।

(अन्तरिती)

(3) जैसा कि नं० 2 ऊपर में लिखा है।
(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

(4) जो व्यक्ति संपत्ति में रुचि रखता है।
(वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह संपत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना आरी कुके पूर्वांकत सम्पत्ति के अर्जुन के लिए कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी जाक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वांक व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

प्रार्थना:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहों अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनूच्छी

व्यक्ति तथा ममानि जैसा कि विलेख नं० 1171 दिनांक जुलाई, 1980 को रजिस्ट्रेकर्ता अधिकारी, तलवण्ड, गांव में लिखा गया है।

आर० गिरधर
मक्षम प्राधिकारी
महायक आयकर आयुक्त (निर्धारण)

तारीख : 12-3-1981

मोहर :

प्रस्तुत आइ.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 13 मार्च 1981

निदेश सं० प० प० नं०/2567—अतः मुझे, आर०
गिरधर,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसका सं० जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो
जालन्धर में स्थित है (और इसमें उपावद्ध अनुसूची में
और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रेकर्ट अधिकारी के
कार्यालय, जालन्धर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908

(1908 का 16) के अधान, जुलाई, 1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल को लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापवांकत संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकाँ) और अन्तरिती
(अन्तरिताँ) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कीदित नहीं किया गया है:-

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः जब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण
में, भी, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अधीन है-

(1) श्री राम लाल, खरेती राम बाजार बौसा बाला
जालन्धर।

जो० ए० ग्राम हीरा लाल, नवल मल व सुभाष
चन्द्र, वेद प्रकाश लाल चन्द्र और श्री सुदेश कुमार,
वासा० ए० ई० 188, मुहल्ला पुरीयान, जालन्धर।

(अन्तरक)

2) श्री शिव कुमार, सुभाष कुमार, जुगल कुमार,
जालन्धरों लाल सुपुत्र श्री राम चन्द्र, 14 चन्दन
नगर, जालन्धर।

(अन्तरिती)

(3) जैसा कि ऊपर नं० 2 में लिखा है।
(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में
संपत्ति है)

(4) जो व्यक्ति संपत्ति में सूचि रखता है।
(वह व्यक्ति, जिनके बारे में
अधोहस्ताक्षरों जानता है कि वह
संपत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता है।

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभ्राषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

व्यक्ति तथा संपत्ति जैसा कि विलेख नं० 2473 दिनांक
जुलाई, 1980 को रजिस्ट्रेकर्ट अधिकारी, जालन्धर में लिखा
गया है।

आर० गिरधर
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, जालन्धर

तारीख : 13-3-1981

मोहर :

प्रकाश आई० टी० एन० एस०---

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ग (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जालंधर

जालंधर, दिनांक 16 मार्च, 1981

निदेश सं० ए० पी० नं० 2568—अतः मुझे आर० गिरधर,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), को धारा 269-ग के प्रधीन सकारी प्राक्षिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है,

और जिसको सं० जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो जालंधर में स्थित है (और इससे उपाखद में अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जालंधर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन जुलाई, 1980

की पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का अन्दरूनी प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तब याया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किया नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम, के प्रधीन कर देने के अन्तरक के व्याप्ति में कमी करने या उसमें बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, यैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के प्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री संत सिंह, लेखराज खुद व मुख्तियार ली मेहर सिंह लमेरिडिकोल पूरन सिंह और मोर सिंह सुपुत्र श्री लेख राज संधू 650 वासी माडल टाऊन, जालंधर।

(अन्तरक)

(2) श्री प्रेमनारायन सुपुत्र श्री राधा कृष्ण टार्फिस्ट एल० आई० सी० आफ इण्डिया माडल टाउन रोड, जालंधर।

(अन्तरिती)

(3) जैसा कि ऊपर नं० 2 में लिखा है।
(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

(4) जो व्यक्ति संपत्ति में रुचि रखता है।
(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रधीन के लिए कार्यवाहियाँ करता है।

उक्त सम्पत्ति के प्रधीन के सम्बंध में कोई भी आशेष :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बावध में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :——इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभ्राषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

व्यक्ति तथा संपत्ति जैसा कि विलेख नं० 2479 दिनांक जुलाई, 1980 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी जालंधर में लिखा गया है।

आर० गिरधर
सकार प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, जालंधर

तारीख : 16-3-1981

मोहर :

प्रस्तुत आइ.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयकर मंडी (प्रिरीक्षण)

अर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 16 मार्च 1981

निदेश सं० ए० पी० नं०-2569—यतः मुझे, आर०
गिरधर,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण, है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/ रु. से अधिक है

और जिसकी सं० जैसा कि विलेख अनुसूची में लिखा है तथा
जो बुचों मण्डी में स्थित है (और इससे उपाबूद्ध अनुसूची
में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के
कार्यालय, नथाना में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908
का 16) के अधीन, दिनांक जुलाई, 1980

को पूर्वांकित संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वांकित संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत रे अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के दीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल, न-निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से काधत नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हाई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के
द्वायत्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तवियों
को, जिन्हे भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसारण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री शिवलाल पुत्र नरेण वासी, गांव बुचो मण्डी
सब तहसील नथाना, जिला भिठ्ठा

(अन्तरक)

(2) श्रीमती भूरो विधवा श्रीज लाल बगेरा वासी
गांव बुचो मण्डी, सब तहसील नथाना जो जिला
भिठ्ठा ।

(अन्तरिती)

(3) जैसा कि ऊपर नं० 2 में लिखा है ।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में
संपत्ति है)

(4) जो व्यक्ति, सम्पत्ति में एच रखता है ।

(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधो-
हस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति
में द्वितीय है)

करे यह सूचना जारी करके पूर्वांकित सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहीयां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्येप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तामिल से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वांकित
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति, भी हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है ।

अनुसूची

सम्पत्ति तथा व्यक्ति, जैसा कि विलेख नं० 684,
दिनांक जुलाई, 1980 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी नथाना
में लिखा है ।

आर० गिरधर
मथम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, जालन्धर

दिनांक : 16-3-1981

मोहर :

प्रस्तुप आर्द्ध. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 16 मार्च 1981

निदेश सं० ए० पी० एन०-२५७०—यतः मुझे, आर०
गिरधर,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो
फाजिलका में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और
पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,
फाजिलका में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का
16) के अधीन, दिनांक जुलाई, 1980

को पूर्वांकित संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इयमान
प्रतिफल के सिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वांकित संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके इयमान प्रतिफल से, ऐसे इयमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अस्तरक (अस्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ
पाण्य गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
सिद्धित में वास्तविक रूप से कठित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हटाई किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अस्तरक के दायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ब) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

यतः अब, उक्त अधिनियम, की भारा 269-घ के अनुसार
में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् [—

(1) श्रीमती प्रीतम कोर पति श्री कुलदीप सिंह वासी
नजदीक चौक घंटाघर, फाजिलका।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती छिन्द रानी पति श्री मदन लाल वासी
मकान नं० IX/169, गली बुगगा, फाजिलका।

(अन्तरिती)

(3) जैसा कि अपर नं० 2 में है।
(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में
सम्पत्ति है)

(4) जो व्यक्ति, सम्पत्ति में हचि रखता है।
(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधो-
हस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति
में हितबद्ध है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वांकित संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहीयां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी जाक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारील से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीफ से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाब में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वांकित
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(घ) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारील से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पास सिद्धित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति तथा व्यक्ति, जैसा कि विलेख नं० 1652,
दिनांक जुलाई, 1980 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी फाजिलका
में लिखा है।

आर० गिरधर
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, जालन्धर

दिनांक: 16-3-1981

मोहर:

प्रकृष्ट प्राइंटी ८० एन० एस०—————
 आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
 269-ए(1) के प्रधीन सूचना
 भारत सरकार
 सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
 अर्जन रेज, जालन्धर
 जालन्धर, दिनांक 16 मार्च, 1981

निदेश सं० ए० पी० न० 2571—यतः मुझे, आर० गिरधर,
 आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
 इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ए
 के प्रधीन संकाम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
 है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
 रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो
 फाजिलका में स्थित है (और इससे उपबद्ध अनुसूची में और
 पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता प्राधिकारी के कार्यालय,
 फाजिलका में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का
 16) के प्रधीन, दिनांक जुलाई, 1980
 को पूर्वोंक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
 प्रतिफल के लिए अस्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
 करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
 मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
 पञ्चवृत्त प्रतिशत से अधिक है और बन्तरक (अन्तरकों)
 और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए
 तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
 लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
 अधिनियम के प्रधीन कर देने के अन्तरक के
 दायित्व में कमों करने या उससे बचने में सुविधा
 के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
 को जिस्में भारतीय आयकर प्रधिनियम, 1922
 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
 धनकर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27)
 के प्रयोगनाथं अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
 गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
 सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए के अनुसरण
 में, म उक्त प्रधिनियम की धारा 269-ए की उपधारा (1)
 के प्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्रीमती प्रीतम कौर पत्नि श्री कुलदीप सिंह
 वासी नजदीक चौक घटाघर, फाजिलका।

(अन्तरक)

(2) श्री मदन लाल पुत्र श्री तारा चन्द, वासी मकान
 नं० IX/169, गली खगरां, फाजिलका।

(अन्तरिती)

(3) जैसा कि ऊपर नं० 2 में लिखा है
 (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में
 सम्पत्ति है)

(4) जो व्यक्ति, सम्पत्ति में हचि रखता है
 (वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ता-
 क्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में
 हितबद्ध है)।

को यह सूचना जारी करने पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
 लिए कार्यवाहियों करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राही—

(क) इस मुचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
 सूचना की सामील से 30 दिन की अवधि, जो भी
 अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
 व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
 किसी प्रत्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
 लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टोकरण :—इसम प्रयुक्त शब्दों और वर्वों का, जो उक्त
 अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं,
 वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति तथा व्यक्ति, जैसा कि विलेख नं० 1648,
 दिनांक जुलाई, 1980 को रजिस्ट्रीकर्ता प्राधिकारी फाजिलका
 में लिखा है।

आर० गिरधर
 सक्षम प्राधिकारी
 सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
 अर्जन रेज, जालन्धर

दिनांक : 16-3-1981

मोहर :

प्रस्तुति आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ष (1) के अधीन सूचना
भारत सरकार
कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

प्रर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 16 मार्च 1981

निवेश सं० ए० पी० एन० 2572—यतः मुझे, आर०
गिरधर,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ष के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है।

और जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो
बस्ती गोविन्द नगरी फिरोजपुर शहर में स्थित है (और
इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-
कर्ता अधिकारी के कार्यालय, फिरोजपुर में रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक
जुलाई, 1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के
दृष्ट्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह
विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का
उचित बाजार मूल्य, उसके दृष्ट्यमान प्रतिफल से, ऐसे
दृष्ट्यमान प्रतिफल का पन्द्रह ग्रन्ति से अधिक है और
अन्तरण (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच
ऐसे घन्तरण के निए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
सूची में उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित
नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उससे इच्छने में सुविधा के
लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया या या किया जाना चाहिए था छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ष के अनु-
सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ष की उपधारा
(1) के गमोन निम्नलिखित अधिकारी, पर्याप्तः—

15—26GI/81

- (1) श्रीमती पिसतो देवी विधवा श्री किशन दास¹
कूचा अनवर शाह, फिरोजपुर शहर।
(अन्तरक)
- (2) मैं प्रभु दयाल ओम द्वारा श्री ओम प्रकाश,
मैन बाजार, फिरोजपुर शहर।
(अन्तरिती)
- (3) जैसा कि ऊपर नं० 2 में लिखा है
(वह व्यक्ति, जिसके अधिग्रोग में
सम्पत्ति है)
- (4) जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है
(वह व्यक्ति, जिनके बारे में श्रो-
हस्ताक्षरी जनता है कि वह सम्पत्ति
स्थिर है)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रर्जन के
लिए कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के प्रर्जन के मानवन्ध में कोई भी ग्राक्षेपः—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी अविस्तरों पर सूचना की
तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त अविस्तरों में मैं
किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य अविस्तर द्वारा, जिसे हस्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्याप्त का, जो उक्त अधि-
नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही
प्रयोग होगा, जो उन अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति तथा अविस्तर, जैसा कि विलेख नं० 2847 दिनांक
जुलाई, 1980 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी फिरोजपुर में
लिखा है।

आर० गिरधर
सक्षम अधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
प्रर्जन रेंज, जालन्धर

दिनांक: 16-3-1981

मोहर:

प्रस्तुप धार्वा० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार
कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 17 मार्च, 1981

निदेश सं० ए० पी० नं० 2573—यतः मुझे, आर०
गिरधर

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा
269-घ व उक्त तथा प्राविधिक रूपों को, यह विश्वास हरने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित
बाजार मूल्य 25,000/- रुपये में अधिक है
और जिसकी संख्या जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो
कपूरथला में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण
रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, कपूर-
थला में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1980 (1908 का
16) के अधीन, दिनांक जुलाई, 1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के
दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह
विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का
उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे
दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और
अन्तरः (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच
ऐसे अन्तरण के लिए नव ताया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्धरण व उक्त अन्तरण विवित में वास्तविक रूप में उक्तिः—

(क) अन्तरण में हूँ किसी आप की वाबत उक्त अधिनियम, के प्रवीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कभी करने या उसस बचने में सुविधा के
लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आप या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनाये अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या विद्या जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः वब, उक्त भार्वानियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा की 269-घ को उपधारा (1)
में अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अवैतः—

(1) श्री घरण सिंह पुत्र श्री अर्जन सिंह वासी सुलतान
पुर रोड, कपूरथला

(अन्तरक)

(2) श्री अरुण चन्द्र पुत्र काला मल मकान नं० बी०-XXIII
-37, सुलतानपुर रोड, कपूरथला मारफत श्री राजिन्द्र
सिंह प्रो० आप कार्ड बोर्ड फैक्टरी नजदीक बी०
एम० स्लिंग फैक्टरी, सुलतानपुर रोड, कपूरथला
(अन्तरिती)

(3) जैसा कि ऊपर नं० 2 में है
(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में
सम्पत्ति है)

(4) जो व्यक्ति, सम्पत्ति में सूचि रखता है
(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधो-
हस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति
में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अवैत के
भिन्न कार्यालयों करता है।

उक्त सम्पत्ति के अवैत के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेपः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी अक्षियों पर सूचना की
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि आदि में
भगाए जाते हो, के अंतर पूर्वोक्त शाक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख भ 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे :

स्पष्टोकरणः—इसमें प्रावृत शब्दों और पर्यायों का, जो उक्त अधि-
नियम के अध्याता 20-ए में परिभाषित हैं, बही
प्रयोग होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति तथा व्यक्ति, जैसा कि विलेख नं० 1269,
दिनांक जुलाई, 1980 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी कपूर-
थला में लिखा है।

आर० गिरधर

साथम अधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जालन्धर

दिनांक: 17-3-1981

मोहर:

प्रस्तुप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जेन रेंज, जलन्धर

जलन्धर, दिनांक 17 मार्च 1981

निदेश सं० ए० पी० नं० 2574—यतः मुझे, आर० गिरधर
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम कहा गया है'), की धारा
269-ष के अधीन सक्षम प्राधिकारी के यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो
मुहल्ला खाजानपिया, कपूरथला में स्थित है (और इससे उपावस्था
अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, कपूरथला में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,
1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक जुलाई, 1980
के प्रत्येक संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्थयमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वक संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दस्यमान प्रतिफल से, एसे स्थयमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों)
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्त-
विक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

(क) अन्तरण से हूँ इन्हें किसी आय की आबत्त, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ड) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगनार्थ अन्तरित द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में
सुविधा के लिए;

यतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण
में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ष की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

(1) श्री शेर चन्द्र पुत्र सुदागर राम वासी मुहल्ला
खाजानपिया, कपूरथला ।

(अन्तरक)

(2) श्री प्रितपाल सिंह पुत्र श्री सोभा सिंह, तजिन्द्र
कौर पत्नि श्री प्रित पाल सिंह, मुहल्ला खाजान-
पिया गली कुचा दिल सिंह, कपूरथला ।

(अन्तरिती)

(3) जैसा कि ऊपर नं० 2 में है ।
(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में
सम्पत्ति है)

(4) जो व्यक्ति, सम्पत्ति में हची रखता है
(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधो-
स्ताक्षरी जनता है कि वह सम्पत्ति
में हितवद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूछोंक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यालयांकित करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आवेदन :--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या सत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 घिन की अवधि, और भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूछोंक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ल) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
निलिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं,
वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया
है ।

अनुसूची

सम्पत्ति तथा व्यक्ति, जैसा कि विलेख नं० 1162,
दिनांक जुलाई, 1980 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी कपूरथला
में लिखा है ।

आर० गिरधर
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जेन रेंज, जलन्धर

दिनांक: 17-3-1981

मोहर:

प्रक्रम धार्द० टी० एन० एस०—

प्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ए (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, जलन्धर

जलन्धर, दिनांक 17 मार्च 1981

निदेश सं० ए० पी० नं० 2575—यतः मुझे, आर०
गिरधर,

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सभी प्राधिकारी को, यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित
बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है
और जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो
माल रोड, कपूरथला में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची
में और पूर्ण रूप से वर्णित है), में रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के
कार्यालय, कपूरथला में रजिस्ट्रीकरण प्रधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन, दिनांक जुलाई, 1980
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के डाकेत बाजार भूमि से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अस्वीकृत की यई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वांकित सम्पत्ति का उचित
बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान
प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से भावक है और अन्तरक
(अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे
अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण निर्दिष्ट में बास्तविक रूप से किया
नहीं किया जाता है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त
प्रधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक ले
दायित्व में कर्मी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/वा

(ख) ऐसी किसी आय या किसी बन या अन्य प्राप्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर प्रधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या अन्त-
कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोगशाले अन्तरितों द्वारा प्रकट नहीं किया जाया
या या किया जाना चाहिए वा, छिपाने में
सुविधा के लिए;

यतः यद्युपरि प्रधिनियम की धारा 269-ए के अनुसूचण
में, में, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-ए की उपलब्धारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित अवित्यों, अर्थात् :—

(1) श्री सतपाल पुढ़ दीवान चन्द्र और विनोद कुमार
प्रमोद कुमार सुपुत्र श्री सत पाल, वासी कपूरथला
(अन्तरक)

(2) श्रीमती अमरजीत कौर पत्नि श्री कुन्दन सिंह
वासी माल रोड, नजदीक डी० सी० की कोणी,
कपूरथला रहने वाली
(अन्तरिती)

(3) जैसा कि ऊपर नं० 2 में है।
(वह व्यक्ति, जिसके प्रधिभोग में
सम्पत्ति है)

(4) जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुधि रखता है।
(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधो-
हस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति
में हितबद्ध है।)

जो यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अधीन के
लिए कार्यवाहिया करता है।

उक्त सम्पत्ति के अधीन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राहक :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की प्रवधि, या तत्सम्बन्धी अवित्यों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की प्रवधि जो भी
प्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
अवित्यों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी द्वारा प्राप्य अवित्य द्वारा प्रधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकें।

स्वाक्षीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
प्रधिनियम, वे अध्याय 20-क में परिचायित हैं,
वही पर्याप्त होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति और व्यक्ति, जैसा कि विलेख नं० 1178,
दिनांक जुलाई, 1980 को रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी, कपूरथला
में लिखा है।

आर० गिरधर
सभी प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेज, जलन्धर

दिनांक: 17-3-1981

मोहर:

प्रस्तुत आइ.टी.एन.एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
भारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)

अर्जन रेज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 18 मार्च, 1981

निदेश सं० ए०पी०न० 2576—यतः मुझे, आर० गिरष्वर

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा
269-ग के अधीन सभी प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/ रु. से अधिक है

और जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो
फगवाड़ा में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पर्ण
रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,
फगवाड़ा में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का
16) के अधीन, दिनांक जुलाई, 1980

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दस्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दस्यमान प्रतिफल से, ऐसे दस्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियाँ) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण। लोखत म- वास्तविक
रूप से कठित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हृद किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर दने के अन्तरक को
वास्तविक में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिसे भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना आहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अस: अब, उक्त अधिनियम, की भारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग की उपधारा (11)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों वर्णना—

(1) श्री हरबन्स लाल, इन्द्रजीत सुपुत्र श्री कर्म चन्द्र
हमीर चन्द्र, राम सरन, वास, हंस राज, ठाकर
वास सपुत्र श्री प्यारे लाल, दान मण्डी, फगवाड़ा।
(अन्तरक)

(2) श्री जसपाल सिंह पुन लैवर सिंह, 89, माडल
टाउन, फगवाड़ा, श्री गुरदीप सिंह पुन
श्री ऊम सिंह, नई माडल टाउन, फगवाड़ा
(अन्तरिती)

(3) जैसा कि ऊपर नं० 2 है
(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में
सम्पत्ति है)।

(4) जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है
(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधो-
हस्ताक्षरी जानता कि वह सम्पत्ति
में हितबद्ध है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यान्वयिता करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा:

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकें।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जैसा कि विसेख नं० 992,
दिनांक जुलाई, 1980 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी फगवाड़ा
में लिखा है।

आर० गिरष्वर
सभी अधिकारी
सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)
अर्जन रेज, जालन्धर

दिनांक: 18-3-1981

मोहर:

प्रस्तुप आई.टी.एन.एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
भारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 20 मार्च 1981

निदेश सं० ए० पी० न० 2577—यतः मुझे, आर० गिरधर

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विष्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो
जालन्धर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और
पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,
जालन्धर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का
16) के अधीन, दिनांक जुलाई, 1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के छयमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विष्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके छयमान प्रतिफल से, ऐसे छयमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकर्ता) और अन्तरिती
(अन्तरितियाँ) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कठित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हृदय किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तीयों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के, अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियाँ अर्थात्:—

(1) श्री हृषीं सिंह, प्रमर्जीत सिंह सुपुत्र बलवन्त
सिंह, वासी बस्ती गुंजा, जालन्धर।

(अन्तरक)

(2) श्री रौनकी राम, पुष्प साधु राम श्रीमती कमला
देवी पति मोहिन्दर लाल वासी गांव गिल
तहसील, जालन्धर।

(अन्तरिती)

(3) जैसा कि ऊपर न० 2 में लिखा है

(वह व्यक्ति, जिसके प्रशिभोग में
सम्पत्ति है)

(4) जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है

(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ता-
करी जानता है कि वह सम्पत्ति में
हितबद्ध है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में क्रौड भी आशोप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि तक संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की ताप्रिल से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में संमोज्ज होती ही, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताकरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण—इसमें प्रदूत वस्त्रों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विद्या
गया है।

अनुसूची

व्यक्ति तथा सम्पत्ति जैसा कि विलेख न० 2966, दिनांक
जुलाई, 1980 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी जालन्धर में लिखा
गया है।

ग्राह० गिरधर
संक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, जालन्धर

दिनांक: 20-3-1981

मोहर:

प्रधानमंत्री, टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)

अर्जन रेज, जालन्धर
जालन्धर, दिनांक 20 मार्च, 1981

निवेश सं. ए० पी० नं. 2578—यतः मुझे, आर०

गिरवर

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं. जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो
दिवारपुरा मार्कीट जालन्धर में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध
अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता
अधिकारी के कार्यालय, जालन्धर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,
1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक जुलाई, 1980

को पूर्वांक संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के छयमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वांक संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके छयमान प्रतिफल से, ऐसे छयमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और बल्लरक (अन्तरको) और
अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा
पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
सिद्धित में वास्तविक रूप से कठित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हूँ किसी भाव की बावत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ल) ऐसी क्रिही आशा मा किसी धन या अन्य वास्तियाँ
को, जिन्हे भारतीय आग्रकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोगमार्थ अस्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियाँ, अधृत हैं—

(1) गियानी शंकर सिंह पुत्र बल सिंह गारडन कलोनी
जालन्धर।

(अन्तरक)

(2) श्री छिन्द्र पाल सिंह, पुत्र प्रोतम सिंह और मगर
सिंह पुत्र हरभजन सिंह वासी जालन्धर

(अन्तरिती)

(3) जैसा कि ऊपर नं. 2 में लिखा गया है

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में
सम्पत्ति है)।

(4) जो व्यक्ति, सम्पत्ति में रुचि रखता है

(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधो-
हस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति
में हितबद्ध है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वांक सम्पत्ति के अर्जन के
कार्यवाहियाँ करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी जाकेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तस्वीरन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की सामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वांकित
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभ्राष्ट
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

व्यक्ति तथा सम्पत्ति जैसा कि विलेख नं. 2290
दिनांक जुलाई, 1980 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, जालन्धर
में लिखा गया है।

आर० गिरधर
सक्षम अधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, जालन्धर

दिनांक: 20-3-1981

मोहर:

प्रस्तुप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार
कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 20 मार्च, 1981

निदेश सं. ए० पी० नं. 2579—यतः मुझे, आर० गिर-
धर,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं. जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो
दिलखश मार्किट, जालन्धर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध
अनुसूचि में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता
अधिकारी के कार्यालय, जालन्धर, में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,
1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक जुलाई
1980

का पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मैं यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का लाभित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरद्वारा) और अन्तरिती
(अन्तरितियाँ) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में दास्ताविक
रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हृई किसी आय की दावत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिहै भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अन्तरण
में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों वर्धति:—

(1) श्री श्रवण सिंह पुत्र लाभ सिंह मारफत मिडले एड
फाइनेंस कम्पनी, जी० टी० रोड, जालन्धर।

(अन्तरक)

(2) श्री छिन्द्र पाल सिंह पुत्र प्रीतम सिंह और मगर
सिंह पुत्र हरभजन सिंह वासी जालन्धर।

(अन्तरिती)

(3) जैसा कि ऊपर नं. 2 में लिखा है
(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में
में सम्पत्ति है)।

(4) जो व्यक्ति सम्पत्ति में हवा रखता है
(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधो-
हस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति
में हितबद्ध है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियाँ करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:——इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

व्यक्ति तथा सम्पत्ति जैसा कि विलेख नं. 2291, दिनांक
जुलाई, 1980 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी जालन्धर
में लिखा किया है।

आर० गिरधर
सक्षम अधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, जालन्धर

दिनांक: 20-3-1981

मोहर:

प्रस्तुत वार्द्ध, टी. एन्. एस. —————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 20 मार्च, 1981

निवेश सं. ए० पी० नं० 2580—यतः मुझे, आर०
गिरधर

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-
घ के अधीन सभी संभव प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु. से अधिक है

और जिसकी सं. जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो
दिलखुश मार्कीट, जालन्धर में स्थित है (और इससे उपायमान
अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता प्राधिकारी
के कार्यालय, जालन्धर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908
(1908 का 16) के अधीन, तारीख जुलाई, 1980

को पूर्वांक सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के द्वयमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूँझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वांकता सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके द्वयमान प्रतिफल से, ऐसे द्वयमान प्रतिफल का पन्नह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हृहृ किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हैं भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की भारा 269-घ के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

16—26GI/81

(1) श्री कर्म सिंह पुत्र बसन्त सिंह वासी जन्ता
कालीनी, जालन्धर।

(अन्तरक)

(2) श्री छिन्द्र पाल सिंह पुत्र प्रीतम सिंह और मगर सिंह
पुत्र हरभजन सिंह वासी जालन्धर। (अन्तरिती)

(3) जैसा कि ऊपर नं० 2 में लिखा गया है।
वह व्यक्ति, जिसके प्रशिभोग में
सम्पत्ति है।

(4) जो व्यक्ति, सम्पत्ति में इच्छा रखता है
(वह व्यक्ति, जिनके बारे में प्रधो-
हस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति
में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वांक सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आवेदन :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वांक
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-
बद्ध किसी वन्य व्यक्ति द्वारा वधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्थावीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही वर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

बनावधी

व्यक्ति तथा सम्पत्ति जैसा कि विलेख नं० 2292,
दिनांक जुलाई 1980 रजिस्ट्रीकर्ता प्राधिकारी जालन्धर में
लिखा गया है।

आर० गिरधर,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयकर, (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, जालन्धर

दिनांक: 20-3-1981

मोहर:

प्रलेप याई दी १८. एन. एस.—
आयकर अधिनियम, 1981 (1981 का 43) की भारा

269-ए (1) के प्रधीन सूचना।

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 20 मार्च 1981

निदेश सं० ए० पी० नं० 2581—यसः मुझे, आर० गिरधर,

आयकर अधिनियम, 1981 (1981 का 43) (विसे इनमें इनके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), तो आरा 269-ब्र ने पश्चोत्तम प्रधीन अधिकारी को यह विषयास करने का नाहारा है कि स्थानीय सम्पत्ति जैसा उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो दिलखुश मारकीट, जालन्धर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-कर्ता अधिकारी के कार्यालय, जालन्धर में, रजिस्ट्रीबरण अधिनियम, 1980 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक जूलाई, 1980

को पूर्वान्वित प्रतिक्रिया के उचित बाजार मूल्य से कम के वृश्यमान प्रतिक्रिया के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विषयास करने का नाहरा है कि यथा पूर्वान्वित सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दूरदराज रनिरुद्ध, ऐप्रेशनार रनिरुद्ध का अन्तर प्रतिशत से परिवर्तित है गर वन्तरक (पन्तरहो) और पन्तरिती (पन्तरितियों) के बीच ऐसे प्रतिक्रिया के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उपेश से उक्त प्रतिक्रिया के लिए वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) प्रतिक्रिया न कुहि किसी ग्राम वी बाबत, उक्त अधिनियम के प्रधीन कर देने के प्रत्यक्षरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए।

(ख) ऐसी निम्नीयाद या किसी घन या अन्य प्राप्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनाम्ये अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया आन्म चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, प्रब्र, उक्त अधिनियम की घारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की घारा 269-ए की उपघारा (1) के प्रधीन निम्नलिखित अधिकारी अधिकारी अधिकारी (निरीक्षण)

(1) श्री नौनिहाल सिंह पुत्र गुरपाल सिंह, मारकर यूनिवरसिल लैण्ड एण्ड फाइनेंस कम्पनी, प्राइवेट लिं. दिलखुश मारकीट, जालन्धर

(अन्तरक)

(2) श्री छिन्द्र पाल सिंह पुत्र श्री प्रीतम सिंह श्रीर मगर सिंह पुत्र हरभजन सिंह वासी जालन्धर (अन्तरिती)

(3) जैसा कि ऊपर नं० 2 में लिखा है (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

(4) जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है (वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधो-हस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)।

(4) जो व्यक्ति, सम्पत्ति में रुचि रखता है (वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधो-हस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में स्थितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रधीन के लिए कारबाहियों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के प्रधीन के सम्बन्ध में कोई भी ग्रावीपः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वान्वित व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

व्यक्ति तथा सम्पत्ति जैसा कि लिखा नं० 2292, दिनांक जूलाई, 1980 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, जालन्धर में लिखा गया है।

आर० गिरधर
सक्षम अधिकारी
सहायक आयकर अधिकारी (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, जालन्धर

दिनांक: 20-3-1981

मोहर:

प्ररूप ग्राही टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 20 मार्च 1981

निदेश सं० ए० पी० नं० 2582—यतः मुझे, आर० गिर-
धर,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब
के प्रधीन सकाम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है
कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रुपए से अधिक है

और जिसको सं० जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो
दिलखुश मार्कोट, जालन्धर में स्थित है (और इससे उपावद्ध
अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्टा अधिकारी
के कार्यालय, जालन्धर, में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,
1908 (1908 का 16) के प्रधीन, दिनांक जुलाई, 1980
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया
गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी यात्रा नी बाबत, उक्त अधि-
नियम के प्रधीन कर देने के प्रमाणक के दायित्व में
करी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
घनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगनार्थे अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने
में सुविधा के लिए।

अतः, बब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपचारा (1) के
प्रधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री जागीर सिंह पुत्र श्री परताप सिंह वासी गांव
गड़ा, तहसील जालन्धर।

(अन्तरक)

(2) श्री छिन्द्र पाल सिंह, पुत्र श्रीतम सिंह और मगर
सिंह पुत्र हरमजन सिंह, वासी जालन्धर।

(अन्तरिती)

(3) जैसा कि ऊपर नं० 2 में लिखा गया है।
(वह व्यक्ति, जिसके प्रियमोग में
सम्पत्ति है)।

(4) जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है
(वह व्यक्ति, जिनके बारे में
अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह
सम्पत्ति में रुचि रखता है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रधीन
के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के प्रधीन के सम्बन्ध में कोई भी आलोचना :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में
से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर-सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकें।

स्थावीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही
अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

व्यक्ति तथा सम्पत्ति जैसा कि विलेख सं० 2294,
दिनांक जुलाई, 1980 को रजिस्ट्रीकर्टा अधिकारी जालन्धर
में लिखा गया है।

आर० गिरधर

सकाम अधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, जालन्धर

दिनांक: 20-3-1981

मोहर:

प्रस्तुप आई-टी-एन-एस—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की वारा
269-वा (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 20 मार्च 1981

निदेश सं० ए० पी० नं० 2583—यतः मुझे, आर०
गिरधर

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की
वारा 269-वा के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को वह विश्वास
करने का कारण है कि स्वावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार
मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है।

और जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो
दादा कालोनी, जालन्धर में स्थित है (जौर इससे उपाख्य
अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है (रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी
के कार्यालय, जालन्धर में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1980
(1980 का 16) के अधीन, दिनांक जुलाई, 1980
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए प्रमाणित की गई है और मुझे वह विश्वास
करने का कारण है कि यकापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित
बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान
प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और प्रमाणित
(प्रमाणकों) और प्रत्यक्षित (प्रमाणितियाँ)
के भीच ऐसे
अनुरण के लिए तथा यामा यामा प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त प्रमाणित सम्पत्ति में वास्तविक रूप से कथित
नहीं किया गया है—

(क) अनुरण से हुई किसी आय को बोधत, उक्त अधिनियम
के अधीन कर देने के अस्तरक के दायित्व में कमी
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या सम-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगनार्थ अन्तरिती दारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की वारा 269-वा के अनुसरण
में, उक्त अधिनियम की वारा 269-वा की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्—

(1) श्री प्रशोदम लाल पुन यहर चन्द वासी न्यू
जबोहर नगर, जालन्धर।

(अन्तरक)

(2) श्री प्रेम नाथ, कृष्ण चन्द्र, सतपाल, प्रशोदम लाल
पुन भागी राम मारफत स्टूडेंट बुक डिपो मोर्ग
तहसील, नवां शहर जिला जालन्धर।

(अन्तरिती)

(3) जैसा कि ऊपर नं० 2 में लिखा है

(1) रेनबो इण्डस्ट्रीज, दादा कालोनी, जालन्धर

(2) मल्होत्रा ब्रावसे, दादा कालोनी, जालन्धर

(3) सोनू मोन एण्ड कम्पनी, दादा कालोनी, जालन्धर

(4) वाई एन इण्डस्ट्रीज, दादा कालोनी, जालन्धर

(5) जनसन्ज इण्डस्ट्रीज, दादा कालोनी, जालन्धर

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में
सम्पत्ति है)।

(4) जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है

(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अघो-
हस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति
में हितबद्ध है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अंदर के
लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अंदर के संबंध में कोई भी आश्रेप।—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख
से 45 दिन की अवधि या तस्वींधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि,
जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर
पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्वावर सम्पत्ति में
हितबद्ध किसी पर्याय व्यक्ति द्वारा, अघोहस्ताक्षरी
के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्वाप्तीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त
अधिनियम' के पर्याय 20-वा में परिचालित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस पर्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

व्यक्ति तथा सम्पत्ति जैसा कि विलेख नं० 3065,
दिनांक जुलाई, 1980 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, जालन्धर
में लिखा गया है।

आर० गिरधर
सक्षम अधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, जालन्धर

दिनांक: 20-3-1981

मोहर:

प्रस्तुत आई० टी० एन० एस०—

ग्रामकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रामकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 20 मार्च 1981

निदेश सं० ए० पी० 2584—यतः, मुझे, आर० गिरधर,

ग्रामकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), को धारा 269-व के अधीन सकाम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो गांव धोगढ़ी में स्थित (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जालन्धर में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक जुलाई, 1980

की पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृष्यमान प्रतिफल के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि वयापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृष्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृष्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) प्रौर अन्तरितों (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त ग्रस्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से दुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के व्यवीन कर देने के अस्तरक के वायित्व में कमी करने या उसमें ब्रवने में सुविधा के लिए; और/एवं

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय ग्रामकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या घन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरित द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-व के उन्न-सरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपकारा (1) के अधीन, निम्नलिखित अधिकारी अर्थात् :—

(1) श्री दीलत राम अग्रवाल पुन द्वितीय चन्द्र श्रीमती ऊपा गुप्ता पत्नि श्री रमेश कुमार श्रीमती प्रेम रानी पत्नी श्री सुभाष चन्द्र वासी ई० एफ० 506, कृष्ण नगर, जालन्धर।

(अन्तरक)

(2) बी० एम० अदर्स, प्रोप्राइटर श्री ब्रिज मोहन टंडन सोडल रोड, जालन्धर।

(अन्तरिती)

(3) जैसा कि सं० 2 में लिखा है।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)।

(4) जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है।

(वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधो-हस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आशेष :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन को तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बद्धी अवित्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि द्वारा में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त अवित्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी ग्रन्थ व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के ग्रन्थाय 20-व में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस ग्रन्थाय में दिया गया है।

अनुसूची

व्यक्ति तथा सम्पत्ति जैसा कि विलेख नं० 2457, दिनांक जुलाई, 1980 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी जालन्धर में लिखा गया है।

आर० गिरधर
सकाम अधिकारी
सहायक ग्रामकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, जालन्धर

दिनांक: 20-3-1981

मोहर:

प्राप्तम् वाइ.टी.एन.एस.-----

आप्कर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
भारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 20 मार्च 1981

निवेश सं० ए० पी० 2585—यतः मुझे, आर०
गिरधर,

आप्कर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात 'उन्नत अधिनियम' कहा गया है), की भारा
269-व के अधीन सकाम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो
गांव गुरुसर जोधेका में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनु-
सूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी
के कार्यालय, मालोट में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन, दिनांक जुलाई, 1980

कां पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इयमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके इयमान प्रतिफल से, ऐसे इयमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रति-
फल, निम्नलिखित उत्तरदेश से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कठित नहीं किया गया है:-

(क) अन्तरण से है किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर दने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ब) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) में उक्त अधिनियम, या
भवार अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-व के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-व की उपभारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-

(1) श्री तारा सिंह पुत्र कुम्हन सिंह पुत्र माना सिंह
दलवीर सिंह पुत्र अर्जेव सिंह बेटा हृषिम सिंह
बुटा सिंह, बलविन्दर सिंह, प्रीत पाल सिंह, सुपुत्र
कश्मीर सिंह बेहाल सिंह प्रगट सिंह हृपाल सिंह,
मुखियार सिंह खजाब सिंह, पुत्र हरनाम सिंह
पुत्र फौजा सिंह वासी गांव गुरुसर जोधेका तहसील
मुक्तसर, जिला फरीदकोट।

(अन्तरक)

(2) श्री बंता सिंह करनैल सिंह, पुत्र निरंजन सिंह
पुत्र सुलखन सिंह वासी गांव गुरुसर जोदा,
तहसील मुक्तसर, जिला फरीदकोट।

(प्रस्तरिती)

(3) जैसा कि ऊपर सं० 2 में लिखा है
(वह व्यक्ति, जिसके प्रधिभोग में
सम्पत्ति है)।

(4) जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है।
(वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधो-
हस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति
में हितबद्ध है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभ्रान्ति
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

व्यक्ति तथा सम्पत्ति जैसा विलेख नं० 740, दिनांक
जुलाई, 1980 को रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी, मालोट में
लिखा गया गया है।

भार० गिरधर
सकाम प्रधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, जालन्धर

दिनांक: 20-3-1981

मोहर:

प्रस्तुत वर्षां टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
भारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 23 मार्च 1981

निवेश सं० १० पी० एन० २५८६—यतः, मन्त्र, आर०
गिरधर,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा
269-व के अधीन स्थान प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थान सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो
नवां शहर में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में
श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्या-
लय, नवां शहर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन, दिनांक जुलाई, 1980
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दब्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तर्दित की गई है और यूझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दब्यमान प्रतिफल से, एसे दब्यमान प्रतिफल के
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकारी) और अन्तरिती
(अन्तरितारी) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रति-
फल किसीसी उद्देश्य से उक्त अन्तरण सिसित में वास्तविक
रूप से कठिन नहीं किया गया है:-

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वावत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर दने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने पा उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हे भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती दबाग इकट्ठ नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः वब, उक्त अधिनियम की भारा 269-व के अनुसरण
में, ये, उक्त अधिनियम की भारा 269-व की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों वृथतः :-

(1) श्री द्वारका दास पुत्र किसीरी लाल वासी मुहूला
बेघा, नवां शहर, जिला जालन्धर।

(अन्तरक)

(2) श्री काबल सिंह पुत्र हरबन्स सिंह और गुरमीत
कौर पत्नी काबल सिंह वासी रेलवे रोड नजदीक
शीला आयरन स्टोर, नवां शहर।

(अन्तरिती)

(3) जैसा कि ऊपर सं० 2 में लिखा है
(वह व्यक्ति, जिसके अविवाह में
सम्पत्ति है)।

(4) जो व्यक्ति, सम्पत्ति में इच्छा रखता है।
(वह व्यक्ति, जिनके बारे में
अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह
सम्पत्ति में हितबद्ध है)।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाकेप :--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की हारीब से
45 दिन की बावधि वा तत्सम्बन्धी व्यक्तियों द्वारा
सूचना की दामील से 30 दिन की बावधि, जो भी
अवधिक बाय भूमि समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की हारीब से
45 दिन के भीतर उक्त स्थान सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित भूमि किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभासित
हैं, वही अर्थ होता जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जैसा कि विलेख नं० 1772;
दिनांक जुलाई, 1980 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, नवां शहर
में लिखा है।

आर० गिरधर
सक्षम अधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, जालन्धर

दिनांक: 23-3-1981

मोहर:

प्रकृष्ट वाइ.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 13 मार्च 1981

निवेश सं० अमृतसर/80-81/472—अतः मुझे, आनन्द
सिंह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से ज्याहे है

और जिसकी सं० जमीन पठानकोट है तथा जो पठानकोट
में स्थित है (और इससे उपावड़ अनुसूची में और पूर्ण
रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय
पठानकोट में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का
16) के अधीन, तारीख जुलाई, 1980

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे वह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का
प्रदूषण प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ यापा गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण लिखित भे
वास्तविक रूप से कठित नहीं किया गया है :--

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वापत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
वायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ल) एसे किसी जाय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हे भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगनार्थ अन्तरित द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-व के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ८--

(1) श्री ध्यान सिंह पुन राम सिंह वासी मनकर
तहसील पठानकोट।

(अन्तरक)

(2) श्री सम्पूरण सिंह पुन फूला सिंह मारफत राजपूत
क्लाय हाउस, सामने पोलीस स्टेशन सदर, पठान-
कोट।

(अन्तरिती)

(3) जैसा कि सं० २ में और किरायेदार और कोई
(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में
सम्पत्ति है)

(4) और कोई।

(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधो-
हस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति
में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहीयां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वास्तेयः--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तामिल से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बावर में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा:

(ल) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित भौं किए जा सकेंगे।

प्रबंधीकरणः--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, की अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

भूमि 1 कनाल 1 मरला पठानकोट में जैसा कि रजिस्ट्री
नं० 1248 दिनांक 17-7-80 रजिस्ट्री अधिकारी पठानकोट
के कार्यालय में दर्ज है।

आनन्द सिंह

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेंज-3 बन्दरपुरी, देलर रोड, अमृतसर

तारीखः 13-3-1981

मोहरः

प्रस्तुप आई. टी. एन. एस.—

उक्तपकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयूक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 10 मार्च 1981

निवेश सं. अमृतसर/80-81/473—यतः मुझे, आनन्द
सिंह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-
घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु. से अधिक है।

और जिसकी सं० एक फैक्टरी शैड है तथा जो अमृतसर
में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप
में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अमृतसर
में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के
अधीन, तारीख जुलाई, 1980

को पूर्वांकित संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के छव्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वांकित संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके छव्यमान प्रतिफल में, एसे छव्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अंतरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा नाम गया प्रति-
फल निम्नलिखित उदाहरण से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण में हूँढ़ किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुधिका के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोगनार्थ अन्तरिती इवारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुधिका
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, को धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

17-26GI/81

(1) श्री राज कुमार पुन्न राम लाल वासी असन्त
एविन्यू, अमृतसर।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती शीला रानी पत्नी योगिन्द्र सूरी वासी
पोलिम लाइन, अमृतसर।

(अन्तरिती)

(3) जैसा कि सं० नं० 2 और किरायेवार और
कोई।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में
सम्पत्ति है)

(4) और कोई।

(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधो-
हस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति
में हितबद्ध है।)

को यह सूचना जारी करके पूर्वांकित सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहीया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षणः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वांकित
एवं व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इवारा:

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति इवारा अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभ्रष्ट
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अन्तसूची

एक फैक्टरी शैड (रकबा 156-50 स्केवर मीटर) असन्त
एविन्यू, अमृतसर में जैसा कि रजिस्ट्री नं० 1131 दिनांक
14-7-80 रजिस्ट्री अधिकारी, अमृतसर के कार्यालय में
दर्ज है।

आनन्द सिंह
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयूक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, अमृतसर

तारीख: 10-3-1981

मोहर:

प्ररूप आई.टी.एन.एस., -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 10 मार्च 1981

निदेश सं० अमृतसर/80-81/474—यतः मुझे, आनन्द
सिंह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम कहा गया है'), की धारा
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० एक प्लाट है तथा जो अमृतसर में स्थित
है (और इससे उपावड़ अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अमृतसर में
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन
तारीख जलाई, 1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मझे यह विशदास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिति
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हूँ इ किसी आय की बावत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
वायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तीयों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगनार्थ अन्तरिती इवारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में
सुविधा के लिए;

यतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण
में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

(1) श्रीमती गुरदीप कौर पत्नी हरभजन सिंह वासी
रसूलपुर कला, तहसील अमृतसर।

(अन्तरक)

(2) श्री शाम लाल पुत्र राम लाल और लभू राम
पुत्र श्री सीता राम वासी कटड़ा कर्म सिंह,
अमृतसर।

(अन्तरिती)

(3) जैसा कि सं० नं० 2 और किरायेदार और
कोई।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में
सम्पत्ति है)।

(4) और कोई।

(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधो-
हस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में
हितबद्ध है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षयः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्प्रबन्धी व्यक्तियों 5र
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टोकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभासित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अमृतसूची

एक जमीन का टुकड़ा 600 स्केयर मीटर गेट भगतां बाला
के बाहर जैसा कि रजिस्ट्री नं० 1039 दिनांक 7-7-80 को
रजिस्ट्री अधिकारी अमृतसर में दर्ज है।

आनन्द सिंह
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, अमृतसर

तारीखः 10-3-1981

मोहरः

प्रस्तुप आई. टी. एन. एस. —————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आदकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 10 मार्च 1981

निवेश सं० अमृतसर/80-81/475—यतः मुझे, आनन्द
सिंह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-
घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विषवास करने का कारण
है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु. से अधिक है

और जिसकी सं० एक प्लाट का टुकड़ा है तथा जो अमृतसर
में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप
में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अमृतसर
में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के
अधीन, तारीख जुलाई, 1980 को

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विषवास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (बन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय दाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हृद किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) श्री बहादुर जोत सूद पुत्र गुरदत्त चन्द सूद वासी
बैंक कालोनी 73-एल, प्रकाश चन्द रोड, अमृतसर
(अन्तरक)

(2) श्री गुरबचन सिंह पुत्र मोहन सिंह वासी 56-
प्रकाश चन्द रोड और श्री बलराज पुत्र श्री
घसीटाराम वासी गली खटीकां, मकान नं०
1154, अन्दर लोहगढ़, अमृतसर।

(अन्तरिती)

(3) जैसा कि सं० नं० 1 और किरायेदार और कोई
(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में
सम्पत्ति है)।

(4) और कोई।

(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधो-
स्थाकारी जानता है कि वह सम्पत्ति
में हितबद्ध है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वांकित सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यालयांतर्गत करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आवेदन:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तस्वीरधी व्यक्तियों पर सूचना
की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वांकित
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

एक प्लाट रक्कड़ा 500 वर्ग गज, आर० बी० प्रकाश
चन्द रोड, अमृतसर जैसा कि रजिस्ट्री नं० 1103 दिनांक
10-7-80 रजिस्ट्री अधिकारी, अमृतसर के कार्यालय में दर्ज
है।

आनन्द सिंह,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-3, अमृतसर

तारीख: 10-3-1981

मोहर:

प्राप्त आई० टी० एन० एस०—
आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार
कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 10 मार्च 1981

निदेश सं० अमृतसर/80-81/476—यतः, मुझे, आनन्द,
सिंह,

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सभी प्राधिकारी को, यह विषयात् करने का कारण है कि स्थावर संगति उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है।

और जिसकी सं० एक घंड है तथा जो अमृतसर में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अमृतसर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जुलाई, 1980

को पूर्धोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकाल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विषयात् करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकाल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकाल का पन्द्रह प्रांशत से अधिक है और अन्तररुक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकाल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निखित में वास्तविक रूप से कठित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त प्रधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या धनकर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, प्रब, उक्त प्रधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) डॉक्टर मोहर सिंह पुत्र लाभ सिंह और अर्जीत सिंह पुत्र डॉक्टर करतार सिंह वासी चौक बाबा सिंह, अमृतसर।

(अन्तरक)

(2) श्री सुनील कुमार पुत्र भारत कुमार वासी अन्दर सुलतान विन्ड गेट, अमृतसर।

(अन्तरिती)

(3) जैसा कि सं० 2 और किरायेदार और कोई हो।
(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)।

(4) और अन्य कोई।
(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है।)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अंतर्गत के लिए कार्यान्वयिता करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के प्रत्येक के सम्बन्ध में रोई भी आकंप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वाक्षरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त प्रधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक शेष अर्जीत नगर अमृतसर में रुक्का 209 वर्ग मीटर जैसा कि रजिस्ट्री नं० 1154/1 दिनांक 15-7-80 रजिस्ट्री अधिकारी, अमृतसर के कार्यालय में दर्ज है।

आनन्द सिंह
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज. अमृतसर

तारीख : 10-3-1981

मोहर :

प्ररूप आई.टी.एन.एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
भारा 269-थ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 10 मार्च 1981

निवेश सं० अमृतसर/80-81/477—यतः, मुझे, आनन्द
सिंह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा
269-थ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/ रु. से अधिक है

और जिसकी सं० पंडोरी बड़ौच है तथा जो अमृतसर में
स्थित है (और इससे उपाबूद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप
में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अमृतसर
में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के
अधीन, तारीख जुलाई, 1980

को पूर्वांकित संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वांकित संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (वन्तरकों) और अन्तरिर्ती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है :--

(क) अन्तरण से हूँह किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
उनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिर्ती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में
सुविधा के लिए;

मत. अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के, अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-थ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

(1) श्री उजागर सिंह पुत्र श्री केमर मिह वासी
पंडोरी बड़ौच, तहसील और डाकखाना अमृतसर।
(अन्तरक)

(2) श्री मोहिन्दर सैन विनायक पुत्र श्री गंगा राम
वासी हुरैनपुरा, तहसील और डाकखाना अमृतसर।
(अन्तरिती)

(3) जैसा कि सं० 2 और किरायेदार और कोई हो।
(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में
सम्पत्ति है)।

(4) और अन्य कोई।
(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधो-
हस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति
में हितबद्ध है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वांकित सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वांकित
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति स्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

जमीन 8 कनाल 17 मरले गांव पंडोरी बड़ौच जैसा कि
रजिस्टरी नं० 3364 दिनांक 1-7-1980 को रजिस्ट्री
अधिकारी, अमृतसर के कार्यालय में दर्ज है।

आनन्द सिंह
सक्षम अधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, अमृतसर

तारीख: 10-3-1981

मोहर:

प्रसूप बाइ^१. टी. एन. एस.-----

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 11 मार्च 1981

निदेश सं० अमृतसर/80-81/478—यतः, मुझे, आनन्द सिंह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० एक प्राप्ती है तथा जो अमृतसर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय अमृतसर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख जुलाई, 1980

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए

अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि पथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत प्रविक्त है और अन्तरक (पन्तरकों) और अन्तरिती (पन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तप पागा गया प्रतिफल, निम्नलिखित उच्चर में उत्ता अन्तरण तिकिन में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है —

(क) अन्तरण से हुए किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिये; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

यतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-को उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

(1) श्री हरभजन सिंह कालरा पुत्र कल्याण बाई, वासी 12, अजीत नगर, सुलतान विड रोड, हाल हस्पताल बजार, भट्टिडा।

(अन्तरक)

(2) श्री कुरदन सिंह, करनैल सिंह पुत्र तेजा सिंह, वासी 7, गुरु नानक नगर, अमृतसर।

(अन्तरिती)

(3) जैसा कि नं० 2 और कोई किरायेदार।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है।)

(4) और कोई।

(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधो-हस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है।)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के कार्यवाहीयां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-के परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक प्राप्ती खाना शुमारी नं० 3569 (85 वर्ग मीटर) अगादी गुरु राम दास नगर, अमृतसर जैसा कि सेल डीड नं० 1164/I दिनांक 16-7-1980 को रजिस्ट्री अधिकारी, अमृतसर में दर्ज है।

आनन्द सिंह

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर

तारीख : 11-3-1981

मोहर :

प्ररूप आश्व. टी. एन. एस.-----

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 12 मार्च 1981

निदेश सं० अमृतसर/80-81/479—यतः, मुझे, आनन्द
सिंह

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है),
को धारा 269-ब्र के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह
विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है
और जिसकी सं० एक प्रापटी है तथा जो अमृतसर में
स्थित है (और इससे उपादान अनुसूची में और पूर्ण रूप से
वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय अमृतसर में
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के
अधीन, तारीख जुलाई, 1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के
दूष्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह
प्रिवात करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का
उचित बाजार मूल्य, उसके दूष्यमान प्रतिफल से, ऐसे
दूष्यमान प्रतिफल का फढ़ह प्रतिशत अधिक है और
अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच
ऐसे अन्तरण के लिए तर पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित
नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अनुरूप के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के
लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
दन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में
सुविधा के लिए;

यतः अब, उक्त अधिनियम की घारा 269-ग के अनुसरण
में, उक्त अधिनियम की घारा 269-घ की उपधारा (1) के
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री तरलोक चन्द पुत्र दिवान चन्द, वासी कटरा
सफैद, अमृतसर।

(अन्तरक)

(2) श्री विपन कुमार पुत्र आर० पी० खन्ना, वासी 1592,
कटरा चड़त सिंह, अमृतसर।

(अन्तरिती)

(3) जैसा कि नं० 2 और कोई किराये दार।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में
सम्पत्ति है।)

(4) और कोई।

(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधो-
हस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति
में हितबद्ध है।)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की
तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं वहीं
प्रयोग होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

प्रनुसूची

1/2 हिस्सा एक मकान नं० 1592 कटरा चड़त सिंह,
गली सुनारियां में जैसा कि सेल लैंड नं० 1018/I दिनांक
4-7-80 रजिस्ट्री अधिकारी, अमृतसर में दर्ज है।

आनन्द सिंह
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, अमृतसर

तारीख : 12-3-1981

मोहर :

प्रस्तुप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 12 मार्च 1981

निवेश सं० अमृतसर/80-81/480---यतः मुझे प्रान्तद
सिहौ

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम कहा गया है'), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/ रु. से अधिक है

और जिसकी सं० एक जायदाद है तथा जो अमृतसर में
स्थित है (और इसमें उपाखण अनुमूल्यों में और पूर्ण रूप में
वर्णित है), रजिस्ट्रीबर्ना अधिकारी वे कार्यालय अमृतसर
में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के
अधीन तारीख जुलाई, 1980

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के हस्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापर्वत संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके हस्यमान प्रतिफल से, ऐसे हस्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है :--

(क) अन्तरण से हूँ हूँ किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना आहुए था छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के, अन्तरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थातः--

(1) श्री तरलोक चन्द्र पुल दिवान चन्द्र वासी कटड़ा
सर्फैष, अमृतसर।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती इन्दिरा पत्नी राम प्रकाश वासी कटड़ा
मोहर सिंह, अमृतसर।

(अन्तरिती)

(3) जैसा कि सं० नं० 2 में और किरायेवार और
कोई।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में
सम्पत्ति है)।

(4) और कोई।

(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधो-
हस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति
में हितबद्ध है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यालयीयां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आश्रोप :--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तस्मबन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाब में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अमृतसरी

प्राधा हिस्सा मकान० नं 1682/एक्स-7 गली मुनारियां,
कटड़ा चड्ठत सिंह में जैसा कि रजिस्ट्री नं० 1017/1 दिनांक
4-7-80 रजिस्ट्री अधिकारी अमृतसर वे कार्यालय में दर्ज
है।

प्रानन्द सिंह,

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, अमृतसर।

तारीख : 12-3-1981

मोहर :

प्रकृष्ट प्राइंट ट्रॉनेशन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-प (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर
अमृतसर, दिनांक 12 मार्च 1981

निवेश सं० अमृतसर/80-81/481—यतः मुझे, आनन्द
सिंह

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-प के अधीन सभी प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु० से अधिक है

और जिसकी सं० एक प्लाट है तथा जो अमृतसर में स्थित
है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय अमृतसर में रजिस्ट्री-
करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,
तारीख जुलाई, 1980 को

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरिक की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पश्चात्
प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिकी
(अन्तरिक्तियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निश्चित में वास्तविक
रूप से कठित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरा से हुई कसा प्राय की बाबत उक्त अधि-
नियम, के अधीन करदेने के प्रभारक के बायित्व में कमी
करने या उससे बचने में बुविद्वा के लिए, और/वा

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय प्राय-कर प्रधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या घन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयाप्ततार्थ प्रस्तरित द्वारा प्रकट नहीं किया गया
वा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

यतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-प के अनु-
सरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-प की उपचारा

(1) के अधीन, निम्नलिखित अवित्तियों, वर्ताति:—

18-26 GI/81

(1) श्री चेयरमैन इम्प्रूबमट ट्रस्ट, अमृतसर।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती रूप मेहरा पत्नी हरकिशन मेहरा वासी
450-ए, बसन्त एविन्यु, अमृतसर।

(अन्तरिक्त)

(2) जैसा कि सं० २ नं० २ में है और किरायेदार
और कोई।(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में
सम्पत्ति है)।

(4) और कोई।

(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधो-
हस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति
में हितबद्ध है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन
के लिए कार्यालयों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आवेदन:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना
की सामील में 30 दिन की अवधि, जो भी प्रवासी
बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों
में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
सिद्धित में किए जा सकेंगे।

टाईटोकरण।—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभ्रान्ति
है, वही अर्थ होता, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

एक प्लाट रकबा 442-21 स्केब्यर मीटर नं० 400-ए,
बसन्त एविन्यु, अमृतसर जैसा कि रजिस्ट्री न० 1287/1
दिनांक 23-7-80 रजिस्ट्री अधिकारी अमृतसर के कार्यालय में
दर्ज है।

आनन्द सिंह,

सभम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर

तारीख: 12-3-1981

मोहर:

प्रस्तुप आई.टी.एन.एस.—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 10 मार्च 1981

निदेश सं० अमृतसर/80-81/482—यतः, मुझे, आनन्द
सिंह

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25 000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० दुकानें हैं तथा जो में स्थित हैं
(और इससे उपांशु अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अमृतसर में
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के
अधीन, तारीख जलाई, 1980

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का
एन्क्रूट प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्त-
रिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से है किसी आय की वापत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना आविहृत था, छिपाने भौं सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के, अन्तरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अधार्ता :—

(1) श्री सुरिन्द्र कुमार और नरिन्द्र कुमार पुष्प ब्रिज
मोहन, चन्द्र रानी विधवा, ब्रिज मोहन, वासी
बाजार नरसिंह दास, अमृतसर।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती पृष्ठा वती पत्नी मदन लाल, वासी
कटड़ा मोती राम, अमृतसर।

(अन्तरिती)

(3) जैसा कि नं० 2 और किरायेदार (1) मेहरा
और ब्रादर्स, (2) मदन लाल।
(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में
सम्पत्ति है।)

(4) और कोई।

(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधो-
हस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति
में हितबद्ध है।)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यपालियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :——इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, वो अध्याय 20-के भौं परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

कटड़ा आहलावालिया, अमृतसर में स्थित एक प्रापर्टी
नं० 2109/1-25 और 2189/1-25 का 1/4 हिस्सा
जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी अमृतसर के सेल डील नं०
1220/1 दिनांक 17-7-80 में दर्ज है।

आनन्द सिंह
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, अमृतसर

तारीख : 10-3-1981

मोहर :

प्रखण्ड प्राई० टी० एन० एस०————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की आदा

269 वा (1) के पश्चीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 10 मार्च, 1981

निधेश सं० अमृतसर/80-81/483—अतः मुझे, आनन्द
सिंह

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की आदा
269-वा के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने
का कारण है कि स्वावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार
मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० दुकानें हैं तथा जो अमृतसर में स्थित है
(और इससे उपाबूद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित
है), रजिस्ट्रीकर्ता प्राधिकारी के कार्यालय, अमृतसर में रजिस्ट्री-
करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,
तारीख जुलाई, 1980 को पूर्वोक्त

सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल
के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण
है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान
प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक
है और अस्तरक (अस्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों)
के बीच ऐसे अंतरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित
उद्देश्य में उक्त अन्तरण निखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं
किया गया है :—

(क) अन्तरण से ही किसी आय की वापत उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अस्तरक के विविध
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों
को, जिसमें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अन्तर-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
वा या किया जाना चाहिए वा, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब; उक्त अधिनियम, की आदा 269-वा के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की आदा 269-वा की उपादाना (1) के
अधीन, निम्नलिखित अधिकारी, अर्थात् :—

(1) श्री राम गोपाल पृथ्वी हरगोपाल, वासी बाजार
नरसिंग दास, अमृतसर।

(अस्तरक)

(2) श्रीमती पुष्पावती पत्नी श्री मदन लाल, वासी
कटड़ा मोती राम, अमृतसर।

(अन्तरिती)

(3) जैसा कि सं० नं० 2 और किराएदार (1) मेहरा
एंड अदर्स, (2) मदन लाल।

(वह अधिक, जिसके अधिभोग में
सम्पत्ति है)।

(4) और कोई।

(वह अधिक, जिनके बारे में अधो-
लक्ष्याकारी जानता है कि वह सम्पत्ति
में हितबढ़ है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आमंत्रण :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी अधिकारी पर सूचना की
तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त अधिकारी में से
किसी अधिक द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थान पर संपत्ति में हितबढ़
किसी अन्य अधिक द्वारा प्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकें।

'स्थानोकरण' :—इसमें प्रपक्त शब्दों और पदों का, जो
उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में
परिचालित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस
अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

कटड़ा आहुलवालिया, अमृतसर में स्थित एक प्रापर्टी
नं० 2109/1-25 और 2189/1-25 का 1/4 दिस्सा जैसा
कि रजिस्ट्रीकर्ता प्राधिकारी के सेल डील नं० 1221/I
विनांक 17-7-80 में दर्ज है।

आनन्द सिंह,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, अमृतसर।

तारीख : 10-3-1981

गोहर :

प्रकाश आई० टी० एन० एस०————

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-व (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर-प्रायुक्ति (निरीक्षण)

अर्जन रेज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 10 मार्च 1981

निवेश सं० अमृतसर/80-81/484—यतः मुझे, आनन्द सिंह,

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-व के अधीन सकाम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है

और जिसको सं० दुकानें हैं तथा जो अमृतसर में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अमृतसर में रजिस्ट्री-करण प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जुलाई, 1980 को

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के तिये अन्तरिक्ष की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिक्षीय (अन्तरिक्षियों) के भीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आप की बाबत उक्त अधिनियम के प्रधीन करदेमे के अन्तरक के शायिर्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ब) ऐसी किसी आप या किसी बन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या बन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिक्षीय धारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

यतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-व के अनुसरण में, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) को अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अधिकृतः :—

(1) श्रीमती फूल कोर विधवा मदन गोपाल और प्रेम सागर पुत्र मदन गोपाल वासी बाजार रसिंग दास, अमृतसर।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती पुष्पावती पत्नी मदन लाल, वासी कटड़ा मोती राम, अमृतसर।

(अन्तरिक्षीय)

(3) जैसा कि सं० नं० 2 और किराएदार (1) मेहरा एण्ड बदरी, (2) मदन लाल। (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

(4) और कोई।

(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रज्ञन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अज्ञन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की प्रवधि या तस्वीरी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की प्रवधि, जो भी प्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए गए संकेते।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त प्रधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उन प्रक्षय में दिया गया है

अनुसूची

कटड़ा आहलुवालिया अमृतसर में एक प्रापर्टी नं० 2109/1-25 और 2189/1-25 का 1/4 हिस्सा जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी अमृतसर के सेल डीड नं० 1157 दिनांक 15-7-1980 में दर्ज है।

आनन्द सिंह,
सकाम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज-3 चन्द्रपुरी टेलर रोड, अमृतसर

तारीख : 10-3-1981

माहर :

प्रस्तुप शाई० टी० एन० एस०————

प्रावकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ए (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक प्रायकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 10 मार्च 1981

निधेण सं० अमृतसर/80-81/485—अतः मुझे आनन्द
सिंह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ए
के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
ए० से अधिक है

और जिसकी सं० दुकानें हैं तथा जो अमृतसर में स्थित हैं
(और इससे उपाबद्ध अनुसूची में प्रौर पूर्ण रूप से वर्णित
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अमृतसर में रजिस्ट्री-
करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन,
तारीख जुलाई, 1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरिक्ष की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पश्चात् प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए
य पाया गया प्रतिशत, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
सिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से द्वारा किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के प्रधीन कर देने के अन्तरक के
शायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगनाथ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

प्रति अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ए की उपचारा (1)
के प्रधीन निम्नलिखित अवधियों, अवति:—

(1) श्री द्वारका दास पुब हर गोपाल वासी बाजार
नरसिंग दास, अमृतसर।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती पुष्पा वसी पत्नी मदन लाल वासी कटड़ा
मोती राम, अमृतसर।

(अन्तरिती)

(3) जैसा कि सं० नं० 2 और किरायेदार (1) मेहरा
एण्ड ब्रावर्स, (2) मदन लाल।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में
सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रधीन के लिए
कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के प्रधीन के सम्बन्ध में कोई भी आशेष:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तस्मान्धी अवधियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, तो
भी अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त
अवधियों में से किसी अवधि द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख में
45 दिन के भीतर उक्त स्वाक्षर सम्पत्ति में
द्वितीय किसी अन्य अवधि द्वारा, प्रधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

इष्टविवरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो उक्त
अधिनियम, के प्रध्याय 20-ए में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस प्रध्याय में दिया
गया है।

अमृतसरी

कटड़ा आहलुवालिया, अमृतसर में स्थित एक प्राप्ती
नं० 2109/1-25 और 2189/1-25 का 1/4 हिस्सा जैसा
कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी अमृतसर के सेल डीड नं० 1158/
I दिनांक 15-7-80 में दर्ज है।

प्रानन्द सिंह,
सक्षम अधिकारी
सहायक प्रायकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज-3, अमृतसर।

तारीख: 10-3-1981

मोहर:

प्रस्तुप आई. टी. एन. एस.—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 10 मार्च 1981

निर्देश सं० अमृतसर/80-81/486—यतः मुझे, आनन्द सिंह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० एक प्राप्ती है तथा जो में स्थित है (और इससे उपादान अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय अमृतसर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जुलाई, 1980

को पूर्वांकित संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दद्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूले यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वांकित संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दद्यमान प्रतिफल से, ऐसे दद्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरक) और अन्तरिरती (अन्तरिरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा यादा गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हृहै किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, भू, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अधिकारी:—

(1) श्रीमती सरला विधवा ताराचन्द, अवतार कुमार, जिस्निंदर कुमार, मदन लाल, जुगल किशोर, तरलोक चन्द पुत्र तारा चन्द राही, श्रीमती सरला मुखितार-आम बीना पुत्री तारा चन्द राही, श्रीमती सरला मुखितार आम, वासी 36-एम, ग्रीन एवेन्यू, अमृतसर।

(अन्तरक)

(2) श्री बिधूत सिंह कुमार पुत्र धनपत सिंह कुमार, वासी 36-ग्रीन एवेन्यू, अमृतसर।

(अन्तरिती)

(3) जैसा कि सं० नं० 2 और किराएदार यदि कोई हो।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)।

(4) और कोई।

(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधो-हस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वांकित सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्येप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वांकित व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

मूलसूची

ग्रीन एवेन्यू अमृतसर में स्थित कोठी नं० 36-एम 1/2 हिस्सा जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी अमृतसर के सेन डीड नं० 992/I दिनांक 3-7-80 में दर्ज है।

ग्रानन्द सिंह,
सक्षम अधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, अमृतसर।

तारीख: 10-3-1981

मोहर:

प्रस्तुप आई.टी.एन.एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 10 मार्च 1981

निवेदण सं० अमृतसर/80-81/487—यतः मुझे, आनन्द
सिंह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० एक प्राप्ती है तथा जो में
स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण स्पष्ट में
वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय अमृतसर में
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के
अधीन, तारीख अगस्त, 1980 को

का पूर्वांकित संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दस्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वांकित संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दस्यमान प्रतिफल से ऐसे दस्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों)
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रति-
फल, निम्नलिखित उच्चदेश से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है:-

(क) अन्तरण से हूई किसी आय की बाबन, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ल) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरित स्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना आहुए था छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अन्तरण
में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:-

(1) श्रीमती नर्सिंहा नारा चन्द, आम और
मुख्यालय आम, सर्वश्री अवतार कुमार, जितन्द्र
कुमार, मदनलाल, जुगल किंशोर, तरलोक चन्द
पुत्र तारा चन्द और बीबी बीना पुत्री नारा चन्द,
वासी 36-एम, ग्रीन एवेन्यू, अमृतसर।

(अन्तरक)

(2) श्री बियन्त सिंह कुमार पुत्र धनपत सिंह कुमार,
वासी 36-एम, ग्रीन एवेन्यू, अमृतसर।

(अन्तरिती)

(3) जैशा फि स० न० 2 और किराएदार यदि कोई
हो।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में
सम्पत्ति हो)।

(4) और कोई।

(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधो-
हस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति
में हितबद्ध है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वांकित सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वांकित
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ल) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो उक्त अधिनियम के अन्याय 20-क में परिभाषित हैं,
वही अर्थ होगा, जो उस अन्याय में दिया गया
है।

अनुसूची

ग्रीन एवेन्यू, अमृतसर में स्थित कोठी न० 36 का
1/2 हिस्सा जैशा के रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी अमृतसर के
सेल डीड न० 1682 दिनांक 28-8-80 में दर्ज है।

आनन्द सिंह,
सक्षम अधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, अमृतसर।

तारीख: 10-3-81

मोहर :

प्ररूप भाई० टी० एन० एस०————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 11 मार्च 1981

निदेश सं० अमृतसर/80-81/488—अतः; मुझे, आनन्द
सिंह

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सकाम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु० से अधिक है

और जिसकी सं० एक दुकान है तथा जो ······ में स्थित
है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित
है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अमृतसर में
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के
अधीन, तारीख जुलाई, 1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अस्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित
में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा
के 'लिए' घौरथा

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अस्तरित द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए या छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण में
मे, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब को उपकारा (1) के
अधीन, निम्नलिखित अवित्यों, अवधि :—

(1) सर्वेश्वी अमर नाथ और राम किशन पुत्र श्री
नारायण दास, वासी बाजार चौराही अठारी,
अमृतसर।

(अन्तरक)

(2) सर्वेश्वी भूपिन्द्र सिंह पुत्र इन्द्र सिंह, वासी
कटड़ा कर्म सिंह, बाजार नारसिंग दास, अमृत-
सर।

(अन्तरिती)

(3) जसा कि सं० नं० 2 और किराएदार यदि कोई
हो।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में
संपत्ति है)

(4) और कोई।

(वह व्यक्ति, जिनके बारे में
अधोहस्ताक्षरी

जानता है कि वह संतति में हितबद्ध है) को यह सूचना जारी करके पूर्योक्त सम्पत्ति के अवैत्त के लिए
कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन को अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख में
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकें।

स्वाक्षीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही ग्रथे होंगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

बाजार गंडावाला, अमृतसर में स्थित तीन मंजिल एक
दुकान जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी अमृतसर के सेलडीड
नं० 1364 / रु० दिनांक 31-7-1980 में इसे है।

आनन्द सिंह,
सकाम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, अमृतसर

तारीख : 11-3-1981

मोहर :

प्रस्तुप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
भारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 12 मार्च, 1981

निवेश सं० एएसआर/80-81/489—ग्रतः मुझे, आनन्द
सिंह

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा
269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० एक प्राप्ती है तथा जो में स्थित
है (प्रीत इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित
है) रजिस्ट्रीर्टी अधिकारी के कार्यालय, पठानकोट में
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 6) के अधीन,
तारीख जुलाई, 1980

को पूर्वान्त संपत्ति को उचित बाजार मूल्य से कम के द्वयमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके द्वयमान प्रतिफल से, ऐसे द्वयमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकर्ता) और अन्तरीती
(अन्तरीतियाँ) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हर्दि किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर बने के अन्तरक के
दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य वास्तवियों
को, जिन्हे भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगनार्थ अन्तरीती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

ग्रतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के, अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—
19-26 GI/81

(1) श्रीमती श्रीता देवी पत्नी रूप लाल वासी कनाल
रोड, जम्मू।
(अन्तरक)

(2) श्री राम देव गुप्ता पुत्र रूप लाल वासी 38-
बी०, थर्मल कालोनी, भटिल।
(अन्तरिती)

(3) जैसा कि सं० नं० 2 और किराएदार यदि कोई
हो।
(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में
संपत्ति है)

(4) और कोई।
(वह व्यक्ति, जिनके बारे में
अधोहस्ताक्षरी जानता है कि
वह संपत्ति में हितबद्ध है)

क्वो यह सूचना जारी करके पूर्वान्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्यपेः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तस्मान्त्वी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किए अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

मिशन रोड, पठानकोट में स्थित एक प्राप्ती जैसा कि
रजिस्ट्रीर्टी अधिकारी के कार्यालय, पठानकोट के सेलडीड
नं० 1228 दिनांक 4-7-1980 में दर्ज है।

आनन्द सिंह
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, अमृतसर

तारीख : 12-3-1981

मोहर :

प्रस्तुप बाहूँ. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 12 मार्च 1981

निर्देश सं० ए एस आर०/८०-८१/४९०—यतः मुझे
आनन्द सिंह

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ष के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० एक प्राप्ती है तथा जो में स्थित है (और
इसमें उपबद्ध अनुमती में और पूर्ण स्वप्न से वर्णित है)
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय पठानकोट में रजिस्ट्री-
करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख
जुलाई, 1980

को पूर्वांकित संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दूसराना
प्रतिफल के लिए अन्तरित की जाई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वांकित संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दूसराना प्रतिफल से, ऐसे दूसराना प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा
पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कठित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हृदृ किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोगनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना आवृत्त था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

यतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसारण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ष की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, वर्षात् १—

(1) श्रीमती रीदा रानी पत्नी श्री रमेश कुमार,
वासी राजा रोड, जम्मू।

(अन्तरक)

(2) श्री रामदेव गुप्ता पुल लूपलाल वासी बी-३८, यमेल
कालोनी, भट्टिढा।

(अन्तरिती)

(3) जैसा कि सं० नं० २ और किराएदार यदि कोई
हो।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग
में संपत्ति है)।

(4) और कोई।

(वह व्यक्ति, जिनके बारे में
अधोहस्ताक्षरी जानता है वह
संपत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वांकित सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यान्वयिता करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आवेदन :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वांकित
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-
बद्ध विस्तीर्णी अवधि द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभ्रान्ति
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

मनूसूची

मिशन रोड, पठानकोट में एक प्राप्ती जैसा कि रजिस्ट्री-
कर्ता अधिकारी, पठानकोट के सेल्झील नं० 1227 दिनांक
4-7-1980 में दर्ज है।

आनन्द सिंह
सक्रम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, अमृतसर

तारीख : 12-3-1981

मोहर :

प्रधान प्राइवेटी.टी.एन.एस.—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 9 मार्च, 1981

निवेश सं० एसप्रार/80-81/491—अतः मुझे, आनन्द
सिंह

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/ रु. से अधिक है

और जिसकी सं० एक विलिंग है तथा जो में स्थित है
(और इससे उप बद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित
है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, बटाला में रजिस्ट्री-
करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,
तारीख जुलाई, 1980

को पूर्वांकित संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के द्वयमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूँहे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वांकित संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके द्वयमान प्रतिफल से, ऐसे द्वयमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
मन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया गति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में धाराविक
रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
धाराविक में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगनार्थ बन्तरीती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण
में है, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

(1) श्री पादरी सी० एल० प्रशाद पुत्र पादरी एस० प्रशाद
अनारकली रोड, बटाला ।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती इकबाल दर्वे शुक्ना पत्नी श्री बलबीर सिंह
पुत्र श्री वासदेव सिंह, वासी बटाला राही बलबीर
सिंह ।

(अन्तरिती)

(3) जैसा कि सं० नं० 2 और किराएदार यदि कोई
हो ।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग
में संपत्ति है)

(4) और कोई ।

(वह व्यक्ति, जिनके बारे में
अधोहस्ताक्षरी जानता है
कि वह संपत्ति में हितबद्ध है)
को यह सूचना जारी करके पूर्वांकित सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता है ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कहे हैं भी आवेदन:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वांकित
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है ।

अनुसूची

जालंधर रोड बटाला में स्थित एक विलिंग नं०
208181 का 1/2 हिस्सा जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी,
बटाला के सेलजीड नं० 2935 दिनांक 2-7-80 में दर्ज है ।

आनन्द सिंह
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, अमृतसर

तारीख : 9-3-1981

मोहर :

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 9 मार्च, 1981

निदेश सं० एसएआर/80-81/492—अतः मुझे, आनन्द
सिंह
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-
घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विवास करने का कारण
है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु. से अधिक है

और जिसकी सं० एक बिल्डिंग है तथा जो में स्थित है (और
इससे उपावद्ध अनेकों में पूर्ण रूप से बोणत है, रजिस्ट्री,
कर्ता अधिकारी के कार्यालय, बटाला में रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख
अगस्त, 1980

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के उद्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विवास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके उद्यमान प्रतिफल से, ऐसे उद्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितायों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कीथत नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हृङ्क कियी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
की बाबत या उससे बचने में सुविधा के लिए;
जौर/या

(घ) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना आहिए था छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अन्तरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) पाठ्री सी० एल० प्रशाद पुत्र पाठ्री एस०
प्रसाद, वासी अनारकली रोड, बटाला।
(अन्तरक)

(2) डा० इकबाल दर्द युक्ता पत्नी बलबीर सिंह पुत्र
वासदेव सिंह वासी बटाला राही बलबीर सिंह
(अन्तरिती)

(3) जैसा कि नं० 2 और कोई किराएदार।
(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में
संपत्ति है)

(4) और कोई ।
(वह व्यक्ति, जिनके बारे में
अधोहस्ताक्षरी जानता है कि
वह संपत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहीयां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बावर में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टोकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

आनन्द सिंह

1/2 भाग बिल्डिंग खसरा नं० 2080-81 जालन्धर रोड,
बटाला में (रुक्का 2 कनाल 6 मरला) जैसा कि सेल ऑफ
नं० 3252 दिनांक 8-8-1980 रजिस्ट्री अधिकारी, बटाला
में दर्ज है।

आनन्द सिंह
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, अमृतसर

तारीख : 9-3-1981

मोहर :

प्रस्तुत आई., टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 11 मार्च 1981

निवेश सं० एएस आर/80-81/493—अतः मुझे, आनन्द
सिंह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी मं० एक खोला है तथा जो में स्थित है (और
इससे उपाबद्ध अनुसूची में प्रौर्प पूर्ण रूप से वर्णित है),
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अमृतसर में रजिस्ट्री-
करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,
जुलाई, 1980

को पूर्वान्तर सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूले यह विश्वास करने
का कारण है कि दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कीथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हृहै किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर दने के अन्तरक के वायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए ;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण
में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ को उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) सरदार बलजीत सिंह पुत्र बलवंत सिंह, आसी
कटरा थेर सिंह अमृतसर।

(अन्तरक)

(2) सरदार गुरमुख सिंह पुत्र बलवंत सिंह, आसी
प्लाट नं० 19, कटरा थेर सिंह, अमृतसर।

(अन्तरिती)

(3) जैसा कि सं० नं० 2 और किराएदार यदि कोई
हो।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में
संपत्ति है)

(4) और कोई।

(वह व्यक्ति, जिनके बारे में
अधोदृष्टाभारी जानता है कि
वह संपत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना आरी करके पूर्वान्तर सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियाँ करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तस्वीरी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वान्तर
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोदृष्टाभारी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

कटरा थेर सिंह, अमृतसर में स्थित एक खोला, जैसा
कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, अमृतसर के सेल ड्वाइल नं० 1330
दिनांक 28-7-1980 में दर्ज है।

आनन्द सिंह
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, अमृतसर

तारीख : 11-3-1981

मोहर :

प्रह्लप आई० ई० एव० सूच०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा
269-ग(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 11 मार्च, 1981

निवेश सं० ए एस आर/80-81/494—अतः मुझे, आनन्द
सिंह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके उक्त अधिनियम 'उक्त अधिनियम' कहा जाता है), की भारा
269-ग के अधीन संभाल प्राधिकारी को यह विवास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० ईस्ट मोहन नगर में एक प्लाट है तथा
जो में स्थित है (और इससे उपावड़ अमृतसरी में और पूर्ण
रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्स अधिकारी के कार्यालय,
अमृतसर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का
16) के अधीन, तारीख जुलाई, 1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृजे मह विवास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पद्धत
प्रतिशत से प्रधिक है और अन्तरक (अन्तरकी) और अन्तरिती
(अंतरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश से उक्त अन्तरण लिखित
में अस्तंत्रिक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण के हूँड़े किसी आय की वापत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर बने के अन्तरक के वायित्व
में कमी करने या उसके बचने में सुविधा के लिए;
आँड़ा/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तीयों
को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
बनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रवोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था लिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अन्तरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग की उपचारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् —

(1) चेयर मैं इम्प्रूबमेंट स्टूट, अमृतसर।

(अन्तरक)

(2) श्री करम सिंह पुत्र साधु सिंह वासी 256-ए, ईस्ट
मोहन नगर, अमृतसर।

(अन्तरिती)

(3) जैसा कि सं० न० 2 और कोई किराएदार
यदि कोई हो।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में
सम्पत्ति है)।

(4) और कोई।

(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधो-
लिखित जानता है कि वह सम्पत्ति
में हितबद्ध है)।

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के
लिए कार्यवाहीयां करता है।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के उद्देश ये कहें भी आवेदन :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि में सम्पत्ति व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि वर्जन में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोलिखित जानता
प्राप्तियों में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रदूषत क्षब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभ्राष्ट
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अमृतसरी

ईस्ट मोहन नगर, अमृतसर में स्थित एक प्लाट नं०
256-ए, जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी अमृतसर के
सेवा दील नं० 1146/शाई दिनांक 15-7-80 में
रखे हैं।

आनन्द सिंह
संभाल प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, अमृतसर

तारीख : 11-3-1981

मोहर :

प्रालेख नं. ८१० टी० एम० एस०—

आयकर प्रविनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा
269-व (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 13 मार्च 1981

निदेश सं० अमृतसर/४०-८१/४९५—यतः मुझे, आनन्द
सिंह,
आयकर प्रविनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके उत्तरान् 'उत्तर प्रविनियम' कहा गया है), की घारा 269-व
के अधीन प्रथम प्राविकारी को, वह विश्वास करने का कारण
है कि स्थानीय अधिनियम जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रुपय से अधिक है।

और जिसकी सं० एक जायदाद है तथा जो अमृतसर में
स्थित है (और इससे उपाबन्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से
वर्णित है,) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अमृतसर में
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन
तारीख सितम्बर, 1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे वह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के
पश्चात् प्रतिशत से अधिक है और अन्तर (अन्तरको)
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए
तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आब की बाबत, उक्त
प्रविनियम के अधीन बर देने के अन्तरक के
वायित्व में कमी करने या उक्त बरने में सुविधा
के लिए और/या;

(ल) ऐसी किसी आय या किसी छब्बी या अन्य प्राप्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर प्रविनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त प्रविनियम, या
उद्योगकर प्रविनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगनाथं अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, जिसमें
सुविधा के लिए।

प्रत्य, अब, उक्त प्रविनियम की घारा 269-व के अनुत्तरण
में, मैं, उक्त प्रविनियम की घारा 269-व की सफारा (1)
के अधीन निम्नलिखित अधिकारीयों, अर्थात्

(1) श्री प्रंगव सिंह पुत्र बलवन्त सिंह वासी माधोकि
तहसील अजनाला।

(अन्तरक)

(1) श्री हरभजन सिंह पुत्र नन्द सिंह हिस्सेदार कम्म
मैसरी पैन० आर० देलही पंजाब, गुडस कारपोरेशन
बाजार, कारखाना, महां सिंह गेट, अमृतसर।

(अन्तरिती)

(3) जैसा कि सं० 2 और कोई किराएदार।
(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में
सम्पत्ति है)।

(4) और कोई।

(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधो-
हस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति
में हितबद्ध है)।

को वह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अधीन के
लिए काम्पेक्षियों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अधीन के सम्बन्ध में कोई भी घावेप:-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तस्वीरान्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों ने से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी प्रथम व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
प्रविनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उम अध्याय में विद्या
गया है।

अनुसूची

एक जायदाद नं० 1699/1141, 2796/11-41 जो
कि डाकखाना महा सिंह गेट में स्थित है जैसा कि सेल होड
नं० 1849/I दिनांक 12-९-८० को रजिस्ट्रीकर्ता अधि-
कारी अमृतसर में दर्ज है।

आनन्द सिंह
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, अमृतसर।

तारीख: 13-3-1981

मोहर:

प्रश्न पाई-टी-एन-एस—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 13 मार्च 1981

निवेश सं. अमृतसर/80-81/496—यतः, मुझे, आनन्द सिंह

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पांचाल 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है।

और जिसकी सं. एक जायदाद है तथा जो अमृतसर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय अमृतसर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जुलाई, 1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पद्धति प्रतिशत अधिक है और प्रत्यक्ष (अन्तरकों) और प्रस्तरिती (प्रस्तरितियों) के बीच ऐसे प्रन्तरण के लिए, तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से कुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के प्रस्तारक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थे अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

बतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपचारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री अंगद सिंह पुन बलवन्त सिंह, वासी माधोके तहसील, अजनाला।
(अन्तरक)

(2) श्री रतन सिंह पुन नन्द सिंह हिस्सेवार मैसर्ज एन. आर. दिली पजाब गुड्स कारपोरेशन बाजार बकरवाना, महासिंह गेट, अमृतसर।
(अन्तरिती)

(3) जैसा कि ऊपर सं. 2 में यदि और कोई किरायेदार हो तो।
(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है।)

(4) यदि और कोई व्यक्ति इस जायदाद में रुचि रखता हो।
(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधो-हस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है।)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, प्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्थावीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिचायित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक जायदाद जो कि बाजार बकरवाना महासिंह गेट में स्थित है सं. 1699/41, 2788/41 जिसका थेक्सफल 129 वर्ग भीटर है जैसाकि सेल डीड नं. 1339/1 दिनांक 29-7-80 आफ रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, अमृतसर के कार्यालय में दर्ज है।

आनन्द सिंह,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, अमृतसर।
तारीख : 13-3-1981
मोहर :

प्रस्तुप वाइ.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार
कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, अमृतसर
अमृतसर, दिनांक 13 मार्च 1981

निदेश सं० अमृतसर/80-81/497—अतः, मुझे, आनन्द
सिंह, आई० आर० एस०
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ष के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/ रु. से अधिक है

और जिसकी सं० एक प्राप्ती है तथा जो ग्रीन एवेन्यू,
अमृतसर में स्थित है (और इससे उपायद्वारा अनुसूची में और
पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय
अमृतसर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का
16) के अधीन, तारीख जलाई, 1980

को पूर्वांकित सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वांकित संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल के
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकर्ता) और अन्तरिती
(अन्तरितायें) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कठित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हूई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ल) ऐसी किसी आय जो किसी भूत या अन्य आस्तियों
को, जिन्हे भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगान्वय अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ष के, अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ष की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अधिकृत:—

20—26 GI/80

(1) सर्वेश्वरी नरिन्द्र कुमार, कमल कुमार पुत्र हरभजन
लाल, वासी हाथी दरवाजा, अमृतसर।

(अन्तरक)

(2) श्री संजीव कुमार पुत्र किशन चन्द, वासी 302,
ग्रीन एवेन्यू, अमृतसर।

(अन्तरिती)

(3) जैसा कि नं० 2 और किरायेदार यदि कोई
हो।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में
सम्पत्ति हो।)

(4) और कोई।

(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधो-
हस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति
में हितबद्ध है।)

को यह सूचना जारी करके पूर्वांकित सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहीयां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्रोप :--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की वर्तिधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की वर्तिधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त क्षेत्री हो, के भीतर पूर्वांकित
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ल) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

बनस्त्री

ग्रीन एवेन्यू, अमृतसर में 302 नं० प्लाट, जैसा कि
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, अमृतसर के सेल डीड नं० 1228/I
दिनांक 21-7-80 में दर्ज है।

आनन्द सिंह

सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, अमृतसर

तारीख: 13-3-1981

मोहर :

प्रस्तुप बाहर्.टी.एन.एस.—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार
कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, अमृतसर
अमृतसर, दिनांक 13 मार्च 1981

निदेश सं० अमृतसर/80-81/498—यतः, मुझे, आनन्द
सिंह

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सभी प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० एक प्रापटी है तथा जो अमृतसर में स्थित
है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में संग्रहित
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अमृतसर में रजिस्ट्री-
करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,
तारीख अगस्त, 1980

को पूर्खकृत संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के छयमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मैं यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके छयमान प्रतिफल से, ऐसे छयमान प्रतिफल का
पन्नह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरीरकी
अन्तरीरीतयों के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर दने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ल) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगनार्थ अन्तरित दबारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के, अन्तरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अधार्तः:—

(1) श्रीमती सुरजीत कीर पत्नी दियाल सिंह, वासी
मकबूल रोड, अमृतसर।
(अन्तरक)

(2) श्रीमती मनजीत कीर पत्नी श्री मोहन सिंह,
वासी मकान नं० 853, निमक मण्डी, गंगी
कंदारीयां, अमृतसर।
(अस्तरिती)

(3) जैसा कि नं० 2 और किराएदार यदि कोई
हो।
(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में
सम्पत्ति है।)

(4) और कोई।
(वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधो-
हस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति
में हितबद्ध है।)

क्वो यह सूचना जारी करके पूर्खकृत सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यालयियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्खकृत
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ल) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

पूर्खकृतरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

चौक दरबार साहिब, अमृतसर में स्थित एक प्रापटी
नं० 1754 का 1/3 हित्सा जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी
अमृतसर के सेल डीड नं० 1390/I दिनांक 4-8-80 में
दर्ज है।

आनन्द सिंह
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, अमृतसर

तारीख : 13-3-1981

मोहर :

प्रकृष्ट आई. डी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ(1) के अधीन सूचना
भारत सरकार
कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, अमृतसर
अमृतसर, दिनांक 13 मार्च 1981

निवेश सं० अमृतसर/80-81/499—यतः मुझे, आनन्द
सिंह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है
और जिसकी सं० एक प्राप्ती है तथा जो . . . में स्थित
है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय अमृतसर में रजिस्ट्री-
करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,
तारीख जुलाई, 1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्थह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्धरण से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कठिन नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर बने के अन्तरक के वायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या जन्य आस्तियों
को जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्रीमती सुरजीत कौर पत्नी श्री दयाल सिंह,
वासी मकबूल रोड, अमृतसर।

(अन्तरक)

(2) सर्वेश्री महिन्द्र सिंह, हरदीप सिंह पुत्र मोहन सिंह,
वासी निमक मण्डी, अमृतसर।

(अन्तरिती)

(3) जैसा कि सं० नं० 2 और किरायेदार यदि कोई
हो।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में
सम्पत्ति हो)।

(4) और कोई।

(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधो-
हस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति
में हितबद्ध है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहीया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वीकृतरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभ्रष्ट
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विद्या
गया है।

अनुसूची

चौक दरबार साहिब, अमृतसर में स्थित एक प्राप्ती
नं० 1754 का 1/3 हिस्सा जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी
अमृतसर के सेल डीड नं० 1231/I दिनांक 21-7-80 में
दर्ज है।

आनन्द सिंह
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, अमृतसर

तारीख : 13-3-1981

मोहर :

प्रस्तुप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 13 मार्च 1981

निदेश सं० अमृतसर/80-81/500—यतः मुझे, आनन्द
सिंह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० एक प्राप्ती है तथा जो अमृतसर में
स्थित है (और इसे उपाख्य अनुसूची में और पूर्ण रूप
में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय अमृतसर
में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के
अधीन, तारीख अगस्त, 1980

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दूसरमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथोपचारोंका संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दूसरमान प्रतिफल से, ऐसे दूसरमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
अन्तरितियों के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उदादेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हूँ इसकी किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर बने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगनार्थ अन्तरित द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

यतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-व के अनुसरण
में, वै, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ।।।

(1) श्रीमती सुरजीत कौर पत्नी दियाल सिंह, वासी
मकबूल रोड, अमृतसर।

(अन्तरक)

(2) स० मोहन सिंह, पुत्र सरमुख सिंह वासी बाजार
निमक मण्डी, कूचा कन्दरीया, अमृतसर।

(अन्तरिती)

(3) जैसा कि सं० नं० 2 और किरणदार यदि
कोई हो।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में
में सम्पत्ति है)।

(4) और कोई।

(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधो-
हस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति
में हितबद्ध है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यालयों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आवेदन:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा।

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभासित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

मामूली

चौक दरबार साहिब, अमृतसर में स्थित प्राप्ती नं०
1754 का 1/3 हिस्सा जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी
अमृतसर के सेल डीड नं० 1637/I दिनांक 25-5-80 में
दर्ज है।

आनन्द सिंह
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, अमृतसर।

तारीख: 13-3-1981

मोहर:

प्ररूप भाई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा
269-थ (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर शायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 13 मार्च 1981

निदेश सं० अमृतसर/80-81/501—यतः, मुझे, आनन्द
सिंह

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की घारा 269-थ के प्रधीन सत्रम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है।

और जिसकी सं० एक प्रापटी है तथा जो अमृतसर में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता प्राधिकारी के कार्यालय, अमृतसर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन, तारीख जुलाई, 1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिक्रिया के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिक्रिया से, ऐसे दृश्यमान प्रतिक्रिया का पश्चात् प्रतिशत प्रधित है और अन्तरान् (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा यात्रा यात्रा प्रतिशत, निम्नतितिवत उद्देश्य पे उक्त प्रतिशत लिखित में वास्तविक रूप से कषित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से तुर्हि किसी आय की बाबत, उक्त प्रधिनियम के प्रधीन करने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या धनकर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थे अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए,

यतः यद्य, उक्त प्रधिनियम, की घारा 269-ग के प्रनुवरण में, मैं, उक्त प्रधिनियम की घारा 269-थ की उपस्थापा (1) के प्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

(1) श्री अरजन लाल पुन जागीर जिह वासी टंडन नगर बटाला रोड, अमृतसर हाल सीतला मंदर भाई मुर व्यारी की बगीची, अमृतसर।

(अन्तरक)

(2) श्री सतीश कुमार पुन चूनी लाल वासी 363-ईस्ट मोहन नगर, अमृतसर।

(अन्तरिती)

(3) जैसा कि सं० 2 और कोई किराएदार।

(वह व्यक्ति, जिसके प्रधिभोग में सम्पत्ति है)।

(4) और कोई।

(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधो-हस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित कार्यालयों करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्येप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की प्रवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की प्रवधि, जो भी प्रवधि बाल में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टोकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो उक्त प्रधिनियम के प्रथ्याय 20-क में परिभाषित है, वही प्रथ्य होगा, जो उस प्रथ्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक प्रापटी टंडन नगर बटाला रोड, अमृतसर में जैसा कि सेल डीड नं० 3836, दिनांक 15-7-80 रजिस्ट्री प्राधिकारी, अमृतसर में दर्ज है।

आनन्द सिंह
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर शायुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, अमृतसर

तारीख : 13-3-1981

मोहर :

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस०—

आपकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा
269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आपकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 13 मार्च 1981

निदेश सं० अमृतसर/80-81/502—यतः, मुझे, आनन्द
सिंह

आपकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-
ष के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु. से अधिक है।

और जिसकी सं० एक प्राप्ती है तथा जो अमृतसर में स्थित
है (और इससे उपबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय अमृतसर में
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के
अधीन, तारीख जुलाई, 1980

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियाँ) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हरू किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ल) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हे भारतीय आपकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोगनार्थ अन्तरीती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

यतः आप, उक्त अधिनियम, की भारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-ष की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री भेहर सिंह पुत्र नाम सिंह और अजीत सिंह
पुत्र डा० करतार सिंह वासी चौक बाबा सामृह,
अमृतसर।

(अन्तरक)

(2) श्री भरत कुमार पुत्र धनी राम अंदरून सुलतान
बिंड रोड, अमृतसर।

(अन्तरिती)

(3) जैसा कि सं० 2 और कोई किरायेदार।
(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में
सम्पत्ति है)।

(4) और कोई।
(वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधो-
हस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति
में हितबद्ध है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्रोप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्णत
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ल) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

लक्षण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभ्राष्ट
हैं, वहीं अर्थ होंगे जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अमृतसरी

एक प्राप्ती अजीत नगर में जैसा कि सेल डीड नं०
1084/1 दिनांक 9-7-80 रजिस्ट्री अधिकारी, अमृतसर में
दर्ज है।

आनन्द सिंह
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आपकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, अमृतसर

तारीख : 13-3-1981

मोहर :

प्रत्येक प्राइवेट टी० एन० एस०—

ग्रामकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रामकर ग्राम्यकर (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 13 मार्च 1981

निदेश सं० अमृतसर/80-81/503—यतः मुझे आनन्द
सिंह

ग्रामकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-व के अधीन सभी प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु० से अधिक है

और जिसकी सं० एक प्लाट है तथा जो ग्रीन एवेन्यू,
अमृतसर में स्थित है (और इससे उपर्युक्त अनुसूची में
और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकरण अधिकारी के
कार्यालय अमृतसर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन, तारीख जुलाई, 1980 को
पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरिक्ष की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अस्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाथा गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वापत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या प्रन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
घनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-व (1) के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व को उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित अधिकारी, अर्थात्:—

(1) अमृतसर इम्प्रूवमेंट ट्रस्ट, अमृतसर।

(अन्तरक)

(2) श्री हरबन्न मिह पुत्र उधम मिह वामी 115-
ग्रीन एवेन्यू, अमृतसर।

(अन्तरिती)

(3) जैसा कि सं० 2 और कोई किरायेदार।
(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में
सम्पत्ति है)।

(4) और कोई।

(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधो-
हस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति
में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यालयों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आवेदन:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की प्रवधि या तत्सम्बन्धी अधिकारों पर
सूचना की तामील से 30 दिन की प्रवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
अधिकारों में से किसी अधिकता द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य अधिकता द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित रूप से किए जा सकेंगे।

लप्तीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, कहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

एक प्लाट नं० 115 रक्का 597 कर्णगञ्ज ग्रीन एवेन्यू
अमृतसर में जैसा कि सेल डील नं० 1291/I, दिनांक 23-7-80
रजिस्ट्री अधिकारी अमृतसर में दर्ज है।

आनन्द सिंह
सभी प्राधिकारी
सहायक ग्रामकर ग्राम्यकर (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, अमृतसर

तारीख : 13-3-1981

मोहर:

प्रलेप आईटी० एन० एस० -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 13 मार्च 1981

निदेश सं० ८०-अमृतसर/८०-८१/५०४—यतः मुझे, आनन्द
सिंह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-
व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु. से अधिक है।

और जिसकी सं० एक प्लाट है तथा जो अमृतसर में स्थित
है (और इसे उपाबद्ध अनुमूली में और पूर्ण रूप से वर्णित
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अमृतसर में,
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के
अधीन, जुलाई, 1980

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूँहे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पञ्चह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती
(अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ याया गया प्रति-
कल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कठित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हट्टे किसी बाद की धारत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तीयों
को, जिहे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-व के बनासरण
में, यौ, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) श्री सुरजीत सिंह पुत्र प्यारा सिंह वासी लछकरी
तंगल, रांही शंगारा सिंह।

(अन्तरक)

(2) श्रीभरी हरनाम कौर पत्नी अमर सिंह वासी
बाहननी बाला, जिला अमृतसर।

(अन्तरिती)

(3) जैसा कि सं० २ और कोई किरायेदार।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में
सम्पत्ति है)।

(4) और कोई।

(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधो-
हस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति
में हितबद्ध है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहीयां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आवेदन:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर मूल्यना
की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अधिक
बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभ्रान्ति
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अमृतसरी

एक प्लाट रक्वा 264 वर्ग मीटर, बसंत एवेन्यू अमृत-
सर में जैसा कि सेल डीड नं० 1240/1 दिनांक 21-7-80
रजिस्ट्री अधिकारी अमृतसर में दर्ज है।

श्रानन्द सिंह
सक्षम अधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-3, चन्द्रपुरी टैलर रोड, अमृतसर

तारीख: 13-3-1981

मोहर:

प्रलेप भाइ, टी. एन. एस. —————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-प (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 13 मार्च 1981

निवेश सं० 269-प/80-81/505—यतः मुझे, आनन्द
सिंह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-
प के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विषवास करने का कारण
है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु. से अधिक है।

और जिसकी सं० १ एक प्राप्ती है तथा जो अमृतसर में स्थित
है (और इससे उपावड़ा अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित
है), रजिस्ट्रीर्टा अधिकारी के कार्यालय, अमृतसर में रजिस्ट्री
करण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन
जुलाई 1980

को पूर्वांकत संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विषवास करने
का कारण है कि यथापूर्वांकत सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अस्तरक (अन्तरक) और अन्तरित
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाठा गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित
में वास्तविक रूप से कठिन नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हृदृष्टि किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ब) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिस्हे भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रभावजनार्थ अन्तरिती इवारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में
सुविधा के लिए;

यतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-प के अन्तरण
में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-प की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

21—26GI/81

(1) श्री दिवान सिंह पुत्र अतर सिंह वासी चौक
करोड़ी रान सर रोड़ गली हीरा चौधरी अमृतसर
(अन्तरक

(2) मान कौर पत्नी शरन सिंह वासी 184—बाबा
दीप सिंह कालोनी, अमृतसर।

(अन्तरिती)

(3) जैसा कि सं० २ और कोई किरायेदार।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में
सम्पत्ति है)।

(4) और कोई।

(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधो-
हस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति
में हितबूझ है)।

को यह सूचना आरी करके पूर्वांकत सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षणः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वांकत
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-
बूझ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वाक्षरीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

मनूसूची

एक घर कोट बाबा दीप सिंह कालोनी में जैसा कि
सेल डीड नं० 1233 दिनांक 21-7-80 रजिस्ट्री अधिकारी
अमृतसर में रखा है।

आनन्द सिंह

सक्षम अधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज-3 चन्द्रपुरी टेलर रोड अमृतसर

तारीख: 13-3-81

मोहर:

प्रस्तुप आई.टी.एन.एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) को अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 13 मार्च 1981

निदेश सं० अमृतसर/80-81/506—यतः मुझे, आनन्द
सिंह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० एक प्लाट है तथा जो अमृतसर में स्थित
है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय अमृतसर में रजिस्ट्री-
करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,
जुलाई, 1980

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती
(अन्तरिरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उद्वत अन्तरण नियिन में वार्तादिक
रूप से कथित भहों किया गया है—

(क) अन्तरण से हृह किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कभी करने या उगम में बदलाव
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आरितयों
को जिन्हे भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 या १०
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

यतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसारण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री नरिन्दर कुमार, अर्जन कुमार, सुरिन्दर कुमार,
गोहिन्दर कुमार, वरिन्दर कुमार पुत्र रूप लाल,
बासो माडल टाउन, जी० टी० रोड, अमृतसर।
(अन्तरिती)

(2) श्रोमंती राज रानी पत्नी शिव कुमार कृष्णा
स्कौयर, शिवाला रोड, अमृतसर।
(अन्तरिती)

(3) जैसा कि नं० में और किरायेदार और कोई।
(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में
सम्पत्ति है)।

(4) और कोई।
(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधो-
हस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति
में हितबद्ध है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेपः--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तामिल से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाव में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किती अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टोकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

एक प्लाट रकबा 230 वर्ग मीटर माडल टाउन, अमृत-
सर में जैसा कि रजिस्ट्री न० 1232/1, दिनांक 21-7-80
रजिस्ट्री अधिकारी अमृतसर द्वे कार्यालय में दर्ज है।

आनन्द सिंह
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज-3, अमृतसर

तारीखः 13-3-1981

माहरः

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

(1) इम्प्रूवमेंट ट्रस्ट, अमृतसर।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

(2) मैसर्स फीडम एन्टरप्राइजेज द्वारा अमरीक सिंह
पुब मंगल सिंह वासी 312-ईस्ट मोहन नगर,
अमृतसर।

(अन्तरिती)

भारत सरकार

(3) जैसा कि मं. नं. 2 और किरायेदार और
कोई।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में
सम्पत्ति है)।

(4) और कोई।

(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधो-
हस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति
में हितबद्ध है)।

निःश सं. अमृतसर/80-81/507-यतः भूमि, आनन्द
सिंह

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-व के अधीन सकाम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी मं. एक प्लाट है तथा जो अमृतसर में स्थित
है (और इसमें उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित
है), रजिस्ट्रीकर्ट अधिकारी के कार्यालय, अमृतसर में रजिस्ट्री-
करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,
तारीख जुलाई, 1980

को पूर्वान्तर संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दर्शमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और भूमि यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वान्तर संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दर्शमान प्रतिफल से, ऐसे दर्शमान प्रतिफल का
पन्थ ह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रति-
फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है :—

को यह सूचना जारी करके पूर्वान्तर सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहीयों करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तस्वीरनी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वान्तर
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :——इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभासित
है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विद्या
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की आवत, उक्त
अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

अनुसूची

ए.ट. प्लाट नं. 312 ईस्ट मोहन नगर, अमृतसर में
जैसा कि रजिस्ट्री नं. 1352/I दिनांक 29-7-80
रजिस्ट्री अधिकारी अमृतसर के कार्यालय में दर्ज है।

आनन्द सिंह
सकाम अधिकारी
सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, अमृतसर

तारीख : 13-3-1981

मोहर :

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

प्रस्तुत आई. टी. एन. एस.—
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43), की
भारा 269 व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रजन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 18 मार्च 1981

निदेश सं० अमलोह/51/80-81—अतः मुझे, सुखदेव चन्द्र

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-
व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु. से अधिक है

और जिसकी सं० एक बीघा जायदाद है तथा जो गांव
कुकड़ माजरा, सं० त० अमलोह, जिला पटियाला में स्थित
है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय अमलोह में, रजिस्ट्री-
करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,
तारीख जुलाई, 1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्थमान
प्रतिफल के लिए अस्तीरत की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके स्थमान प्रतिफल से ऐसे हस्यमान प्रतिफल का
पूर्व ह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया
प्रति निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित
में वास्तविक रूप से कीथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुए किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
का लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हे भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् १—

(1) श्री सुरजीत सिंह सुपुत्र श्री राम हृष्ण निवासी
गांव कुकड़ माजरा, मण्डी गोविन्दगढ़, जिला
पटियाला।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती कौशला देवी पत्नी श्री सत प्रकाश
श्रीमती कमलेश रानी पत्नी श्री सुदेश कुमार
श्रीमती सुशीला रानी पत्नी श्री प्रशोक कुमार
वार्ड नं० ३, जी० टी० रोहे, गोविन्दगढ़।

(अन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के
निए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आशेषः—

(स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बहुध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अभाहेस्ताकरी के
पाये लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रथम शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही
अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

मनुसूची

एक विषया जायदाद गांव कुकड़ माजरा में स्थित
है जायदाद जैसा कि रजिस्ट्री कर्ता अधिकारी अमलोह के
कार्यालय के विलेख सं० नं० ९२४, जुलाई, 1980 में
दर्ज है।

सुखदेव चन्द्र
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
ग्रजन रेंज, लुधियाना

तारीख: 18 मार्च, 1981

मोहर:

प्रकल्प आई०टी०एन०एस०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 18 मार्च 1981

निवेश सं० पटियाला/50/80-81—ग्रहण: मुझे, मुख्यदब्ब
चन्द्र

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसको पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ष
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विष्वास करने का कारण है
कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000 रु.
से अधिक है।

और जिसकी सं० जायदाद 9 कनाल 13 मरले हैं तथा जो
गांव क्षिति, पटियाला में स्थित है (और इससे उपावड़ अनु-
सूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकरण अधिकारी
के कार्यालय, पटियाला में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन, तारीख अगस्त, 1980
को पूर्वान्तर सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल को लिए अन्तरित की गई है और मैंने यह विवरण
करने का कारण है कि यशपूर्वक संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तभ पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से किभी नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हूँ द किसी जाय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वारित्य
में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ब) ऐसी किसी जाय या किसी धन या अन्य आस्तियों
के, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना आवश्यक था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

बताऊ अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ष के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ष की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् हैं:—

(1) श्री जीम सिंह सुपुत्र श्री नरामण सिंह, निवासी
सील, तहसील पटियाला।

(अन्तरक)

(2) श्री हरिदयाल सिंह सुपुत्र स० प्रताप सिंह निवासी
सील तहसील पटियाला।

को यह सूचना जारी करके पूर्वान्तर सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहीया करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आवेदन:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अद्यत-
नाव में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वान्तर
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हिस्से-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोल्लासी के
पास लिखित में किए जा सकते।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभासित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

ममूसूची

जायदाद 9 कनाल 13 मरले क्षिति तहसील पटियाला
में स्थित है।

(जायदाद जैसा कि रजिस्ट्री कर्ता अधिकारी पटियाला
के कार्यालय के विलेख सं० नं० 3732, अगस्त, 1980 में
दर्ज है।)

मुख्यवेद चन्द्र
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, लुधियाना

तारीख: 18 मार्च, 1981

मोहर:

प्रस्तुत घार्डॉटी० एन० एस०—

मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक मायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 18 मार्च 1981

निवेश सं० पटियाला/45/80-81—प्रत: मुझे सुखदेव
चन्द

मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब
के अधीन सकार प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि
स्वावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये
से अधिक है।

और जिसकी सं० जायदाद 13 कनाल 4 मरले हैं तथा जो
भील जिला पटियाला में स्थित है (और इससे उपावड़
अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकरण अधिकारी के
कार्यालय, पटियाला में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,
1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जुलाई,
1980 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल
के लिए अन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है
कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान
प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का फन्दह प्रतिशत अधिक है
और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों)
के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं
किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी ग्राम की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ब) एसी किसी ग्राम या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनाथ
अन्तरिती ब्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

प्रत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण में,
मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपचारा (1) के अधीन,
निम्नलिखित अवित्याओं, अवतु:—

(1) श्री नरिन्द्र सिंह सुपुत्र श्री दरबारा सिंह निवासी
50-ए सरामा नगर लुधियाना मुख्यारे आम श्री
दविन्द्र सिंह सुपुत्र दरबारा सिंह निवासी 524
सेक्टर 8 बी, चण्डीगढ़।

(अन्तरिती)

2. श्री हरदियाल सिंह सुपुत्र श्री प्रताप सिंह निवासी
भील, जिला पटियाला।

(अन्तरिती)

कौं पह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रजेंत के लिए
कार्यालयों मुक्त करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के प्रजेंत के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशित की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में
से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशित की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्वावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा अबोहस्ताक्षरी के पास लिखित में
किये जा सकेंगे।

हप्तीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम के अधार पर 30-ए में उत्थापित हैं, वही
अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जायदाद 13 कनाल 4 मरले भील पटियाला में स्थित
है।

(जायदाद जैसा कि रजिस्ट्री कर्ता अधिकारी पटियाला
के कार्यालय के विलेख सं० नं० 3177 जुलाई 1977 में
दर्ज है।)

सुखदेव चन्द
सकार प्राधिकारी
महायकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, लुधियाना

तारीख: 18 मार्च 1981

मोहर:

प्रस्तुति आई.टी.एन.एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
भारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, नुदियाना

लुधियाना, दिनांक 18 मार्च 1981

निदेश सं० अमलोह/57/80-81—अतः मुख्य सुखदेव
चन्द

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम कहा गया है'), की भारा
269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० जा० २ बीघे है तथा जो गांव कुकड़
माझरा सं० त० अमलोह जिला पटियाला में स्थित है (अर्थः
इससे उपावद अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),
रजिस्ट्रेक्टर अधिकारी के कार्यालय, अमलोह में, रजिस्ट्र-
करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,
तारीख जुलाई, 1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य के कम के रूपमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और भूमि के यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके रूपमान प्रतिफल से, एसे रूपमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कठित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हृदृ किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर दने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तवियों
को, जिन्हे भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-व के, अनुसरण
में, भूमि, उक्त अधिनियम की भारा 269-व की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अधिस्ति :—

(1) श्री रमेश सिंह सुपुत्र श्री अमर सिंह सुपुत्र
श्री करतार सिंह निवासी गांव कुकड़ माझरा
सं० त० अमलोह, जिला पटियाला।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती चन्द्र मोहिनी भाटिया पत्नी श्री सुरिंद्र
कुमार निवासी बाईं नं० 11 मण्डि गोविंद गढ़
मार्फत दीवान घन्द, धनपत राय।

(अन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहीया करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आशेष :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वाक्षरीकरण :—इसमें प्रबुक्त दब्बों और पत्तों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिवर्तित
हैं, वही वर्ध होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

मनुष्यों

2 बोधे जायदाद कुकड़ माझरा सं० तहसील अमलोह
में स्थित हैं।

(जायदाद जैसा कि रजिस्ट्री कर्ता अधिकारी अमलोह
के कार्यालय के विलेय सं० नं० 983 जुलाई 1980 में
दर्ज है।

मुख्य सुखदेव चन्द

सक्षम प्राधिकारी

महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लुधियाना

तारीख : 18 मार्च 1981

मोहर :

प्रख्य आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज लूधियाना

लूधियाना, दिनांक 18 मार्च 1981

निवेश सं० अमलोह/59/80-81—अतः मुझे सुखदेव
चन्द

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-व (1) के अधीन सकाम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है
और जिसकी सं० जायदाद 2 अधिक है तथा जो कुकड़ माजरा,
सं० सं० अमलोह, जिला पटियाला में स्थित है (और
इससे उपादान अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अमलोह में, रजिस्ट्री-
करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,
तारीख जुलाई, 1980 को
कर्ते पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके इश्यमान प्रतिफल से, ऐसे इश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अंतरीतायों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्त-
विक रूप से कठित नहीं किया गया है।—

(1) श्री बोदारा सिंह मुपुत्र सं० अमर सिंह निवासी
गांव कुकड़ माजरा सं० त० अमलोह जिला
पटियाला।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती उषा भाटिया पत्नी श्री बीरेन्द्र भाटिया
निवासी मण्डी गोविन्द गढ़, जिला पटियाला
मार्फत भाटिया स्टील ट्रेनिंग कें०।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अवैन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अवैन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्येष :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तामिल से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा :

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हिस्त-
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताकारी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के कार्यत्व में
कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिये;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-व के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों वर्णतः ।—

अनुसूची

2 बीघे जगह गांव कुकड़ माजरा में 'स्थित है।
(जायदाद जैसा कि रजिस्ट्री कर्ता अधिकारी अमलोह के
कार्यालय के विलेख सं० 1058 जुलाई, 1980 में दर्ज
है।)

सुखदेव चन्द
सकाम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, लूधियाना।

तारीख: 18-3-1981

मोहर:

प्रस्तुप छाई० टी० एन० इस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा
269-ग (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 18 मार्च 1981

निदेश सं० लुधियाना/120/80-81—अतः मुझे सुखदेव
चन्द

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-ग के
प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि
स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- द० से
अधिक है

और जिसको सं० रिहायशी जायदाद बी-XX-25-2/बी है
तथा जो घुमार मण्डी चौक लुधियाना में स्थित है
(और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, लुधियाना में,
रजिस्ट्रोकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन
तारीख जुलाई, 1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का
कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके
दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पश्चह प्रतिशत
से प्रधिक है और प्रस्तरक (पन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तथ पाया गया
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
दास्ताविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से तुझे किसी आय की बावजूद, उक्त सम्पत्ति के प्रधीन करने के अन्तरक के
वायिक में कभी करने या उसमें बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसो किसी आय या किसी धन या अन्य अस्तियों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या छन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोगनार्थे प्रस्तरित द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने
में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की भारा 269-ग के अनुसरण
में, भी, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग की उपभारा (11)
के प्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अधिकारी :—

22—26GI/81

(1) श्री जगतार सिंह सुपुत्र श्री विशन सिंह मार्फत
श्री भगवान सिंह सुपुत्र श्री मल सिंह मार्फत
मै० संगल्हर, जनरल फाइनेन्स कं०, पटियाला जेट
संगल्हर।

(अन्तरक)

(2) श्री इन्द्रजीत सिंह सुपुत्र श्री गुरबख्ला सिंह मार्फत
गिल ढावा म० न० बी-एक्स-275, घुमार
मण्डी चौक लुधियाना।

(अन्तरिती)

(3) श्री एच० एम० नागी, श्री प्यारे लाल और श्री
निकू राम जैशी सभी निवासी म० न० बी-
एक्स एक्स-275 घुमार मण्डी, चौक सुधियाना।

(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में
सम्पत्ति है।)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहिया शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के प्रधन के संबंध में कोई भी व्याकोप ।—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की प्रवधि या तरसंबंधी व्यक्तियों पर सूचना की
तारीख से 30 दिन की प्रवधि, जो भी प्रवधि वाल में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी
व्यक्ति द्वारा; या

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध
किसी प्रथम व्यक्ति द्वारा प्रधोष्टस्ताक्षारी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे।

दृष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त प्रधि-
नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही
अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मकान न० बी-एक्स-275 घुमार मण्डी चौक में
स्थित है।

(जायदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी सुधियाना
के कार्यालय के विलेख सं० न० 2170 जुलाई, 1980 में
दर्ज है।)

सुखदेव चन्द

सक्षम प्राधिकारी

महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, सुधियाना

तारीख : 18-3-1981

मोहर :

प्रस्तुप आर्द्ध. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ष(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 18 मार्च 1981

निदेश सं० अण्डीगढ़/127/80-81—यतः मुझे सुखदेव

चन्द

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम कहा गया है'), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विवास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० एस० सी० एफ० नं० 36 है तथा जो सैकटर 8-बी, चण्डीगढ़ में स्थित है (प्रौढ़ इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्ता है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय अण्डीगढ़ में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1903 (1908 का 16) के अधीन तारीख जुलाई 1980 को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विवास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एस० एस० विवास करने का कारण है और अन्तरक (अन्तरक) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

(क) अन्तरण से हृइ किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दने के अन्तरक के दायित्व में करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्यावारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ष की उपधारा (1) के अधीन मिम्नलिखित व्यक्तियों अधिकारी :--

(1) लै० दिलराज शिंह सुपूत्र खा० ईश्वर हिंदुनिकासी 69, सैकटर 8 अण्डीगढ़।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती गीता मेहरा आर्फत मै० मोहन लाल एण्ड क०, अम्बाला कैण्ट।

(अन्तरिती)

करे यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहीयों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में क्वार्ट भी आक्षेप :--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवृष्टि किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताकरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :-- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विद्या गया है।

अनुसूची

एस० सी० एफ० नं० 36 सैकटर 8 अण्डीगढ़।

(जायदाद जैसा कि रजिस्ट्री कर्ता अधिकारी अण्डीगढ़ के कार्यालय के विलेख सं० नं० 692 जुलाई, 1980 में दर्ज है।

सुखदेव चन्द
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, लुधियाना

तारीख : 18 मार्च, 1981

मोहर :

प्रस्तुत आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 18 मार्च 1981

निकेश सं० खन्ना/24/80-81—यतः मुझे सुखदेव चन्द्र
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ष
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० जायदाद 8-1/2 मरले हैं तथा जो खन्ना,
जिला लुधियाना में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची
में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ट अधिकारी के
कार्यालय खन्ना में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908
का 16) के अधीन, तारीख जुलाई, 1980 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पञ्चाह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया
गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित म
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायिल्ड में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तियों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
घनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगनालय अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने
में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण
में, भौं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ष की उपभारा (1).
के अधीन निम्नलिखित अधिकारी अर्थात्—

(1) श्री प्रह्लाद सिंह सुपुत्र श्री उत्तम सिंह निवासी
समराला रोड खन्ना।

(अन्तरक)

(2) श्री राजेन्द्र सिंह सुपुत्र श्री जगीर सिंह निवासी
गांव शाहपुर, स० त० अमलोह जिला पटियाला।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रर्बन के लिए
कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्बन के सम्बन्ध में कोई भी भाषेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी अविक्षियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि द्वारा में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
अविक्षियों में से किसी अविक्षिय का;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य अविक्षिय द्वारा अवोद्धस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्थावीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों ना, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही
प्रयोग होंगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

मनुसूची

जायदाद 8-1/2 मरले खन्ना में स्थित है।

(जायदाद जैसा कि रजिस्ट्री कर्ता अधिकारी खन्ना के
कार्यालय के विलेख सं० नं० 988 जुलाई 1980 में दर्ज
है।)

सुखदेव चन्द्र
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, लुधियाना

तारीख : 18-3-1981

मोहर :

प्रकृष्ट प्राईंटी० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ए (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज; लुधियाना

लुधियाना दिनांक 18 मार्च, 1981

निवेश सं० चण्डीगढ़/112/80-81—आयत: मुझे सुखदेव
चन्द

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ए
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि
स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये
से अधिक है

और जिसकी सं० रिहायशी प्लाट नं० 404 है तथा जो
सेक्टर 32-ए, चण्डीगढ़ में स्थित है (और इससे उपावड़
अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के
कार्यालय चण्डीगढ़ में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,
1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जुलाई, 1980
के पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रति-
फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कठित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों को
जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922
का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनाथ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया
जाना चाहिए या, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए के अनुसरण में,
मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए की उपधारा (1) के अधीन,
निम्नलिखित व्यक्तियों, घोषित:—

(1) श्रीमती सुहाग वन्ती पर्णी सं० अमरीक सिंह
गांव व डाकखाना काण्डला, जिला मोहन नगर,
उत्तर प्रदेश।

(अन्तरक)

(2) श्री सिद्ध प्रकाश सुपुत्र श्री शादी राम गांव व
डाकखाना बौलत सिंह वाला जिला रोपड़।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यालयों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी व्याप्ति:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तरस्वन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में
से किसी अद्वितीया;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्धि किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में
किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:— इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही
प्रयोग होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

रिहायशी प्लाट नं० 404; सेक्टर 32-ए चण्डीगढ़।
(जायदाद जैसा कि रजिस्ट्री कर्ता अधिकारी, चण्डीगढ़ के कार्यालय के लिए सं० नं० 639 जुलाई, 1980 में
दर्ज है।

सुखदेव चन्द
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, लुधियाना
तारीख: 18 मार्च, 1981
मोहर:

प्रूफ आई. ट्री. एन. एस.—

(1) श्री शिव नारायण तिवारी,
पुत्र श्री बदरी नाथ तिवारी,
अकाउन्टेन्ट सेन्ट्रल बैंक, हांसी।

(अन्तरक)

(2) श्री एस० सी० चोपड़ा पुत्र श्री जे० फी० चोपड़ा,
522-मार, मौडल टाउन, यमुना नगर।

(अन्तरिक्षी)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, रोहतक

रोहतक, दिनांक 17 मार्च, 1981

निदेश सं० जगाधरी/16/80-81—अतः मुझे गो० सि०
गोपाल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-
ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु. से अधिक है

और जिसकी सं० मकान नं० 522 आर/2, यमुना नगर,
मौडल टाउन है तथा जो यमुना नगर में स्थित है (और
इससे उपावरु अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जगाधरी में, रजिस्ट्री-
करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,
तारीख जुलाई, 1980

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दूसरामान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूर्ख यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दूसरामान प्रतिफल से, ऐसे दूसरामान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों)
(अन्तरिक्षीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उल्लेख से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कीर्तित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हटा किसी भाव की बावत उक्त संपत्ति के
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
बीतु/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या आस्तियों
को, जिहे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोगनार्थ अन्तरिक्षी द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अन्तरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ख की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अधीतः:—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकें।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विभा-
ग्या है।

मृगनाली

सम्पत्ति मकान नं० 522-मार/2, मौडल टाउन, यमुना नगर
में स्थित है जिसका अधिक विवरण रजिस्ट्रीकर्ता के कार्यालय,
जगाधरी में रजिस्ट्री संख्या 2254 दिनांक 8-7-1980 पर
दिया है।

गो० सी० गोपाल
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, घण्टीगढ़

तारीख: 17-3-1981

मोहर :

प्रकृष्ट प्राई. टी. एन. एस.—

प्रायकर अधिनियम, १९६१ (१९६१ का ४३) की भारा
२६९-ग (१) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक प्रायकर भाष्यक (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, रोहतक

रोहतक, दिनांक १७ मार्च, १९८१

निदेश सं० जगाधरी/१३/८०-८१//—अतः मुझे, गो०
सि० गोपाल

प्रायकर अधिनियम, १९६१ (१९६१ का ४३) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा
२६९-ग के अधीन सभी प्राविकारी को, यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित
बाजार मूल्य २५,०००/- रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० मकान एम० नं० सी० जे०/१-५९०, मुकर्जी
पार्क, है तथा जो जगाधरी में स्थित है (और इससे उपावन्द
अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, १९०८
(१९०८ का १६) के अधीन, जुलाई, १९८०

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के
दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह
विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का
उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे
दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और
अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच
ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित
किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी बाबू की बाबत, उक्त
अधिनियम से अधीन कर दिने के अन्तरक से
दायित्व में कियी करने या उससे बचाने में सुविधा
का निपट; छाड़ि/वा

(ब) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तीयों
को, जिन्हें भारतीय आवासकर अधिनियम, १९२२
(१९२२ का ११) या उक्त अधिनियम, या
घनकर अधिनियम, १९५७ (१९५७ का २७)
के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः जब, उक्त अधिनियम की भारा २६९-ग के, अनुसूचण
में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा २६९-ग की उपधारा (१)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्—

(१) श्री गुरनदिस्ती पत्नी श्री चुक्की लाल मकान
नं० ५९० मुकर्जी पार्क, जगाधरी। अब निवासी
मोहल्ला कोटगढ़-२०, मुरादाबाद (उ० प्र०)।
(अन्तरक)

(२) श्री लभरिह पुन्न बग्नु सिंह निवासी मकान नं०
१५३०, गोमती मोहल्ला, जगाधरी।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित के
लिए कार्यवाहियाँ करता है।

उक्त सम्पत्ति के उचित में कोई भी वास्तव—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
४५ दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से ३० दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
४५ दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताकारी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय २०-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति मकान नं० एम० सी० जे०/१-५९०, मुकर्जी
पार्क, जगाधरी में है जिसका अधिक विवरण रजिस्ट्रीकर्ता के
कार्यालय, जगाधरी में रजिस्ट्री सं० २१९५ दिनांक ५-७-८०
पर दिया है।

गो० सी० गोपाल
सक्षम प्राविकारी
सहायक प्रायकर भाष्यक (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, चम्पागढ़

तारीख : १७-३-१९८१

मोहर :

प्रस्तुत आई.टी.एन.एस.-----

आधिकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
भारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आधिकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, रोहतक

रोहतक, दिनांक 17 मार्च 1981

निदेश सं० जगाधरी/80-81/18—अतः मुझे, गो० सौ०
गोपाल

आधिकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
उसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

ग्रामीणकारी सं० मकान नं० 444-आर०, माडल टाउन, है
तथा जो यमुना नगर में स्थित है (ग्रामीणकारी सं० मूल्य
प्रनुसारी में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी
के कार्यालय, जगाधरी में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन, तारीख जुलाई 1980
को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्नह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित भौं वास्तविक
रूप से कठित नहीं किया गया है:--

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(घ) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हे भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना आविहए था, लियते में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के, अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-घ की उपभारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अधिसः—

(1) श्रीमती परमेश्वरी देवी ओबराय पत्नी श्री हंसराज
निवासी सोलन अब 444/आर० माडल टाउन,
यमुना नगर।

(अन्तरक)

(2) श्री प्राणनाथ बाली पुत्र श्री धनपत राय बाली,
निवासी 401-आर०, माडल टाउन, यमुना
नगर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आकेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, और भी अवधि द्वारा
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
दद किसी अन्य व्यक्ति द्वारा प्रधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो उक्त अधि-
नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है,
वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

प्रनुसारी

सम्पत्ति मकान नं० 444/आर०, माडल टाउन, यमुना
नगर, में स्थित है जिसका अधिक विवरण रजिस्ट्रीकर्ता के
कार्यालय, जगाधरी में रजिस्ट्री सं० 23/8, दिनांक 11-7-80
पर दिया गया है।

गो० सो० गोपाल
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, रोहतक

तारीख: 17-3-81

मोहर :

प्रस्तुति आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, रोहतक

रोहतक, दिनांक 17 मार्च, 1981

निदेश सं० आयेसवर/12/80-81—अतः मुझे, गो० सी० गोपाल

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० प्लाट नं० 79-80, दारा केनाल है तथा जो यानेसर में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रेकर्टा अधिकारी के कार्यालय, यानेसर में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जुलाई, 1980

को पूर्णोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दूर्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापर्वत्ति संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दूर्यमान प्रतिफल से, ऐसे दूर्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों और अन्तरिती अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कठित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हूँ दिसी आय की बावत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दने के अन्तरक के बायत्त में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) देसी किसी आय या किसी भन या अन्य अधिस्तियों का, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ अन्तरित बाजार प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, भौं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

- (1) श्री सतपाल रत्न पुत्र के बल राम निवासी खाली।
(अन्तरक)
(2) श्री सुवर्णन कुमार पुत्र श्री चौ० रणसिंह पुत्र जयलाल निवासी सेक्टर 13, हाउसिंग बोर्ड कालोनी, कुरुक्षेत्र।
(अन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्णोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहीयां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आवेदन:—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि पर तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्णोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध विस्तीर्ण अन्य व्यक्ति द्वारा अधारसाक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

गोपाल

सम्पत्ति भूमि 400 वर्ग गज, प्लाट नं० 79-80 दारा कलां, यानेसर में स्थित है जिसका अधिक विवरण रजिस्ट्रीकर्टा के कार्यालय, यानेसर में रजिस्ट्री संख्या 2497, दिनांक 16-7-80 पर दिया गया है।

गो० सी० गोपाल
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, रोहतक

तारीख : 17-3-1981

मोहर :

प्ररूप जाइं. डी. एन. एस.—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, रोहतक

रोहतक, दिनांक 17 मार्च, 1981

निदेश सं० करनाल/45/80-81—अतः मुझे, गो० सी० गोपाल

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विष्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० मकान नं० बी-250, बकीलपुरा, करनाल है तथा जो करनाल में स्थित है (और इसमें उगम्भ अनुसूची में और पुर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-कर्ता अधिकारी के कार्यालय, करनाल में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जुलाई, 1980

का पूर्वावृत्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विष्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एंसं दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उच्चवेष्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/वा

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों के, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

23-26 GI/81

(1) श्री मुहा सिंह पुत्र इन्द्र सिंह निवासी बी-50 (पी), करनाल।

(अन्तरण)

(2) श्री गुरचरन सिंह पुत्र श्री बूटा सिंह निवासी गांव-डकदाना रतोली, तहसील जगाधरी।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वावृत्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहीया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वावृत्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हिस्से बद्ध किमी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षर के पास लिखित में किए जा सकें।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, और उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

मम सूची

सम्पत्ति मकान सं० बी-250, बकीलपुरा, करनाल में स्थित है जिसका अधिक विवरण रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, करनाल में रजिस्ट्री मंड्या 2573 दिनांक 29-7-1981 पर दिया है।

गो० सी० गोपाल
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, रोहतक

तारीख : 17-3-1981

मोहर :

प्रस्तुप आई० टौ० एन० एस० —————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा
269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, रोहतक

रोहतक, दिनांक 18 मार्च, 1981

निदेश सं० रेवाड़ी/23/80-81—अतः मुझे गो० सि०
गोपाल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भाग 269-
ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विष्वास करने का कारण
है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु. से अधिक है

और जिसकी सं० भूमि 58 कनाल 1 मरला है तथा जो
गांव जोनियावास में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची
में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के
कायलिय, रेवाड़ी में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908
का 16) के अधीन, तारीख जुलाई, 1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूल्य यह विष्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्धरण से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप में कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हृहै किसी आय की बावत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हैं भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अहः अब, उक्त अधिनियम, की भारा 269-ग के अनुसूचण
में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग को उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

(1) सर्वश्री शेर सिंह, लाल सिंह पुत्र श्री धनी राम,
निवासी जोनियावास।

(अन्तरक)

(2) फर्म ओम स्टील ट्र्यूब लिमिटेड मार्फत श्री हरी
किशन गुप्ता पुत्र श्री ओम प्रकाश मैनेजिंग
डाइरेक्टर, नार्थ ईस्ट एवेन्यू, पंजाबी बाग, नई
दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहीयां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बद्धी अवधियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

उद्धोकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभासित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अमृसूची

सम्पत्ति भूमि 58 कनाल 1 मरला निकट गांव जोनि-
यावास त० रेवाड़ी में स्थित है जिसका अधिक विवरण
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कायलिय रेवाड़ी में रजिस्ट्री संख्या
1496 दिनांक 26-7-1980 पर दिया गया है।

गो० सि० गोपाल
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, रोहतक

तारीख: 18-3-1981

मोहर:

प्रखण्ड घाँट ८० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, रोहतक

रोहतक, दिनांक 23 मार्च, 1981

निदेश सं० जगाधरी/21/80-81—प्रतः, मुझे गो० सि०
गोपाल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ष
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० मकान नं० 350 है तथा जो जगाधरी
में स्थित है (और इससे उपावर्द्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप
से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जगाधरी
में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के अधीन, तारीख जुलाई, 1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया
गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में
कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
ओर/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने
में सुविधा के लिए।

प्रतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ष की उपधारा (1) के
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रर्थतः:—

(1) सर्वश्री वीरेन्द्र कुमार, अनिल कुमार, श्री
भूपिन्दर कुमार पुत्र श्री पिरथी नाथ निवासी
जगाधरी।

(अन्तरक)

(2) 1. श्री विपिन कुमार पुत्र श्री राजेश्वर कुमार
2. श्री अखिल कुमार, कपिल कुमार सर्व पुत्र श्री वृज
भूपण, मकान नं० 350, जगाधरी।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहिनी करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आवेदन:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तक्षसम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

संज्ञोहरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों ता, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20 के परिभाषित हैं, वही
अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति मकान नं० 350 जगाधरी में स्थित है जिसका
अधिक विवरण रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जगाधरी
में रजिस्ट्री संख्या 2430 दिनांक 17-7-80 पर दिया
है।

गो० सि० गोपाल,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, रोहतक

तारीख: 23-3-1981

मोहर:

प्रस्तुति आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
शारा 269-ष (1) के प्रधीन सूचना
भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ਅਰਜੰਨ ਰੋਹਤਕ

रोहतक, दिनांक 23 मार्च 1981

निदेश सं० जगाधरी/14/80-81—प्रतः मुझे गो० सि०
गोपाल,

प्रायकर भ्रष्टनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त भ्रष्टनियम' कहा गया है) की धारा 269-ख
के भ्रष्टीन संकाम प्राधिकारी को यह विश्वास करने के कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रुपए से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० प्लाट नं० 10 एवम् 11, शिवाजी पार्क है तथा जो यमुना नगर में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध ग्रन्तिसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जगाधरी में, रजिस्ट्रीकरण अधिकारी 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जलाई, 1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) प्रन्तरण से दूरी किसी धाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के प्रत्यरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; प्रीरण

(क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनात्मक अस्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

को यह सूचना जारी करके पूर्वांकित सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता है।

छत्ते संपत्ति के अर्थात् के सम्बन्ध में कोई भी आवेदनः—

(क) इस सूचना के राखकर में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तस्सम्भवी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपद में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितंबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोदृष्टिकारी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों भौत पदों का, जो उक्त प्रधि-
नियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही
प्रयुक्त होगा जो उस प्रध्याय में दिया गया है।

અનુભૂતિ

सम्पत्ति प्लाट नं० 10 एवम् 11, शिवाजी पार्क, यमुना नगर में स्थित है जिसका अधिक विवरण रजिस्ट्रीकर्ता के कार्यालय जगद्धरी में रजिस्ट्री संख्या 2226 दिनांक 7-7-1980 पर दिया है।

गो० सिं० गोपाल,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, राहतक

तारीख : 23-3-1981

मोहर :

प्रस्तुत प्राईंटी ३० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, रोहतक

रोहतक, दिनांक 28 फरवरी 1981

निदेश सं० पानीपत/30/80-81— अतः मुझे गो० सि० गोपाल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सञ्चय प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्भाति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० दुकान नं० 338, बांड नं० 1, है तथा जो पानीपत में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, पानीपत में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख सितम्बर, 1980

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तब पाया गया प्रतिकूल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और /या

(उ) ऐसो किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ अन्तरित द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या निया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रधाति :—

- (1) 1. श्री राकेश कुमार मुन्जल पुत्र वीर भान बांड नं० 2, मकान नं० 24, पानीपत।
- 2. श्रीमती लाजवत्ती पत्नी वीर भान, मकान नं० 24, पानीपत।
- 3. श्रीमती मुमिना देशी पत्नी जगदीश लाल गोगीयल
- 4. श्रीमती दर्शना पत्नी श्री जगदीश लाल गंग डी-11/2, माडल टाउन, दिल्ली।

(अन्तरक)

- (2) 1. श्री अरुण कुमार पुत्र मोहन लाल
- 2. श्रीमती कृष्णा वन्ती पत्नी मोहन लाल
- 3. श्री मोहन लाल पुत्र मेला राम
- 4. श्री राजेन्द्र कुमार पुत्र मोहना लाल
- 5. श्री राकेश कुमार पुत्र मोहन लाल मकान नं० 142, बांड नं० 3, पानीपत।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वे प्रथम होंगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति दुकान नं० 338 बांड नं० 1 पानीपत में है जिसका अधिक विवरण रजिस्ट्रीकर्ता के कार्यालय पानीपत में रजिस्ट्रीसंख्या 3058 दिनांक 8-9-80 पर दिया है।

गो० सि० गोपाल

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, रोहतक

तारीख : 28-3-1981

मोहर :

प्रकृष्ट प्राईंटी ८० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, रोहतक

रोहतक, दिनांक 28 फरवरी 1981

निदेश सं० डबवाली/9/80-81—आतः मुझे गो० सि० गोपाल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्रम प्राप्तिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० दुकान नं० 101, है तथा जो नयी अनाज मण्डी, डबवाली में स्थित है (और इससे उपावड़ अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, डबवाली में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख सितम्बर, 1980 को पूर्णोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल से फँटह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त प्रतिशत लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या घनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनाथं अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए या छिपाने में सुविधा के लिए;

आतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनु-रूप में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित अवित्यों, अर्थात् :—

(1) श्री इन्वर सिंह पुत्र श्री हनुमान सिंह निवासी गांव व डाकबाना बनी, तहसील सिरसा।
(अन्तरक)

(2) श्रीमती परशनी देवी पत्नी श्री त्रिलोक चन्द्र एवम् श्रीमती निर्मला देवी पत्नी श्री चरन्जी लाल मार्फत फर्म फतेह चन्द शम्भु नाथ, अदला आवाद।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अंतर्गत के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अंतर्गत के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी अवित्यों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त अवित्यों में से किसी अवित्य द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य अवित्य द्वारा, अधीनस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के प्रधान अवधारणा 20 के परिमाणित हैं, वही अर्थ होगा, जो उक्त अध्याय में दिया गया है।

भनुसूची

सम्पत्ति दुकान नं० 101, नई अनाज मण्डी डबवाली में स्थित है जिसका अधिक विवरण रजिस्ट्रीकर्ता के कार्यालय डबवाली में रजिस्ट्री संख्या 2111 दिनांक 15-9-80 पर दिया है।

गो० सि० गोपाल
सक्रम प्राप्तिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, रोहतक

तारीख : 28-2-1981

मोहर :

प्रलेप बाई.टी.एन.एस.-----

(1) श्रीमती प्रेमकुमारी।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ष (1) के अधीन सूचना

(2) श्रीमती अनुराधा चौधरी तथा श्रीमती प्रमिला
श्रीवास्तवा।

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लखनऊ

लखनऊ, दिनांक, 25 मार्च 1981

निदेश सं ० ए-७०/अर्जन—ग्रतः मुझे, अमर सिंह बिसेन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ष के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है और

और जिसकी संख्या 16 है तथा जो राणा प्रताप मार्ग,
लखनऊ में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और
पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,
लखनऊ में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का
16) के अधीन तारीख 10 जुलाई, 1981

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के हृष्यमान
प्रतिफल को लिए अन्तरित की गई है और मूल्य के यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके हृष्यमान प्रतिफल से, ऐसे हृष्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हृष्ये किसी आय की आबता, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ल) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

करे यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यालयों करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में घरें भी जाक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की ताप्रिल से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ल) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवृद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

कोठी नं० 16 (कारपोरेशन नं० 29/7) में से 3400
घर्ग फीट का एक भूमि प्लाट स्थित राना प्रताप मार्ग, लखनऊ
तथा वह तमाम सम्पत्ति जिसका वर्णन सेल औड व फार्म
37-जी संख्या 4368/80 में है और जिसका पंजीकरण सब-
रजिस्ट्रार, लखनऊ के कार्यालय में दिनांक 10-7-1981
को किया जा चुका है।

अमर सिंह बिसेन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आमुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, लखनऊ

ग्रतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ष की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

तारीख : 25-3-1981

मोहर :

UNION PUBLIC SERVICE COMMISSION

New Delhi-110 011, the 16th March 1981

No. A. 12019/3/80-Admn.II.—The Secretary, Union Public Service Commission hereby appoints S/Shri B. Ghosh, S. B. Kodad, A. N. Sarma, permanent Research Assistants (Language) of the office of the Union Public Service Commission to the *ex-cadre* post of Junior Research Officer (Language) in the Commission's office on an *ad-hoc* basis for the period from 19-2-1981 to 4-5-1981, or until further orders, whichever is earlier.

The 23rd March 1981

No. A32014/1/81-Admn.II.—The Secretary, Union Public Service Commission hereby appoints Shri Ram Singh a permanent Research Investigator of the office of Union Public Service Commission to officiate as Junior Research Officer in the office of Union Public Service Commission with effect from 16-3-1981 until further orders. Union Public Service Commission Notification No. A32015/1/80 Admn. II dt 12-1-1981 stands ammended to that extent.

The 24th March 1981

No. A. 31014/1/80-Admn.II.—The Secretary Union Public Service Commission hereby appoints Shri V. R. Mani, a quasi permanent Junior Research Officer (Language) of the Commission's office, presently on deputation on foreign service to the post of Research Officer in the Indian Council of Historical Research, substantively to the post of Junior Research Officer (Language) in the office of Union Public Service Commission with effect from 1-11-1975.

P. S. RANA
Section Officer
for Secy.

Union Public Service Commission

New Delhi-11, the 24th February 1981

No. A.12025/1/78-Admn.I.—In pursuance of the Department of Personnel and Administrative Reforms O.M. No. 9/5/80-CS-II dated 30th January, 1981 read with their O.M. No. 36011/27/79-Estt. (SCT) dated 4-1-80, the President is pleased to appoint the following permanent Personnel Assistants (Grade C of the CSSS) and officiating as Sr. P.A. on *ad-hoc* basis to officiate as Sr. P.A. (Grade B of CSSS) in the same cadre in the office of UPSC with effect from 30-1-81 (FN) until further orders :—

S. No. and Name

1. Shri Hukum Chand
2. Shri K. S. Bhutani

The appointment of S/Shri Hukum Chand and K. S. Bhutani will, however, be subject to the decision in the Civil Writ Petition No. 284 of 1975 pending in the Delhi High Court.

The 9th March 1981

No. A. 32014/1/81-Admn.I.—The President is pleased to appoint the following Selection Grade Personal Assistants/Personal Assistant (Gd. C of CSSS) of the cadre of Union Public Service Commission to officiate as Sr. P. A. (Grade B of CSSS) in the same cadre in a purely provisional, temporary and *ad-hoc* capacity with effect from the dates mentioned below :—

Sl. No.	Name	Period	Remarks
S/Shri			
1. P. P. Sikka	:	1.3.81 to 30-4-81 or until further orders	Against 2 posts created by tem- porarily down- grading posts of Private Sec- retaries.
2. O. P. Deora	}	: :	whichever is earlier.

1	2	3	4
3. H. C. Katoch	.	Do.	Against resul- tant chain va- cancy.
4. T. R. Sharma	.	2-3-81 to 1-5-81 or until further orders whichever is earlier.	Do.
5. Sham Parkash	.	24-2-81 to 23-4-81 or until further orders which- ever is earlier.	Do.

2. The above mentioned persons should note that their appointment as Sr. P.A. (Gd. B of C.S.S.S.) is purely temporary and *ad-hoc* basis and will not confer on them any title for absorption in Grade B of C.S.S.S. or for seniority in that grade.

S. BALACHANDRAN
Dy. Secy.
Union Public Service Commission

New Delhi-11, the 19th March 1981

No. A-32013/3/79-Admn.I.—In continuation of Union Public Service Commission's notification of even number dated 5-1-1981, the President is pleased to appoint Shri M. R. Bhagwat, a permanent Grade I officer of the C.S.S. (of the cadre of the U.P.S.C.), as Deputy Secretary in the office of the Union Public Service Commission, with effect from 24-2-1981, until further orders.

The 26th February 1981

No. A-32013/3/79/Admn.I.—In continuation of Union Public Service Commission's Notification of even number dated 5-1-1981, the President is pleased to appoint Shri B. Das Gupta, a permanent Grade 1 Officer of the CSS Cadre of the Union Public Service Commission, to officiate in the Selection Grade of the CSS as Deputy Secretary in the same office, on an *ad-hoc* basis, for a further period of 3 months with effect from 3-1-1981 to 2-4-1981, or until further orders, whichever is earlier.

The 31st March 1981

No. A.38013/4/80-Admn.III.—The President is pleased to permit Shri R. K. Jasuja a permanent Assistant and officiating Section Officer of the C.S.S. cadre of the Union Public Service Commission, to retire from Government service, or attaining the age of superannuation, with effect from the afternoon of the 31st March, 1981 in terms of Department of Personnel O.M. No. 33/12/73-Ests(A) dated the 24th November, 1973.

No. A.38014/8/80-Admn.III.—The President is pleased to permit Shri P. P. Tewari a permanent Assistant and officiating Section Officer of the C.S.S. cadre of the Union Public Service Commission, to retire from Government service, on attaining the age of superannuation, with effect from the afternoon of the 31st March, 1981 in terms of Department of Personnel O.M. No. 33/12/73-Ests(A) dated the 24th November, 1973.

S. BALACHANDRAN
Dy. Secy.
(Incharge of Administration)
Union Public Service Commission

ENFORCEMENT DIRECTORATE
FOREIGN EXCHANGE REGULATION ACT

New Delhi-3, the 24th March 1981

No. A-11/16/73.—Shri A. K. Mitra, Enforcement Officer in Calcutta zonal office of this Directorate has been appointed to work on *ad-hoc* basis as Chief Enforcement Officer in the same office w.e.f. 16-2-81 (FN) and until further orders.

M. S. BINDRA
Director

MINISTRY OF HOME AFFAIRS,
DEPTT. OF PERSONNEL & A. R.
CENTRAL BUREAU OF INVESTIGATION

New Delhi, the 26th March 1981

No. J-1/65-Ad.V.—The President is pleased to appoint Shri J. P. Sharma, Senior Public Prosecutor, Central Bureau of Investigation, Special Police Establishment on promotion as Dy. Legal Adviser in Central Bureau of Investigation, Special Police Establishment on ad-hoc basis for a period of three months with effect from the forenoon of 18-3-81 or till a regular appointee becomes available, whichever is earlier.

No. A-20023/4/79-Ad.V.—Shri Tirlochanjit Singh, an officer of the Haryana Government has relinquished the office of the Public Prosecutor, Central Bureau of Investigation at Chandigarh on the afternoon of 11-3-81 on his repatriation to his parent Department.

The 13th March 1981

No. P-23/65-Ad.V.—Services of Shri P. V. Ramakrishna, Dy. Legal Adviser, Central Bureau of Investigation/Special Police Establishment have been placed at the disposal of Government of Andhra Pradesh on deputation with effect from the afternoon of 28-2-81.

The 30th March 1981

No. A. 35018/15/79-Ad.I.—Deputy Inspector General of Police, Special Police Establishment, hereby appoints Shri Tridibeswar Das, Sub-Inspector of Police, West Bengal, on deputation as Inspector of Police in the Delhi Special Police Establishment Division of the Central Bureau of Investigation at GOW Calcutta, in a temporary capacity, with effect from the afternoon of 18th February 1981 until further orders.

Q. L. GROVER
Administrative Officer (E)/CBI.

DIRECTORATE GENERAL CRPF

New Delhi-110022, the 24th March 1981

No. O-II-572/69-Estt.—Consequent on his retirement from Govt. service on superannuation pension, Shri B. S. Rana, relinquished charge of the post of Asstt. Comdt. Signal Group Centre, CRPF, Neemuch on the afternoon of 28-2-81.

A. K. SURI
Assistant Director (Estt)

OFFICE OF THE DIRECTOR GENERAL
CENTRAL INDUSTRIAL SECURITY FORCE

New Delhi, the 12th March 1981

No. E-38013(4)/5/81-PERS.—The President is pleased to appoint the undermentioned Inspectors to officiate as Assistant Commandants in the Central Industrial Security Force with effect from the date they assume charge of the said post :—

1. R. S. Samanta
2. Lukhbir Singh
3. N. G. Shukul
4. D. M. Dey
5. B. N. Mukherjee
6. K. Ravindran Pillai
7. U. S. Patnaik
8. R. C. Samantray
9. B. C. D. Mahapatra
10. S. N. Pradhan
11. T. Nath
12. V. K. L. Rao
13. N. N. Murmu
14. S. D. Dangwal
15. Tilak Raj
16. T. S. Chand
17. Pushkar Singh
18. B. C. Joshi

24—26GI/81

2. The President is further pleased to appoint the following Inspectors as Assistant commandants in the Central Industrial Security Force on adhoc basis with effect from the date they assume charge of the said post :—

1. P. K. Das Gupta
2. R. P. Singh
3. B. P. Prabhakaran
4. T. S. Makkar
5. P. Shukla
6. C. S. Saini
7. B. N. Bhardwaj
8. S. S. Kadian
9. Mangal Singh
10. Vasudevan Nair
11. R. M. Ahluwalia
12. D. N. Nawani
13. A. S. Panesar
14. M. Arvindakshan
15. N. Ghosh
16. D. Vishwanath

3. The appointments made in para 2 above are purely temporary and are liable to be terminated without notice.

4. The inter-se seniority of all the officers mentioned at paras 1 & 2 above in the rank of Asstt. Commandants will be determined later.

The 18th March 1981

No. F-38013(4)/5/81-Pers.—The President is pleased to appoint the following Inspectors to officiate as Asstt. Commandants on ad-hoc basis in the Central Industrial Security Force with effect from the date they assume charge of the said post :—

1. B. K. Mehta
2. S. P. Kinra
3. M. S. Seckery

2. The above appointments are purely temporary and are liable to be terminated without notice.

3. The inter-se-seniority of all the officers in the rank of Asstt. Commandant will be determined later.

The 23rd March 1981

No. E-16013(1)/3/79-PERS.—On his services being replaced with the State Govt. Shri P. C. Ratho, IPS (Orissa : 56) relinquished the charge of the post of Deputy Inspector-General, CISF, Rourkela Steel Plant, Rourkela with effect from the afternoon of 27th February 1981.

The 24th March 1981

No. F-38013(2)/1/81-PERS.—On transfer on deputation, Shri S. K. Chatterjee IPS (MT : 69) assumed the charge of the post of AIG/CISF, Eastern Zone HQs, Calcutta with effect from the forenoon of 9th March, 1981.

PARKASH SINGH,
Asstt. Inspector-General (Personnel)
for Director General/CISF

OFFICE OF THE REGISTRAR GENERAL, INDIA

New Delhi, the 25th March 1981

No. 11/28/78-Ad.I.—The President is pleased to appoint by promotion, the under-mentioned Investigators and at present working as Assistant Director of Census Operations (Technical), on ad-hoc basis, in the office of the Registrar General, India, New Delhi, as Assistant Director of Census Operations (Technical), on a regular basis, in a temporary capacity, in the same office, with effect from the forenoon of the 16th February, 1981, until further orders :—

S. No. and Name of the officer

1. Shri J. S. Rastogi.
2. Shri S. S. Kashyap.
3. Shri L. C. Sharma.
4. Shri S. S. Bawa.

2. The headquarters of each of the above-mentioned officers will be at New Delhi.

No. 11/61/79-Ad.I.—The President is pleased to appoint Shri V. V. Mongia, an officer belonging to the Indian Frontier Administrative Service, as Director of Census Operations, Delhi, Delhi, with effect from the forenoon of the 18th February, 1980 upto the 24th June, 1980.

2. The headquarters of Shri Mongia will be at Delhi.

No. 10/29/80-Ad.-I.—The President is pleased to appoint, on deputation, the under-mentioned officers working in the office as mentioned against them, to the post of Assistant Director (Data Processing) in the same office, on a purely temporary and *ad-hoc* basis, for a period not exceeding one year, with effect from the date(s) as mentioned against their names or till the posts are filled in, on a regular basis, whichever period is shorter :—

Sl. No.	Name of the Officer	Designation	Office in which working	Date of appoint- ment
1.	Shri R. N. Pongurlekar	Assistant Director of Census Operations (Technical) (<i>ad-hoc</i>)	Director of Census Operations, Maharashtra, Bombay.	23-2-1981
2.	Shri R. Y. Revashetti	Do.	Director of Census Operations, Karnataka, Bangalore.	21-2-1981
3.	Shri M.M.A. Beg	Investigator	Director of Census Operations, Uttar Pradesh Lucknow.	21-2-1981

2. The President is also pleased to appoint, on deputation, Shri G. D. Single, Investigator in the office of the Director of Census Operations, Haryana, Chandigarh as Assistant Director (Data-Processing) in the office of the Director of Census Operations, Union Territory of Chandigarh, Chandigarh, on a purely temporary and *ad-hoc* basis, for a period not exceeding one year with effect from the forenoon of the 21st February, 1981, or till the post is filled in, on a regular basis, whichever period is shorter.

3. The headquarters of S/Shri Pongurlekar, Revashetti, Beg and Single will be at Bombay, Bangalore, Lucknow and Chandigarh respectively.

4. The appointment, on deputation, of the above-mentioned officials to the posts of Assistant Director (Data Processing) will be governed under the terms and conditions of deputation as contained in the Ministry of Finance O.M. No. F. 1(11) E.III (B)/75 dated 7-11-1975.

No. 11/36/80-Ad.I.—The President is pleased to appoint Shri B. B. N. Dixit, an officer belonging to the Uttar Pradesh Civil Service and presently working as Assistant Director of Census Operations, in the office of the Director of Census Operations, Uttar Pradesh, Lucknow on deputation basis, as Deputy Director of Census Operations in the same office for a period not exceeding one year, on *ad-hoc* basis, with effect from the forenoon of the 6th March, 1981, or till the post is filled in, on a regular basis, whichever period is shorter.

2. The headquarters of Shri Dixit will be at Lucknow.

No. 11/10/81-Ad.I.—The President is pleased to appoint, by promotion, S/Shri T. D. Agrawal and J. P. Baranwal, Investigators in the office of the Director of Census Operations, Uttar Pradesh, Lucknow to the post of Assistant Director of Census Operations (Technical) in the scale of Pay of Rs. 700-40-900-EB-40-1100-50-1300 in the same office on a purely temporary and *ad-hoc* basis, for a period of one year with effect from the forenoon of the 23rd February, 1981 or till the posts are filled in, on a regular basis, whichever period is shorter.

2. The headquarters of S/Shri Agarwal and Baranwal will be at Lucknow.

3. The above-mentioned *ad-hoc* appointments will not bestow upon the officials concerned any claim to regular appointments to the post of Assistant Director of Census Operations (T). The services rendered by them on *ad-hoc* basis shall not be counted for the purpose of seniority in the grade of Assistant Director of Census Operations(T) nor for eligibility for promotion to the next higher grade. The above-mentioned *ad-hoc* appointments may be reversed at any time at the discretion of the Appointing Authority without assigning any reason therefor.

No. 11/12/81-Ad. I.—The President is pleased to appoint, on deputation, Shri N.L. Gupta, an officer belonging to the Uttar Pradesh Civil Service, as Joint Director of Census Operation in the office of the Director of Census Operations, Uttar Pradesh, Lucknow, on a purely temporary and *ad-hoc* basis, for a period not exceeding one year, with effect from the afternoon of the 28th February, 1981 or till the post is filled in, on a regular basis, whichever period is shorter.

2. The headquarters of Shri Gupta will be at Lucknow.

The 28th March 1981

No. 10/29/80-Ad. I.—The President is pleased to appoint, on deputation, Shri G.D. Aggarwal, Investigator in the office of the Director of Census Operations, Rajasthan, Jaipur, as Assistant Director (Data-Processing) in the same office, on a purely temporary and *ad-hoc* basis, for a period not exceeding one year, with effect from the forenoon of the 21st February, 1981 or till the post is filled in, on a regular basis, whichever period is shorter.

2. The headquarters of Shri Aggarwal will be at Jaipur.

3. The appointment, on deputation, of the officer concerned to the post of Assistant Director (Data Processing) will be governed under the terms and conditions of deputation as contained in the Ministry of Finance O.M.No.F. 1(ii)E. III (B)/75 dated 7-11-1975.

No. 10/29/80-Ad. I.—The President is pleased to appoint, on deputation, Shri A.V. Vallinathan, Investigator in the office of the Director of Census Operations, Tamil Nadu, Madras and at present working as Assistant Director of Census Operations (T), on *ad-hoc* basis, as Assistant Director (Data Processing) in the same office, on a purely temporary and *ad-hoc* basis, for a period not exceeding one year, with effect from the forenoon of the 26th February, 1981, or till the post is filled in, on a regular basis, whichever period is shorter.

2. The headquarters of Shri Vallinathan will be at Madras.

3. The appointment, on deputation, of the officer concerned to the post of Assistant Director (Data Processing) will be governed under the terms and conditions of deputation as contained in the Ministry of Finance O.M.No.F. 1(ii)E. III(B)/75 dated 7-11-1975.

P. PADMANABHA
Registrar General, India

INDIAN AUDIT AND ACCOUNTS DEPARTMENT
OFFICE OF THE ACCOUNTANT GENERAL-I, BIHAR

Ranchi-2, the 24th March 1981

No. Admn.II-Promo-1998.—The Accountant General-I, Bihar, Ranchi has been pleased to promote Shri Dinesh Nanban Prasad a substantive Section Officer of his office to officiate until further orders as an Accounts Officer in that office with effect from 27-2-80 (FN).

No. Admn.II-Promo-1991.—The Accountant General-I, Bihar Ranchi has been pleased to promote Shri Prabhat Kumar Chaurasia, a substantive Section Officer of his office

to officiate until further orders as an Accounts Officer in that office with effect from 29-2-80 (F.N.).

No. Admn.II-Promo-2006.—The Accountant General-I, Bihar, Ranchi has been pleased to promote Shri Lal Bihar Ram Kashi, a substantive Section Officer of his office to officiate until further orders as an Accounts Officer in that office with effect from 19-2-80 (F.N.).

No. Admn.II-Promo-2013.—The Accountant General-I, Bihar, Ranchi has been pleased to promote Shri Bishwanath Jha, a substantive Section Officer of his office to officiate until further orders as an Accounts Officer in that office with effect from 29-2-80 (F.N.).

No. Admn.II-Promo-2021.—The Accountant General-I, Bihar, Ranchi has been pleased to promote Shri Pradyuman Sinha, a substantive Section Officer of his office to officiate until further orders as an Accounts Officer in that office with effect from 29-2-80 (F.N.).

The 25th March 1981

No. Admn.II-Promo-2042.—The Accountant General-I, Bihar, Ranchi has been pleased to promote Shri Murli Manohar Prasad, a substantive Section Officer of his office to officiate until further orders as an Accounts Officer in that office with effect from 29-2-80 (F.N.).

No. Admn.II-Promo-2050.—The Accountant General-I, Bihar, Ranchi has been pleased to promote Shri Amitava Bhattacharya, a substantive Section Officer of his office to officiate until further orders as an Accounts Officer in that office with effect from 29-2-80 (F.N.).

No. Admn.II-Promo-2058.—The Accountant General-I, Bihar, Ranchi has been pleased to promote Shri Deb Ranjan Das Gupta, a substantive Section Officer of his office to officiate until further orders as an Accounts Officer in that office with effect from 29-2-80 (F.N.).

No. Admn.II-Promo-2064.—The Accountant General-I, Bihar, Ranchi has been pleased to promote Shri Saghirul Haque, a substantive Section Officer of his office to officiate until further orders as an Accounts Officer in that office with effect from 29-2-80 (F.N.).

No. Admn.II-Promo-2072.—The Accountant General-I, Bihar, Ranchi has been pleased to promote Shri Har Govind Lal, a substantive Section Officer of his office to officiate until further orders as an Accounts Officer in that office with effect from 29-2-80 (F.N.).

No. Admn.II-Promo-2080.—The Accountant General-I, Bihar, Ranchi has been pleased to promote Shri Rajendra Prasad Gupta, a substantive Section Officer of his office to officiate until further orders as an Accounts Officer in that office with effect from 25-3-80 (F.N.).

No. Admn.II-Promo-2088.—The Accountant General-I, Bihar, Ranchi has been pleased to promote Shri Jagdish Sahu, a substantive Section Officer of his office to officiate until further orders as an Accounts Officer in that office with effect from 25-3-80 (F.N.).

No. Admn.II-Promo-2096.—The Accountant General-I, Bihar, Ranchi has been pleased to promote Shri Bipul Chandra Karanjai, a substantive Section Officer of his office to officiate until further orders as an Accounts Officer in that office with effect from 18-4-80 (F.N.).

No. Admn.II-Promo-2104.—The Accountant General-I, Bihar, Ranchi has been pleased to promote Shri Sita Saran Sinha, a substantive Section Officer of his office to officiate until further orders as an Accounts Officer in that office with effect from 18-4-80 (F.N.).

No. Admn.II-Promo-2112.—The Accountant General-I, Bihar, Ranchi has been pleased to promote Shri Jagat Narain Pathak, a substantive Section Officer of his office to officiate until further orders as an Accounts Officer in that office with effect from 1-5-80 (F.N.).

No. Admn.II-Promo-2120.—The Accountant General-I, Bihar, Ranchi has been pleased to promote Shri Hemendra Nath Sen, a substantive Section Officer of his office to officiate until further orders as an Accounts Officer in that office with effect from 1-5-80 (F.N.).

No. Admn.II-Promo-2126.—The Accountant General-I, Bihar, Ranchi has been pleased to promote Shri Debi Charan Sinha, a substantive Section Officer of his office to officiate until further orders as an Accounts Officer in that office with effect from 26-5-80 (F.N.).

No. Admn.II-Promo-2134.—The Accountant General-I, Bihar, Ranchi has been pleased to promote Shri Yadubir Jha, a substantive Section Officer of his office to officiate until further orders as an Accounts Officer in that office with effect from 26-5-80 (F.N.).

No. Admn.II-Promo-2142.—The Accountant General-I, Bihar, Ranchi has been pleased to promote Shri Rajmani Mishra, a substantive Section Officer of his office to officiate until further orders as an Accounts Officer in that office with effect from 22-7-80 (F.N.).

No. Admn.II-Promo-2150.—The Accountant General-I, Bihar, Ranchi has been pleased to promote Shri Sukumar Das, a substantive Section Officer of his office to officiate until further orders as an Accounts Officer in that office with effect from 22-7-80 (F.N.).

(Sd./-) JLLEGIBLE
Senior Deputy Accountant General (Admn.)

OFFICE OF THE ACCOUNTANT GENERAL,

JAMMU AND KASHMIR

Srinagar, the 23rd March 1981

No. Admn.I/60(82)/80-81/5573-5581.—The Accountant General Jammu and Kashmir has promoted Shri Moti Lal Raina, a permanent Section Officer, as Accounts Officer in an Officiating Capacity with effect from the forenoon of 10th March, 1981 till further orders.

H. P. DAS,
Senior Deputy Accountant General (A&E)

OFFICE OF THE ACCOUNTANT GENERAL, MAHARASHTRA I,

Bombay-400020, the 17th March 1981

No. Admn.I/Genl/81-vol.III/C-1(1)/18.—The Accountant General, Maharashtra I, Bombay is pleased to appoint Shri S. Z. Gedam, Section Officer (Audit and Accounts) to officiate as Accounts Officer w.e.f. 9-3-1981 FN until further orders.

R. S. SHARMA
Sr. Dy. Accountant General/S

OFFICE OF THE ACCOUNTANT GENERAL (II), WEST BENGAL LOCAL AUDIT DEPARTMENT

Calcutta-1, 28th February 1981

No. O.O.I.A/Adm/121A.—The Accountant General (II), W. B. has been pleased to appoint, on ad-hoc and provisional basis, Shri Manoj Kanta Bhattacharjee, a permanent Section Officer to officiate as Asstt. Examiner of Local Accounts, W. B., in purely temporary capacity, with effect from the afternoon of 28th Feb. '81 or the date on which he actually takes over charge as asstt. Examiner of Local Accounts, W. B., whichever is later and until further orders:-

It should be clearly understood that the promotion is purely provisional during the pendency of the Rule in Calcutta High Court Case and will be subject to final decision of the court case filed against the Union of India and others under C. R. Case No. 14818 (N) of 1979.

The ad-hoc promotion, indicated above, is also subject to final order of the Supreme Court of India in the Civil Appeal No. 1584 to 1588 (N) of 1973 and Civil Appeal No. 2104-2105 (N) of 1979.

B. N. DUTTA CHAUDHURI
Examiner of Local Accounts,
West Bengal

**OFFICE OF THE DIRECTOR OF AUDIT,
CENTRAL RAILWAY**

Bombay, the 23rd March 1981

No. Au/Admn/Misc./Con.—Shri G. N. Dambal, Permanent Section Officer, Officiating as Audit Officer in this Office is appointed to permanent post of Audit Officer in a substantive capacity, with effect from 1-1-1981.

No. Au/Admn/Misc./Con.—Shri B. K. Kulkarni, Officiating Selection Grade Section Officer (A) of this office is promoted as Audit Officer in the officiating capacity with effect from 26-2-1981 (F.N.)

S. Y. GOVINDARAJAN
Director of Audit.

**OFFICE OF THE DIRECTOR OF AUDIT
SOUTHERN RAILWAY**

Madras-3, the 31st March 1981

No. A/PC/VB/16003.—Sri V. Balakrishnan II, Officiating Audit Officer Office of the Director of Audit/Southern Railway/Madras-3, is reverted by the Director of Audit as Selection Grade Section Officer, in scale Rs. 775-35-880-40-1000 with effect from 3-3-1981 FN, at his own request.

No. A/PC/VB/16003.—The undermentioned Audit Officers of the Office of the Director of Audit/Southern Railway/Madras-3 have been appointed in a substantive capacity in the Audit Officer's cadre, by the Director of Audit/Southern Railway/Madras from the dates mentioned against each.

Sl. No., Name & Date
S/Sri.

1. V. Padmanabhan—1-4-79.
2. R. Ramaswamy—1-4-79.
3. K. Ramaswamy—24-4-80.

T. B. NAGARAJAN
DIRECTOR OF AUDIT.

**OFFICE OF THE CONTROLLER OF DEFENCE
ACCOUNTS (AN)**

FORM-I

**NOTICE OF TERMINATION OF SERVICES ISSUED
UNDER RULE 5(1) OF THE CENTRAL CIVIL SERVICES
(T.S.) RULES 1965.**

No. G/Cor-32/RSJ.—In pursuance of Sub Rule (1) of Rule 5 of the Central Civil Services (Temporary Services) Rule 1965, I hereby give Notice to Shri RAVINDRA SHRIDHAR JOG, Ty. Farash serving in the Office of the Controller of Defence Accounts (Officers), Poona that his services shall stand terminated with effect from the date of expiry of a period of one month from the date on which this Notice is published or as the case may be tendered to him.

S. MALLICK
Controller of Defence Accounts (Officers)
Signature of the
Appointing Authority.

Station : Poona.
Dated : 20-3-1981.

FORM I

**NOTICE OF TERMINATION OF SERVICES ISSUED
UNDER RULE 5(1) OF THE CENTRAL CIVIL
SERVICES (TEMPORARY SERVICE) RULES 1965**

No. G/Cor-32/RSJ.—In pursuance of Sub Rule (1) of Rule 5 of the Central Civil Services (Temporary service) Rule 1965, I hereby give notice to Shri AUTI MHEMOOD APPA, Ty. Auditor A/C No. 8317656, serving in the Office of the Controller of Defence Accounts (Officers), Poona that his services shall stand terminated with effect from the date of expiry of a period of one month from the date on which this Notice is published or as the case may be tendered to him.

S. MALLICK
Controller of Def. Accounts (Officers)
Signature of the
Appointing Authority.

Station : Poona.
Dated : 20-3-1981.

MINISTRY OF DEFENCE

**DGOF HQRS. CIVIL SERVICE
ORDNANCE FACTORY BOARD**

Calcutta-700069, the 24th March 1981

No. 9/81/A/E-1(NG).—The Director General, ordnance Factories is pleased to appoint Shri Basudeb Misra, Divisional Accountant of the Office of the Executive Engineer, M.I.I. Division, Rayagada as Assistant Staff Officer (Group 'B' Gazetted) with effect from 7-3-81 (F.N.) and posted at Ordnance Factory Board, Calcutta.

D. P. CHAKRAVARTI
Assistant Director General/Admin
for Director General, Ordnance Factories

Calcutta-700016, the 23rd March 1981

No. 12/81/G.—On attaining of age of superannuation (58 years) Shri A. R. Das Offg. DADGOF/Subst. & Permit Foreman retired from service w.e.f. 31-1-81 (A.N.).

The 27th March 1981

No. 13/81/G.—On attaining the age of superannuation (58 years) Shri Sukumar Ghosh Offg Dy. Manager/Subst. & Permit Foreman retired from service w.e.f. 28-2-81 (A.N.).

V. K. MEHTA,
Assistant Director General, Ordnance Factories

MINISTRY OF COMMERCE

(DEPARTMENT OF TEXTILES)

**OFFICE OF THE DEVELOPMENT COMMISSIONER
FOR HANDLOOMS**

New Delhi, the 17th March 1981

No. A-32013/5/80-Admn.II(A).—The President is pleased to appoint with effect from the 10th March, 1981 and until further orders Shri Balaram Bhar, Assistant Director Grade-I (Processing) as Deputy Director (Processing) in the Weavers Service Centre, Agartala.

P. SHANKAR
Joint Development Commissioner for Handlooms.

**MINISTRY OF INDUSTRY
(DEPARTMENT OF INDUSTRIAL DEVELOPMENT)
OFFICE OF THE DEVELOPMENT COMMISSIONER
SMALL SCALE INDUSTRIES**

New Delhi-110011, the 30th March 1981

No. A-19018 (341)/78-Admn. (G).—The Development Commissioner, Small Scale Industries is pleased to appoint Shri C. S. Chaturvedi, Hindi Translator in the Office of the Development Commissioner, Small Scale Industries, New Delhi as Assistant Editor (Hindi) on *ad-hoc* basis in the same office w.e.f. the forenoon of 30th January 1981, until further orders.

C. C. ROY
Deputy Director (Admn.)

DEPARTMENT OF EXPLOSIVES

Nagpur, the 23rd March 1981

No. E.11(7).—In this Department's Notification No. E. 11(7) dated the 11th July, 1969, under Class 2—NITRATE MIXTURE :

- (i) in the entry "GAMMADYNE" for the figures "31-3-81" the figures "31-3-82" shall be substituted;
- (ii) in the entry "MONOEX" for the figures "1981" the figures "1982" shall be substituted;
- (iii) in the entry "PE-1-AE" for the figures "1981" the figures "1982" shall be substituted;
- (iv) in the entry "PE-51, PE-1AS and PE-3L" for the figures "31-3-81" the figures "31-3-82" shall be substituted;
- (v) in the entry "PULVEREX" for the figures "1981" the figures "1982" shall be substituted; and
- (vi) in the entry "ZEETADYNE" for the figures "31-3-81" the figures "31-3-82" shall be substituted.

CHARANJIT LAL,
Chief Controller of Explosives

DIRECTORATE GENERAL OF SUPPLIES & DISPOSALS

(Admn. Section A-6)

New Delhi-110001, the 19th March 1981

No. A-17011(119)/77-A6.—The President has been pleased to appoint Shri Dipankar Kirti, Asstt. Director of Inspection (Met) in the office of Director of Inspection (Met) Jamshedpur to officiate as Deputy Director of Inspection (Met) (Group II of IIS) (Group 'A') in the office of D. I. (Met), Burnpur on *ad-hoc* basis for a period of six months with effect from the forenoon of 27-2-81.

2. Shri Dipankar Kirti, relinquished charge of the post of Asstt. Director of Inspection (Met) in the office of the D. I. (Met), Jamshedpur on 18-2-1981 (AN) and assumed charge of the post of Dy. Director of Inspection (Met) in the office of Director of Inspection (Met), Burnpur from the forenoon of 27-2-81.

M. G. MENON,
Deputy Director (Administration)
For Director General of Supplies & Disposals

**MINISTRY OF STEEL & MINES
DEPARTMENT OF STEEL
IRON & STEEL CONTROL**

Calcutta-20, the 26th March 1981

No. E.12(26)/81(.).—Shri P. K. Haldar, Pay & Accounts Officer, Office of the Pay & Accounts Office, Calcutta, is hereby appointed on deputation as Accounts Officer with effect from the forenoon of 12-3-1981, until further orders.

S. K. BASU
Deputy Iron & Steel Controller.

**DEPARTMENT OF MINES
INDIAN BUREAU OF MINES**

Nagpur, the 24th March 1981

No. A.19012(130)/80-Estt.A.Vol.I.—On the recommendation of the Union Public Service Commission Shri S. R. Varadaraj, Shift Boss, Geological Survey of India is appointed to officiate as Assistant Mining Engineer in this department in Group 'B' post with effect from the forenoon of 16th February, 1981 until further orders.

The 26th March 1981

No. A19011(259)/79-Estt.A.—On the recommendation of the Union Public Service Commission, the President is pleased to appoint Shri Ramesh Lal Bhatia to the post of Deputy Controller of Mines in Indian Bureau of Mines in an officiating capacity with effect from the forenoon of 27-2-81.

No. A.19011(268)/80-Estt.A.—On the recommendation of the Union Public Service Commission, the President is pleased to appoint Shri Ranjan Sahai to the post of Assistant Controller of Mines in Indian Bureau of Mines in an officiating capacity with effect from the forenoon of 2-3-81.

S. V. ALI,
Head of Office
Indian Bureau of Mines

SURVEY OF INDIA

Dehra Dun, the 24th March 1981

No. E.1-5707/881-Officers.—In continuation of this office Notification No. E1-5673/881-Officers dated 8th Dec., 1980, Dr. (Mrs.) Suneeta Nandwani, M.B.B.S., is re-appointed as Medical Officer in (Group 'B' Service in the Geodetic & Research Branch Dispensary, Survey of India, Dehra Dun @ Rs. 650/- p.m. in the pay scale of Rs. 650-1200 with effect from 5-2-1981 in terms of Ministry of Health & Family Welfare letter No. A.12026/12/78-CHS.I dated 27-1-1981 for a period of 90 days or for such period when a regular Lady Doctor is posted there, whichever is earlier. She will be entitled to all the allowances including Non-Practising Allowances etc.

K. L. KHOSLA,
Major General
Surveyor General of India.

NATIONAL ARCHIVES OF INDIA

New Delhi-1, the 26th March 1981

No. F.11-9/80-(A.1)Estt.—On the recommendation of the Union Public Service Commission the Director of Archives, Govt. of India, hereby appoints Shri Kaushal Kishore Sharma, as Archivist (General) Class II Gazetted) on regular temporary basis w.e.f. 17-3-81 (F.N.) until further orders.

B. S. KALRA
Administrative Officer
National Archives of India
for Director of Archives

**DEPARTMENT OF SCIENCE AND TECHNOLOGY
NATIONAL ATLAS & THEMATIC MAPPING
ORGANISATION**

Calcutta-19, the 31st December 1980

No. 31-9/21-Gov/Estt.—The services of Shri G. C. Varshney, Scientific Officer (Group 'B' Gazetted) of this Organisation are placed on the basis of deputation at the disposal of All-India Soil and Land Use Survey, Ministry of Agriculture, Department of Agriculture & Coop., as Junior Cartographer (G.C.S. Group 'A' Gazetted) w.e.f. the afternoon of 31st December, 1980.

Shri Varshney is permitted to retain the lien of his substantive post of Senior Research Assistant in this Organisation for a period of two years from the date of his release.

The 25th March 1981

No. 35-2/80/Estt.—The following Officers, officiating in the post of Scientific Officer on *ad-hoc* basis, are promoted in the same post in the National Atlas And Thematic Mapping Organisation as per recommendation of the Departmental Promotion Committee with effect from 25-3-1981, until further orders :

1. Shri B. B. Prodhan
2. Shri A. K. Sarkar
3. Shri Shri Ram
4. Shri Yogendra Manjhi

The 27th March 1981

No. 35-2/80/Estt.—Shri Shri Ram relinquished the charge of the post of Junior Technical Officer with effect from the forenoon of 17-3-1981 and he is appointed as Scientific Officer in the National Atlas & Thematic Mapping Organisation on purely temporary and *ad-hoc* basis with effect from the forenoon of same day i.e. 17-3-1981, until further orders.

S. P. DAS GUPTA
Director

DIRECTORATE GENERAL : ALL INDIA RADIO

New Delhi, the 30th March 1981

No. 4(82)80-SI.—Shri V. K. Gawai, Programme Executive, All India Radio, Sangli resigned from service w.c.f. 1st January, 1981.

H. C. JAYAL
Dy. Director of Administration
for Director General.

MINISTRY OF INFORMATION & BROADCASTING

DIRECTORATE OF ADVERTISING & VISUAL PUBLICITY

New Delhi-1, the 7th March 1981

No. A-31013/2/79-Exh.(A).—The Director of Advertising & Visual Publicity is pleased to appoint the following officers substantively to the post of Field Exhibition Officers in the Directorate of Advertising & Visual Publicity with effect from 17-2-81 :—

1. Shri A. K. Ray
2. Shri Ranen Bhadra
3. Shri D. C. Mishra
4. Shri S. K. Mishra
5. Shri P. L. Narula
6. Shri H. Nareyanachar
7. Shri S. R. Pushkar
8. Shri D. C. Roat

J. R. LIKHI
Deputy Director (Admn.)
for Director of Advtg. & Visual Publicity

DIRECTORATE GENERAL OF HEALTH SERVICES

New Delhi, the 24th March 1981

No. A.19019/30/80(AJHHP)Admn.I.—On attaining the age of superannuation, Dr (Miss) Uma Chowdhury, Assistant Professor of Behavioural Sciences in the All India Institute of Hygiene and Public Health, Calcutta, retired from Government service on the afternoon of the 31st January, 1981.

The 25th March 1981

No. A.19029/29/79(SD)Admn.I.—The Director General of health services is pleased to accept the resignation of

Dr. Somsankar Dasgupta, Immunochemist, Department of Serologist and Chemical Examiner to the Government of India, Calcutta, from government service with effect from the afternoon of 31st January, 1981..

No. A.31014/7/80(JIP)Admn.I.—The Director General of Health Services is pleased to appoint Shri S. George in a substantive capacity to the permanent post of Accounts Officer at the Jawaharlal Institute of Post-graduate Medical Education and Research Pondicherry, with effect from the 17th January, 1980.

S. L. KUTHIALA
Deputy Director Administration
(O&M)

New Delhi, the 30th March 1981

No. A. 12025/3/79(CRI)/Admn.I.—The President is pleased to appoint Shri R. Thyagarajan to the post of Biomedical Engineer at the Central Research Institute, Kasauli with effect from the forenoon of the 25th February, 1981, in a temporary capacity and until further orders.

No. A.12025/22/79(CRI)/Admn.I.—The President is pleased to appoint Shri Krishan Kumar Tripathi to the post of Deputy Assistant Director (Non-medical) at the Central Research Institute, Kasauli with effect from the forenoon of the 13th Feb., 1981, in a temporary capacity and until further orders.

No. A.12026/12/80(CRI)/Admn.I.—The Director General of Health Services is pleased to appoint Shri O. P. Naithani to the post of Hindi Officer at the Central Research Institute, Kasauli on an *ad-hoc* basis with effect from the forenoon of the 17th January, 1981.

No. A.22013/3/80-Admn.I.—Consequent on his transfer to Central Government Health Schemes, Hyderabad, Dr. P. K. Ghosh relinquished charge of the post of Dental Surgeon at Central Government Health Scheme, Calcutta on the afternoon of 19th September, 1980.

Dr. Ghosh assumed Charge of the post of Dental Surgeon at Central Government Health Scheme, Hyderabad on the forenoon of 23rd September, 1980.

SANGAT SINGH,
Deputy Director Administration (E)

MINISTRY OF RURAL RECONSTRUCTION

DIRECTORATE OF MARKETING & INSPECTION

Faridabad, the 25th March 1981

No. A.19023/1/81-III.—On the recommendations of the Departmental Promotion Committee (Group 'B'), Shri D. S. Chandrasekaran, Assistant Marketing Officer, is appointed to officiate as Marketing Officer (Group III) in this Directorate at Nagpur with effect from 11-2-81 (FN), until further orders.

2. Consequent on his promotion as Marketing Officer Shri Chandrasekaran relinquished charge of the post of Asstt. Marketing Officer (Group III) at Nagpur in the forenoon of 11-2-1981.

No. A.19025/1/81-A-III.—On the recommendations of the Union Public Service Commission, Shri Tapas Kumar Ray has been appointed to officiate as Assistant Marketing Officer (Group I) in this Directorate at Nagpur with effect from 4-2-1981 (Forenoon) until further orders.

No. A. 19025/3/81-A-III.—On the recommendations of Union Public Service Commission, Shri Utapal Sengupta has been appointed to officiate as Assistant Marketing Officer (Group III) in this Directorate at Madras with effect from 9-2-81 (Forenoon) until further orders.

The 26th March 1981

No. A.19023/6/81-A-A-III.—Shri R. K. Vyaghra, Assistant Marketing Officer, is appointed to officiate as Marketing

Officer (Group I) in this Directorate at Nasik Road with effect from 28-2-1981 (FN) on purely short-term basis for a period of 6 months or till the post is filled up on regular basis, whichever is earlier.

2. On his promotion as Marketing Officer Shri Vyaghra relinquished charge of the post of Assistant Marketing Officer at Nasik Road in the forenoon of 28-2-1981.

B. L. MANI HAR
Director of Administration
for Agricultural Marketing Adviser

DEPARTMENT OF ATOMIC ENERGY
DIRECTORATE OF PURCHASE & STORES

Bombay-400001, the 25th March 1981

No. DPS/2/1(25)/77-Adm./5930.—The Director, Directorate of Purchase and Stores, Department of Atomic Energy appoints Shri Virender Kumar, temporary Assistant Accountant of this Directorate to officiate as Assistant Accounts Officer in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-880-FB-40-960 on an *ad hoc* basis in the same Directorate with effect from January 17, 1981 (AN) to January 31, 1981, vice Shri B. M. Ganatra, Assistant Accounts Officer granted leave.

R. P. D'SOUZA
Assistant Personnel Officer

RAJASTHAN ATOMIC POWER PROJECT
Anushakti-323303, the 25th March 1981

No. RAPP/04627/1(482)/81/S/Admn/491.—On his repatriation to the office of the Accountant General, Rajasthan, Jaipur, Shri Sadashiv Pandit, Section Officer (Accounts) of that office who was on deputation to this Project as Assistant Accounts Officer relinquished charge of his post in Rajasthan Atomic Power Project in the afternoon of 28th February, 1981.

GOPAL SINGH
Admn. Officer(E)

ATOMIC MINERALS DIVISION
Hyderabad-500016, the 27th March 1981

No. AMD-1/6/80-Rectt.—Director, Atomic Minerals Division, Department of Atomic Energy hereby appoints Shri K. Ramesh Kumar as Scientific Officer/Engineer Grade 'SB' in the Atomic Minerals Division in a temporary capacity with effect from forenoon of March 7, 1981 until further orders.

The 28th March 1981

No. AMD-4(15)/80-Rectt.—Director, Atomic Minerals Division, Department of Atomic Energy hereby appoints Shri R. C. Saxena, permanent Scientific Assistant 'C' as Scientific Officer SB in the Atomic Minerals Division in an officiating capacity with effect from the forenoon of February 1, 1981 until further orders.

M. S. RAO.
Sr. Administrative & Accounts Officer.

DEPARTMENT OF SPACE

ISRO HEADQUARTERS

Bangalore-560009, the 17th March 1981

No. HQ : ADMN f 12·25.—The Scientific Secretary, ISRO, ISRO Headquarters, Department of Space, is pleased to appoint the under-mentioned officers of the Indian Space Research Organisation in ISRO Headquarters, Bangalore, of the Department of Space, to posts and with effect from the forenoon of the

dates, as indicated against each, in an officiating capacity and until further orders :

Sl. No.	Name and designation of the officer	Post to which appointed	Date
1.	Shri A. Padmanabhan	Assistant Accounts Officer	26-5-1980
2.	Accounts Assistant 'B' Shri K. Sukumaran Nair, Personal Assistant	Assistant Administrative Officer	19-9-1980
3.	Shri K. V. Raja Rao	Engineer 'SB' Draughtsman 'E'	1-10-1980

N. V. G. WARRIER
Administrative Officer
for Scientific Secretary

OFFICE OF THE DIRECTOR GENERAL OF CIVIL AVIATION

New Delhi, the 18th March 1981

No. A.31013/2/79-ES.—The President is pleased to appoint the undermentioned four officers in a substantive capacity in the grade of Deputy Director/Controller of Aeronautical Inspection with effect from 3-1-1981 :—

1. Shri S. P. Marva
2. Shri S. N. Sharma
3. Shri T. K. K. Nair
4. Shri M. M. Chawla.

The 25th March 1981

No. A.32013/5/80-EC.—The President is pleased to appoint Shri P. R. Suryanandan, Senior Technical Officer in the office of the Director, Radio Construction & Dev. Units New Delhi to the grade of Dy. Director/Controller of Communication on *ad hoc* basis for a period of six months with effect from the 9th December, 1980 (FN) and to post him in the same office.

The 28th March 1981

A.12025/6/77-ES.—In continuation of this Departments notification of even No. dated 19-7-80, the President is pleased to sanction the continued *ad hoc* appointment of Shri Satindra Singh to the post of Deputy Director of Air Safety/Regional Controller of Air Safety (Engg.) for a further period of six months beyond 10-12-1980 or till the regular appointment to the grade is made, whichever is earlier.

No. A.32014/1/80-ES.—The Director General of Civil Aviation is pleased to appoint Shri G. L. Zutshi, Store Assistant as Store Officer (Group 'B' post) on regular basis, in the office of the Regional Director, Delhi Region, Safdarjung Airport, New Delhi, with effect from the forenoon of the 29th December, 1980 until further orders.

No. A.32014/1/80-ES(ii).—The Director General of Civil Aviation is pleased to appoint Shri D. N. Sumbaly, Store Assistant as Store Officer (Group 'B' post) on regular basis, in the office of the Controller, Central Radio Stores, Depot, Netaji Nagar, New Delhi with effect from the forenoon of the 12th January, 1981 until further orders.

V. JAYACHANDRAN
Asst. Director of Administration

VANA ANUSANDHAN SANSTHAN EVAM
MAHAVIDYALAYA

Dehra Dun, the 25th March 1981

No. 16/233/74-Ests-I.—On the expiry of period of deputation of Shri P. K. Roychowdhary, Asstt. Instructor, Eastern Forest Rangers College, Kurseong, his services has been replaced at the disposal of the State Government of West Bengal w.e.f. 31-7-1980 (A.N.).

K. N. MOHANTY
Kul Sachiv

COLLECTORATE OF CENTRAL EXCISE & CUSTOMS

Nagpur, the 24th March 1981

No. 5/81.—Consequent upon his posting as Superintendent of Central Excise, Group 'A' in this Collectorate vide Government of India, Ministry of Finance, Department of Revenue, New Delhi's Order No. 25/81 issued under their letter F. No. A.22012/19/81-Ad. II, dated the 18th February 1981, Shri A. K. Kaushal has assumed charge of the post of Superintendent, Central Excise, Group 'A', Hqrs. Office, Nagpur in the forenoon of the 10th March, 1981.

K. SANKARARAMAN
Collector

CUSTOMS/ESTABLISHMENT

Madras-1, the 25th March 1981

No. 2/81.—Shri R. RAMACHANDRAN, Permanent Examiner and Officiating Appraiser, Madras Custom House, has retired from service with effect from 28-2-581 A.N. on attaining the age of superannuation of 58 years.

No. 3/81.—Shri P. J. SUNDARA RAO, Permanent Appraiser, Madras Custom House, has retired from service with effect from 28-2-81 A.N. on attaining the age of superannuation of 58 years.

A. C. SALDANHA
Collector of Customs

CENTRAL ELECTRICITY AUTHORITY

New Delhi-110022, the 23rd March 1981

No. 22/3/80-Adm.I (B).—The Chairman, Central Electricity Authority, hereby appoints the following officials, belonging to the grades mentioned against each, to the grade of Extra Assistant Director/Assistant Engineer of the Central Power Engineering (Group B) service w.e.f. the dates indicated against each as on ad-hoc basis for a period of 6 months w.e.f. the dates they take over or till such time as regular Officers become available, whichever is earlier :—

Name	Grade to which belong	Date of taking over Charge
S/Shri		
1. Jang Bahadur	Technical Assistant	10-2-81 (F.N.)
2. S. C. Marwah	Do.	9-2-81 (F.N.)
3. R. P. Sharma	Do.	9-2-81 (F.N.)
4. C. S. Malik	Do.	3-3-81 (F.N.)
5. K. N. Prasad	Supervisor	10-2-81 (F.N.)

B. M. LALL
Under Secretary
for Chairman

CENTRAL WATER COMMISSION

DROUGHT AREA STUDY CIRCLE-I

New Delhi-16, the 27th March 1981

NOTICE

No. DASC/PF-1599/81.—In pursuance of sub-rule of Rules 5 of the Central Civil Services (Temporary Service) Rules 1965, I hereby give notice to Shri Govind Ram Tracer (on leave) that his services shall stand terminated with effect from the date of expiry of a period of one month from the date on which the notice is published in the gazette.

S. V. SUBRAMANYAM
Superintending Engineer (DASC-I)

CENTRAL RAILWAY

Bombay, the 26th March 1981

No. H.P.B./220/G.H.—The following Officers of Indian Railway Medical Service now confirmed in Class I Service as Asstt. Divisional Medical Officers in scale Rs. 700-1600 from the date shown against each :—

S. No.	Name	Date of Confirmation
1.	Dr. A. K. Pal	1-1-73
2.	Dr. B. Chatterjee	1-1-73
3.	Dr. M. M. Sarkar	1-1-73
4.	Dr. S. C. Pangarkar	1-1-73
5.	Dr. A. P. Ghosh	1-1-73
6.	Dr. F. D. Pareira	1-1-73
7.	Dr. Mohd. Hasratullah	1-1-73
8.	Dr. J. R. Sethi	1-1-73
9.	Dr. M. C. Dasgupta	1-1-73
10.	Dr. (Mrs.) Ushakibe	1-1-73
11.	Dr. J. K. Agrawal	1-1-73
12.	Dr. A. K. Sarkar	1-1-73
13.	Dr. S. S. Maitra	1-1-73
14.	Dr. S. D. Gupta	1-1-73
15.	Dr. S. Basu	1-1-73
16.	Dr. P. Biswas	1-1-73
17.	Dr. M. B. Sakhare	1-1-73
18.	Dr. M. P. Tambe	1-1-73
19.	Dr. S. C. Kapuria	1-1-73
20.	Dr. M. Singh	1-1-73
21.	Dr. I. S. Chakravarthy	1-1-73
22.	Dr. S. P. Biswas	1-1-73
23.	Dr. R. N. Thakkar	1-1-73
24.	Dr. G. L. Jaiswal	1-1-73
25.	Dr. G. H. Bhatia	1-1-73
26.	Dr. S. K. Gupta	1-1-73
27.	Dr. (Mrs.) J. Sethi	1-1-73
28.	Dr. S. M. Chaturvedi	1-1-73
29.	Dr. D. R. Bapat	1-1-73
30.	Dr. B. N. Khanapurkar	1-1-73
31.	Dr. (Mrs.) S. Bhandari	1-1-73
32.	Dr. D. D. Arora	1-1-73
33.	Dr. J. J. Kelkar	1-1-73
34.	Dr. S. D. Dixit	1-1-73
35.	Dr. G. D. Hoonka	1-1-73
36.	Dr. K. P. Singh	1-1-73
37.	Dr. H. G. Shrivastava	1-1-73
38.	Dr. V. R. Bakane	1-1-73
39.	Dr. B. C. Gayan	1-1-73
40.	Dr. R. M. Iyer	1-1-73
41.	Dr. D. Roy	1-1-73
42.	Dr. A. Ghosh	1-1-73
43.	Dr. K. S. Thakkar	1-1-73
44.	Dr. (Mrs.) Asha Kapuria	1-1-73
45.	Dr. R. Nigam	1-1-73
46.	Dr. M. S. Ugale	1-1-73
47.	Dr. P. K. Biswas	1-1-73
48.	Dr. K. N. Mallik	1-1-73
49.	Dr. P. K. Payne	1-1-73
50.	Dr. G. K. Ballani	1-1-73

(Confirmed
in Class II
from
1-1-66).

Sr. No.	Name	Date of confirmation	Sr. No.	Name	Date of Confirmation
51.	Dr. J. B. Adhya	1-1-73	115.	Dr. A. P. Jain	1-1-73
52.	Dr. D. K. Dutta	1-1-73	116.	Dr. (Mrs.) K. N. Shambharkar	1-1-73
53.	Dr. P. K. Pal	1-1-73	117.	Dr. V. K. Vyas	1-1-73
54.	Dr. K. P. Ghosh	1-1-73	118.	Dr. (Mrs.) S. P. Gupta	1-1-73
55.	Dr. S. C. Adhikari	1-1-73	119.	Dr. M. D. Costa	1-1-73
56.	Dr. H. K. Acharya	1-1-73	120.	Dr. M. V. Ambardekar	1-1-73
57.	Dr. P. C. Mukherjee	1-1-73	121.	Dr. D. C. Dantre	1-1-73
58.	Dr. A. C. Johari	1-1-73	122.	Dr. S. K. Khanna	1-1-73
59.	Dr. G. K. Advani	1-1-73	123.	Dr. C. M. Komalkar	1-1-73
60.	Dr. C. L. Mehra	1-1-73	124.	Dr. (Mrs.) U. M. Mokashi	1-1-73
61.	Dr. M. A. Ansari	1-1-73	125.	Dr. M. L. Bangade	1-1-73
62.	Dr. S. P. Roy	1-1-73	126.	Dr. S. H. Fulzale	1-1-73
63.	Dr. S. G. Shrikhande	1-1-73	127.	Dr. Shankarlal	1-1-73
64.	Dr. P. K. Mullick	1-1-73	128.	Dr. S. S. Parikh	1-1-73
65.	Dr. P. B. Chaudhary	1-1-73	129.	Dr. P. K. Mehta	1-1-73
66.	Dr. S. B. Ghosh	1-1-73	130.	Dr. P. V. Joshi	1-1-73
67.	Dr. S. M. Bhownik	1-1-73	131.	Dr. R. K. Jaiswal	1-1-73
68.	Dr. B. D. Palod	1-1-73	132.	Dr. P. C. Khulbe	1-1-73
69.	Dr. L. M. Sharma	1-1-73	133.	Dr. A. P. Gupta	1-1-73
70.	Dr. (Miss) A. Rajamani	1-1-73	134.	Dr. A. K. Chaturvedi	1-1-73
71.	Dr. K. K. Guru	1-1-73	135.	Dr. R. A. Khan	1-1-73
72.	Dr. T. M. Saha	1-1-73	136.	Dr. D. B. Jain	1-1-73
73.	Dr. G. T. Ahuja	1-1-73	137.	Dr. V. B. Meshram	1-1-73
74.	Dr. B. K. Biswas	1-1-73	138.	Dr. H. N. Seksaria	1-1-73
75.	Dr. V. B. Puri	1-1-73	139.	Dr. M. C. Vashistha	1-1-73
76.	Dr. (Mrs.) A. K. Parikh	1-1-73	140.	Dr. Ramkumar Singh	1-1-73
77.	Dr. A. K. Shawdilay	1-1-73	141.	Dr. R. K. Shrivastava	1-1-73
78.	Dr. B. S. Panwar	1-1-73	142.	Dr. Mohd. Hussain	1-7-74
79.	Dr. N. K. Majumdar	1-1-73	143.	Dr. (Mrs.) D. J. Parikh	23-10-74
80.	Dr. G. B. Ghodke	1-1-73	144.	Dr. R. K. Agarwal	1-11-74
81.	Dr. D. N. Upasani	1-1-73	145.	Dr. Ravi Prakash	1-8-76
82.	Dr. M. B. Waikar	1-1-73	146.	Dr. S. K. Gour	5-8-76
83.	Dr. S. N. Pal	1-1-73	147.	Dr. S. B. Jatkar	1-10-76
84.	Dr. B. S. Virha	1-1-73	148.	Dr. R. B. Pandit	8-11-76
85.	Dr. (Mrs.) F. L. Thakur	1-1-73	149.	Dr. M. K. Bhondole	7-1-77
86.	Dr. (Mrs.) K. R. Dane	1-1-73	150.	Dr. J. K. Shrotri	8-1-77
87.	Dr. S. P. Kashirsagar	1-1-73			
88.	Dr. R. S. Dane	1-1-73			
89.	Dr. P. C. Jain	1-1-73			
90.	Dr. B. V. Ramteke	1-1-73			
91.	Dr. M. S. Vadalkar	1-1-73			
92.	Dr. V. G. Joglekar	1-1-73			
93.	Dr. (Mrs.) K. V. Joglekar	1-1-73			
94.	Dr. S. B. Sangamnerkar	1-1-73			
95.	Dr. S. D. P. Choudhary	1-1-73			
96.	Dr. J. R. Gaikwad	1-1-73			
97.	Dr. V. B. Gade	1-1-73			
98.	Dr. P. T. Mohite	1-1-73			
99.	Dr. P. A. Kulkarni	1-1-73			
100.	Dr. V. N. Bapat	1-1-73			
101.	Dr. (Mrs.) Hoor Mohan	1-1-73			
102.	Dr. R. D. Maiskar	1-1-73			
103.	Dr. P. S. Maheswari	1-1-73			
104.	Dr. M. V. Kulkarni	1-1-73			
105.	Dr. N. F. Gajbhe	1-1-73			
106.	Dr. (Mrs.) J. G. Ballal	1-1-73			
107.	Dr. S. R. Sakha	1-1-73			
108.	Dr. Chintamani	1-1-73			
109.	Dr. V. G. Sauji	1-1-73			
110.	Dr. (Mrs.) P. M. Rao	1-1-73			
111.	Dr. Das Gupta	1-1-73			
112.	Dr. B. M. Agarwal	1-1-73			
113.	Dr. L. R. Chandrakar	1-1-73			
114.	Dr. J. P. Nigam	1-1-73			

A. K. CHAKRAVARTI
General Manager
Bombay, VT

MINISTRY OF LAW, JUSTICE AND COMPANY AFFAIRS
(DEPARTMENT OF COMPANY AFFAIRS)
COMPANY LAW BOARD

OFFICE OF THE REGISTRAR OF COMPANIES
*In the matter of the Companies Act, 1956 and of
Oberoi Hotels (International) Private Ltd.*

New Delhi, the 5th March 1981

No. 6078/4789.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of section 560 of the Companies Act, 1956, that the name of Oberoi Hotels (International) Private Limited has this day been struck off the Register and the said company is dissolved.

G. B. SAXENA
Asstt. Registrar of Companies Delhi

*In the matter of the Companies Act, 1956 and of
Andhra Pracharini Limited*

Hyderabad, the 25th March 1981

No. 113/T.A.I/560.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of Section 560 of the Companies Act, 1956, that at the expiration of three months from the date hereof

the name of the ANDHRA PRACIARINI LIMITED unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said Company will be dissolved.

*In the matter of the Companies Act, 1956 and of
The Andhra Slabs Private Limited*

Hyderabad, the 25th March 1981

No. 797/TA.I/560.—Notice is hereby given pursuant to sub-Section (3) of Section 560 of the Companies Act, 1956, that at the expiration of three months from the date hereof the name of THE ANDHRA SLABS PRIVATE LIMITED, unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said Company will be dissolved.

*In the matter of the Companies Act, 1956 and of
The Visakha Transport Service Private Limited*

Hyderabad, the 25th March 1981

No. 973/TA/560/80.—Notice is hereby given pursuant to Sub-Section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956, that the name of The Visakha Transport Service Private Limited has this day been struck off the Register and the said company is dissolved.

V. S. RAJU
Registrar of Companies,
Andhra Pradesh, Hyderabad.

*In the matter of the Companies Act, 1956 and of
PANDIAN PUBLICATIONS LIMITED*

Madras-600 006, the 30th March 1981

No. DN/7071/560/81.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of Sec. 560 (5) of the Companies Act, 1956, that at the expiration of three months from the date hereof the name of PANDIAN PUBLICATIONS LIMITED, unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

Sd./- ILLEGIBLE
Asst. Registrar of Companies
Tamil Nadu, Madras

*In the matter of the Companies Act, 1956 and of
MJS Sahayogi Finance (Satna) Private Limited*

Gwalior, the 31st March 1981

No. 1170/Yadav/7299.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that the name of M/s Sahayogi Finance (Satna) Private limited has this day been struck-off the Register and the said company is dissolved.

S. K. SAXENA,
Registrar of Companies,
Madhya Pradesh, Gwalior.

OFFICE OF THE COMMISSIONER OF INCOME-TAX

New Delhi, the 1st December 1980

INCOME-TAX ESTABLISHMENT

Subject : Establishment-Gazetted-Incometax Officers Group (B)—Confirmation of.

No. Est.I/C.I.T. (I)/DPC(Group B)/CONFIRMATION/78-79 to 80-81/33493.—Shri B. R. Malik, Incometax Officer (Group B-Direct), who has been found fit for con-

fimation by the Departmental Promotion Committee, is appointed substantively to the permanent post of Income-tax officer (Group B), in the scale of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200, with effect from 1st May, 1977, which is, however subject to change at a later stage, if found necessary.

The 26th December 1980

Subject : Establishment—Gazetted—Income Tax Officers (Group-B)—Confirmation of.

No. Est.I/C.I.T.(I)/DPC(Class-II)/CONFIRMATION/78-79 to 80-81/37225.—Shri M. M. Bharti, Income Tax Officer (Group-B), who has been found fit for confirmation by the Departmental Promotion committee, is appointed substantively to the permanent post of Income Tax Officer, Group-B, in the scale of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200, with effect from 12th July, '80.

The date of confirmation as indicated above is subject to modification at a later stage; if found necessary.

M. W. A. KHAN
Commissioner of Income Tax,
Delhi-I, New Delhi.

New Delhi, the 10th March 1981

INCOME TAX

No. CIT.V.Jur/80-81/44625.—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) & (2) of section 124 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) and partial modification of the notification issued earlier on the subject, Commissioner of Income-tax, Delhi-V New Delhi hereby directs that the ITO H.Q. V Delhi shall have concurrent jurisdiction with I.T.O. Distt. III(20) New Delhi in respect of the persons/cases assessed/assessable by them excepting the cases assigned u/s 127 or which hereafter be assigned.

For the purpose of facilitating the performance of the functions, CIT Delhi-V, also authorises the IAC Range V-B, New Delhi to pass such orders as contemplated in sub-section 2 of Section 124 of the Income-tax act.

This notification shall take effect from 2-2-81.

F. No. JUR/DLI/v/80-81/44751.—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of Section 8AA of Wealth-tax Act, 1957 and 7AA of Gift-tax Act, 1958, the Commissioner of Wealth-tax/Gift-tax Delhi-V, New Delhi hereby directs that all or any of the powers or functions conferred on or assigned to the Wealth-tax Officer/Gift-tax Officer, Distt. IV(10) in respect of cases mentioned in Schedule 'A' annexed hereto shall be exercised or performed concurrently by the I.A.C. Range-V-E, New Delhi.

2. For the purpose of facilitating the performance of the functions, Commissioner of Wealth-tax/Gift-tax Delhi-V New Delhi also authorises the Inspecting Assistant Commissioner of Wealth-tax/Gift-tax Range V-E to pass such orders as are contemplated in sub-section (2) of Section 8AA of Wealth-tax Act/7AA of Gift-tax Act.

3. This notification shall take effect from 13-2-81.

R. D. SAXENA
Commissioner of Income-tax
Delhi-V

SCHEDULE-A			
LIST OF WEALTH TAX CASES			
S. No.	Name of the Assessee	Status	P.A. No.
S/Shri			
1.	Avtar Singh Kohli	Distt. Individual	220018-PQ-4921
2.	Smt. Surendra Sethi	Distt. Individual	22037-PQ-9339
3.	Manpreet Singh	Distt. Individual	22037-PN-9333
4.	Daldeep Singh	Distt. Individual	22037-PT-9825
5.	Harpreet Singh	Individual	22037-PY-2329
6.	Iqbal Singh Kohli	Individual	22037-PV-9330

New Delhi, the 10th March 1981

INCOME-TAX

No. CIT/D-VI/Jur./80-81/44877.—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of Section 124 of the I.T. Act, 1961 (43 of 1961) and of all other enabling powers in this behalf the Commissioner of Income-tax, Delhi-VI, New Delhi hereby directs that the notification No. CIT.VI/JUR/80-81/39738 dated 29th January, 1981 be treated as cancelled w.e.f. 3-3-1981.

No. CIT.VI/JUR/80-81/44998.—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) & (2) of section 124 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) CIT, Delhi-VI, New Delhi hereby directs that the ITO mentioned in Col. 2 of the schedule below shall have concurrent jurisdiction with the ITO mentioned in Col. 3 of the said schedule in respect of persons/cases assessed/assessable by the ITO mentioned in Col. 3 excepting the cases assigned under section 127 or which may hereafter be assigned.

For the purpose of facilitating the performance of the functions, C.I.T., Delhi-VI also authorises the IAC Range 1-B New Delhi to pass such orders as contemplated in sub-section 2 of Section 124 of the Income-tax Act.

This notification shall take effect from 3-3-1981.

SCHEDULE

1	2	3
1.	ITO vth Addl Salary Circle, New Delhi,	ITO, IIIrd Addl. Salary Circle, New Delhi
		D. N. CHAUDHRI Commissioner of Income-tax, Delhi-VI, New Delhi

FORM LT.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BIHAR,

Patna, the 17th March, 1981

Ref. No. III-474/Acq/80-81—WHEREAS, I, H. NARAIN being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. part of plot no. 301 and 302 situated at Dhanbad Katras Road.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Dhanbad on 2-7-80

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Manishankar Pathak
S/o Prabhu Lal Pranjibhan Pathak
resident of Prabhu Kunj,
Katras Road, Dhanbad,
P. O. & P.S. Dhanbad Chowki,
Dist. Dhanbad.

(Transferor)

(2) M/S Good will properties a partnership firm having its office at Katras Road, Dhanbad, P. O. & P.S. Dhanbad Chowki, Sadar Sub-Registry office Dhanbad, Dist. Dhanbad presently comprising of

- (1) Smt. Kamlesh Jindal
W/o Shri Suraj Jindal
2. Sardar Rewal Singh Sethi
S/o Sardar Gurdit Singh Sethi
3. Lakhmij Singh Sabarwal
S/o Late Sardar Jaswant Singh
Sabarwal as partners.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A portion of homestead land with all pucca and Khaprashphosh buildings structure etc. measuring 5 Kathas and a half being part of plot No. 301 and 302 situated at Dhanbad Katras Road Dhanbad morefully described in deed No. 5471 dated 2-7-80 registered with D.S.R. Dhanbad.

H. NARAIN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Patna..

Date : 17-3-1981

Seal :

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX****ACQUISITION RANGE-II, MADRAS**

Madras-600 006, the 10th March, 1981

Ref. No. 9065—WHEREAS, I, RADHA BALAKRISHNAN being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immoveable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Saravana Rice, Groundnut & Oil Mills, No. 1 Road, Nagapattinam Road, Tanjore situated at Tanjore

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Tanjore (Doc. 2921/80) on July 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (1) S. Thirugnanam
S/o. Somasundara Devar
Padmanabhan, Rajendran, Manoharan
Ravichandran
No. 2292, Road No. 1,
Vandikara St., Tanjore.

(Transferor)

- (2) Seventhiappan Road No. 1,
Vandikara St.,
Saravana Rice and Groundnut and Oil Mills
(Srinivasapuram, Raja cholan Nagar,
Tanjore

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immoveable property within 45 days from the date of the publication of this Notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Land and building and Machinery at Saravana Rice, Groundnut, and Oil Mills, at Road No. 1, Nagapattinam Road, Tanjore

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

RADHA BALAKRISHNAN

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Madras-600 006.

Date : 10-3-81

Seal :

FORM LT.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 of 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-II, MADRAS

Madras-600 006, the 10th March, 1981

Ref. No. : 15534—Whereas, I RADHA BALAKRISHNAN being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 23, Appu Mudali St., Madras, 4 situated at Madras (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Mylapore (Doc. 1349/80) on July 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) M. O. Joseph No. 33,
Mada Church Road,
Madras-28.

(Transferor)

(2) S. Alagammai Achi,
No. 1, Cathedral Road,
Madras-600006

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Land and building at 23, Appu Mudali St., Madras-4
(Doc. 1349/80)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

RADHA BALAKRISHNAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Madras-600006.
Date : 10-3-1981
Seal :

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,****ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006**

Madras-600 006, the 10th March, 1981

Ref. No. : 15533—Whereas, I RADHA BALAKRISHNAN being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

16, Masilamani Road, situated at Madras-14 (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Mylapore (Doc. 1369/80) on July 1980 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

(1) Raja Ganapathy
Smt. Subbulakshmi
16, Masilamani Road,
Madras-14.

(Transferor)

(2) Arun Khurana
158, Mowbrayas Road,
Madras-18.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons with a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building at 16, Masilamani Road, Madras-14.
(Doc. 1369/80)

RADHA BALAKRISHNAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Madras-600 006.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of the notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 10-3-1981

Seal :

FORM NO. I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS

Madras-600 006, the 10th March, 1981

Ref. No. : 9063—Whereas I, RADHA BALAKRISHNAN being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

situated at Thirumalairaya Samudram (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Pudukkottai (Doc. 2202/80) on July 1980 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Velliammal Achi,
W/o Balaniappa Chettiar,
Royavaram,
Sengeerai Via, Thirumayam Tk

(Transferor)

(2) Ammasi (A) K. Muthiah,
Mariappan
Periyan, Ponnan, Malayyan
Periyan Silamban, C/o. Karuppiah,
Uppupatti, Alangudi Road,
Pudukkottai

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land at Thirumalairayasamudram
(Doc. 2202/80)

RADHA BALAKRISHNAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Madras-600 006

Date : 10-3-1981

Seal :

FORM ITN3**NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA**

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006**

Madras-600 006, the 10th March, 1981

Ref. No. 9053—Whereas, I RADHA BALAKRISHNAN being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 6/125A, Chinna Pallivasal, situated at St., Tirupattur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Tirupattur (Doc. 984/80) on July 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) A. K. M. Kader Ambalam
294, Kannu Pillai St.,
Karaikudi

(Transferor)

(2) M. Indirani
W/o. S. P. Manivel Pillai,
Agil Manai St, Tiruppattur Road,
Tiruppattur

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Land and building at 6/125A, Chinna Pallivasal St., Tirupattur
(Doc. 984/80)

RADHA BALAKRISHNAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Madras-600 006.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—
26—26GI/81

Date : 10-3-81
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006.

Madras-600 006, the 10th March, 1981

Ref. No. :10877-- Whereas, I RADHA BALAKRISHNAN being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

12B, situated at Panagal Park Road, Sanganur (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Coimbatore (Doc. 4003/80) on July 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) M.V. Sarojiniammal
1/72, Marappa Godanpudur
Pollachi Tk.

(Transferor)

(2) P.R. Govindarajulu
2/38, Rangammal Koil St.,
Pappanaickonpalayam,
Coimbatore.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Land and building at 12B, Panagal Park Road Sanganur Coimbatore.

(Doc. 4003/80)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

RADHA BALAKRISHNAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Madras-600 006

Date : 10-3-1981

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006.

Madras-600 006, the 10th March, 1981

Ref. No. : 10873— Whereas, I RADHA BALAKRISHNAN being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 100, situated at East Thiruvenkataswamy, Road, R. S. Puram, Coimbatore (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Coimbatore (Doc. 3896/80) on July 1980 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) K.V. Ramamurthy,
K.V. Krishnamurthy
K.R. Balaji,
K.S. Yegyasanmy,
No. 1, Kalidas Road,
Ramnagar, Coimbatore-9

(Transferor)

(2) N. K. Hussain,
660, Sukkarawarpet,
Coimbatore-1

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property, may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Land and building at 100, East Thiruvenkataswamy Road, RS puram Coimbatore.

(Doc. 3896/80)

RADHA BALAKRISHNAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Madras-600 006.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 10-3-1981

Seal

FORM I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II MADRAS-006 006

Madras-600 006, the 10th March, 1981

Ref. No. : 10919— Whereas, I RADHA BALAKRISHNAN being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Land and Building at Tiruppur,
(and more fully described in the Schedule annexed hereto)
has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Tiruppur (Doc. 2025/80) on July 1980
for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) P. Sarada Ammal
W/o. Sridhara Menon
Susaiyapuram, Tiruppur

(Transferor)

(2) D. Shanmughavadivel
Samundiswari
C/o. Doraiswamy Mudliar
Susaiyapuram, Tiruppur

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land/Building at Tiruppur
(Doc. 2025/80)

RADHA BALAKRISHNAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Madras-600 006

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of the notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 10-3-1981

Seal :

FORM ITNS

(1) Asher Textiles Ltd.
Tiruppur

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 10th March, 1981

Ref. No. 10918—Whereas, I RADHA BALAKRISHNAN being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. land situated at Thottipalayam and Chettipalayam (and more fully described in the schedule annexed hereto, has been transferred under the Registration Act, 1968 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Tiruppur (Doc. 2069/80) on July 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (2) S.A. Kader,
K. Syed Haroon Rasheed
K. Sayed Salik,
K. Syed Berkath,
K. Syed Hosur Hamsa,
Asad Mensil
1A, Angeripalayam Road,
Tiruppur

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Land at Thottipalayam and Chettipalayam
(Doc. 2069/80)

RADHA BALAKRISHNAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Madras-600 006

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 10-3-1981

Seal :

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,****ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006**

Madras-600 006, the 10th March, 1981

Ref. No. 10875—Whereas, I RADHA BALAKRISHNAN being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 5, situated at Krishnaswamy Mudaliar Road Coimbatore (and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Coimbatore (Doc. 3832/80) on July, 1980 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) P. Usha
5, Krishnaswamy Mudaliar Road,
Coimbatore

(Transferor)

(2) Thirugnanasambandam (A) Sampath,
37, West Ponnurangam Road,
Coimbatore

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Land and building at 5 Krishnaswamy Mudaliar Road, Coimbatore.

(Doc. 3832/80)

RADHA BALAKRISHNAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Madras-600 006

Date : 10-3-1981

Seal:

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

FORM NO. LT.N.S.

(1) V. P. Angamuthu,
Vaniyar St., Dharapuram

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 10th March, 1981

Ref. No. : 10909— Whereas, I RADHA BALAKRISHNAN being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 46A8, Uppiliar St., situated at Kannan Nagar, Dharapuram (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Dharapuram (Doc. 2371/80) on July 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any Moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act. or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Land and building at 46A8, Uppiliar St., Kannan Nagar, Dharapuram

(Doc. 2371/80)

RADHA BALAKRISHNAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Madras-600-006

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 10-3-1981
Seal :

FORM I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 10th March, 1981

Ref. No. : 10893— Whereas, I RADHA BALAKRISHNAN being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. land situated at Ikkarai Negamam, Sathyamangalam (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at at Sathyamangalam (Doc. 1552/80) on July 1980 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Venkatachalam
S/o. Ramaswamy Gounder
Thanyampalayam,
Ikkarai Negamam
Sathyamangalam Tk

(Transferor)

(2) S.V. Sundaramurthy
S/o. Venkiduswamy Gr.
Bahuthampalayam,
Sathyamangalam Tk.

(Transferee)

Objections, if any, to be acquisitions of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land at Ikkaralnegammam, Sathyamangalam
(Doc. 1552/80)

RADHA BALAKRISHNAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Madras-600006

Date : 10-3-81
Seal #

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 10th March, 1981

Ref. No. : 10920— Whereas, I RADHA BALAKRISHNAN being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. land and building situated at Thottipalayam, No. 4, Tiruppur (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Tiruppur (Doc. 1985/80) on July 1980 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) P.T. Avanashi Lingam
S/o. Thammanna Chettiar,
Ganganagar, Tiruppur

(Transferor)

(2) Kannammal, W/o C. Subramanian
Kaveri St., Tiruppur

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publications of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expression used therein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Land and building at No. 4, Thottipalayam Tiruppur
(Doc. 1985/80)

RADHA BALAKRISHNAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Madras-600 006

Date : 10-3-81
Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

27—26GI/81

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 10th March, 1981

Ref. No. : 10876—Whereas, I RADHA BALAKRISHNAN being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 5, Krishnaswamy Mudaliar Road, situated at Coimbatore (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Coimbatore (Doc. 3829/80) on July 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- | | |
|---|--------------|
| <p>(1) P. Nachimuthu
5. Krishnaswamy Mudaliar Road,
Coimbatore</p> | (Transferor) |
| <p>(2) Mrs. C. Visalakshi
37, West Ponnurangam Road,
Coimbatore</p> | (Transferee) |

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Land and building at 5, Krishnaswamy Mudaliar Road, Coimbatore

(Doc. 3829/80)

RADHA BALAKRISHNAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Madras-600 006

Date : 10-3-1981

Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA**

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 10th March, 1981

Ref. No. : 10876—Whereas, I RADHA BALAKRISHNAN being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 5, Krishnaswamy Mudaliar Road, situated at Coimbatore (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at

Coimbatore (Doc. 3831/80) on July 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) Manickam W/o. Late Palanisamy
5, Krishnaswamy Mudaliar Road,
Brook Bond Layout
Coimbatore

(Transferor)

(2) C.S. Chandrasekaran,
37, West Ponnurangam Road,
Coimbatore

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Land and building at No. 5, Krishnaswamy Mudaliar Road, Coimbatore
(Doc. 3831/80)

RADHA BALAKRISHNAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Madras-600 006

Date : 10-3-1981

Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX,
ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006

Madras, the 10th March, 1981

Ref. No. : 10876—Whereas I, RADHA BALAKRISHNAN being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

16, Krishnaswamy Mudaliar Road, situated at Coimbatore and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of Registering Officer at Coimbatore (Doc. 3830/80) on July 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (1) Mrs. Rajeswari,
5. Krishnaswamy Mudaliar Road,
Coimbatore
(Transferor)
- (2) Muthuganesan
37, West Ponnurangam Road,
Coimbatore
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Land and building at No. 5, Krishnaswamy Mudaliar Road, Coimbatore.

(Doc. 3830/80)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

RADHA BALAKRISHNAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Madras-600 006.

Date : 10-3-81
Seal :

FORM ITNS

(1) V.S. Munuswamy,
54, Sullivan Garden Road,
Madras-4

(Transferor)

(2) M. Liaquat Ali,
24, Gulam Abbas Ali Khan 7th St.,
Madras-6

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 17th March, 1981

Ref. No. : 15586—Whereas, I, RADHA BALAKRISHNAN being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 24, Gulam Abbas Ali Khan 7th St., Thousand Lights, situated at Madras-6 (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Madras North (Doc. 3064/80) on July 1980 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957)

THE SCHEDULE

Land and building at 24, Gulam Abbas Ali Khan 7th St., Thousand Lights, Madras-6
(Doc. 3064/80)

RADHA BALAKRISHNAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range-II, Madras-600 006

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely —

Date : 17-3-81
Seal :

FORM I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 10th March, 1981

Ref. No. : 15554—Whereas, I, RADHA BALAKRISHNAN being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 6, II St., Bakthavatsalam Nagar, situated at Madras-20 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Saidapet (Doc. 2338/80) on July 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) T. Geethalakshmi,
51/2, Osborne Road
Kothandarama Layout,
Bangalore

(Transferee)

(2) S.V. Lakshmanan,
6, II St., Bakthavatsalam
Nagar, Madras-20

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building at 6, II St., Bakthavatsalam Nagar, Madras-20 (Doc. 2338/80)

RADHA BALAKRISHNAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Madras-600 006

Date : 18-3-81

Seal :

FORM ITNS

(1) Zaibunnisa Begum
64, Pachiappa Chetty St.,
Madras-5

(Transferor)

(2) Hajeer Ammal
42, Pudumanai St.,
Adiramapattinam,
Tanjore Dt.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.
ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 19th March, 1981

Ref. No. : 15587—Whereas, I, RADHA BALAKRISHNAN being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the ‘said Act’), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

149, Bells Roads, Madras-5 situated at (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Madras North (Doc. 2958/80) on July 1980 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Land and building at 149, Bells Road, Madras-5
(Doc. 2958/80)

RADHA BALAKRISHNAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Madras-600 006

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 19-3-1981

Seal :

FORM ITNS—

- (1) P.C. Sekhar,
24, Cathedral Road
Madras-86
(Transferor)
- (2) K.N. Agarwal and Mrs. Sampathi Devi Agarwal
66, Grand Trunk Road,
Lulua, Howrah (West Bengal)
(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-JI, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 19th March, 1981

Ref. No. : 15529—Whereas, I, RADHA BALAKRISHNAN being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 23, Muthia St., Cathedral Road, situated at Madras-85 (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Madras South (Doc. 1329/80) on July 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Land and building at 23, Muthiah St., Cathedral Road, Madras-86
(Doc. 1329/80)

RADHA BALAKRISHNAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Madras-600 006

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 19-3-1981

Seal:

NOTICE

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961).

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 10th March, 1981

Ref. No. : 10871—Whereas, I, RADHA BALAKRISHNAN being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1963 (43 of 1961) hereinafter referred to as the ('said' Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 23,000/- and bearing
No. 9/22, Somasundaram Mill Road, situated at Coimbatore (and more fully described, in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Coimbatore (Doc. 3924/80) on July 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(1) Mrs. Theresammal,
S. Joseph Richard
S. Rosario Antony,
C. 78, 86th St., Ashok Nagar,
Madras

(Transferor)

(2) K. Abdulla, 35, Kadakkara Lane
Uppilipalayam, Coimbatore

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Welsh-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Land and building at 9/22, Somasundaram Mill Road, Coimbatore
(Doc. 3924/80)

RADHA BALAKRISHNAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Madras-600 006

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

28—26GI/81

Date : 10-3-1981
Seal:

FORM LT.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 10th March 1981

Ref. No. : 10871—Whereas, I RADHA BALAKRISHNAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing .

No. 9/23, 24, Somasundaram Mill Road situated at Coimbatore

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Coimbatore (Doc. 3923/80) on July 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) Mrs. Theresammal
C. 78, 86th St., Ashok Nagar,
Madras

(2) K. Abdulla,
35, Kadakkara Lane,
Uppilipalayam,
Coimbatore

(Transferor)

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Land and building at 9, 23, 24, Somasundaram Mill Road, Coimbatore.

(Doc. 3923/80)

RADHA BALAKRISHNAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Madras-600 006

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 10-3-1981

Sigl :

FORM ITNS—

(1) Meenakshi Ammal
9B State Bank Colony,
Saibaba Colony,
Coimbatore

(Transferor)

(2) Banumathi
Sakuntala 47,
Thomas St.,
Coimbatore

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 10th March 1981

Ref. No. : 10903— Whereas, I RADHA BALAKRISHNAN being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 181, Thiagi Kumaran St., situated at Coimbatore (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Coimbatore (Doc. 4126/80) on July 1980 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, of the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Land and building at 181, Thiagi Kumaran St., Coimbatore (Doc. 4126/80)

RADHA BALAKRISHNAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Madras-600 006

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 10-3-1981
Seal :

FORM TTD**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX****ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006**

Madras -600006, the 10th March 1981

Ref. No. : 10903— Whereas, I RADHA BALAKRISHNAN being the Competent Authority under Section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immoveable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 181, Thiagi Kumaran St., situated at Coimbatore (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Coimbatore (Doc. 4127/80) on July 1980 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

(1) Rajammal,
Radhanarayanan
2,181/ Thiagi Kumaran St.,
Coimbatore

(2) Banumathi & Sakuntala
47, Thomas St., Coimbatore

(Transferor)

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immoveable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building at 181, Thiagi Kumaran St., Coimbatore
(Doc. 4127/80)

RADHA BALAKRISHNAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Madras-600 006

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 10-3-1981
Seal :

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.**

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 17th March 1981

Ref. No. : 15595— Whereas, I RADHA BALAKRISHNAN being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 2, Boat Club Road, 2nd Avenue situated at Madras-20 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the Office of the Registering Officer at Mylapore (Doc. 1401/80) on July 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the instrument of transfer with the object of :—

(1) Wmco Ltd.
Indian Mercantile Chambers
Ramjibhai Kamani Marg,
Ballard Estate
Bombay-400 038

(Transferor)

(2) Joseph Maijo,
30/6th Main Road
Madras-28

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Land and building at 2, Boat Club Road 2nd Avenue, Madras-20

Doc. 1401/80

RADHA BALAKRISHNAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Madras-600 006

Date : 10-3-1981

Seal :

Now, therefore, in pursuance of section 269-C of the Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 17th March 1981

Ref. No. : 15595— Whereas I, RADHA BALAKRISHNAN being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 2, Boat Club Road, situated at 2nd Avenue, Madras-20 (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Mylapore (Doc. 1400/80) on July 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afores exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(1) Wimco Ltd.,
Indian Mercantile Chambers
Ranjibhai,
Kamani Marg.
Ballard Estate
Bombay-400 038

(2) George Maijo Exports (P) Ltd.
41, Venkatanarayana Road,
Madras-600 017

(Transferor)

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1927);

THE SCHEDULE

Land at No. 2, Boat Club Road, 2nd Avenue Madras-20 (Doc. 1400/80)

RADHA BALAKRISHNAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Madras-600 006

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 17-3-1981

Seal:

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006
Madras-600 006, the 17th March 1981

Ref. No. : 15596— Whereas, I, RADHA BALAKRISHNAN being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said' Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 3, Boat Club Road, situated at 2nd Avenue, Madras 20 (and more fully, described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Mylaore (Doc. 1399/80) on July 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for which transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(1) Wimco Ltd.,
Indian Mercantile Chambers
Ramjibhai Kamani Marg,
Ballard Estate
Bombay-400 038

(2) Mrs. Rita Joseph
30, VIIth Main Road Madras-28

(Transferor)

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons with a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Land and building at No. 2, Boat Club Road Madras-20
(Doc. 1399/80)

RADHA BALAKRISHNAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Madras-600006

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 17-3-1981
Seal :

FORM I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME TAX
ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 18th March 1981

Ref. No. : 15614—Whereas, I RADHA BALAKRISHNAN being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 5, North Mada St., situated at Madras-41 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Saidapet (Doc. 2517/80) on July 1980 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) Tara Mandhar,
Sathyu Bhama,
Lakshmi Sumukadas
Sabesan, Neela, Sailesan
13A, Anna St., Madras-41

(2) S. Kumarakurubaran,
9, East Mada St.,
Madras-41.

(Transferor)

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Land and building at 5, North Mada St., Madras-41.
(Doc. 2517/80)

RADHA BALAKRISHNAN

Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Madras-600 006

Date : 18-3-1981
Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

FORM I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006

Madras-600 006; the 18th March 1981

Ref. No. : 15614—Whereas, I, RADHA BALAKRISHNAN being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 5, North Mada St., situated at Madras-41 (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Saidapet (Doc. 2518/80) on July 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—
2—26GI/81

(1) Taramandhar, Sathya Bhama
Lakshmi Sumukadas,
Sabesan, Neela,
Sailesan, 13A, Anna St.,
Madras-41.

(Transferor)

(2) S. Kumarakurubaran,
9, East Mada St.,
Madras-41

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building at 5, North Mada St., Madras-41
(Doc. 2518/80)

RADHA BALAKRISHNAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Madras-600 006

Date : 18-3-1981

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 18th March 1981

Ref. No. : 15614—Whereas, I, RADHA BALAKRISHNAN being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 5, North Mada St., situated at Madras-41 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Saidapet (Doc. 2438/80) on July 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) Taramandhar,
Sathyabhamma,
Lakshmi Sumukadas
Sabesan, Neela, Sailesan
13A, Anna St., Madras-41

(Transferor)

(2) S. Kumarakurubaran
9, East Mada St., Madras-41

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Welath-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Land and building at 5, North Mada St., Madras-41.
(Doc. 2438/80)

RADHA BALAKRISHNAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Madras-600 006

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Date : 18-3-1981

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)
GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME TAX,
ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, the 10th March 1981

Ref. No. AP No. 2449—Whereas, I, R. GIRDHAR being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. as per Schedule situated at Rajan Mandi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Talwandi Sabo on July, 1980 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269-C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) S/Shri/Smt.
1. Arjan Dass Charanjit Lal, Raman Mandi
2. Fatta Trading Co., Do.
3. Madan Lal Manohar Lal, Do.
4. Balak Ram Lachman Dass, Do.
5. Bhagwan Singh Santokh Singh, Do.
6. Chanan Ram Dev Raj, Do.
7. Kanshi Ram Kishore Chand, Do.
8. Hardev Singh Krishan Kumar, Do.
9. Babu Ram Prem Chand, Do.
10. Dharam Paul Madan Lal, Do.
11. Sat Paul Pawan Kumar, Raman Mandi
12. Ganga Ram Radha Ram, Do.
13. Kabana Mal Jot Ram, Do.
14. Kewal Krishan Pawan Kumar, Do.
15. Brij Lal Kewal Krishan, Do.
16. Rikhi Ram Ved Parkash, Do.
17. Banarsi Dass Rattan Chand, Do.
18. Thakur Mal Hans Raj, Do.
19. Kishore Chand Om Parkash, Do.
20. Narain Dass Roshan Lal, Do.
21. Babu Ram Vijay Kumar, Do.
22. Lal Chand Amar Nath, Do.
23. Tara Chand Jugal Kishore, Do.
24. Krishan Gopal Pawan Kumar, Do.
25. Ram Rattan Dass Bisheswar Dass, Do.
26. Raj Kumar Nand Lal, Do.
27. Darshan Singh Dildar Singh, Do.
28. Arjan Singh Tirath Singh, Do.
29. Balwant Singh Ajit Singh, Do.
30. Hans Raj Tarasem Chand, Do.

31. Shiv Dyal Ram Narain, Do.
32. Rikhi Ram Jagmohan Lal, Do.
33. Tarlok Chand Mangat Rai, Do.
34. Gurmukh Singh Harbans Singh, Do.
35. Harnam Singh Hardwari Lal, Do.
36. Balbir Singh Jasbir Singh, Do.
37. Gopal Chand Pirlhi Singh, Do.
38. Raja Ram Som Parkash, Do.
39. Kundan Lal Sarwan Kumar, Do.
40. Khem Singh Hira Singh, Do.
41. Bishan Mal Kanshi Ram, Do.
42. Tehal Singh Kishan Singh, Do.
43. Hari Singh Ranjit Singh, Do.
44. Tilak Raj Ramji Dass, Do.
45. Hari Ram Brij Lal, Do.
46. Amar Nath Ved Parkash, Do.
47. Paras Ram Kishore Chand, Do.
48. Birbal Dass Raj Kumar, Do.
49. Mangoo Ram Ashok Kumar, Do.
50. Mukhtiar Singh Ram Saroop, Do.
51. Jagat Parkash Kalra, & Co., Do.
52. Ganesha Mal Bhana Mal, Do.
53. Manjit Singh & Co., Do.
54. Telu Ram Sham Lal, Do.
55. Tulsi Ram Inder Mal, Do.
56. Bishna Mal Om Parkash, Do.
57. Dilla Ram Lachman Dass, Do.
58. Roshan Lal Jagdish Rai, Do.
59. Raja Ram Om Parkash, Do.
60. Molak Ram Janak Raj, Do.
61. Kour Chand Das Raj, Do.
62. Narata Ram Ashok Kumar, Do.
63. Manohar Lal Amrit Lal, Do.
64. Sita Ram Tajinder Paul, Do.
65. Khetu Ram Kishan Chand, Do.
66. Brij Lal Ved Parkash, Do.
67. Munshi Ram Naranjan Dass, Do.
68. Ramji Dass Davinder Kumar, Do.

(Transferors)

- (2) S/Shri
 - (i) Mangat Rai s/o Tarlok Chand c/o M/s Tarlok Chand Mangat Rai, Raman Mandi,
 - (ii) Ashok Kumar (Do)
 - (iii) Pawan Kumar (Do)
 - (iv) Kawal Kant (Do.)

(Transferees)

- (3) As per Sr. No. 2 above.
(Persons in occupation of the property).

- (4) Any other person interested in the property
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have in the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property and persons as mentioned in the Registration Sale Deed No. 1226 of July 1980 of the Registering Authority, Talwandi, Sabo.

R. GIRDHAR
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jullundur.

Date : 10-3-81

Seal:

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1)
OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur the 10th March, 1981:

Ref. No. AP No. 2450—Whereas, I, R. GIRDHAR

Income tax Act, 1961 (43 of 1961), hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. as per Schedule situated at Raman Mandi (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Talwandi Sabo on July, 1980 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) S/Shri/Smt.

1. Arjan Dass Churanji Lal, Raman Mandi.
2. Fatta Trading Co., Do.
3. Madan Lal Manohar Lal, Do.
4. Balak Ram Lachman Dass, Do.
5. Bhagwan Singh Santokh Singh, Do.
6. Chanan Ram Dev Raj, Do.
7. Kanshi Ram Kishore Chand, Do.
8. Hardev Singh Krishan Kumar, Do.
9. Babo Ram Prem Chand, Do.
10. Dhararam Paul Madan Lal, Do.
11. Sat Paul Pawan Kumar, Do.
12. Ganga Ram Radha Ram, Do.
13. Kahana Mal Jot Ram, Do.
14. Kewal Krishan Pawan Kumar, Do.
15. Brij Lal Kewal Krishan, Do.
16. Rikhi Ram Ved Parkash, Do.
17. Banarsi Dass Rattan Chand, Do.
18. Thakur Mal Hans Raj, Do.
19. Kishore Chand Om Parkash, Do.
20. Narain Dass Roshan Lal, Do.
21. Babu Ram Vijay Kumar, Do.
22. Lal Chand Amar Nath, Do.
23. Tara Chand Jugal Kishore, Do.
24. Krishan Gopal Pawan Kumar, Do.
25. Ram Rattan Dass Basheshar Dass, Do.
26. Raj Kumar Nand Lal, Do.
27. Darshan Singh D/dar Singh, Do.
28. Arjan Singh Tirath Singh, Do.
29. Balwant Singh Ajit Singh, Do.
30. Hans Raj Tarasem Chand, Do.

31. Shiv Dyal Ram Narain, Raman Mandi.
32. Rikhi Ram Jagohan Lal, Do.
33. Tarlok Chand Mangat Rai, Do.
34. Gurmukh Singh Harbans Singh, Do.
35. Harnam Singh Hardwari Lal, Do.
36. Balbir Singh Jasbir Singh, Do.
37. Gopal Chand Pirthi Singh, Do.
38. Raja Ram Som Parkash, Do.
39. Kundan Lal Sarwan Kumar, Do.
40. Khem Singh Hira Singh, Do.
41. Bishan Mal Kanshi Ram, Do.
42. Tehal Singh Kishan Singh, Do.
43. Haci Singh Ranjit Singh, Do.
44. Tilak Raj Ramji Dass, Do.
45. Hari Ram Brij Lal, Do.
46. Amar Nath Ved Parkash, Do.
47. Paras Ram Kishore Chand, Do.
48. Birbal Dass Raj Kumar, Do.
49. Mangoo Ram Ashok Kumar, Do.
50. Mukhiar Singh Ram Saroop, Do.
51. Jagat Parkash Kalra, & Co. Do.
52. Ganesh Mal Bhana Mal, Do.
53. Manjit Singh & Co. Do.
54. Telu Ram Sham Lal, Do.
55. Tulsi Ram Inder Mal, Do.
56. Bishna Mal Om Parkash, Do.
57. Dilla Ram Lachman Dass, Do.
58. Roshan Lal Jagdish Rai, Do.
59. Raja Ram Om Parkash, Do.
60. Molak Ram Janak Raj, Do.
61. Kour Chand Des Raj, Do.
62. Narata Ram Ashok Kumar, Do.
63. Manohar Lal Amrit Lal, Do.
64. Sita Ram Tajinder Paul, Do.
65. Khetu Ram Kishan Chand, Do.
66. Brij Lal Ved Parkash, Do.
67. Munshi Ram Naranjan Dass, Do.
68. Ramji Dass Davinder Kumar, Do.

Transferor(s)

(2) S/Shri/Smt.

- | | |
|----------------------------------|-----|
| (i) Mangat Rai | |
| S/o Tarlok Chand | |
| C/o M/S Tarlok Chand Mangat Rai, | |
| Raman Mandi. | |
| (ii) Ashok Kumar | Do. |
| (iii) Pawan Kumar | Do. |
| (iv) Kamal Kant | Do. |

Transferee(s)

(3) As per Sr. No. 2 above.

(Persons in occupation of the property).

(4) Any other person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property and persons as mentioned in the Registration Sale Deed No. 1227 of July, 1980 of the Registering Authority, Talwandi Sabo.

R. GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jullundur.

Date : 10-3-1981

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, the 10th March, 1981

Ref. No. : AP No. 2451—Whereas, I R. GIRDHAR being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,900/- and bearing

No. as per Schedule situated at Raman Mandi (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Talwandi Sabo on July, 1980 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (i) S/Shri/Smt.
1. Arjan Dass Charanji Lal, Raman Mandi.
2. Fatta Trading Co., Do.
3. Madan Lal Manohar Lal, Do.
4. Balak Ram Lachman Dass, Do.
5. Bhagwan Singh Santokh Singh, Do.
6. Chanana Ram Dev Raj, Do.
7. Kanshi Ram Kishore Chand, Do.
8. Hardev Singh Krishan Kumar, Do.
9. Babu Ram Prem Chand, Do.
10. Dharam Paul Madan Lal, Do.
11. Sat Paul Pawan Kumar, Do.
12. Ganga Ram Radha Ram, Do.
13. Kahana Mal Jot Ram, Do.
14. Kewal Krishan Pawan Kumar, Do.
15. Brij Lal Kewal Krishnan, Do.
16. Rikhi Ram Ved Parkash, Do.
17. Banwari Dass Rattan Chand, Do.
18. Thakur Mal Hans Raj, Do.
19. Kishore Chand Om Parkash, Do.
20. Narain Dass Roshan Lal, Do.
21. Babu Ram Vijay Kumar, Do.
22. Lal Chand Amar Nath, Do.
23. Tari Chand Jugal Kishore, Do.
24. Krishan Gopal Pawan Kumar, Do.
25. Ram Rattan Dass Basheshar Dass, Do.
26. Raj Kumar Nand Lal, Do.
27. Darshan Singh Didar Singh, Do.
28. Arjan Singh Tirath Singh, Do.
29. Balwant Singh Ajit Singh, Do.
30. Hans Raj Tarasem Chand, Do.

31. Shiv Dyal Ram Narain, Raman Mandi
32. Rikhi Ram Jagmohan Lal, Do.
33. Tarlok Chand Mangat Rai, Do.
34. Gurmuuk Singh Harbans Singh, Do.
35. Harnam Singh Hardwari Lal, Do.
36. Balbir Singh Jasbir Singh, Do.
37. Gopal Chand Pirthi Singh, Do.
38. Raja Ram Som Prakash, Do.
39. Kundan Lal Sarwan Kumar, Do.
40. Khem Singh Hira Singh, Do.
41. Bishan Mal Kanshi Ram, Do.
42. Tehal Singh Kishan Singh, Do.
43. Hari Singh Ranjit Singh, Do.
44. Tilak Raj Ramji Dass, Do.
45. Hari Ram Brij Lal, Do.
46. Amar Nath Ved Prakash, Do.
47. Paras Ram Kishore Chand, Do.
48. Birbal Dass Raj Kumar, Do.
49. Mangoo Ram Ashok Kumar, Do.
50. Mukhtiar Singh Ram Saroop, Do.
51. Jagat Parkash Kaira & Co., Do.
52. Ganesha Mal Bhana Mal, Do.
53. Manjit Singh & Co., Do.
54. Telu Ram Sham Lal, Do.
55. Tulsi Ram Inder Mal, Do.
56. Bishan Mal Om Parkash, Do.
57. Dilla Ram Lachman Dass, Do.
58. Roshan Lal Jagdish Rai, Do.
59. Raja Ram Om Parkash, Do.
60. Molak Ram Janak Rai, Do.
61. Kour Chand Des Raj, Do.
62. Narata Ram Ashok Kumar, Do.
63. Manohar Lal Amrit Lal, Do.
64. Sita Ram Tajinder Paul, Do.
65. Khetu Ram Kishan Chand, Do.
66. Brij Lal Ved Parkash, Do.
67. Munshi Ram Naranjan Dass, Do.
68. Ramji Dass Davinder Kumar, Do.

(Transferors)

(2) S/Shri/Smt.

- (i) Mangat Rai
S/o Tarlok Chand
M/S Tarlok Chand Mangat Rai,
Raman Mandi.
- (ii) Ashok Kumar, Do.
- (iii) Pawan Kumar, Do.
- (iv) Kamal Kant, Do. (Transferees)

(3) As per Sr. No. 2 above

(Persons in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property and persons as mentioned in the Registration Sale Deed No. 1228 of July, 1980 of the Registering Authority, Talwandi, Saboo

R. GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jullundur.

Date : 10-3-1981

Seal :

FORM ITNS

(1) The Sutlej Land Finance Co.,
Pvt., Ltd.,
Jullundur.

(Transferor)

(2) M/S Sutlej Palace & Pictures
Nawan Shehar.

(Transferee)

(3) As per s. No. 2 above.

(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR
Jullundur, the 6th March, 1981

Ref. No. A. P. No. 2511—Whereas, I R. GIRDHAR being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

as per schedule situated at Nawanshehar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Nawanshehar on July 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XVA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Property & Persons as mentioned in the registration sale deed No. 1816 of July, 1980 of the Registering Authority Nawanshehar.

R. GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jullundur.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 6-3-1981

Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Jagir Singh S/o Partap Singh,
V. & P. O. Garha, Teh., Jullundur.

(Transferor)

(2) Shri Paramjit Kaur
W/o Shri Sawarn Singh,
Kothi No. 93,
Sector 18-A,
Chandigarh.

(Transferee)

(3) As per S. No. 2 above.
(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property.
(Person whom the undersigned knows to be interested
in the property)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, the 6th March 1981

Ref. No. A. P. No. 2512—Whereas, I R. GIRDHAR being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. as per schedule situated at Dilkusha Market, Jullundur (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jullundur on July, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property & Persons as mentioned in the Registration Sale Deed No. 2295 of July, 1980 of the Registering Authority, Jullundur.

R. GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jullundur.

Date : 6-3-1981

Seal :

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

FORM FINS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, the 6th March, 1981

Ref. No. A. P. No. 2513—Whereas, I R. GIRDHAR being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. as per schedule situated at Dilkusha Market, Jullundur (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Jullundur on July, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid

property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the objects of :—

- (1) Giani Shanker Singh S/o Sh. Bal Singh R/o Garden Colony, Jullundur. (Transferor)
- (2) Kumari Paramjit Kaur W/o Sh. Sawan Singh, Kothi No. 93, Sector 18-A, Chandigarh. (Transferee)
- (3) As per S. No. 2 above. (Person in occupation of the property)
- (4) Any other person interested in the property. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Property & Persons as mentioned in the registration sale deed No. 2296 of July, 1980 of the Registering Authority, Jullundur.

R. GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jullundur.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 6-3-1981

Seal :

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA**

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR**

Jullundur, the 6th March, 1981

Ref. No. A. P. No. 2514—Whereas, I R. GIRDHAR being the Competent Authority under Section 269B, of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. as per schedule situated at Dilkusha Market, Jullundur (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jullundur on July, 1980 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

(1) Shri Nonihal Singh
S/o Gupal Singh
R/o V. & P. O. Garha, Teh. Jullundur.

(Transferor)

(2) Shri Parmjit Kaur
W/o Sh. Sawaran Singh
R/o Kothi No. 93,
Sector 18-A,
Chandigarh.

(Transferee)

(3) As per Sl. No. 2 above.

(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property.

(Person whom the under signed knows to be interested in the property)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property and Persons as mentioned in the registration sale deed No. 2297 of July, 1980 of the Registering Authority, Jullundur.

R. GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jullundur.

Date : 6-3-1981

Seal ;

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

30—26 GI/81

FORM ITNS

- (1) Shri Sawarn Singh S/o Sh. Labh Singh
R/o Civil Lines,
Jullundur. (Transferor)
- (2) Shrimati Paramjit Kaur
W/o Sh. Sawarn Singh,
Kothi No. 93,
Sector 18-A,
Chandigarh. (Transferee)
- (3) As per S. No. 2 above.
[Person(s) in occupation of the Property]
- (4) Any other person interested in the property.
[Person(s) whom the undersigned knows
to be interested in the Property]

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, the 6th March 1981

Ref. No. A. P. No. 2515—Whereas, I R. GIRDHAR being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. as per schedule situated at Dilkusha Market, Jullundur. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Jullundur on July, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Property & Persons as mentioned in the registration sale deed No. 2298 of July, 1980 of the Registering Authority, Jullundur.

R. GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jullundur.

Date : 6-3-1981

Seal :

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR**

Jullundur, the 6th March 1981

Ref. No. A. P. No. 2516—Whereas, I, R. GIRDHAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs.

25,000/- and bearing No. as per schedule situated at Dilkusha Market, Jullundur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

Jullundur on July, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (1 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Karam Singh S/o Sh. Basant Singh,
R/o Janta Colony,
Jullundur.

(Transferor)

(2) Shrimati Parmjit Kaur
W/o Sh. Sawarn Singh,
Kothi No. 93,
Sector 18 A,
Chandigarh.

(Transferee)

(3) As per S. No. 2 above.

[Person(s) In occupation of the Property]

(4) Any other person interested in the property.

[Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the Property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property & Persons as mentioned in the registration sale deed No. 2299 of July, 1980 of the Registering Authority, Jullundur.

R. GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jullundur.

Date : 6-3-1981

Seal :

FORM NO. I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME TAX,
ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, the 10th March 1981

Ref. No. A. P. No. 2517—Whereas, I R. GIRDHAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. as per schedule situated at Maujo Khurd (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Mansa on July, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shrimati Kartar Kaur widow and Rakho, Chhoto Bibi daughters and Jagata Singh, Darbara Singh, Sher Singh & Gurdev Singh sons of Sh. Kehar Singh r/o V. Maujo Khurd, Tehsil Mansa Distt. Bhatinda.

(Transferor)

(2) Shri Gurmit Singh, Harjot Singh, Harbhajan Singh Ss/o Magher Singh and Chuhar Singh, Guljara Singh, Darbara Singh Ss/o Mohan Singh, r/o V. Maujo Khurd Tehsil Mansa Distt. Bhatinda.

(Transferee)

(3) As per sl. no. 2 above.

[Person(s) In occupation of the Property]

(4) Any other person interested in the property.

[Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the Property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property & Persons as mentioned in the registration sale deed No. 2360 of 7/80 of the Registering Authority, Mansa.

R. GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jullundur.

Date : 10-3-1981

Seal :

FORM ITNS —

(1) Shri Gurcharan Singh
S/o Natha Singh
R/o Muktsar,
Distt. Faridkot.

(Transferor)

(2) Shri Baljinder Singh,
Gurmit Singh,
Ranjit Singh,
Harmesh Singh
S/o Shri Pritam Singh
S/o Bishan Singh
R/o Muktsar Distt. Faridkot.

(Transferee)

(3) As S. No. 2 above.

[Person(s) in occupation of the Property]

(4) Any other Person interested in the property.

[Person(s) whom the undersigned knows
to be interested in the Property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period
of 45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said
immovable property within 45 days from the
date of the publication of notice in the Official
Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Property & Persons as mentioned in the registration sale
deed No. 1458 of July, 80 of the Registering Authority, Muktsar.

R. GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Julundur.

Date : 10-3-81

Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, the 10th March 1981

Ref. No. A. P. No. 2519—Whereas, I, R. GIRDHAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. as per schedule situated at Muktsar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Muktsar on July, 1980 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

(1) Shri Ram Nath, Todar Mal
S/o Sh. Ishar Dass,
Smt. Shanti Devi D/o Ishar Dass and
Madan Lal, Brij Lal, Bashamber Dyal
S/o Lachhman Dass
and Sham Sunder S/o Jugal Kishore
S/o Lachhman Dass,
and Ishari Devi Wd/o Sondhi Ram and Kishan Murari
S/o Jagannath R/O Muktsar Distt. Faridkot.
(Transferor)

(2) Shri Kirpal Singh,
Mukhtiar Singh
S/o Ishar Singh S/O Ram Ditta Singh R/O
Muktsar Distt. Faridkot.
(Transferee)

(3) As per S. No. 2 above.
[Person(s) in occupation of the Property]

(4) Any other person interested in the property.
[Person(s) whom the undersigned knows
to be interested in the Property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property & Persons as mentioned in the registration sale deed No. 1562 of July, 1980 of the Registering Authority, Muktsar.

R. GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jullundur.

Date : 10-3-81
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 of 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, the 10th March 1981

Ref. No. A. P. No. 2520—Whereas, I, R. GIRDHAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. as per schedule situated at Jullundur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jullundur on July, 1980 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) Shri Om Parkash
S/O Late Shri Billa Mal
R/O W.E. 283,
Gur Mandi,
Jullundur.

(Transferor)

(2) Shri Tarsem Lal,
Ashwani Kumar &
Shiv Kumar S/o Sh. Janak Raj,
411 Adarsh Nagar,
Jullundur.

(Transferee)

(3) As S. No. 2 above.
M/S Chadha Jewellers,
Shop No. BIV-886,
Bazar Kalan, Jullundur.

[Person(s) in occupation of the Property]

(4) Any other Person interested in the property.

[Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the Property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Property & Persons as mentioned in the registration sale deed No. 2343 of July, 80 of the Registering Authority, Jullundur.

R. GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jullundur.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 10-3-81
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME TAX,
ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, the 18th March, 1981

Ref. No. A. P. No. 2521—Whereas, J. R. GIRDHAR being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. as per schedule situated at Kotkapura (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Faridkot on July, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Puran Mal
S/o Seth Radha Kishan
S/o Seth Kedar Nath
r/o Kot Kapura through Sh. Surinder Kumar
adopted son of Seth Puran Mal s/o Seth Radha Kishan
r/o Kot Kapura Mukhtiar-Ai-Am.

(Transferor)

(2) Smt. Krishna Devi
W/o Sh. Kanshi Ram
S/o Juggu Ram R/o Kot Kapura.

(Transferee)

(3) As per S. No. 2 above.

[Person(s) in occupation of the Property]

(4) Any other person interested in the property.

[Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the Property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein are as defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property & Persons as mentioned in the registration sale deed No. 1800 of July, 1980 of the Registering Authority, Faridkot.

R. GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jullundur.

Date : 18-3-181

Seal :

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA**

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR**

Jullundur, the 18th March 1981

Ref. No. A. P. No. 2522—Whereas, I, R. GIRDHAR being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

as per Schedule situated at Kot Kaura (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Faridkot on July, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(1) Shrimati Anand Bala alias Nanda Aggarwal d/o Seth Ram Dyal w/o Sh. Surinder Kumar r/o No. 456, Cloth Market, Delhi-110006 through Mukhtiar Al-Am Surinder Kumar Khomka adopted son of the Seth Puran Mal of Kot kaur

(Transferor)

(2) Smt. Krishana Devi
W/o Sh. Kanshi Ram
S/o Jaggu Ram r/o Kot Kpaura.)

(Transferee)

(3) As per S. No. 2 above,

[Person(s) In occupation of the Property]

(4) Any other person interested in the property

[Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the Property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(b) facilitating the concealment of any income or any of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Property & Persons as mentioned in the registration sale deed No. 1801 of Registering Authority, Faridkot.

R. GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jullundur.

Date : 18-3-1981

Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—
31—26GI/81

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME TAX,
ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR
Jullundur, the 10th March, 1981

Ref. No. A. P. No. 2523—Whereas, I R. GIRDHAR being the Competent Authority under Section 269B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961), hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. as per schedule situated at Koth Kapura (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908 in the office of the Registering Officer at Faridkot on July, 1980 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Rattan Kumar
S/o Sh. Ram Dyal,
S/o Seth Radha Kishan
r/o Kot Kapura through Sh. Surinder Kumar
adopted son of Sh. Puran Mal s/o Seth Radha Kishan
Kukhtiar-Ai-Am
r/o No. 456,
Cloth Market, Delhi-110006

(Transferor)

(2) Shrimati Raj Rani
W/o Sh. Kanshi Ram
s/o Jaggu Ram of Kot Kapura.

(Transferee)

(3) As per S. No. 2 above.

[Person(s) in occupation of the Property]

(4) Any other person interest in the property.

[Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the Property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property & Persons as mentioned in the registration sale deed No. 1802 of July, 1980 of the Registering Authority, Faridkot.

R. GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jullundur

Date : 18-3-1981
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, the 18th March, 1981

Ref. No. A. P. No. 2524—Whereas, I R. GIRDHAR being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. as per schedule situated at Kot Kapura (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Faridkot on July, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Shrimati Kalawanti W/o Seth Ram Dayal, s/o Seth Kidar Nath r/o Kot Kapura through Sh. Surinder Kumar adopted son of Seth Puran Mal S/o Seth Radha Kishan r/o Kot Kapura Mukhtiar-Ai-Am, R/O No. 456, Cloth Market, Delhi-110006.

(Transferor)

(2) Shrimati Krishna Devi W/o Sh. Kanshi Ram s/o Jaggu Ram of Kot Kapura.

(Transferee)

(3) As per S. No. 2 above.

[Person(s) In occupation of the Property]

(4) Any other person interested in the property.

[Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the Property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDEULE

Property & Persons as mentioned in the registration sale deed No. 1803 of the Registering Authority, Faridkot.

R. GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jullundur.

Date : 3-3-1981

Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, the 18th March, 1981

Ref. No. A. P. No. 2525—Whereas, I.R. GIRDHAR being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. as per scheduled situated at Kot Kapura (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Faridkot on July, 1980 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) Shri Shashi Parkash
S/o Ram Dyal S/o Radha Kishan of Kot Kapura through Sh. Surinder Kumar adopted son of Sh. Puran Mal, R/O 456, Cloth Market, Delhi-110006, Muktiar-Ai-Am.

(Transferor)

(2) Shrimati Raj Rani
W/o Kanshi Ram
s/o Jaggu Ram r/o Kot Kapura.

(Transferee)

[Person(s) In occupation of the Property]

(3) As per S. No. 2 above.

(4) Any other person interested in the property.

[Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the Property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in the Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Property & Persons as mentioned in the registration sale deed No. 1804 of July, 1980 of Registering Authority, Faridkot.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

R. GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jullundur.

Date : 18-3-1981

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, the 18th March 1981

Ref. No. A. P. No. 2526—Whereas, I R. GIRDHAR being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

No. as per schedule situated at Kot Kapura (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Faridkot on July 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Ravi Parkash
s/o Seth Ram Dyal
s/o Seth Radha Kishan
r/o Kot Kapura
through Surinder Kumar
adopted son of Seth Puran Mal
r/o 456, Cloth Market, Delhi-110006,
Mukhtiar-Ai-Am.

(Transferor)

(2) Shrimati Raj Rani w/o Sh. Kanshi Ram
s/o Jaggu Ram r/o Kot Kapura.

(Transferee)

(3) As per S. No. 2 above.

[Person(s) in occupation of the Property]

(4) Any other person interested in the property.

[Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the Property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property & Persons as mentioned in the registration sale deed No. 1805 of July, 80 of Registering Authority, Faridkot.

R. GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jullundur.

Date : 18-3-1981

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER, OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, the 18th March, 1981

Ref. No. A. P. No. 2527—Whereas, I R. GIRDHR being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. as per schedule situated at Kot Kapura (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Faridkot on July, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shrimati Bimla Devi
D/o Sh. Ram Dyal,
S/o Radha Kishan
r/o Kot Kapura through Sh. Surrinder Kumar
adopted son of Seth Puran Mal
r/o Kot Kapura Mukhtiar-Ai-Am of 456,
Cloth Market, Delhi-110006.

(Transferor)

(2) Shrimati Krishna Devi
W/o Sh. Kanshi Ram
s/o Jaggu Ram R/o Kot Kapura.

(Transferee)

(3) As per S. No. 2 above.

[Person(s) In occupation of the Property]

(4) Any other person interested in the property.

[Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the Property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property & Persons as mentioned in the registration sale deed No. 1806 of July, 1980 of Registering Authority Faridkot.

R. GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Income-tax, Jullundur.

Date : 8-3-1981
Seal

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR
Jullundur, the 18th March 1981

Ref. No. A. P. No. 2528—Whereas I, R. GIRDHAR being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. as per Schedule situated at Kot Kapura (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Faridkot on July, 1980 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

(1) Shri Ravi Parkash s/o Seth Ram Dyal
s/o Seth Radha Kishan
r/o Kot Kapura thorough Sh. Surinder Kumar
s/o Seth Ram Dyal Muktiar-AI-Am.
r/o 45, Cloth Market, Delhi-110006.

(Transferee)

(2) M/s Shiv Cotton Corporation,
Kot Kapura through Sh. Ved Parkash S/o Amar Nath
of Kot Kapura.

(Transferee)

(3) As per S. No. 2 above.

[Person(s) in occupation of the Property]

(4) Any other person interested in the property.

[Person(s) whom the undersigned knows
to be interested in the Property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property & Persons as mentioned in the sale deed No. 1899 of Registering Authority, Faridkot, of July 80

R. GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jullundur.

Date : 18-3-1981

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, the 18th March 1981

Ref. No. A. P. No. 2529—Whereas, I R. GIRHDAR being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immoveable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. as per schedule situated at Kot Kapura (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Faridkot on July, 1980 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

(1) Shri Puran Mal s/o Seth Radha Kishan s/o Seth Kidar Nath r/o Kot Kapura through Sh. Surinder Kumar adopted s/o Sh. Puran Mal Mukhtiar-Ai-Am r/o 456, Cloth Market, Delhi-110006.

(Transferor)

(2) M/S Shiv Cotton Corporation, Kot Kapura though Sh. Ved Prakash s/o Amar Nath r/o Kot Kapura.

(Transferee)

(3) As per S. No. 2 above.

[Person(s) in occupation of the Property]

(4) Any other person interested in the property.

[Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the Property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons with a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.

(b) by any other person interested in the said immoveable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property & Persons as mentioned in the registration sale deed No. 1900 of July, 80 of the Registering Authority, Faridkot.

R. GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jullundur.

Date : 18-3-1981

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX.
ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR
Jullundur, the 18th March 1981

Ref. No. A. P. No. 2530—Whereas, I R. GIRDHAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing :

No. as per schedule situated at Kot Kapura and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Faridkot on July 1980 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object :—

- (1) Shri Shashi Parkash s/o Seth Ram Dyal s/o Seth Radha Kishan r/o Kot Kapura through Sh. Surinder Kumar adopted s/o Sh. Puran Mal Muktiar-Ai-Am r/o 456, Cloth Market, Delhi-110006. (Transferor)
- (2) M/S Shiv Cotton Corporation Kot Kapura through Sh. Ved Parkash s/o Amar Nath r/o Kot Kapura. (Transferee)
- (3) As per S. No. 2 above. [Person(s) in occupation of the Property]
- (4) Any other person interested in the property. [Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the Property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Property & Persons as mentioned in the registration sale-deed No. 1901 of July, 80 of the Registering Authority, Faridkot

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

32—26GI/81

R. GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jullundur.

Date : 18-3-1981

Seal :

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.****ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR**

Ref. No. A. P. No. 2531—Whereas, I R. GIRDHAR being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. as per schedule situated at Kot Kapura (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Faridkot on July, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

(1) Shrimati Anand Bala alias Nanda Aggarwal d/o Seth Ram Dyal & w/o Sh. Surinder Kumar through Sh. Surinder Kumar Khemka adopted son of Seth Puran Mal r/o 456, Cloth Market, Delhi-110006, Mukhtiar-Ai-Am.

(Transferor)

(2) M/S Shiv Cotton Corporation, Kot-Kapura through Sh. Ved Parkash s/o Amar Nath of Kot Kpura.

(3) As per S. No. 2 above.

[Person(s) in occupation of the Property]

(4) Any other person interested in the property

[Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the Property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons with a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property & Persons as mentioned in the registration sale deed No. 1902 of Registering Authority, Faridkot, of July, 80

R. GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jullundur.

Date : 18-3-1981

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, the 18th March 1981

Ref. No. A. P. No. 2532—Whereas, I R. GIRDHAR being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. as per schedule situated at Kot Kapura (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Faridkot, on July, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shrimati Bimla Devi d/o Sh. Ram Dyal s/o Sh. Radha Kishan r/o Kot Kapura through Sh. Surinder Kumar adopted s/o Sh. Puran Mal Mukhtiar -Ai-Am r/o 456, Cloth Market, Delhi-110006.
(Transferor)
- (2) M/S Shiv Cotton Corporation, Kot Kapura through Sh. Ved Parkash s/o Amar Nath r/o Kot Kapura.
(Transferee)
- (3) As per s. No. 2 above.
- (4) Any other Person interested in the property.
[Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the Property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons with a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property & Persons as mentioned in the registration sale deed No. 1903 of July, 80 of Registering Authority, Faridkot.

R. GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jullundur.

Date : 18-3-1981
Seal :

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX****ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR**

Jullundur, the 18th March, 1981

Ref. No. A. P. No. 2533—Whereas, I R. GIRDHAR being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. as per schedule situated at Kot Kapura (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Faridkot, on July 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shrimati Kalawanti Wd/o Seth Ram Dyal
s/o Seth Radha Kishan
r/o Kot Kapura through Surrinder Kumar
adopted son of Seth Puran Mal,
Mukhtiar-al-am
r/o 456, Cloth Market, Delhi-110006.

Transferee

(2) M/s Shiv Cotton Corporation,
Kot Kapura through Sh. Ved Parkash
s/o Amar Nath,
r/o Kot Kapura.

Transferee

(3) As per S. No. 2 above.

[Person(s) in occupation of the Property]

(4) Any other person interested in the property.

[Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the Property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property & Persons as mentioned in the registration sale deed No. 1904 of July, 80 of the Registering Authority, Faridkot.

R. GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jullundur.

Date : 18-3-1981

Seal:

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, the 18th March 1981

Ref. No. A. P. No. 2534—Whereas, I R. GIRDHAR being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. as per schedule situated at Kot Kapura (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Faridkot on July 1980 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Rattan Kumar
s/o Sh. Ram Dyal
s/o Seth Radha Kishan
r/o Kot Kapura through Surrinder Kumar
adopted son of Sh. Puran Mal
Mukhtiar-Ai-Am r/o 456,
Cloth Market, Delhi-110006.

(Transferor)

(2) M/S Shiv Cotton Corporation,
Kot Kapura through Sh. Ved Parkash
s/o Amar Nath r/o Kot Kapura.

(Transferee)

(3) As per S. No. 2 above.
[Person(s) in occupation of the Property]
(4) Any other person interested in the property.
[Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the Property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property & Persons as mentioned in the registration sale deed No. 1905 of July, 80 of the registering authority, Faridkot.

R. GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jullundur.

Date : 18-3-80

Seal :

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT****COMMISSIONER OF INCOME-TAX****ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR**

Jullundur, the 18th March 1981

Ref. No. A. P. No. 2535—Whereas, I R. GIRDHAR being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. [REDACTED] (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Faridkot on July, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Shashi Parkash S/o Seth Ram Dyal
s/o Seth Radha Kishan
through Sh. Surinder Kumar
adopted s/o Seth Puran Mal,
Mukhtiar-Ai-Am r/o 456,
Cloth Market, Delhi-110006

(Transferor)

(2) Shrimati Parkash Devi w/o Sh. Sat Pal
s/o Sh. Hardwari Lal
r/o Kot Kapura.

(Transferee)

(3) As per S. No. 2 above.

[Person(s) in occupation of the Property]

(4) Any other person interested in the property

[Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the Property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property & Persons as mentioned in the registration sale deed No. 1906 of July, 1980 of the Registering Authority, Faridkot.

R. GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jullundur.

Date : 18-3-81
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, the 18th March 1981

Ref. No. A. P. No. 2536—Whereas, J. R. GIRDHAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

as per schedule situated at Kot Kapura

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act. 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer .

at Faridkot on July, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

(1) Shri Puran Mal s/o Seth Radha Kishan S/o Seth Kidar Nath and Smt. Kalawanti Wd/o Seth Ramdyal through Sh. Surrinder Kumar adopted son of Seth Puran Mal, Mukhtiar-Ai-Am r/o 456, Cloth Market, Delhi-110006.

(Transferors)

(2) Shri Rakesh Kumar s/o Sh. Hardwari Lal s/o Sh. Surta Mal r/o Kot Kapura.

(Transferee)

(3) As per S. No. 2 above.

[Person(s) in occupation of the Property]

(4) Any other person interested in the property.

[Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the Property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property & Persons as mentioned in the registration sale deed No. 1907 of the Registering Authority, Faridkot.

R. GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jullundur.

Date : 18-3-81

Seal:

FORM I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, the 18th March 1981

Ref. No. A. P. No. 2537—Whereas, I, R. GIRDHAR, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. as per schedule situated at Kot Kapura (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Faridkot on July 1980 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1921 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri Ravi Parkash & Rattan Kumar ss/o Seth Ram Dyal s/o Seth Radha Kishan r/o Kot Kapura through Surinder Kumar adopted son of Seth Puran Mal, Mukhtiar-ai-Am r/o 456, Cloth Merchant, Delhi-110006. (Transferees)
- (2) Shrimati Darshana Devi w/o Sh. Romesh Lal s/o Sh. Hardwari Lal R/o Koth Kapura. (Transferees)
- (3) As per S. No. 2 above. [Person(s) in occupation of the Property]
- (4) Any other person interested in the property [Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the Property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as and defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property & Persons as mentioned in the registration sale deed No. 1908 of July, 80 of the Registering Authority, Faridkot.

R. GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jullundur.
Date : 18-3-81
Seal :

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA**

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR**

Jullundur, the 18th March, 1981

Ref. No. A. P. No. 2538—Whereas, I, R. GIRDHAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. as per schedule situated at Kot Kapura (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Faridkot on July, 1980 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (1) Shrimati Anand Bala alias Nanda Aggarwal D/o Sh. Ram Dyal & wife of Sh. Surinder Kumar through Sh. Surinder Kumar adopted s/o Seth Puran Mal, Mukhtiar-Ai-Am, r/o 456, Cloth Market, Delhi-110006. (Transferor)
- (2) Shri Dwarka Devi w/o Hardwari Lal r/o Kot Kupura. (Transferee)
- (3) As per S. No. 2 above. [Person(s) in occupation of the Property]
- (4) Any other person interested in the property. [Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the Property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of the notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property & Persons as mentioned in the registration sale deed No. 1909 of July, 80 of the Registering Authority, Faridkot.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—
33—26GI/81

R. GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jullundur.

Date : 18-3-81
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, the 10th March 1981

Ref. No. A. P. No. 2539—Whereas, I, R. GIRDHAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. as per schedule situated at Malout Mandi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Malout on July, 1980 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, In pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Harbans Lal
s/o Kesar Chand
R/o Malout Mandi.

(Transferor)

(2) Shri Gurbachan Singh
S/o Ram Rattan Dass
C/o M/s Monga Traders,
Commission Agents,
Malout.

(Transferee)

(3) As per S. No. 2 above.
And Sh. Frangi Lal
tenant Surja Ram Market,
Malout Distt. Fardkot.

[Person(s) in occupation of the Property]

(4) Any other person interested in the property.
[Person(s) whom the undersigned knows
to be interested in the Property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property & Persons as mentioned in the registration sale deed No. 873 of July, 1980 of the Registering Authority, Malout.

R. GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jullundur.

Date : 10-3-1981
Seal:

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR
Jullundur, the 10th March 1981

Ref. No. A.P. No. 2540.—Whereas, I, R. GIRDHAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. as per Schedule situated at Model Town, Jullundur, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jullundur on July, 1980 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Ram Nath S/o Sunder Dass,
Smt. Raj Dulari
W/o Nanak Chand and
Ram Mohan S/o Tarlok Nath r/o Dehradun
through Sh. Harwant Singh
S/o Jangal Singh,
General Attorney R/o V. Kaki Pind Teh.
Jullundur.

(Transferee)

(2) Shri Karnail Singh S/o Kabul Singh
r/o V. Naugazan,
Teh. Jullundur,

(Transferee)

(3) As per No. 2 above.

[Person(s) in occupation of the Property]

(4) Any other person interested in the property.

[Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the Property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property & Persons as mentioned in the registration sale deed No. 2466 of July, 80 of the Registering Authority, Jullundur.

R. GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jullundur

Date : 10-3-1981

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR
Jullundur, the 10th March 1981

Ref. No. A. P. No. 2541—Whereas, I, R. GIRDHAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immoveable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. as per schedule situated at Model Town, Jullundur (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Jullundur on July, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Ram Nath S/o Sunder Dass,
Smt. Raj Dulari w/o Nanak Chand and
Ram Mohan S/o Tarlok Nath
r/o Dehradun through Sh. Harwant Singh
S/o Jangal Singh r/o V. Kaki Pind, Teh.
Jullundur.

(Transferor)

(2) Smt. Harbhajan Kaur w/o
Karnail Singh,
r/o V. Naugazan, Teh. Jullundur.

(Transferee)

(3) As per S. No. 2 above.

[Person(s) in occupation of the Property]

(4) Any other person interested in the property.

[Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the Property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immoveable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property & persons as mentioned in the registration sale deed No. 2470 of July, 80 of the Registering Authority, Jullundur.

R. GIRDHAR,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jullundur.

Date : 10-3-81

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIST. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, the 10th March 1981

Ref. No. A. P. No. 2542—Whereas, I, R. GIRDHAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. as per schedule situated at Nakodar (and more fully described in the schedule annexed hereto, has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Nakodar on July, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (1) Shri Tirath Ram s/o Sohan Lal through Sh. Lekh Raj, Muktar-Ai-Am r/o Nakodar. (Transferor)
- (2) Shri Ram Chand and Kapil Dev ss/o Sh. Kishan Dass R/o Nakodar. (Transferee)
- (3) As per S. No. 2 above. [Person(s) in occupation of the Property]
- (4) Any other person interested in the property. [Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the Property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Property & persons as mentioned in the registration sale deed No. 977 of July, 80 of the Registering Authority, Nakodar.

R. GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jullundur.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 10-3-81

Seal :

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA**

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX.**
ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, the 10th March 1981

Ref. No. A. P. No. 2543—Whereas, I, R. GIRDHAR being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

as per schedule, situated at Jullundur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jullundur on July, 1980 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri Chand Rani wd/o Ram Lal, r/o W.A. '50 , Guru Bazar, Jullundur. (Transferor)
- (2) The Jullundur Shakti Co-op. House Building Society Ltd., Jullundur, through Harish Chander, President. (Transferee)
- (3) As per S. No. 2 above. [Person(s) in occupation of the Property]
- (4) Any other person interested in the property. [Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the Property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property & Persons mentioned in the registration sale deed No. 2973 of July, 80 of the Registering Authority, Jullundur.

R. GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jullundur.

Date : 10-3-81
Seal :

FORM ITNS.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, the 12th March, 1981

Ref. No. A. P. No. 2544—Whereas, I, R. GIRDHAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. as per schedule situated at V. Sanghowal (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Nakodar on July, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Shri Bishan Singh S/o Kala Singh,
r/o V. Sangowal,
Teh. Nakodar.

(Transferor)

(2) Shri Dhanna Ram S/o Mela Ram,
r/o Nakodar.

(Transferee)

(3) As per S. No. 2 above.

[Person(s) in occupation of the Property]

(4) Any other person interested in the property.

[Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the Property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property & Persons as mentioned in the registration sale deed No. 1056 of July, 80 of the Registering Authority, Nakodar.

R. GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jullundur.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date : 12-3-1981

Seal :

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA**

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME TAX
ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR**
Jullundur, the 12th March 1981

Ref. No. A. P. No. 2545—Whereas, I, R. GIRDHAR being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. as per schedule situated at Jullundur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jullundur on July, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section(1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Shri Tarlok Nath s/o Pran Nath General Attorney of Sh. Mitter Pal S/o Sh. Narsingh Dass r/o Civil Lines, Jullundur. (Transferor)
- (2) Shri Gurmit Singh S/o Kartar Singh V. & P. O. Dolike Sunder Pur, Jullundur. (Transferee)
- (3) As per S. No. 2 above. [Person(s) in occupation of the Property]
- (4) Any other person interested in the property. [Person whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property & Persons as mentioned in the registration sale deed No. 2826 of July, 80 of the Registering Authority, Jullundur.

R. GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jullundur

Date : 12-3-81
Seal :

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,****ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR**

Jullundur, the 12th March 1981

Ref. No. A. P. No. 2546—Whereas, I, R. GIRDHAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. as per schedule situated at Jullundur (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jullundur on July, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair Market value of the aforesaid property and I have reason, to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceed the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

34—26GI/81

- (1) Shri Tarlok Nath S/o Pran Nath
General Attorney of Sh. Mitter Pal S/o
Sh. Narsigh Dass r/o Civil Lines,
Jullundur.
(Transferor)
- (2) Shri Gurmit Singh S/o Kartar Singh
V. & P. O. Dolike Sunder Pur,
Teh. Jullundur.
(Transferee)
- (3) As S. No. 2 above.
[Person in occupation of the property]
- (4) Any other person interested in the property.
[Person whom the undersigned knows
to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property & Persons as mentioned in the registration sale deed No. 2860 of July, 80 of the Registering Authority, Jullundur.

R. GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jullundur.

Date : 12-3-1981

Seal :

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA**

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR**
Jullundur, the 12th March 1981

Ref. No. A. P. No. 2547—Whereas, I, R. GIRDHAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

as per schedule situated at V. Ramaina

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jaitu on July, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Hans Raj,
Om Parkash S/o Jai Ram r/o V. Koni,
Jagan Nath S/o Jai Ram r/o Muktsar.
Self and attorney of Sh. Harbans Lal
S/o Sant Ram r/o Muktsar
and Raj Kumar S/o Sh. Sant Ram R/o Muktsar.
(Transferor)

(2) Shri Gurdev Singh,
Sukhdev Singh,
Mukand Singh, Balwant Singh, Gurdeep Singh,
Budh Singh, Mandir Singh
SS/o Hazoor Singh r/o V. Ramaina,
Sub Tehsil Jaitu,
Tehsil Faridkot.
(Transferee)

(3) As S. No. 2 above.

[Person in occupation of the property]

(4) Any other person interested in the property.
[Person whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE
Property & Persons as mentioned in the registration certificate No. 614 of July, 80 of the Registering Authority, Jaitu.

R. GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jullundur.

Date : 12-3-1981

Seal :

FORM I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, the 12th March 1981

Ref. No. A. P. No. 2548—Whereas, I, R. GIRDHAR being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. as per schedule situated at Faridkot (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1808) in the office of the Registering Officer at Faridkot on July, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Mukand Singh, Madho Singh S/o Sh. Kartar Singh & Smt. Sumetra Kaur, Harbans Kaur, Joginder Kaur Ds/o Shri Kartar Singh through Sh. Mukand Singh, Brother, Smt. Sita Rani Wd/o Sh. Gopal Singh Nirmala Rani all resident of Faridkot C/o Sh. Mukand Singh, Karyana Merchant, Sethjan Bazar, Faridkot.

(Transferor)

(2) Mrs. Sudesh Kumari W/o Dr. Sat Pal Garg C/o Garg Hospital, Clock Tower, Faridkot.

(Transferee)

(3) As S. No. 2 above.
[Person(s) in occupation of the Property] Mulkh Raj S/o Munshi Ram, Fruit Seller, Clock Tower, Faridkot.

(4) Any other person interested in the property.
[Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property & Persons as mentioned in the registration sale deed No. 1579 of July, 80 of the Registering Authority, Faridkot.

R. GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jullundur.

Date : 12-3-81

Seal:

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, the 12th March 1981

Ref. No. A. P. No. 2549—Whereas, I, R. GIRDHAR being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immoveable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

as per schedule situated at Faridkot (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Faridkot on Nov., 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

- (1) Kuldip Kaur,
Shakuntala Rani,
Amar Jit Singh minor children of Sh. Gopal Singh
S/O Kartar Singh r/o Faridkot
Through Smt. Sita Rani.
(Transferor)
- (2) Mrs. Sudesh Kumari W/o
Dr. Sat Pal Garg
C/O Garg Hospital, Clock Tower,
Faridkot.
(Transferee)
- (3) S. No. 2 above
Shri Mulkh Raj,
s/o Sh. Munshi Ram,
Fruit Seller,
Clock Tower, Faridkot.
[Person(s) in occupation of the Property]
- (4) Any other person interested in the property
[Person(s) whom the undersigned knows
to be interested in the Property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immoveable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property & Persons as mentioned in the registration sale deed No. 2952 of November, 80 of the Registering Authority, Faridkot.

R. GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jullundur.

Date : 12-3-1981

Seal :

FORM I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, the 12th March 1981

Ref. No. A. P. No. 2550—Whereas, I, R. GIRDHAR being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

as per schedule situated at Ranja
(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Nihal Singh Wala on July, 1980
for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) Shri Surjan Singh
s/o Inder Singh
S/o Bhola Singh R/O V. & P. O. Rania,
Sub Tehsil Nihal Singh Wala,
Tehsil Moga Distt. Faridkot.

(Transferor)

(2) Shrimati Parmjit Kaur W/O Surjan Singh
S/O Inder Singh,
R/O V. & P. O. Rania,
Sub Tehsil Nihal Singh Wala,
Tehsil Moga Distt. Faridkot.

(Transferee)

- (3) As S. No. 2 above.
[Person(s) in occupation of the Property]
(4) Any other person interested in the property.
[Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the Property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Property & Persons as mentioned in the registration sale deed No. 1155 of July, 80 of the Registering Authority, Nihal Singh Wala.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

R. GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jullundur.

Date : 12-3-81
Seal :

FORM I.T.N.S.—**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, the 12th March, 1981

Ref. No. A. P. No. 2551—Whereas, I R. GIRDHAR being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. as per schedule situated at Rania (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Nihal Singh Wala on July, 1980 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Surjan Singh
S/o Inder Singh
S/o Bhola Singh R/o V. & P.O. Rania Sub Tehsil
Nihal Singh Wala,
Teh. Moga Distt. Faridkot.

(Transferor)

(2) Shrimati Permjit Kaur
W/o Surjan Singh
S/o Inder Singh R/o V & P. O. Rania,
Sub tehsil Nihal Singhwala,
Tehsil Moga Distt. Faridkot.

(Transferee)

(3) As per S. No. 2 above.

[Person(s) in occupation of the Property]

(4) Any other person interested in the property.

[Person whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later.

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property & Persons as mentioned in the registration sale deed No. 0-1161 of July, 80 of the Registering Authority, Nihal Singh Wala.

R. GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jullundur.

Date : 12-3-81
Seal:

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,****ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR**

Jullundur, the 10th March, 1981

Ref. No. A. P. No. 2552—Whereas, I R. GIRDHAR being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. As per Schedule situated at Main Bazar, Ferozepur City. (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ferozepur on July 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (1) Shri Arjan Dass, Suraj Parkash, Vidya Sagar, Sh. Bhim Sain
S/o Sh. Siri Kishan Dass,
Smt. Madhubala D/o & Smt. Pisto Devi
Wd/o Sh. Siri Kishan Dass,
Prem Kumari D/o Sh. Siri Kishan Dass,
Promilla Goyal, Kanta Rani D/o Sh. Siri Kishan Dass Through Shri Arjan Dass S/o Sh. Siri Kishan Dass,
R/o Ferozepur

(Transferor)

- (2) M/s. Prabh Diyal Om Parkash
Through Om Parkash,
Main Bazar,
Ferozepur City.

(Transferee)

- (3) As per Sr. No. 2 above.
[Person(s) in occupation of the Property]
(4) Any other person interested in the property.
[Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or,

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferor for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Property and persons as mentioned in the Registration sale deed No. 2846 of July, 1980 of the Registering Authority Ferozepur.

R. GIRDHAR

Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Incometax,
Acquisition Range, Jullundur.

Date : 10-3-1981

Seal :

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, the 10th March, 1981

Ref. No. A. P. No. 2553—Whereas, I, R. GIRDHAR being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

As per Schedule situated at Purana Bazar, Ferozepur City (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ferozepur on July, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for which transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(1) Shri Yash Pal S/o Sh. Sham Lal,
R/o Purana Bazar,
Ferozepur City.

(Transferor)

(2) Hans Raj S/o Sh. Bahli Ram,
R/o Purana Bazar,
Ferozepur City.

(Transferee)

(3) As per Sr. No. 2 above.

[Person(s) in occupation of the Property]

(4) Any other person interested in the property

[Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Property and persons as mentioned in the Registration sale deed No. 2644 of July, 1980 of the Registering Authority, Ferozepur.

R. GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jullundur.

Date : 10-3-1981

Seal

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby, initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961(43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, the 10th March 1981

Ref. No. A. P. No. 2554—Whereas, I R. GIRDHAR being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason believe that the immoveable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

As per Schedule situated at Gali No. 5, Nanak Nagari, Abohar.

(and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Fazilka on July, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of.—

(1) Shri Mewa Singh
S/o Sh. Jang Singh
R/o Gali No. 5
Nanak Nagari,
Abohar.

(Transferor)

(2) Shri Jaspal Singh
S/o Nahar Singh
R/o Plot No. 187,
Gali No. 5,
Nanak Nagari, Abohar.

(Transferee)

(3) As per Sr. No. 2 above.

[Person(s) in occupation of the Property]

(4) Any other person interested in the property.

[Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons with a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, which period expires later.

(b) by any other person interested in the said immoveable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Property and persons as mentioned in the Registration sale deed No. 1592, of July, 1980 of the Registering Authority, Fazilka.

R. GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jullundur.

Date : 10-3-1981

Seal:

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—
35—26GI/81

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, the 11th March 1981

Ref. No. A. P. No. 2555—Whereas, I, R. GIRDHAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. As per Schedule situated at Sarai Bazar, Phagwara. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Phagwara, on July, 1980 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (1) Shri Vir Singh S/o Sh. Naranjan Singh,
R/o Sarai Bazar,
Phagwara. (Transferor)
- (2) Shri Girdhari Lal
R/o Sarai Bazar,
Phagwara. (Transferee)
- (3) As per Sr. No. 2 above.
[Person(s) in occupation of the property]
- (4) Any other person interested in the property.
[Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (1) of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Property and persons as mentioned in the Registration sale deed No. 1200 of July, 1980 of the Registering Authority Phagwara.

R. GIRDHAR
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jullundur

Date : 11-3-1981

Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, the 10th March, 1981

Ref. No. A. P. No. 2556—Whereas, I, R. GIRDHAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

As per Schedule situated at Phagwara

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Phagwara on July, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shrimati Gurdev Kaur W/o Sh. Sujan Singh and Nasib Kaur
 W/o Darshan Singh
 R/o Banga Road,
 Near Octori Post,
 Phagwara.

(Transferor)

(2) Shrimati Padma Wati
 W/o Madan Lal,
 Wine Contractor,
 C/o Poonam Hotel, Phagwara.

(Transferee)

(3) As per Sr. No. 2 above.

[Person(s) In occupation of the Property]

(4) Any other person interested in the property.

[Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the Property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property and persons as mentioned in the Registration sale deed No. 983 dated 4-7-1980 of the Registering Authority, Phagwara.

R. GIRDHAR
 Competent Authority
 Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
 Acquisition Range, Jullundur.

Date : 10-3-1981.

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, the 10th March, 1981

Ref. No. A. P. No. 2557—Whereas, I, R. GIRDHAR being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. As per Schedule situated at Phagwara.
(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Phagwara on July 1980
for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such apparent consideration and that parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1927);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

(1) Shrimati Ajit Kaur,
Gurdev Kaur,
Nasib Kaur D/o Sh. Arjan Singh
Banga Road,
Near Octroi Post,
Phagwara.

(Transferor)

(2) Shrimati Padma Wati
W/o Sh. Madan Lal,
Wine Contractor,
Poonam Hotel,
Phagwara.

(Transferee)

(3) As per Sr. No. 2 above.

[Person(s) In occupation of the Property]

(4) Any other person interested in the property.

[Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the Property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property and persons as mentioned in the Registration sale deed No. 984 of July, 80 of the Registering Authority, Phagwara.

R. GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jullundur.

Date : 10-3-1981

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR
Jullundur, the 12th March, 1981

Ref. No. A. P. No. 2558—Whereas, I R. GIRDHAR being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act), have reason to believe that the immoveable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. As per Schedule situated at Phagwara. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Phagwara on Aug. 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

(1) Shri Bharpur Singh
S/o Sh. Pritam Singh
R/o Phagwara.

(Transferor)

(2) Shrimati Sita Rani
W/o Sh. Pritam Dass
R/o Loha Mandi Road,
Phagwara.

(Transferee)

- (3) As per Sr. No. 2 above.
[Person(s) in occupation of the Property]
(4) Any other person interested in the property.
[Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the Property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons with a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, which period expires later.

(b) by any other person interested in the said immoveable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property and persons as mentioned in the Registration sale deed No. 1301 of Aug. 1980 of the Registering Authority Phagwara.

R. GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jullundur.

Date : 12-3-1981.

Seal :

FORM I.T.N.S.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, the 12th March 1981,

Ref. No. A. P. No. 2559—Whereas, I R. GIRDHAR being the Competent Authority under Section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

As per Schedule situated at Phagwara.
(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer

at Phagwara on Aug. 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) Shri Bharpur Singh
S/o Pritam Singh
R/o Phagwara.

(Transferor)

(2) Shri Pritam Dass,
R/o Loha Mandi Road,
Phagwara.

(Transferee)

(3) As per Sr. No. 2 above.

[Person(s) in occupation of the Property]

(4) Any other person interested in the property.

[Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the Property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Property and persons as mentioned in the Registration sale deed No. 1302 of Aug. 1980 of the Registering Authority, Phagwara.

R. GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jullundur.

Date : 12-3-1981

Seal:

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of the notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR**

Jullundur, the 10th March, 9181

Ref. No. A. P. No. 2560—Whereas, I, R. GIRDHAR being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the ‘said Act’), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. As per Schedule situated at Mandi Abohar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Abohar on July 1980 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) Shri Kalwant Rai S/o Sh. Lal Chand
R/o Prem Nagar, Abohar,

(Transferor)

(2) Shri Lachhman Dass
S/o Jaimal Ram,
S/Sh. Om Parkash, Som Nath, Krishan Kumar,
SS/s Sh. Milkha Raj,
R/o Vill. Dewan Khora
Teh. Fazilka.

(Transferee)

(3) As per Sr. No. 2 above.

[Person(s) In occupation of the Property]

(4) Any other person interested in the property.

[Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the Property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Property and persons as mentioned in the Registration sale deed No. 1300 of July, 1980 of the Registering Authority, Abohar.

R. GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jullundur.

Date : 10-3-1980

Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,****ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR**

Jullundur, the 11th March 1981

Ref. No. A. P. No. 2561—Whereas, I, R. GIRDHAR being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing
No. As per Schedule situated at Gali No. 2, Nanak Nagari, Abohar
(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Abohar on July 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of the income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shrimati Parkash Devi
W/o Mehar Chand
R/o Fazilka

(Transferor)

(2) Shrimati Jama Devi
W/o Des Raj
R/o Gali No. 2 Nanak Nagari,
Abohar

(Transferee)

(3) As per Sr. No. 2 above.

[Person(s) in occupation of the Property]

(4) Any other person interested in the property.

[Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the Property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property and persons as mentioned in the Registration sale deed No. 1307 of July, 1980 of the Registering Authority Abohar.

R. GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jullundur.

Dated : 11-3-1981

Seal:

FORM ITNS—

(1) Shrimati Parkash Devi
W/o Mehar Chand
R/o Fazilka.

(Transferor)

(2) Shri Ashwani Kumar,
Narish Kumar
SS/o Sh. Des Raj,
R/o Gali No. 2,
Nanak Nagari,
Abohar.

(Transferee)

(3) As per Sr. No. 2 above.

[Person(s) in occupation of the Property]

(4) Any other person interested in the property.

[Person(s) whom the undersigned knows
to be interested in the Property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property and persons as mentioned in the Registration sale deed No. 1737 of Aug. 1980 of the Registering Authority, Abohar.

R. GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jullundur.

Date : 11-3-1981

Seal :

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

36—26GI/81

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME TAX,
ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR
Jullundur, the 10th March 1981

Ref. No. A. P. No. 2563—Whereas, I, R. GIRDHAR being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. As per Schedule situated at Gali No. 1, Nai Abadi Abohar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at

Abohar on July, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for which transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 268C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shrimati Sharbati Devi
W/o Daulat Ram
R/o Gali No. 1,
Nai Abadi, Abohar.

(Transferor)

(2) Shrimati Bimla Rani
W/o Sant Lal
R/o Gali No. 1,
Nai Abadi, Abohar.

(Transferee)

(3) As per Sr. No. 2 above.

[Person(s) In occupation of the Property]

(4) Any other person interested in the property.

[Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the Property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property and persons as mentioned in the Registration sale deed No. 1299 of July, 1980 of the Registering Authority, Abohar.

R. GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jullundur.

Date : 10-3-1981

Seal:

FORM I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX, ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, the 10th March, 1981

Ref. No. A. P. No. 2564—Whereas, I R. GIRDHAR being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. As per Schedule situated at Gali No. 1, Nai Abadi Abohar.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Abohar on Aug. 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shrimati Sharbat Devi
W/o Daulat Ram
Gali No. 1,
Nai Abadi, Abohar.

(Transferor)

(2) Shrimati Bimal Rani
W/o Sh. Sant Lal
R/o Gali No. 1,
Nai Abadi, Abohar.

(Transferee)

(3) As per Sr. No. 2 above.

[Person(s) In occupation of the Property]

(4) Any other person interested in the property.

[Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the Property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property and persons mentioned in the Registration sale deed No. 1572 of Aug. 1980 of the Registering Authority, Abohar.

R. GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jullundur.

Date : 10-3-1981.

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, the 12th March 1981

Ref. No. A. P. No. 2565—Whereas, I, R. GIRDHAR being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. as per schedule situated at Kalyan Malka (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Nathana on July, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent considerations therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Jangir Singh,
Gurdev Singh
S/o Narsingh etc.,
r/o Raike Kalan

(Transferor)

(2) Shri Mohinder Singh,
Sukhdev Singh
ss/o Sh. Santokh Singh village Kalyan Malka,
Sub Tehsil Nathana,
Distt. Bhatinda.

(Transferee)

(3) As S. No. 2 above.
[Person(s) In occupation of the Property]
(4) Any other person interested in the property.
[Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the Property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property & Persons as mentioned in the registration sale deed No. 692 of July, 80 of the Registering Authority, Nathana.

R. GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jullundur.

Date : 12-3-1981
Seal..

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR**

Jullundur, the 12th March, 1981

Ref. No. A. P. No. 2566—Whereas, I R. GIRDHAR being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

No. as per schedule situated at Swaich more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Talwandi Saboo on July, 1980 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) Shri Chand Singh, Jang Singh, Bachan Singh S/o Bir Singh r/o V. Swaich sub Tehsil Talwandi Saboo, Distt: Bhatinda.

(Transferor)

(2) Shri Teja Singh, Gurdarshan Singh ss/o Hardial Singh r/o V. Swaich sub tehsil Talwandi Saboo, Distt. Bhatinda.

(Transferee)

(3) As S. No. 2 above.

[Person(s) In occupation of the Property]

(4) Any other person interested in the property.

[Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the Property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

THE SCHEDULE

Property & Persons as mentioned in the registration sale deed No. 1171 of July, 80 of the Registering Authority, Talwandi Saboo .

R. GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jullundur.

Date : 12-3-1981
Seal:

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

FORM I.T.N.S.—**NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA**

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR**

Jullundur, the 13th March 1981

Ref. No. A. P. No. 2567—Whereas, I, R. GIRDHAR being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. as per schedule situated at Jullundur (and more fully described, in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jullundur on July, 1980 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Ram Lal s/o Kharaiti Lal, bazar Bansanwala, Jullundur General Attorney of Sh. Hira Lal and Nawal Mal & Subash Chander, Ved Parkash, La Chand and Sh. Sudesh Kumar R/o N.E. 188, Mohalla Purian, Jullundur.

(Transferor)

(2) Shri Shiv Kumar Subash Kumar, Jugil Kumar & Jullunduri Lal S/o Sh. Ram Chand, r/o 74, Chandan Nagar, Jullundur.

(Transferee)

(3) As S. No. 2 above.

[Person(s) In occupation of the Property]

(4) Any other person interested in the property.

[Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the Property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property & Persons as mentioned in the registration sale deed No. 2473 of July, 80 of the Registering Authority, Jullundur.

R. GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jullundur.

Date : 13-3-1981

Seal:

FORM ITNS————

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, the 16th March 1981

Ref. No. A. P. No. 2568—Whereas, I, R. GIRDHAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. as per schedule situated at Jullundur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Jullundur on July, 1980,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) Shri Sant Singh,
S/o Lekh Raj,
Self & Attorney Sh. Mehar Singh,
Lt. Col. Puran Singh and Sher Singh
S/o Sh. Lekh Raj Sandhu,
650 R. Model Town,
Jullundur.

(Transferor)

(2) Shri Prem Narain,
S/o Shri Radha Krishan,
Typist,
LIC of India,
Model Town Road, Jullundur.

(Transferee)

(3) As per S. no. 2 above.
Sh. Hardial Thaper,
House No. W.G. 483,
Suraj Gang, Jullundur.

[Person(s) In occupation of the Property]
(4) Any other person interested in the property.

[Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the Property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957)

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property & Persons as mentioned in the registration sale deed No. 2479 of July, 80 of the Registering Authority, Jullundur.

R. GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jullundur.

Date : 16-3-1981

Seal:

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

FORM I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, the 16th March 1981

Ref. No. A. P. No. 2569—Whereas, I, R. GIRDHAR being the Competent Authority under Section 269 B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. as per schedule situated at Bucho Mandi, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Nathana on July, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (1) Shri Shiv Lal S/o Narain,
r/o V. Bucho Mandi Sub Tehsil Nathana,
Distt. Bhatinda. (Transferor)
- (2) Shrimati Bhuro Wd/o Brij Lal etc.,
r/o V. Bucho Mandi Sub Tehsil Nathana,
Distt. Bhatinda. (Transferee)
- (3) As S. No. 2 above.
[Person(s) In occupation of the Property]
- (4) Any other person interested in the property
[Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the Property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Property & Persons as mentioned in the registration sale deed No. 684 of July, 80 of the Registering Authority, Nathana

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

R. GIRDHAR
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jullundur.

Date : 16-3-1981
Seal :

FORM I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, the 16th March 1981

(1) Shrimati Pritam Kaur,
W/o Sh. Kuldip Singh,
R/o Near Chowk Ghanta Ghar,
Fazilka.

(Transferor)

(2) Shrimati Chinder Rani,
W/o Sh. Madan Lal,
R/o H. No. IX/169,
Gali Khungran,
Fazilka.

(Transferee)

(3) As per Sr. No. 2 above.

[Person(s) In occupation of the Property]

(4) Any other person interested in the property.

[Person(s) whom the undersigned knows
to be interested in the Property]

Ref. No. A. P. 2570—Whereas, I R. GIRDHAR being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. As per Schedule situated at Fazilka (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Fazilka on July, 1980,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Property and persons as mentioned in the Registration sale deed No. 1652 of July, 1980 of the Registering Authority, Fazilka.

R. GIRDHAR
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jullundur.

Date : 16-3-1981

Seal;

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

37—26GI/81

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 of 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, the 16th March 1981

Ref. No. A. P. No. 2571—Whereas, I R. GIRDHAR

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. As per Schedule situated at Fazilka (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Fazilka on July, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

(1) Shrimati Pritam Kaur W/o
Sh. Kuldip Singh
R/o Near Chowk Ghanta Ghar,
Fazilka.

(Transferor)

(2) Shri Madan Lal S/o Sh. Tara Chand
R/o H. No. IX/169,
Gali Khungran,
Fazilka.

(Transferee)

(3) As per Sr. No. 2 above.

[Person(s) in occupation of the Property]

(4) Any other person interested in the property

[Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the Property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property and persons as mentioned in the Registration sale deed No. 1648 of July, 1980 of the Registering Authority, Fazilka.

R. GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jullundur.

Date : 16-3-1981
Seal:

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA**

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME TAX,
ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR**

Jullundur, the 16th March 1981

Ref. No. A. P. No. 2572—Whereas I, R. GIRDHAR being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. As per Schedule situated at Basti Gobind Nagri, Ferozepur City.
(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Ferozepur on July, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :--

(1) Shrimati Pisto Devi
Wd/o Sh. Siri Kishan Dass,
Kucha Anwar Shah,
Ferozepur City.

(Transferor)

(2) M/s Prabh Diyal Om Parkash
Through Sh. Om Parkash,
Main Bazar,
Ferozepur City.

(Transferee)

(7) As per Sr. No. as above

[Person(s) in occupation of the Property]

(4) Any other person interested in the property.

[Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the Property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property and persons as mentioned in the Registration sale deed No. 2847 of July, 1980 of the Registering Authority, Ferozepur.

R. GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jullundur.

Date : 16-3-1981

Seal:

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961(43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA**

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR**

Jullundur, the 17th March, 1981

Ref. No. A. P. No. 2573—Whereas, I R. GIRDHAR being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. As per Schedule situated at Kapurthala (and more fully described, in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Kapurthala on July 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of.—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Charan Singh
S/o Sh. Arjan Singh
R/o Sultanpur Road,
Kapurthala.

(Transferor)

(2) Shri Aroor Chand S/o Kala Mal
H. No. B-XXIII-37,
Sultanpur Road,
Kapurthala
C/o Sh. Rajinder Singh Prop. of Card Board factory
Near B.M. Spring Factory,
Sultanpur Road, Kapurthala.

(Transferee)

(3) As per Sr. No. 2 above.

[Person(s) in occupation of the Property]

(4) Any other person interested in the property.

[Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the Property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons with a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, which period expires later.

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in the Chapter.

THE SCHEDULE

Property and persons as mentioned in the Registration sale deed No. 1269 of July, 1980 of the Registering Authority Kapurthala.

R. GIRDHAR,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jullundur.

Date: 17-3-1981
Seal:

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT

COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, the 17th March 1981

Ref. No. A. P. No. 2574—Whereas, I R. GIRDHAR being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

As per Schedule situated at Moh. Khajanchian, Kapurthala

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Kapurthala on July 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Sher Chand
S/o Sudagar Ram
R/o Moh. Khajanchian,
Kapurthala.

(Transferor)

(2) Shri Prit Pal Singh
S/o Sh. Shobha Singh,
Tejinder Kaur
W/o Sh. Prit Pal Singh,
Moh. Khajanchian,
Gali Kucjadit Singh,
Kapurthala.

(Transferee)

(3) As per Sr. No. 2 above

[Person(s) in occupation of the Property]

(4) Any other person interested in the property.

[Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the Property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons with a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property and persons as mentioned in the Registration sale deed No. 1162 of July, 1980 of the Registering Authority, Kapurthala.

R. GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jullundur

Date : 17-3-1981

Seal:

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
 OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
 OF INCOME-TAX,
 ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, the 17th March 1981

Ref. No. A. P. No. 2575—Whereas, I R. GIRDHAR being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

As per Schedule situated at Mall Road, Kapurthala. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Kapurthala on July, 1980 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Sat Pal
 S/o Sh. Diwan Chand,
 Sh. Vinod Kumar,
 Parmod Kumar, S/o Sh. Sat Pal
 R/o Kapurthala.

(Transferor)

(2) Shrimati Amarji Kaur
 W/o Sh. Kundan Singh
 R/o Mall Road,
 Near D.C.'s Residence,
 Kapurthala.

(Transferee)

(3) As per Sr. No. above.

[Person(s) in occupation of the Property]

(4) Any other person interested in the property.

[Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the Property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property and persons as mentioned in the Registration sale deed No. 1178 of July, 1980 of the Registering Authority, Kapurthala.

R. GIRDHAR
 Competent Authority
 Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
 Acquisition Range, Jullundur.

Date : 17-3-1981
 Seal:

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX****ACQUISITIX RANGE, JULLUNDUR**

Jullundur, the 18th March, 1981

Ref. No. A. P. No. 2576—Whereas, I, R. GIRDHAR being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. As per Schedule situated at Phagwara (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Phagwara on July 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Harbans Lal,
Inder Jit
SS/o Sh. Karam Chand, Hamir Chand,
Ram Saran Dass, Hans Raj, Thakar Dass
SS/o Sh. Pyare Lal, Dana Mandi, Phagwara.
(Transferors)

(2) Shri Jaspal Singh
S/o Lamber Singh,
89, Model Town, Phagwara.
Sh. Gurdip Singh S/o Sh. Udhamp Singh,
New Model Town, Phagwara.
(Transferees)

(3) As per Sr. No. 2 above.
[Person(s) in occupation of the Property]
(4) Any other person interested in the property
[Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the Property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property and persons as mentioned in the Registration sale deed No. 992 of July, 1980 of the Registering Authority, Phagwara.

R. GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jullundur,

Date : 18-3-1981

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, the 20th March, 1981

Ref. No. A. P. No. 2577—Whereas, I, R. GIRDHAR being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. As per schedule situated at Jullundur, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jullundur on July, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Kirpal Singh,
Amarjit Singh
S/o Balwant Singh
R/o Basti Guzan, Jullundur.

(Transferors)

(2) Shri Ronki Ram S/o Sadhu Ram,
Smt. Kamla Devi W/o Mohinder Lal r/o V. Gill,
Tehsil Jullundur.

(Transferees)

(3) As Sr. No. 2 above.
and Punjab Govt. Emporium, G.T. Road,
Jullundur.

[Person(s) in occupation of the Property]

(4) Any other persons interested in the property.

[Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the Property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property & persons as mentioned in the registration sale deed No. 2966 of July, 80 of the Registering Authority, Jullundur

R. GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jullundur.

Date : 20-3-1981

Seal :

FORM I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME TAX,
ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, the 20th March 1981

Ref. No. A. P. No. 2578.—Whereas, I, R. GIRDHAR being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. as per schedule situated at Dilkusha Market, Jullundur, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jullundur on 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—
38—26 GI/81

(1) Shri Gianl Shanker Singh,
S/o Bal Singh, Garden Colony,
Jullundur.

(Transferor)

(2) Shri Chhinder Pal Singh,
S/o Pritam Singh and Magar Singh,
S/o Harbhajan Singh,
r/o Jullundur.

(Transferee)

(3) As S. No. 2 above.

[Person(s) in occupation of the Property]

(4) Any other person interested in the property.

[Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the Property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons with a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, which period expires later.

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property & Persons as mentioned in the registration sale deed No. 2290 of July, 80 of the Registering Authority, Jullundur.

R. GIRDHAR
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jullundur.

Date : 20-3-1981

Seal :

FORM ITNS

- (1) Shri Sawaran Singh
S/o Labh Singh
C/o Mid-Land Land and Finance Co. (P) Ltd..
G.T. Road, Jullundur.
(Transferor)
- (2) Shri Chhinder Pal Singh
S/o Pritam Singh and Magar Singh
S/o Harbhajan Singh
r/o Jullundur.
(Transferee)
- (3) As S. No. 2 above.
(Person in occupation of the property)
- (4) Any other person interested in the property.
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, the 20th March 1981

Ref. No. A. P. No. 2579—Whereas, I, R. GIRDHAR being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. as per schedule situated at Dilkusha Market, Jullundur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jullundur on July, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property & Persons as mentioned in the registration sale deed No. 2291 of July, 80 the Registering Authority, Jullundur.

R. GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jullundur.

Date : 20-3-1981

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, the 20th March 1981

Ref. No. A. P. No. 2580—Whereas, I, R. GIRDHAR being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. as per schedule situated at Dilkusha Market, Jullundur. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jullundur on July, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Karam Singh
S/o Basant Singh
r/o Janta Colony, Jullundur.

(Transferor)

(2) Shri Chhinder Pal Singh
S/o Pritam Singh and Magar Singh
S/o Harbhajan Singh r/o Jullundur.

(Transferee)

(3) As S. No. 2 above.

[Person in occupation of the property]

(4) Any other person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property & Persons as mentioned in the registration sale deed No. 2292 of the Registering Authority, Jullundur.

R. GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jullundur.

Date : 20-3-1981
Seal :

FORM ITN**NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX****ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR**

Jullundur, the 20th March 1981

Ref. No. A. P. No. 2581—Whereas, I, R. GIRDHAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. as per schedule situated at Dilkusha Market, Jullundur. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jullundur on July, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri. Naresh Singh
S/o Gurpal Singh
C/o Universal Land & Finance Co. Pvt. Ltd.,
Dilkusha Market, Jullundur.
(Transferor)
- (2) Shri Chhinder Pal Singh S/o Pritam Singh and
Magar Singh S/o Harbhajan Singh
r/o Jullundur.
(Transferee)
- (3) As S. No. 2 above.
(Person in occupation of the property)
- (4) Any other person interested in the property.
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property),

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette, etc.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property & Persons as mentioned in the registration sale deed No. 2293 of July, 80 of the Registering Authority, Jullundur.

R. GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jullundur.

Date : 20-3-1981
Seal :

FORM HTNS

(1) Shri Jagir Singh, S/o Sh. Partap Singh
r/o V. Garha Tehsil Jullundur.
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961).

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, the 20th March 1981

Ref. No. A. P. No. 2582—Whereas, I, R. GIRDHAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

as per schedule situated at Dilkusha Market Jullundur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jullundur on July, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (2) Shri Chhinder Pal Singh
S/o Pritam Singh & Magar Singh
S/o Harbhajan Singh
r/o Jullundur.
- (3) As s. No. 2 above.
(Person in occupation of the property)
- (4) Any other person interested in the property.
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette, or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Property & Persons as mentioned in the registration sale deed No. 2294 of July, 80 of the Registering Authority, Jullundur.

R. GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jullundur.

Date : 20-3-1981
Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME TAX,
ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, the 20th March 1981

Ref. No. A. P. No. 2583—Whereas, I, R. GIRDHAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. as per schedule situated at Dada Colony, Jullundur, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jullundur on July, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1927);

- (1) Shri Parshotam Lal S/o Mehar Chand r/o New Jawahar Nagar, Jullundur. (Transferor)
- (2) Shri Prem Nath, Krishan Chander, Sat Pal, Parshotam Lal S/o Maghi Ram C/o Student Book, Depot., Banga, Tehsil Nawansheher, Distt. Jullundur. (Transferee)
- (3) As S. No. 2 above. [Person(s) in occupation of the Property]
- (4) Any other person interested in the property. [Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the Property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property & Persons as mentioned in the registration sale deed No. 3065 of July, 1980 of the Registering Authority Jullundur.

1. M/s Rainbow Industries, I.A., Dada Colony, Jullundur.
2. M/s Malhotra Brothers, Do.
3. M/s Sonu & Monu & Co., Do.
4. M/s Y.N. Industries, Do.
5. M/s Jainsons Industries, Do.

R. GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jullundur.

Date : 20-3-1981

Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, the 20th March 1981

Ref. No. A. P. No. 2584—Whereas, I, R. GIRDHAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the ‘said Act’), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. as per schedule situated at V. Dahogarey (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jullundur on July, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (1) Shri Daulat Ram Aggarwal
S/o Hira Chand.,
Smt. Usha Gupta W/o Sh. Ramesh Kumar,
Smt. Prem Rani W/o Sh. Subash Chander r/o E.F.
506, Kishan Nagar, Jullundur.
(Transferor)
- (2) M/s B.M. Brothers Proprietor,
Sh. Brij Mohan Tandon,
Sodal Road, Jullundur.
(Transferee)
- (3) As S. No. 2 above.
[Person(s) in occupation of the Property]
- (4) Any other person interested in the property.
[Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the Property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

THE SCHEDULE

Property & Persons as mentioned in the registration sale deed No. 2457 of July, 1980 of the Registering Authority, Jullundur.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

R. GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jullundur.

Date : 20-3-81

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, the 20th March 1981

Ref. No. A.R. No. 2585.—Whereas, I, R. GIRDHAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. as per schedule situated at V. Gursar Jodheka, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Malout on July, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration thereon by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri Sase Singh s/o Kundan Singh
s/o Manna Singh, Dalbir Singh s/o Ajaib Singh
s/o Makam Singh,
Budha Singh, Balwinder Singh, Pritpal Singh S/o
Kashmir Singh, Behal Singh, Pargat Singh,
Karpal Singh, Mukhtiar Singh, Khazan Singh S/o
Harnam Singh s/o Fauja Singh r/o V. Gursar Jodheka
Tehsil Muktsar, Distt. Faridkot.

(Transferor)

- (2) Shri Banta Singh, Karnail Singh S/o Naranjan Singh
s/o Sulakhan Singh R/o V. Gursar Jodheka,
Tehsil Muktsar, Distt. Faridkot. (Transferee)

- (3) As S. No. 2 above.

[Person(s) in occupation of the Property]

- (4) Any other person interested in the property.
(Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the Property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property & Persons as mentioned in the registration sale deed No. 740 of July, 1980 of Registering Authority, Malout.

R. GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jullundur

Date : 20-3-1981
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961).

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, the 23rd March 1981

Ref. No. A. P. No. 2586—Whereas, I, R. GIRDHAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. as per schedule situated at Nawansheher (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering officer at Nawansheher on July, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment or any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Shri Dwarka Das S/o Kishori Lal
r/o Mohalla Baidan,
Nawansheher Distt. Jullundur.

(Transferor)

(2) Shri Kabal Singh S/o Harbans Singh
R/o Railway Road near Sheela Iron Store,
Nawansheher.
and Smt Gurmit Kaur w/o Sh. Kabal Singh r/o
Rly Road near Sheela Iron Store,
Nawansheher, Distt. Jullundur.

(Transferee)

(3) As S. No. 2 above.
[Person(s) in occupation of the Property]
(4) Any other person interested in the property.
[Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the Property]

[Objection, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property & Persons as mentioned in the registration sale deed No. 1772 of July, 80 of the Registering Authority, Nawansheher.

R. GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jullundur.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

39—26GI/81

Date : 23-3-1981
Seal :

FORM NO. KT.N.A.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 13th March 1981

Ref. No. ASR/80-81/472—Whereas, I, ANAND SINGH IRS.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Land at Pathankot situated at Pathankot (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

SR Pathankot on July, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of the notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri Diler Singh s/o Ram Singh r/o Manwar Teh, Pathankot.
(Transferor)
- (2) Shri Sampooran Singh s/o Phulla Singh r/o Pathankot c/o Rajput Cloth House, Oppst. Police Station Sadar, Pathankot.
(Transferee)
- (3) As at Sr. No. 2 above and tenant(s) if any
(Person(s) in occupation of the Property)
- (4) Any other
(Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the Property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 1 Kanal 1 marla situated in Pathankot as mentioned in the sale deed No. 1248/ dated 7-7-80 of the registering authority, Pathankot.

ANAND SINGH IRS.
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Amritsar.

Date : 13-3-1981
Seal :

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX****ACQUISITION RANGE, AMRITSAR**

Amritsar, the 10th March 1981

Ref. No. ASR/80-81/473—Whereas, I, ANAND SINGH being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act,'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. One factory shed situated at Amritsar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at

SR Amritsar on July, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair-market value of the aforesaid property and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) Sh. RajKumar s/o Sh. Ram Lal
r/o Basant Avenue, Amritsar.

(Transferor)

(2) Smt. Sheela Rani w/o Sh. Yoginder Suri
r/o Police Line,
Amritsar.

(Transferee)

(3) As at Sr. No. 2 above and [tenant(s) if any]
[Person(s) in occupation of the Property]

(4) Any other
[Person(s) whom the undersigned knows
to be interested in the Property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957) :—

THE SCHEDULE

A factory shed (area 156.50 sq. mtrs) situated in Basant Avenue, Amritsar as mentioned in the sale deed No. 1131/dated 14-7-80 of the registering authority, Amritsar.

ANAND SINGH IRS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Amritsar

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 10-3-1981

Seal :

FORM I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 10th March, 1981

Ref. No. ASR/80-81/474.—Whereas I, ANAND SINGH IRS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. one plot situated in Gato Bhathanwala (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer, at SR Amritsar on July, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'said Act' in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Shmt. Gurdip Kaur w/o Harbhajan Singh r/o Ras ul-pur kalan, Tehsil Amritsar.

(Transferor)

(2) Shri Sham Lal s/o Sh. Ram Lal
Sh. Labhu Ram s/o Sh. Sita Ram,
r/o Katra Karam Singh, Amritsar.

(Transferee)

(3) As at Sr. No. 2 and tenant(s) if any.

[Person(s) in occupation of the Property]

(4) Any other.

[Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the Property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One plot of land measuring 600 sq. yds situated outside Gate Bhagtanwala, as mentioned in the sale deed No. 1039/dated 7-7-80 of the registering authority, Amritsar.

ANAND SINGH IRS.
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Amritsar

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 10-3-81

Seal :

FORM NO. LT.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX, ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 10th March, 1981

Ref. No. ASR/80-81/475.—Whereas I, ANAND SINGH IRS

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. One plot situated on R.B. Parkash Chand Road (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

SR Amritsar on July 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons namely :—

(1) Sh. Bahadurjeet Sud s/o Sh. Gurdit Chand Sud r/o Bank Colony, 73-L, Parkash Chand Road, Amritsar.

(Transferor)

(2) Sh. Gurbachan Singh s/o Sh. Mohan Singh r/o 56, Parkash Chand Road, & Sh. Balraj s/o Sh. Ghasita Ram r/o inside Lohgarh, Gali Khatikan House No. 1154, Amritsar.

(Transferee)

(3) As at Sr. No. 2 any tenant(s) if any.

[Person(s) in occupation of the Property]

(4) Any other.

[Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the Property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One plot of land measuring 500 sq. yds situated on R.B. Parkash Chand Road, oppst. Police Lines, Amritsar as mentioned in the sale deed No. 1103 dated 10-7-80 of the registering authority, Amritsar.

ANAND SINGH IRS.
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Amritsar

Date : 10-3-81

Seal:

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA**

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, AMRITSAR**

Amritsar, the 10th March 1981

Ref. No. ASR/80-81/476.—Whereas I, ANAND SINGH IRS being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. One Shed situated in Ajit Nagar Abadi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at SR Amritsar on July 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) Dr. Mohar Singh s/o Labh Singh & Ajit Singh s/o Kartar Singh r/o Chowk Baba Singh, Amritsar.

(Transferor)

(2) Sh. Sunil Kumar s/o Sh. Bharat Kumar r/o inside Sultanwind Gate, Amritsar.

(Transferee)

(3) As at Sr. No. 2 and tenant(s) if any.

[Person(s) in occupation of the Property]

(4) Any other.

[Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the Property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

One shed situated in Abadi Ajit Nagar (area 209 sq mtrs.) as mentioned in the sale deed No. 1154/I dated 15-7-80 of the registering authority, Amritsar.

**ANAND SINGH IRS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Amritsar**

Date : 10-3-1981
Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

FORM I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 10th March, 1981

Ref. No. ASR/80-81/477—Whereas I, ANAND SINGH IRS

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Land situated in Pandori Waraich (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at SR Amritsar on July 1980 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) Shri Ujagar Singh s/o Sh. Kesar Singh r/o Pandori Waraich Teh & Distt. Amritsar.

(Transferor)

(2) Shri Mohinder Singh Vanayk s/o Sh. Ganga Ram r/o Husainpura, Teh & Distt. Amritsar.

(Transferee)

(3) As at Sr. No. 2 overleaf and tenant(s) if any

[Person(s) in occupation of the Property]

(4) Any other.

[Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the Property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons with a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Land measuring 8K 17M situated in village Pandori Waraich as mentioned in the sale deed No. 3364 dated 1-7-80 of the registering authority, Amritsar.

ANAND SINGH IRS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Amritsar

Date : 10-3-81
Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

FORM I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 11th March, 1981

Ref. No. ASR/80-81/478.—Whereas I, ANAND SINGH IRS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25000/- and bearing No. One property situated at (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred registered under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at SR Amritsar on July, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Harbajan Singh Kalra
s/o Smt. Kalyanbai r/o 12-A Ajit Nagar
Sultanwind Road, Amritsar
now r/o Hospital Bazar, Bathinda.

(Transferor)

(2) Shri Kundan Singh, Karnail Singh
ss/o Teja Singh r/o 7-Guru Nanak Nagar,
Amritsar.

(Transferee)

(3) As at sr. no. 2 and tenant(s) if any.

[Person(s) in occupation of the Property]

(4) Any other.

[Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the Property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later.

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One property Khana shumari No. 3569 (area 85 sq. mtrs situated in Abadi Guru Ram Dass Nagar, Amritsar, as mentioned in the sale deed No. 1164/I dated 16-7-80 of the registering authority Amritsar.

ANAND SINGH IRS.
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Amritsar

Date : 11-3-1981

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 12th March, 1981

Ref. No. ASR/80-81/479—Whereas I, ANAND SINGH IRS

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. One property situated at (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at SR Amritsar on July, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (1) Shri Tarlok Chand
s/o Diwan Chand r/o Ktr. Sufaid Amritsar.
(Transferor)
- (2) Shri Vipan Kumar s/o R.P. Khurana
r/o House No. 1592 Ktr.
Charat Singh, Amritsar.
(Transferee)
- (3) As at Sr. No. 2 and tenant(s) if any.
[Person(s) in occupation of the Property]
- (4) Any other.
[Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the Property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

1/2 share in house No. 1592 situated in Ktr. Charat Singh Gali Sunarian, Amritsar as mentioned in the sale deed No. 1018/I dated 4-7-80 of the registering authority, Amritsar.

ANAND SINGH IRS.
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Amritsar

Date : 12-3-81

Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—
40 -26GI/81

FORM ITNS—

- (1) Shri Tarlok Chand s/o Diwan Chand
r/o Ktr. Sufaid Amritsar.
(Transferor)
- (2) Smt. Indra Wati w/o Ram Parkash
r/o Ktr. Mohar Singh, Amritsar.
(Transferee)
- (3) As at Sr. No. 2 and tenant(s) if any.
[Person(s) in occupation of the Property]
- (4) Any other.
[Person(s) whom the undersigned knows
to be interested in the Property]

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 12th March, 1981

Ref. No. ASR/80-81/480.—Whereas I, ANAND SINGH
IRS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. One property situated at (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at SR Amritsar on July, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceed the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (b) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

1/2 share in H. No. 1682/X-7 situated in Gall Sunarian, Ktr. Charat Singh Amritsar as mentioned in the sale deed No. 1017/I dated 4-7-80 of the registering authority, Amritsar.

ANAND SINGH IRS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Amritsar

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Date : 12-3-1981

Seal :

FORM ITNS—

(1) Chairman, Improvement Trust,
Amritsar.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 12th March 1981

Ref. No. ASR/80-81/481,—Whereas I, ANAND SINGH IRS.
 being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. One plot situated at (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at SR Amritsar in July 1980 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(2) Smt. Rup Mehra
w/o Sh. Har Kishan Mehra,
r/o 400-A, Basant Avenue,
Amritsar.

(Transferee)

(3) As at Sr. No. 2 and tenant(s) if any.
[Person(s) in occupation of the Property]
(4) Any other.
[Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the Property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One plot of land measuring 442.21 sq. mtrs. (No. 400-A) as mentioned in the sale deed No. 1287/I dated 23-7-80 situated in Basant Avenue, of the registering authority Amritsar.

ANAND SINGH IRS.
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Amritsar

Date : 12-3-1981
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE AMRITSAR

Amritsar, the 10th March, 1981

Ref. No. ASR/80-81/482—Whereas, I, ANAND SINGH IRS

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

and bearing No. Shops situated at...

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at SR Amritsar, in July 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Sh. Surinder Kumar & Narinder Kumar
ss/o Brij Mohan & Chand Rani
wd/o Sh. Brij Mohan r/o Bazar Nar Singh Dass,
Amritsar.

(Transferor)

(2) Smt. Pushpa w/o Sh. Madan Lal
r/o Katra Moti Ram,
Amritsar.

(Transferee)

(3) As at Sr. No. 2 above and tenant(s) if any
Mehra & Bros. Rs. 160/- p. m.
Sh. Madan Lal Rs. 60/- p.m.

[Person(s) in occupation of the Property]

(4) Any other

[Person(s) whom the undersigned knows
to be interested in the Property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1/4th share in property No. 2109/1-25 & No. 2189/1-25 situated in Katra Ahluwalia, as mentioned in the sale deed No. 1220/I dated 17-7-80 of the registering authority, Amritsar.

ANAND SINGH IRS.
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Amritsar

Date : 10-3-81
Seal :

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

**GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME TAX,
ACQUISITION RANGE, AMRITSAR**

Amritsar, the 10th March 1981

Ref. No. ASR/80-81/483.—Whereas, I, ANAND SINGH, IRS.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Shops situated at
(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at SR Amritsar in July 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) Shri Ram Gopal s/o Hargopal
r/o Bazar Nar Singh Dass,
Amritsar.

(Transferor)

(2) Smt. Pushpa Wati
w/o Sh. Madan Lal, r/o Katra Moti Ram,
Amritsar.

(Transferee)

(3) As at Sr. No. 2 above and tenant(s) if any
Mehra & Bros. Rs. 160/- p. m.
Sh. Madan Lal Rs. 60/- p. m.
[Person(s) in occupation of the Property]

(4) Any other.

[Person(s) whom the undersigned knows
to be interested in the Property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

1/4th share in property No. 2109/1-25 & No. 2189/1-25 situated in Katra Ahluwalia as mentioned in the sale deed No 1221/I dated 17-7-80 of the registering authority, Amritsar.

ANAND SINGH, IRS.
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Amritsar

Date : 10-3-81

Seal :

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

FORM I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 10th March 1981

Ref. No. ASR/80-81/484—Whereas, I, ANAND SINGH, IRS

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Shops situated at

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at SR Amritsar in July 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with object of :—

(1) Smt. Phul Kaur
wd/o Madan Gopal & Prem Sagar
s/o Madan Gopal r/o Bazar Nar Singh Dass,
Amritsar.

(Transferor)

(2) Smt. Pushpa Wati
w/o Sh. Madan Lal r/o Katra Moti Ram,
Amritsar.

(Transferee)

(3) As at Sr. No. 2 above and tenant(s) if any
Mehra & Brs Rs. 160/- p. m.
Sh. Madan Lal Rs. 60/- p. m.

[Person(s) in occupation of the Property]

(4) Any other.

[Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the Property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

1/4th share in property No. 2109/I-25 & No. 2189/I-25 situated Katra Ahluwalia, as mentioned in the sale deed No. 1157/I dated 15-7-80 of the registering authority, Amritsar.

ANAND SINGH, IRS.
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Amritsar.

Date : 10-5-81

Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, AMRITSAR.

Amritsar, the 10th March 1981

Ref. No. ASR/80-81/485—Whereas, I, ANAND SINGH IRS

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Shops situated at....

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at

SR Amritsar in July 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Sh. Dawarka Dass s/o Hargopal,
r/o Bazar Nar Singh Dass,
Amritsar.

(Transferor)

(2) Smt. Pushpa Wati
w/o Madan Lal, r/o Katra Moti Ram,
Amritsar.

(Transferee)

(3) As at Sr. No. 2 above and tenant(s) if any
Mehra & Bros. 160/- p. m.
Madan Lal Rs. 60/- p. m.

[Person(s) in occupation of the Property]

(4) Any other.

[Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the Property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1/4th share in property No. 2109/I-25 & No. 2189/I-25 situated in Katra Ahluwalia, as mentioned in the sale deed No. 1158/I dated 15-7-80 of the registering authority, Amritsar.

ANAND SINGH IRS.
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Amritsar.

Date : 10-3-81.

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 10th March 1981

Ref. No. ASR/80-81/486—Whereas, J, ANAND SINGH, IRS

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. One property situated at.....

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at SR Amritsar in July 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) Smt. Sarla wd/o Tara Chand
Avtar Kumar, Jatinder Kumar, Madan Lal
Jugal Kishore Tarlok Chand ss/o Tara Chand
through Smt. Sarla mukhtar aam,
Smt. Veena d/o Tara Chand
through Smt. Sarla mukhtar aam
r/o 36-M Green Avenue, Amritsar.

(Transferee)

(2) Sh. Beant Singh Kumar
s/o Bhunpat Singh Kumar
r/o 36-Green Avenue
Amritsar.

Transferee

(3) As at Sr. No. 2 above and tenant(s) if any
[Person(s) in occupation of the Property]

(4) Any other.
[Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the Property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

1/2 share in Kothi No. 36-M (area 294 sq. mtrs) situated in Green Avenue, Amritsar as mentioned in the sale deed No. 992/I dated 3-7-80 of the registering authority, Amritsar.

ANAND SINGH, IRS.
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Amritsar.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 10-3-81.

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 10th March, 1981

Ref. No. ASR/80-81/487—Whereas I, ANAND SINGH IRS.

being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Property, situated at Amritsar

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

SR Amritsar August, 80

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 268C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

41—26GI/81

(1) Shmt. Sarla wd/o Tara Chand
self & Mukhtar aam, Avtar Kumar, Jatinder Kumar,
Madan Lal, Jugal Kishore Tarlok Chand ss/o Tara
Chand, Bibi Veena d/o Tara Chand
r/o 36-M Green Avenue
Amritsar.

(Transferor)

(2) Shri Beant Singh Kumar
S/o Dhanpat Singh Kumar
r/o 36-M Green Avenue Amritsar.

(Transferee)

(3) As at Sr. No. 2 above and tenant(s) if any
[Person(s) in occupation of the Property]

(4) Anyother
[Person(s) whom the undersigned knows
to be interested in the Property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1/2 share in kothi No. 36-M situated in Green Avenue, Amritsar, as mentioned in the sale deed No. 1682/I dated 28-8-80 of the registering authority, Amritsar.

ANAND SINGH IRS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Amritsar.

Date : 10-3-81.

Seal ;

FORM I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, AMRITSAR.

Amritsar, the 11th March 1981

Ref. No. ASR/80-81/488—Whereas, I, ANAND SINGH IRS.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. one shop situated at Amritsar

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at SR Amritsar on July 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (1) S/Shri Amar Nath & Ram Kishan
ss/o Sh. Narain Dass, r/o Bazar Charusti Attari,
Amritsar.
(Transferor)
- (2) Sh. Bhupinder Singh s/o Inder Singh, r/o Katra Karam
Singh Bazar Nar Singh Dass, Amritsar.
(Transferee)
- (3) As at Sr. No. 2 above and tenant(s) if any.
[Person(s) in occupation of the Property]
- (4) Any other.
[Person(s) whom the undersigned knows
to be interested in the Property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

One shop three storeys situated in Bazar Gandawala, Amritsar, as mentioned in the sale deed No. 1364/I dated 31-7-80 of the registering authority, Amritsar.

ANAND SINGH IRS.
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Amritsar.

Date : 11-3-81.

Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

FORM I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 12th March 1981

Ref. No. ASR/80-81/489—Whereas I, ANAND SINGH IRS.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

One property situated at Pathankot (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at SR Pathankot in July 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of the notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shmt. Sheela Devi
w/o Sh. Rup Lal r/o Canal Road,
Jammu.

(Transferor)

(2) Sh. Ram Dev Gupta
s/o Rup Lal r/o 38-B,
Thermal Colony, Bhatinda.

(Transferee)

(3) As at ar. No. 2 overleaf and tenant(s) if any
[Person(s) in occupation of the Property]

(4) Any other
[Person(s) whom the undersigned knows
to be interested in the Property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One property situated on Mission Road, Pathankot as mentioned in the sale deed No. 1228/dated 4-7-80 of the registering Authority, Pathankot.

ANAND SINGH IRS.
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Amritsar.

Date : 12-3-1981

Seal :

FORMS ITNS

- (1) Shmt. Reta Rani w/o Sh. Romesh Kumar
r/o Canal Road, Jammu.
(Transferor)
- (2) Sh. Ram Dev Gupta
s/o Rup Lal r/o B-38,
Thermal Colony,
Bhatinda.
(Transferee)
- (3) As at Sr. No. 2 overleaf and tenant(s) if any
[Person(s) in occupation of the Property]
- (4) Any other
[Person(s) whom the undersigned knows
to be interested in the Property]

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 12th March 1981

Ref. No. ASR/80/81/490—Whereas, I ANAND SINGH IRS

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. One property situated at Pathankot (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at SR Pathankot July 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

One property situated on Mission Road, Pathankot as mentioned in the sale deed No. 1227/dated 4-7-80 of the registering authority, Pathankot.

ANAND SINGH IRS.
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Amritsar.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the Act, to the following persons, namely :—

Date : 12-3-1981
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961(43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, AMRITSAR.

Amritsar, the 9th March 1981

Ref. No. ASR/80-81/491—Whereas I, ANAND SINGH IRS.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immoveable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing.

No. One building at Jullundur Road, Batala.

(and more fully described, in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at SR Batala July 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of.—

(1) Shri Padri C.L. Parshad
s/o Padri S. Parsad Anarkali Road,
r/o Batala.

(Transferor)

(2) Shmt. (DR) Iqbal Dai Shukla
w/o Balbir Singh
s/o Sh. Wasdev Singh r/o Batala
Balbir Singh.

(Transferee)

(3) As at Sr. No. 2 above and tenant(s) if any.
[Person(s) in occupation of the Property]

(4) Any other
[Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the Property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons with a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, which period expires later.

(b) by any other person interested in the said immoveable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the meaning as given in the Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

One building Kh. No. 2080-81 Oppst. Baring College Jullundur Road, Batala, Area 2K 6 M as mentioned in the sale deed No. 2935/dated 2-7-80 of the registering authority Batala.

ANAND SINGH IRS.
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Amritsar.

Date : 9-3-81
Seal :

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

FORM I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER, OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 9th March 1981

Ref. No. A.R./80-81/292—Whereas, I, ANAND SINGH, IRS.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

One building situated at Jullundur Road, Batala.
(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

SR Batala on August, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and

I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(1) Padri C. L. Prasad
s/o Padri S. Parasad
r/o Anarkali Road, Batala.

(Transferor)

(2) Smt. (DR) Iqbal Devi Shukla
w/o Balbir Singh S/o Sh. Wasdev Singh
r/o Batala through Balbir Singh

(Transferee)

(3) As at Sr. No. 2 overleaf and tenant(s) if any

[Person(s) in occupation of the Property]

(4) Any other

[Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the Property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

1/2 share in one building kh. No. 2080-81 opposite, Baring college, Jullundur Road, Batala, area 2K 6M as mentioned in the sale deed No. 3252 dt. 8-8-80 of the registering authority Batala.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

ANAND SINGH IRS.
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Amritsar

Date : 9-3-81.

Seal :

FORM I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 11th March 1981

Ref. No. ASR/80-81/493—Whereas I, ANAND SINGH IRS.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. One Khola situated at Katra Sher Singh, (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at SR Amritsar on July 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (1) Daljit Singh Sardar
s/o Balwant Singh
r/o Katra Sher Singh
Amritsar
(Transferor)
- (2) Gurmukh Singh Sardar
S/o Ralwant Singh R/o Plot No. 19
Katra Sher Singh, Amritsar.
(Transferee)
- (3) As at Sr. No. 2 above and tenant(s) if any
[Person(s) in occupation of the Property]
- (4) Any other
[Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the Property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

(a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One khola (area 55 sq. mtrs) situated in Katra Sher Singh as mentioned in the sale deed No. 1330/dated 28-7-80 of the registering authority, Amritsar.

ANAND SINGH IRS

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Amritsar.

Date : 11-3-1981

Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of the notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 11th March 1981

Ref. No. ASR/80-81/494—Whereas I, ANAND SINGH IRS.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. One plot of land Situated at East Mohan Nagar.
(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at SR Amritsar on July 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of transfer with the object of :—

- (1) Chairman Improvement Trust,
Amritsar.
(Transferor)
- (2) Shri Karam Singh s/o Sadhu Singh
r/o 256A East of Mohan Nagar,
Amritsar.
(Transferee)
- (3) As at Sr. No. 2 and tenant(s) if any
[Person(s) in occupation of the Property]
- (4) Any other
[Person(s) whom the undersigned knows
to be interested in the Property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One plot of land measuring 1000 sq. yds situated in East of Mohan Nagar (No. 256-A) as mentioned in the sale deed No. 1146/I dated 15-7-80 of the registering authority Amritsar.

ANAND SINGH IRS.
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Amritsar.

Now, therefore, in pursuance of Section 269-C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 11-5-81
Seal

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME TAX
ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 13th March 1981

Ref. No. ASR/80-81/495—Whereas, I, ANAND SINGH IRS

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. One property situated at Amritsar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at SR Amritsar in July 1980 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

42—26GI/81

(1) Shri Angad Singh s/o Balwant Singh, r/o village Modhoke, Teh. Ajnala, Distt. Amritsar.

(Transferor)

(2) Harbhajan Singh s/o Nand Singh partners in firm M/s. N.R. Delhi Panjab Goods Corporation, Bazar Bakerwana, Mahan Singh Gate, Amritsar.

(Transferee)

(3) As at Sr. No. 2 above and tenant(s) if any [Person(s) in occupation of the Property]

(4) Any other.

[Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the Property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One property No. 1699/1141, 2796/11-41 situated in Bazar Bakerwana, Mahan Singh Gate, Amritsar as mentioned in the sale deed No. 1849/I dated 12-9-80 of the registering authority, Amritsar.

ANAND SINGH IRS.
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Amritsar.

Date : 13-3-81
Seal :

FORM ITNS

- (1) Shri Angad Singh s/o Balwant Singh
r/o Village Nadhoke, Teh. Ajnala, Distt. Amritsar.
(Transferor)
- (2) Sh. Rattan Singh s/o Nand Singh partners in firm
M/s. N.R. Delhi Panjab Goods Corporation,
Bazar Bakerwana Mohan Singh,
Amritsar.
(Transferee)
- (3) As at Sr. No. 2 above and tenant(s) if any
[Person(s) in occupation of the Property]
- (4) Any other
[Person(s) whom the undersigned knows
to be interested in the Property]

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 13th March 1981

Ref. No. ASR/80-81/496—Whereas I, ANAND SINGH IRS

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. One property situated at....

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at SR Amritsar in July 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One property situated in Bazar Bakerwana, Mohan Singh Gate No. 1699/41, 2798/41 (area 129 sq. mtrs.) as mentioned in the sale deed No. 1339/I dated 29-7-80 of the registering authority, Amritsar.

ANAND SINGH IRS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Amritsar.

Date : 13-3-1981
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961(43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 13th March 1981

Rdf. No. ASR/80-81/497—Whereas, I ANAND SINGH IRS

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding, Rs. 25,000/- and bearing

No. One property

(and more fully described, in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at SR Amritsar July 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Shri Narinder Kumar & Kamal Kumar
ss/o Harbhajan Lal,
inside Hathi Darwaja, Amritsar.

(Transferor)

(2) Shri Sanjeev Kumar s/o Sh. Kishan Chand
r/o 302, Green Avenue,
Amritsar.

(Transferee)

(3) As at St. No. 2 overleaf and tenant(s) if any
[Person(s) in occupation of the Property]

(4) Any other
[Person(s) whom the undersigned knows
to be interested in the Property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One property situated on plot No. 302 (area 336 1/2 sq. yds. situated in Green Avenue, Amritsar as mentioned in the sale deed No. 1228/I dated 21-7-80 of the registering authority, Amritsar.

ANAND SINGH IRS.
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Amritsar.

Date : 13-3-81
Seal:

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA**

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, AMRITSAR**

Amritsar, the 17th March 1981

Ref. No. ASR/80-81/498—Whereas, I ANAND SINGH IRS being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. One property

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

SR Amritsar August 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (1) Shmt. Surjit Kaur
w/o Dial Singh r/o Maqbul Road,
Amritsar.
(Transferee)
- (2) Shmt. Manjit Kaur w/o Mohan Singh
r/o House No. 853 Nimak Mandi,
Gali Kandharaina,
Amritsar.
(Transferee)
- (3) As at Sr. No. 2 overleaf and tenant(s) if any
[Person(s) in occupation of the Property]
- (4) Any other
[Person(s) whom the undersigned knows
to be interested in the Property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

1/3rd share in property No. 1754 sitated in Chowk Darbar Sahib I/s Kucha Guleria, Amritsar as mentioned in the sale deed No. 1390/I dated 4-8-80 of the Registering authority, Amritsar.

ANAND SINGH IRS.
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Amritsar.

Date : 13-3-81.
Seal:

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

FORM ITNS

- (1) Shmt. Surjit Kaur
w/o Dial Singh r/o Maqbul Road,
Amritsar.
(Transferor)
- (2) Shri S. Maninder Singh & Hardeep Singh s/o Mohan
Singh r/o Nimak Mandi, Amritsar.
(Transferee)
- (3) As at Sr. No. 2 overleaf and tenant(s) if any
[Person(s) in occupation of the Property]
- (4) Any other
[Person(s) whom the undersigned knows
to be interested in the Property]

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, AMRITSAR.

Amritsar, the 13th March 1981

Ref. No. ASR/80-81/499—Whereas, I ANAND SINGH IRS

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. One property

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at SR Amritsar July 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

1/3rd share in property No. 1754 situated in Chowk Darbar Sahib Kucha Guleria, Amritsar, as mentioned in the sale deed No. 1231/I dated 21-7-80 of the registering authority Amritsar.

ANAND SINGH IRS.
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Amritsar.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 13-3-81
Seal:

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 13th March 1981

Ref. No. ASR/80-81/600—Whereas, I, ANAND SINGH IRS.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. One property

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Amritsar August 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shmt. Surjit Kaur w/o Dial Singh
r/o Maqbul Road, Amritsar.
(Transferor)
- (2) Shri S. Mohan Singh s/o Surmukh Singh
r/o Bazar Nimak Mandi,
Kucha Kandharian,
Amritsar.
(Transferee)
- (3) As at Sr. No. 2 above and tenant(s) if any
[Person(s) in occupation of the Property]
- (4) Any other
[Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the Property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days, from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1/3rd share in property No. 1754 situated in Chowk Darbar Sahib Kucha Guleria, Amritsar as mentioned in the sale deed No. 1637/I dated 25-8-80 of the registering authority, Amritsar.

ANAND SINGH IRS.
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Amritsar

Date : 13-3-81.
Seal:

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA**

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, AMRITSAR**

Amritsar, the 13th March 1981

Ref. No. ASR/80-81/501—Whereas, I, ANAND SINGH IRS.
being the Competent Authority under Section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. One property

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at SR Amritsar July, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Arjan Lal s/o Jagir Singh
1/o Batala Road, Tandon Nagar
Amritsar now Sitla Mander Maimue piari di bagichi,
Amritsar.

(Transferor)

(2) Shri Satish Kumar s/o Chuni Lal
r/o 363-East of Mohan Nagar,
Amritsar.

(Transferee)

(3) As at Sr. No. 2 above and tenant(s) if any
[Person(s) in occupation of the Property]

(4) Any other
[Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the Property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One property situated in Tandon Nagar Batala Road, Amritsar, as mentioned in the sale deed No. 3836/dated 15-7-80 of the registering authority, Amritsar.

ANAND SINGH IRS.
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Amritsar.

Date : 13-3-81

Seal:

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 13th March 1981

Ref. No. ASR/80-81/502—Whereas, I, ANAND SINGH IRS.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. One property

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

SR Amritsar in July, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, of the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Dr. Mehar Singh s/o Labh Singh & S. Ajit Singh
s/o Dr. Kartar Singh
r/o Chowk Baba Sahib, Amritsar.

(Transferor)

(2) Sh. Bharat Kumar s/o Dhani Ram
Inside Sultanwind Gate,
Amritsar.

(Transferee)

(3) As at Sr. No. 2 above and tenant(s) if any
[Person(s) in occupation of the Property]

(4) Any other
[Person(s) whom the undersigned knows
to be interested in the Property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One property situated in Sultanwind Urban Abadi Ajit Nagar, as mentioned in the sale deed No. 1084/I dated 9-7-80 of the registering authority, Amritsar.

ANAND SINGH IRS.
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Amritsar.

Date : 13-3-81

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 13th March 1981

Ref. No. ASR/80-81/503—Whereas, I ANAND SINGH IRS.
being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. One plot.

(and more fully described, in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at SR Amritsar July 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (1) Amritsar Improvement Trust, Amritsar. (Transferor)
- (2) Shri Harbans Singh s/o Uddham Singh r/o 115 Green Avenue, Amritsar. (Transferee)
- (3) As at Sr. No. 2 overleaf and tenant(s) if any [Person(s) in occupation of the Property]
- (4) Any other [Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the Property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

One plot of land No. 115 measuring 597 sq. yds situated in Green Avenue, Amritsar as mentioned in the sale deed No. 1291/I dated 23-7-80 of the registering authority, Amritsar.

ANAND SINGH IRS,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Amritsar.

Now, therefore, in pursuance of Section 269D of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—
43—26GI/81

Date : 13-3-81

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 13th March, 1981

Ref. No. ASR/80-81/504—Whereas, I ANAND SINGH IRS

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. One plot Situated at Amritsar

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at SR Amritsar in July, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri Surjit Singh s/o Piara Singh r/o Lashkari Nangal Teh. Ajnala, through Sh. Shangara Singh mukhtar. (Transferor)
- (2) Smt. Harbans Kaur w/o Amar Singh r/o Bahmani wala, Distt. Amritsar. (Transferee)
- (3) As at Sr. No. 2 and tenant(s) if any [Person(s) in occupation of the Property]
- (4) Any other [Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the Property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One plot of land measuring 264 sq. mtrs. situated in Basant Avenue, Amritsar as mentioned in the sale deed No. 1240/I dated 21-7-80 of the Registering Amritsar, Amritsar.

ANAND SINGH IRS.
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Amritsar.

Date : 13-3-81
Seal:

FORM I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 13th March, 1981

Ref. No. ASR/80-81/505—Whereas I, ANAND SINGH IRS.

being the Competent Authority

under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. One property situated at Amritsar (and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at SR Amritsar on July 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the aforesaid property, as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby, initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Diwan Singh s/o S. Attar Singh
r/o Chowk Krori Ram Sar Road, Gali Hira Chaudhary, Amritsar.

(Transferor)

(2) Smt. Man Kaur w/o Sh. Charan Singh
r/o 147 Baba Deep Singh colony, Amritsar.

(Transferee)

(3) As at Sr. No. 2 above and tenant(s) if any
[Person(s) in occupation of the Property]

(4) Any other

[Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the Property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One house (plot No. 146) situated inside Chatlwind, Baba Deep Singh colony, Amritsar as mentioned in the sale deed No. 1233/I dated 21-7-80 of the registering authority, Amritsar.

ANAND SINGH IRS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Amritsar.

Date : 13-3-81.

Seal:

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 13th March, 1981

Ref. No. ASR/80-81/506—Whereas I, ANAND SINGH IRS.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. One plot situated at Amritsar

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at SR Amritsar on July, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (1) Sh. Narinder Kumar,
Arjan Kumar, Surinder Kumar, Mohinder Kumar
Varinder Kumar ss/o Rup Lal r/o Model Town,
G.T. Road, Amritsar.
(Transferors)
- (2) Smt. Raj Rani w/o Shiv Kumar Krishna Square,
Shivala Road, Amritsar.
(Transferee)
- (3) As at Sr. No. 2 above and tenant(s) if any
[Person(s) in occupation of the Property]
- (4) Any other
[Person(s) whom the undersigned knows
to be interested in the Property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette;

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

One plot of land measuring 230 sq. yds. situated on G.T. Road, Model Town, Amritsar as mentioned in the sale deed No. 1232/I Dated 21-7-80 of the registering authority, Amritsar.

ANAND SINGH IRS.
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Amritsar.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 13-3-81
Seal :

FORM ITNS

- (1) Improvement Trust, Amritsar.
 (Transferor)
- (2) M/s. Freedom Enterprises through Amrit Singh
 s/o Mangal Singh
 r/o 312 east Mohan Nagar, Amritsar.
 (Transferee)
- (3) As at Sr. No. 2 overleaf and tenant(s) if any
 [Person(s) in occupation of the Property]
- (4) Any other
 [Person(s) whom the undersigned knows
 to be interested in the Property]

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,****ACQUISITION RANGE, AMRITSAR**
 Amritsar, the 13th March, 1981

Ref. No. ASR/80-81/507—Whereas, I ANAND SINGH IRS.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. One plot.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at SR Amritsar in July 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

One plot No. 312 situated in East Mohan Nagar, Amritsar, as mentioned in the sale deed No. 1352/I dated 29-7-80 of the registering authority, Amritsar.

ANAND SINGH IRS.
 Competent Authority
 Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
 Acquisition Range, Amritsar.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Date : 13-3-1981
 Seal:

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE, LUDHIANA

Ludhiana, the 18th March, 1981

Ref. No. AML/51/80-81/—Whereas, I SUKHDEV CHAND being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Land measuring 1 bigha situated at V. Kukar Majra, S. Teh. Amloh, Distt. Patiala.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Amloh in July, 1180

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) S/Shri Surjit Singh S/o Sh. Ram Kishan, R/o V. Kukar Majra, Mandi Gobindgarh, Distt. Patiala.

(Transferor)

(2) Smt. Kaushalya Devi W/o Sh. Sat Parkash, Smt. Kamlesh Rani W/o Sh. Sudesh Kumar, Smt. Sunila Rani W/o Ash. Ashok Kumar, W. No. 3 Q.T. Road, Mandi Gobindgarh.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Land measuring 1 bighas at V. Kukar Majra, S. Teh. Amloh.
(The property as mentioned in the sale deed No. 924 of July, 1980 of the Registering Authority, Amloh)

SUKHDEV CHAND
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ludhiana.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 18-3-1981
Seal :

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

(1) Shri Jiw Singh S/o Sh. Narain Singh,
R/o Jhill, Teh. Patiala.

(Transferor)

(2) Shri Haridyal Singh S/o S. Partap Singh,
R/o Jhill, Teh. Patiala.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, CENTRAL REVENUE
BUILDING, LUDHIANA**

Ludhiana, the 18th March, 1981

Ref. No. PTA/50-80-81/—Whereas, I SUKHDEV CHAND being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Land measuring 9 kanal 13 marlas situated at V. Jhill, Patiala.
(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Patiala in August, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

Land 9 kanals 13 Marlas at Jhill, Teh. Patiala (The property as mentioned in the sale deed No. 3732 of August, 80 of the Registering Authority, Patiala)

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

SUKHDEV CHAND
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ludhiana.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 18-3-1981

Seal :

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.****ACQUISITION RANGE, CENTRAL REVENUE BUILDING, LUDHIANA**

Ludhiana, the 18th March, 1981

Ref. No. PTA/45/80-81/—Whereas, I SUKHDEV CHAND being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Land measuring 13 Kanal 4 Marlas situated at Jhill, Teh. Patiala.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Patiala, in July, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of —

- (1) Shri Narinder Singh S/o Sh. Darbara Singh
R/o 50A, Sarabha Nagar,
Ludhiana Attorney Holder of Sh. Devinder Singh
S/o Sh. Darbara Singh R/o 524,
Sec. 8B, Chandigarh.
(Transferor)
- (2) Shri Hardial Singh S/o Sh. Partap Singh,
R/o Jhill, Teh. Patiala.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

Land 13 Kanals 4 Marlas at Jhill, Teh. Patiala.
(The property as mentioned in the sale deed No. 3177 of July, 80 of the Registering Authority, Patiala.)

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

SUKHDEV CHAND
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ludhiana.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of the notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date: 18-3-1981
Seal:

FORM ITNS—

(1) Shri Raghbir Singh S/o Amar Singh S/o
Kartar Singh,
R/o V. Kukar Majra, S. Teh. Amloh,
Distt. Patiala.

(Transferor)

(2) Smt. Chander Mohini Bhatia W/o
Sh. Surinder Kumar,
R/o Ward No. 11, Mandi Gobindgarh
C/o Diwan Chand Dharmpat Rai

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, LUDHIANA
CENTRAL REVENUE BUILDING,

Ludhiana, the 18th March, 1981

Ref. No. AML/57/80-81/—Whereas, I SUKHDEV CHAND being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No Land measuring 2 bighas situated at Village Kukar Majra S. Teh. Amloh, Distt. Patiala. (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Amloh in July, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been, or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Land measuring 2 bighas at Kukar Majra, S. Teh. Amloh Distt. Patiala.

(The property as mentioned in the sale deed No. 983 of July, 1980 of the Registering Authority, Amloh)

SUKHDEV CHAND,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ludhiana.

Date : 18-3-1981
Seal:

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

44—26GI/81

FORM ITN**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA**

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE, LUDHIANA
CENTRAL REVENUE BUILDING**

Ludhiana, the 18th March, 1981

Ref. No. AML/59/80-81.—Whereas, I SUKHDEV CHAND being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Land measuring 2 bighas situated at Kukar Majra, S. Teh. Amloh, Distt. Patiala. (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Amloh in July, 1980 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri Dider Singh
S/o S. Amar Singh,
R/o V. Kukar Majra, S. Teh. Amloh, Distt. Patiala.
(Transferee)
- (2) Smt. Usha Bhatia W/o Sh. Varinder Bhatia,
R/o Mandi Gobindgarh, Distt. Patiala.
C/o Bhatia Steel Trading Co.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 2 bighas at V. Kukar Majra, S. Teh. Amloh Distt. Patiala.

(The property as mentioned in the sale deed No. 1058 of July, 1980 of the Registering Authority, Amloh)

SUKHDEV CHAND
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ludhiana.

Date : 18-3-1981
Seal:

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, LUDHIANA

Ludhiana, the 18th March 1981

Ref. No. LDH/120/80-81/—Whereas, I, SUKHDEV CHAND being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immoveable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. House Property No. B-XX-275 situated at Ghumar Mandi Chowk, Ludhiana.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ludhiana in July, 1980.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Jagtar Singh S/o Sh. Bishan Singh, through Shri Bhagwant Singh S/o Sh. Mai Singh C/o M/s Sangrur General Finance Co. Patiala Gate, Sangrur.

(Transferor)

(2) Shri Inderjit Singh S/o Shri Gurbaksh Singh C/o Gill Dhaba, H. No. B-XX-275, Ghumar Mandi Chowk, Ludhiana.

(Transferee)

(3) Shri H.S. Nagl, Sh. Pyare Lal, & Shri Nikkoo Ram Joshi all r/o H. No. B. XX. 275, Ghumar Mandi Chowk, Ludhiana.

[Person(s) in occupation of the Property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immoveable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House No. B.XX.275, Ghumar Mandi Chowk, Ludhiana.
(The property as mentioned in the sale deed No. 2170 of July, 1980 of the registering Authority, Ludhiana)

SUKHDEV CHAND
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ludhiana.

Date : 18-3-1981

Seal:

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, LUDHIANA**

Ludhiana, the 18th March 1981

Ref. No. CHD/127/80-81/—Whereas, I, SUKHDEV CHAND being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

S.C.F. No. 36, situated at Sector 86 Chandigarh (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Chandigarh in July, 1980.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object :—

(1) Lt. Dilraj Singh S/o Dr. Ishwar Singh
R/o 69, Sector 8,
Chandigarh.

(2) Smt. Geeta Mehra C/o M/s Mohan Lal & Co.,
Ambala Cantt.

(Transferor)

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any monies or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax (1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

S.C.F. No. 36, Sector 8, Chandigarh.

(The property as mentioned in the sale deed No. 692 of July, 1980 of the Registering Authority, Chandigarh)

SUKHDEV CHAND
Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ludhiana.

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 18-3-1981

Seal :

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, LUDHIANA

Ludhiana, the 18th March 1981

Ref. No. KNN/24/80-81/—Whereas, I, SUKHDEV CHAND being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immoveable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Land measuring 8 1/2 Marlas situated at Khanna, Distt Ludhiana.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Khanna in July, 1980,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(1) Shri Parlad Singh
 S/o Sh. Uttam Singh
 R/o Samrala Road, Khanna.

(Transferor)

(2) Shri Rajinder Singh S/o Sh. Jagir Singh,
 R/o V. Shahpur,
 S. Teh. Amloh, Distt. Patiala.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.

(b) by any other person interested in the said immoveable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Land measuring 8 1/2 Marlas at Khanna, Distt. Ludhiana.
 (The property as mentioned in the sale deed No. 988 of July 1980 of the Registering Authority, Khanna)

SUKHDEV CHAND

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
 Acquisition Range, Ludhiana.

Date : 18-3-1981

Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

FORM I.T.N.S.—**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA**

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, LUDHIANA**

Ludhiana, the 18th March, 1981

Ref. No. CHD/112/80-81/—Whereas, I SUKHDEV CHAND being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Residential Plot No. 404, situated a Sector 32A, Chandigarh,

(and where fully described in the scheduled annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Chandigarh in July, 1980.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceed the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following New Delhi on July, 1980

(1) Smt. Suhag Wanti
W/o S. Amrik Singh,
V & PO Kandla, Distt. Mohan Nagar,
(U.P.)

(Transferor)

(2) Shri Sidh Parkash S/o Sh. Shadi Ram,
V&PO Daulat Singhwala,
Distt. Ropar.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later.

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Residential Plot No. 404, Sector 32A, Chandigarh.
(The property as mentioned in the sale deed No. 639 of July, 1980 of the Registering Authority, Chandigarh)

SUKHDEV CHAND
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ludhiana

Date : 18-3-1981

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE, ROHTAK

Rohtak, the 17th March, 1981

Ref. No. JDR/16/80-81/31—Whereas, I, G. S. GOPALA being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. House No. 522 R/2, Yamunanagar, Model Town, situated at Yamunanagar.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jagadhari in July, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(1) Shri Shiv Narain Tiwari
S/O Shri Badri Nath Tiwari,
Accountant Central Bank Hansi.

(Transferor)

(2) Shri S.C. Chopra
S/O Sh. J. P. Chopra,
522-R, Model Town,
Yamunanagar.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of the notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Property being house No. 522-R/2 situated at Model Town, Yamunanagar and as more mentioned in the sale deed registered at No. 2254 dated 8-7-1980 with the Sub Registrar, Jagadhari.

G. S. GOPALA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Rohtak.

Date: 17-3-1981

Seal:

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
ACQUISITION RANGE, ROHTAK

Rohtak, the 17th March, 1981

Ref. No. JDR/13/80-81/—Whereas, I G.S. GOPALA being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. House No. M.C.J. 1-590 Mukherjee Park, Situated at Jagadhari

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jagadhari in July, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) Smt. Guranditti W/O Shri Chuni Lal
House No. 59 Mukherjee Park,
Jagadhari Now R/O Mohalla Katgarh-20,
Moradabad (U. P.)

(Transferor)

(2) Shri Labh Singh S/O Baggu Singh
R/O H. No. 1530 Gomati Mohalla,
Jagadhari.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDEULE

Property being house No. M.C. J/1-590, Mukherjee Park Jagadhar and as more mentioned in the sale deed registered at No. 2195 dated 5-7-1980 with the Sub Registrar, Jagadhar.

G. S. GOPAL A
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Rohtak.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 17-3-1981

Seal :

FORM I.T.N.S.—**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE, ROHTAK**

Rohtak, the 17th March, 1981

Ref. No. JDR/18/80-81/—Whereas I, G. S. GOPALA being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. House No. 444-R, Model Town situated at Yamunanagar (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Jagadhari in July, 1980

for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (1) Smt. Parmeshwari Devi Oberoi
W/O Shri Hans Raj
R/O Solan at present 444/R Model Town,
Yamunanagar.
(Transferee)
- (2) Pran Nath Bali S/O Sh. Dhanpat Rai Bali,
R/O 401-R, Model Town,
Yamunanagar.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Property being house No. 444-R situated in Model Town Yamunanagar and as more mentioned in the sale deed registered at No. 2318 dated 11-7-1980 with the Sub Registrar, Jagadhari

G. S. GOPALA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Rohtak.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—
45—26GI/81

Date : 17-3-1981
Seal :

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX.****ACQUISITION RANGE, ROHTAK**

Rohtak, the 17th March 1981

Ref. No. TSR/12/80-81—Whereas I, G.S. GOPALA being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Plot bearing No. 79-80 Dara Kanal, T situated at Thanesar

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at

Thanesar in July, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) Shri Sat Pal Rattan
S/O Kewal Ram,
R/O Khanna.

(Transferor)

(2) Shri Sudershan Kumar
S/O Choudhary Ran Singh
S/O Jai Lal,
R/O Sector 13, Housing Board Colony,
Kurukshetra.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Property being land measuring 400 sq. yard plot No. 79 & 80 situated at Dara Kalan, Thanesar and as more mentioned in the sale deed registered at No. 2497 dated 16-7-1980 with the Sub Registrar, Thanesar.

G. S. GOPALA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Rohtak.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 17-3-1981
Seal :

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX.****ACQUISITION RANGE, ROHTAK**

Rohtak, the 17th March, 1981

Ref. No. KNL/45/80-81/—Whereas, I G.S. GOPALA being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. House No. B-250 Vakeelpura, Karnal situated at Karnal (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Karnal in July, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) Shri Suchha Singh S/O Inder Singh
R/O B-50 (P), Karnal.

(Transferor)

(2) Shri Gurharan Singh
S/O Sh. Boota Singh
R/O Vill. P. O. Rotoli Teh. Jagadhari.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Property being house No. B-250, Vakeelpura, Karnal and as more mentioned in the sale deed registered at No. 2573 dated 29-7-80 with the Sub Registrar, Karnal.

G.S. GOPALA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Rohtak.

Date : 17-3-1981

Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, ROHTAK
Rohtak, the 18th March, 1981

Ref. No. RWR/23/80-81—Whereas, I G.S. GOPALA being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Land measuring 58 kanal 1 marla at situated at Village Joniawas (Near) (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Rewari in July, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (1) S/Sh. Sher Singh Lal Singh S/o Shri Dhani Ram R/O Joniawas (Transferor)
(2) M/S Om Steel Tubes Limited through Shri Hari Kishan Gupta S/O Sh. Om Parkash Managing Director, North East Avenue, Punjabi Bagh, New Delhi. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person, interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Property being land measuring 58 kanal 1 marla situated near Village Joniawas Tech. Rewari and as more mentioned in the Sale deed registered at No. 1496 dated 26-7-80 with the Sub Registrar, Rewari.

G.S. GOPALA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Rohtak.

Date : 18-3-1981
Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, ROHTAK

Rohtak, the 23rd March 1981

Ref. No. JDR/21/8-81/—Whereas, I, G.S. GOPALA being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. House No. 350, situated at Jagadhari (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Jagadhari in July, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of the notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Sh. Virender Kumar,
Sh. Anil Kumar,
Sh. Bhupinder Kumar sons
of Sh. Prithi Nath
R/o Jagadhari.

(Transferor)

(2) 1. Sh. Vipin Kumar S/o Rajeshwar Kumar,
2. Sh. Akhil Kumar, Kapil Kumar sons of
Shri Brij Bhushan,
House No. 350, Jagadhari

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property being House No. 350, situated at Jagadhari and as more mentioned in the sale deed registered at No. 2430 dated 17-7-80 with the Sub Registrar, Jagadhari.

G.S. GOPALA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Rohtak.

Date : 23-3-1981

Seal:

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE, ROHTAK**

Rohtak, the 23rd March 1981

Ref. No. JDR/14/80-81—Whereas, I G. S. GOPALA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Plot No. 10 & 11, Shivaji, Park, situated at Yamunanagar, (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registration Officer at Jagadhari in July, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income of any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Smt. Charan Kaur
W/o Sh. Hazara Singh,
R/o 2716, Purana Hamida,
Yamunanagar.

(Transferor)

(2) Shri Jaddi Waris S/o Ramji Dass,
R/o 362, Model Colony,
Yamunanagar.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property being Plots No. 10 & 11 situated at Shivaji Park, Yamunanagar and as more mentioned in the sale deed registered at No. 2226 dated 7-7-1980 with the Sub Registrar, Jagadhari.

G.S. GOPALA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Rohtak.

Date : 23-3-1981
Seal:

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.****ACQUISITION RANGE, ROHTAK**

Rohtak, the 28th February 1981

Ref. No. PNP/30/80-81/—Whereas, I, G. S. GOPALA, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Shop No. 338 Ward No. 1, situated at Panipat (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Panipat in Sept., 1980 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (1) 1. Shri Rakesh Kumar Munjal
S/o Vir Bhan,
Ward No. 2, House No. 24,
Panipat
2. Lajwanti W/o Sh. Vir Bhan,
H. No. 24, Panipat.
3. Sumitra Devi W/o Jagdish Lal Gogrial
4. Darshana Devi W/o Sh. Jagdish Lal Gang,
D-11/2, Model Town, Delhi.

(Transferor)

- (2) 1. Sh. Arun Kumar S/o Mohan Lal
2. Smt. Krishna Wanti W/o Mohan Lal,
3. Shri Mohan Lal S/o Mela Ram
4. Sh. Rajinder Kumar S/o Mohan Lal
5. Sh. Rakesh Kumar S/o Mohan Lal
House No. 142, Ward No. 3, Panipat.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Property being shop No. 338 Ward No. 1, Panipat and as more mentioned in the sale deed registered at No. 3058, dated 8-9-80 with the Sub Registrar, Panipat.

G.S. GOPALA

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Rohtak.

Date : 28-2-1981

Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby, initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

FORM I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)
GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE, ROHTAK

Rohtak, the 28th February 1981

Ref. No. DBW/9/80-81—Whereas, I G.S. GOPALA being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. One shop No. 101 situated at New Anaj Mandi, Dabwali, (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Dabwali in Sept., 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) Shri Inder Singh S/o Sh. Hanuman Singh,
 R/O Vill. P.O. Bani,
 Teh. Sirsa.

(Transferor)

(2) Smt. Parshani Devi
 W/o Smt. Trilok Chand and
 Smt. Nirmala Devi
 W/o Shri Charanji Lal C/o
 M/S Feteh Chand Shambhu Nath, Adla, Abad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been, or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Property being one shop No 101 situated in Nai Anaj Mandi, Dabwali and as more mentioned in the sale deed registered at No 2111 dated 15-9-1980 with the Sub Registrar, Dabwali

G. S. GOPALA
 Competent Authority
 Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
 Acquisition Range, Rohtak

Date : 28-2-1981

Seal:

Now, therefore, in pursuance of Section 269-C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269 D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER

OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, LUCKNOW

Lucknow, the 25th March, 1981

Ref. No. G.I.R. No. A-90/Acq.-WHERLAS I, A. S. BISEN
 being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. An open plot of land out of Kothi No. 16 situated at Rana Pratap Marg, Lucknow, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Lucknow on 10-7-1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Smt. Prem Kumarie

(Transferor)

(2) 1. Km. Anuradha Chowdhary
2. Smt. Pramila Srivastava

(Transferees)

(3) Above transferees

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

An open plot of land measuring 3400 sq. ft. out of Kothi No. 16 (Corporation No. 29/7) situated at Rana Pratap Marg, Lucknow (free-hold) and all that description of the property which is mentioned in the sale deed and form 37G No. 4368, which have duly been registered at the office of the Sub-Registrar, Lucknow, on 10-7-1980.

A.S. BISEN
 Competent Authority
 Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
 Acquisition Range, Lucknow.

Date : 25-3-1981.

Seal :

